

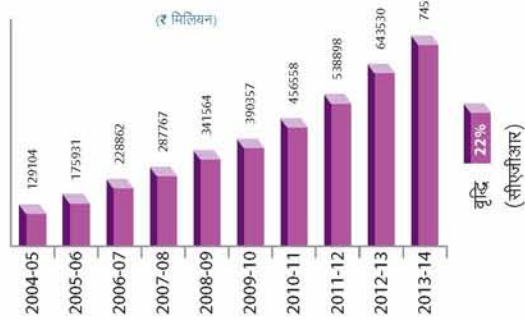


वार्षिक रिपोर्ट  
ANNUAL REPORT  
2013 - 14

गत दशक

ऋण पोर्टफोलियो

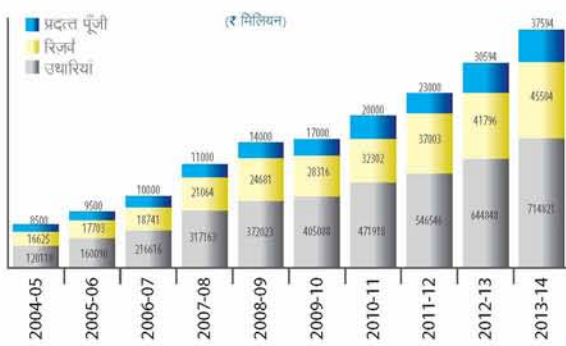
ऋण आस्तियों 2004-05 की अनर्जक आस्तियों के प्रावधानों का निवल हूँ



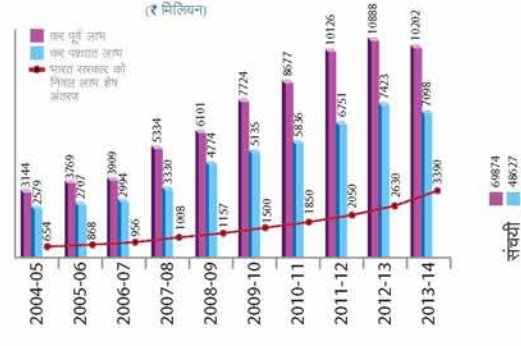
गारंटी पोर्टफोलियो



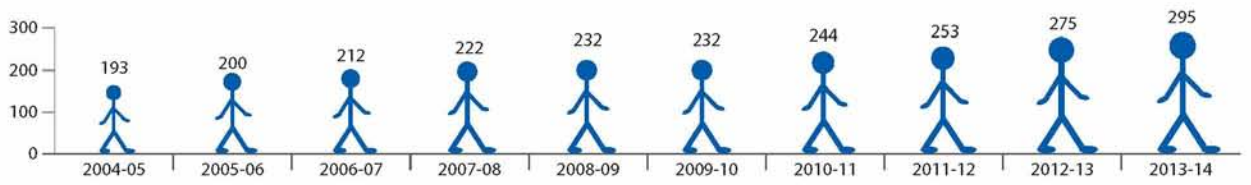
संसाधन



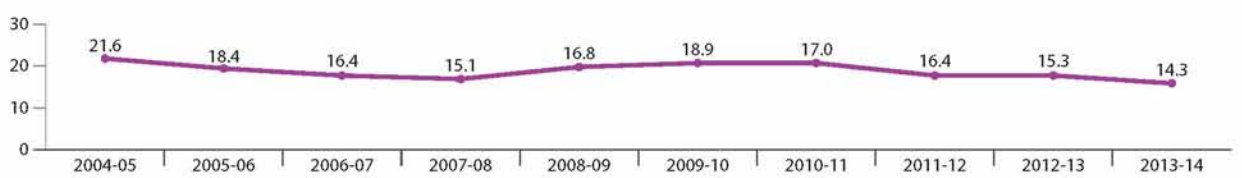
निष्पादन



स्टाफ संख्या

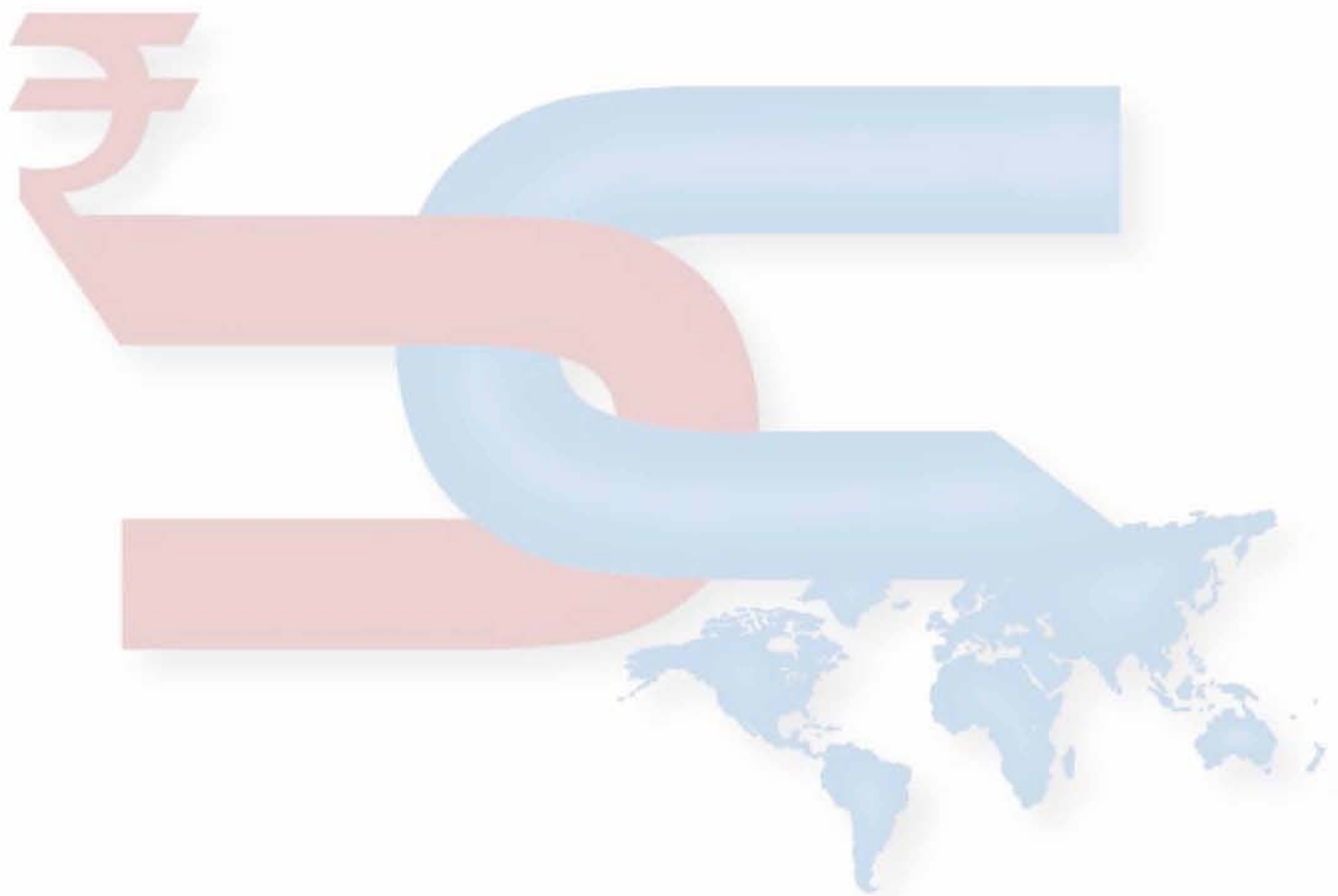


जोखिम आस्तियों की तुलना में पूँजी अनुपात (%)



अनुपात





## विषय वस्तु

निदेशक मंडल	01
अध्यक्ष का वक्तव्य	03
आर्थिक परिवेश	07
निदेशकों की रिपोर्ट	17
वित्तीय विवरण	47



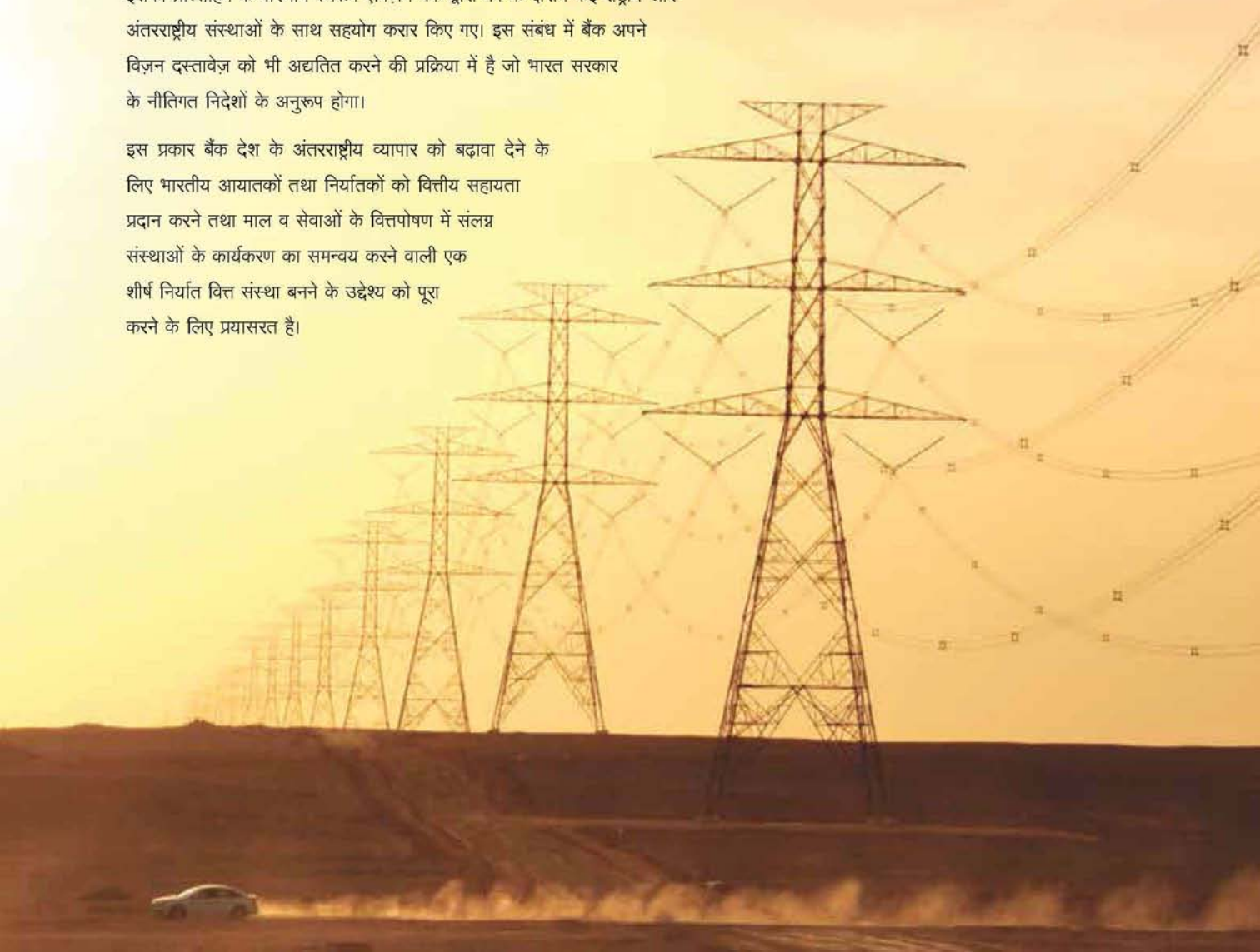
## इस वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट की थीम है- सीमापार संबद्धताओं के जरिए निर्यातों का उत्प्रेरण

व्यापार एवं निवेश अवसरों को बढ़ावा देने के लिए सशक्त सीमापार संबद्धताओं का होना आवश्यक है। इनसे बाजार विस्तार, पूँजी संचयन तथा उत्पादकता में सुधार को गति मिलती है। इन सीमापार संबद्धताओं से क्षेत्र विशेष की विभिन्न प्रतिस्पर्धी बढ़तों का लाभ उठाने के अवसर भी प्राप्त होते हैं। उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में विकास के एजेंडे के प्रभावी कार्यान्वयन की एक प्रमुख प्रणाली के रूप में अंतरराष्ट्रीय वित्त के क्षेत्र में कार्यरत वैश्विक बहुपक्षीय संस्थाओं व एजेंसियों के साथ समन्वय व संबंधों का महत्त्व लगातार बढ़ रहा है।

भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्विज़ बैंक) 1982 में अपनी स्थापना के समय से ही भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार व निवेश के वित्तपोषण, संवर्द्धन व सुगमीकरण के जरिए देश को वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ जोड़ने में अपनी महत्त्वपूर्ण व प्रेरकीय भूमिका निभाता रहा है। इस संदर्भ में बैंक ने विश्व के कई विकसित व विकासशील देशों की बहुराष्ट्रीय एजेंसियों, निर्यात ऋण एजेंसियों, बैंकों और वित्तीय संस्थाओं, व्यापार संवर्द्धन संगठनों तथा निवेश संवर्द्धन बोर्डों के साथ गठबंधन किए हैं तथा संस्थागत संबंध स्थापित किए हैं। इन संस्थागत संबंधों का उद्देश्य भारतीय उद्यमियों के व्यापार व निवेश को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित करना है। बैंक द्वारा अंतः-एशिया व्यापार बढ़ाने के लिए 1996 में एशियन एक्विज़ बैंक फोरम तथा 2006 में एक्विज़ बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं के वैश्विक नेटवर्क जी-नेक्विज़ड की स्थापना, सदस्य देशों के बीच व्यापार एवं निवेश सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में यह महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ रही हैं।

नेटवर्किंग और अनुभवों के आदान-प्रदान के जरिए संस्थागत संबद्धताएँ स्थापित करने और उनका भरपूर लाभ उठाने के लिए उच्च प्रबंधन के प्रयासों तथा निदेशक मंडल द्वारा इसको प्रोत्साहन के परिणाम स्वरूप एक्विज़ बैंक द्वारा वर्ष के दौरान कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहयोग करार किए गए। इस संबंध में बैंक अपने विज़न दस्तावेज़ को भी अद्यतित करने की प्रक्रिया में है जो भारत सरकार के नीतिगत निदेशों के अनुरूप होगा।

इस प्रकार बैंक देश के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारतीय आयातकों तथा निर्यातकों को वित्तीय सहायता प्रदान करने तथा माल व सेवाओं के वित्तपोषण में संलग्न संस्थाओं के कार्यकरण का समन्वय करने वाली एक शीर्ष निर्यात वित्त संस्था बनने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए प्रयासरत है।







एक्जिम बैंक ने रियाद सिटी, सउदी अरब में एक ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइन परियोजना के निष्पादन के लिए के ई सी इंटरनेशनल लि. की मदद की।



**श्री यदुवेन्द्र माथुर**

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक  
भारतीय निर्यात-आयात बैंक



**डॉ. गुरदयाल सिंह संधु**

सचिव  
वित्तीय सेवाएं विभाग  
वित्त मंत्रालय



**श्री राजीव खेर**

सचिव  
वाणिज्य विभाग  
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय



**सुश्री सुजाता मेहता**

सचिव  
आर्थिक संबंध एवं डी पी ए  
विदेश मंत्रालय



**श्रीमती अरुन्धती भट्टाचार्य**

अध्यक्ष  
भारतीय स्टेट बैंक



**श्री एस.एस. मूंदड़ा**

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक  
बैंक ऑफ़ बड़ौदा



**श्रीमती वी.आर.अय्यर**

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक  
बैंक ऑफ़ इंडिया



**श्री अमिताभ कांत**

सचिव  
औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग  
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय



**श्री जी. पद्मनाभन**

कार्यपालक निदेशक  
भारतीय रिजर्व बैंक



**श्री एन. शंकर**

अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक  
भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम लि.



**श्री एम. एस. राघवन**

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक  
आई डी बी आई बैंक लि.



**डॉ. बिश्वजीत धर**

प्रोफेसर – अर्थशास्त्र  
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय



**प्रो. आदित्य भट्टाचार्य**

प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग  
दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स  
दिल्ली विश्वविद्यालय





वर्ष 2013-14 में भारतीय अर्थव्यवस्था में मामूली सुधार हुआ तथा वास्तविक जी डी पी वृद्धि दर गत वर्ष के 4.5 प्रतिशत की तुलना में 4.7 प्रतिशत रही जो वर्ष के दौरान अच्छे मानसून, कृषि उत्पादन में वृद्धि तथा ग्रामीण क्षेत्र से बढ़ी मांग तथा सेवा क्षेत्र के लगातार बेहतर प्रदर्शन के चलते रही।

विश्व स्तर पर वर्ष 2013 में वैश्विक व्यापार धीमी रफ्तार से बढ़ा जो मुख्यतः यूरोपीय संघ की मंदी तथा यूरो क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं में उच्च बेरोजगारी के प्रभाव सहित यू.एस. में फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक सहायता पैकेज की समाप्ति के समय की अनिश्चितता के चलते रहा। वर्ष के दौरान विकसित देशों में जहां आयात मांग बहुत ही कम रही (0.2 प्रतिशत) वहीं विकासशील देशों में भी आयात मांग मध्यम (4.4 प्रतिशत) रही। निर्यात फ्रंट पर विकसित तथा विकासशील दोनों अर्थव्यवस्थाओं में बहुत मामूली वृद्धि (विकसित अर्थव्यवस्थाओं में 1.5 प्रतिशत तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में 3.3 प्रतिशत) दर्ज हो सकी।

वैश्विक मांग में कमी होने के बावजूद वर्ष 2013-14 में भारत से निर्यातों में गत वर्ष की गिरावट की तुलना में वृद्धि हुई। वर्ष 2013-14 में भारत से निर्यात 4.1 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर्ज करते हुए गत वर्ष के 300.4 बिलियन यू.एस. डॉलर से बढ़कर 312.6 बिलियन यू.एस. डॉलर हो गए।

दूसरी ओर भारतीय आयात मुख्य रूप से गैर-तेल आयातों में 12.8 प्रतिशत की कमी के चलते 2013-14 में 8.3 प्रतिशत घटकर 450.1 बिलियन यू.एस. डॉलर हो गया। यहां यह उल्लेखनीय है कि स्वर्ण आयात पर अगस्त 2013 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लगाई गयी स्वर्ण आयात प्रतिबंध नीति का अच्छा असर हुआ तथा 2013-14 में स्वर्ण आयात 2012-13 के 53.8 बिलियन यू.एस. डॉलर की तुलना में 46.3 प्रतिशत घटकर 28.9 बिलियन यू.एस. डॉलर हो गया। स्वर्ण आयात में

आई इस गिरावट का वर्ष 2013-14 में भारत के समग्र आयात में आई 40.6 बिलियन यू एस डॉलर की गिरावट में 60 प्रतिशत (24.9 बिलियन यू एस डॉलर) से अधिक का हिस्सा रहा। जिससे भारत का व्यापार घाटा 2012-13 के 190.3 बिलियन यू एस डॉलर की तुलना में घटकर 2013-14 में 137.5 बिलियन यू एस डॉलर हो गया।

### व्यवसाय पहलें

बैंक द्वारा वर्ष के दौरान 35 देशों में 40 भारतीय कंपनियों द्वारा प्राप्त 75 परियोजनाओं को सहायता प्रदान की गई है। इन परियोजना निर्यात संविदाओं का कुल मूल्य ₹ 341.3 बिलियन है। यह भारतीय कंपनियों द्वारा विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं को प्राप्त करने तथा उनके निष्पादन की क्षमताओं को प्रदर्शित करता है। यथा 31 मार्च, 2014 को बैंक द्वारा ₹ 1403.2 बिलियन मूल्य की 319 परियोजना निर्यात संविदाओं को सहायता प्रदान की गई। यह परियोजनाएं एशिया, अफ्रीका और यू एस ए में 74 देशों में 99 भारतीय कंपनियों द्वारा निष्पादित की जा रही हैं। वर्ष के दौरान बैंक ने भारत से निर्यातों के संवर्द्धन के लिए 27 विदेशी कंपनियों को क्रेता ऋण सुविधा भी प्रदान की है।

भारतीय परियोजना निर्यातों को सहायता प्रदान करने के लिए बैंक ने हाल ही में भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम (ई सी जी सी) के साथ मिलकर भारत सरकार के 'राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते' के अंतर्गत क्रेता ऋण (बीसी-एन ई आई ए) नामक एक नए उत्पाद का प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम को अच्छा प्रतिसाद मिला है। बैंक ने इस कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 2.67 बिलियन यू एस डॉलर की 11 परियोजनाओं को 1.4 बिलियन यू एस डॉलर की वित्तीय सहायता प्रदान की है। इसके साथ ही बैंक ने बीसी-एन ई आई ए के अंतर्गत कई अन्य परियोजनाओं को भी सहायता प्रदान करने के लिए सिद्धांततः सहमति दी है। प्रक्रियाधीन परियोजनाओं में 6.5 बिलियन यू एस डॉलर की परियोजनाएं शामिल हैं।

बैंक ने वर्ष के दौरान 1.77 बिलियन यू एस डॉलर की 24 नई ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान की हैं जो भारत से परियोजनाओं, माल तथा सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देंगी। यथा 31 मार्च, 2014 को बैंक की वर्तमान में अफ्रीका, एशिया, सी आई एस, यूरोप, लैटिन अमेरिका तथा ओसियानिया के 75 देशों में 189 ऋण-व्यवस्थाएं उपभोग के लिए उपलब्ध हैं जिनके अंतर्गत कुल 10.3 बिलियन यू एस डॉलर की ऋण राशि उपलब्ध है।

भारतीय कंपनियाँ स्वयं को वैश्विक स्तर पर निवेशकर्ता के रूप में स्थापित कर रही हैं, बैंक उनके इन प्रयासों को भी प्रोत्साहन प्रदान कर रहा है। इसके लिए बैंक ने 55 कंपनियों को 22 देशों में उनके विदेशी निवेशों के लिए आंशिक वित्तपोषण सहायता प्रदान की है।

बैंक की अफ्रीका में एक परियोजना विकास कंपनी (पी डी सी) स्थापित करने की योजना है जो अफ्रीका में ढांचागत परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्राप्त करने के स्तर तक लाने में मदद करेगी तथा भारत से अफ्रीका को निर्यात बढ़ाने में मदद करेगी। यह एक्जिम बैंक की एक नई पहल है।

वर्ष के दौरान बैंक ने राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम लि. (एन एच डी सी) तथा शीर्ष हथकरघा सोसायटियों तथा निगमों के संघ (ए सी ए एस एच) के साथ मिलकर भारत हैंडलूम मार्केटिंग कंपनी लि. (बी एच एम सी एल) नामक एक नए संयुक्त उद्यम की स्थापना की। बी एच एम सी एल की स्थापना कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी के रूप में की गई है। यह कंपनी हथकरघा तथा हस्तशिल्प उत्पादों की राष्ट्रीय तथा वैश्विक स्तर पर मार्केटिंग व संवर्द्धन करेगी।

वर्ष के दौरान बैंक ने विभिन्न लिखतों द्वारा विभिन्न प्रकार के निवेशकों तथा विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से 3.2 बिलियन यू एस डॉलर मूल्य के विदेशी मुद्रा संसाधन जुटाए। बैंक ने मार्च 2014 में 500 मिलियन यू एस डॉलर के 5.5 वर्षीय यूरो डॉलर बाँड जुटाए जिन्हें इमर्जिंग मार्केट बाँड इंडेक्स में शामिल किया गया है। वस्तुतः इमर्जिंग मार्केट बाँड इंडेक्स में सूचीबद्ध की जाने वाली एक्जिम बैंक पहली भारतीय संस्था बन गया है। बैंक ने अपने निवेशक आधार को व्यापक बनाने के लिए तीन अलग-अलग विदेशी मुद्राओं तुर्किश लिरा, जापानी येन तथा मेक्सिकन पिसो में अप्रैल 2013 में 171 मिलियन यू एस डॉलर के उरीदाशी बाँड (ये बाँड विदेशी मुद्रा में होते हैं तथा सीधे जापानी घरेलू निवेशकों को जारी किए जाते हैं) जारी किए। जुलाई 2013 में बैंक ने फिर 148 मिलियन यू एस डॉलर के उरीदाशी बाँड जारी किए। बैंक अब तक इस बाजार में तीन बार उरीदाशी बाँड जारी कर चुका है तथा इस बाजार में पैठ बनाने वाली एक मात्र भारतीय संस्था है।

बैंक ने अपने ग्रामीण व्यवसाय पहल कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण उद्यमों तथा ग्रामीण व्यवसाय के वैश्वीकरण को भी सहायता प्रदान करना जारी रखा है।



बैंक द्वारा प्रकाशित शोध अध्ययन अफ्रीका, दक्षिण अफ्रीकी विकास समुदाय, लैटिन अमेरिका तथा केरेबियन क्षेत्र, कम्बोडिया, लाओ पी डी आर, म्यांमार, वियतनाम, गल्फ सहयोग परिषद (जी सी सी), फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी तथा रूस के साथ भारत के व्यापार तथा निवेश संबंधों व संभाव्यताओं पर केंद्रित रहे हैं जबकि क्षेत्रीय अध्ययन भारतीय सिरैमिक उद्योग, भारतीय बागवानी, भारतीय हाइटेक निर्यात, विभिन्न देशों में श्रम कानूनों का तुलनात्मक अध्ययन पर केंद्रित रहे हैं। एक अन्य अध्ययन **‘वित्तीय खुलेपन के प्रभाव: भारतीय अनुभव का मूल्यांकन’** भी प्रकाशित किया गया है।

एशियन एक्जिम बैंक्स फोरम की संकल्पना तथा स्थापना भारतीय निर्यात-आयात बैंक की पहल पर 1996 में की गई थी। एशियन एक्जिम बैंक्स फोरम की 19वीं वार्षिक बैठक अक्टूबर 2013 में युयिसान, चीन में संपन्न हुई। वर्ष 2013 की बैठक का मुख्य विषय था – “चुनौतीपूर्ण वैश्विक पर्यावरण में क्षेत्रीय सहयोग व संपर्क को सुदृढ़ करना”। इस बैठक में सभी सदस्य देशों की संस्थाओं ने ग्रीन फाइनेंसिंग संबंधी मुद्दों तथा उनके समाधान के संबंध में संबंधित एक्जिम बैंकों की भूमिका की चर्चा की तथा अपने अनुभवों का आदान-प्रदान किया। इसके साथ ही सभी सदस्य संस्थाओं ने पर्यावरण हितैषी परियोजनाओं के भविष्य में साझा वित्तपोषण, संसाधन जुटाने व प्रशिक्षण आदि के बारे में संबंधों को मजबूत करने पर भी विचार-विमर्श किया। मुझे आपको यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि भारतीय एक्जिम बैंक नवम्बर 2014 में एशियन एक्जिम बैंक्स फोरम की 20वीं वार्षिक बैठक की मेजबानी करेगा। इस फोरम की थीम होगी – “एशियन एक्जिम बैंक्स की बढ़ती भूमिका तथा औचित्य-2020 में”।

संस्थागत संबंध स्थापित करने की दृष्टि से बैंक ने भारत सहित विदेश की कई संस्थाओं के साथ सहयोग करार किए हैं इनमें भारत और यूके के लघु एवं मध्यम उद्यमों के बीच संयुक्त उद्यमों तथा व्यापार भागीदारों की खोज के लिए सूचना का आदान-प्रदान व सहयोग बढ़ाने के लिए यूके ट्रेड एण्ड इन्वेस्टमेंट के साथ एक सहयोग ज्ञापन; भारत तथा विदेशों में स्थित एस एम ई इकाइयों के बीच व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय लघु एवं मध्यम व्यवसाय विकास चेंबर के साथ सहयोग ज्ञापन किया है; निर्यातकों में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए कर्नाटक सरकार की एक संस्था विश्वेश्वरैया ट्रेड प्रमोशन सेंटर के साथ एक सहयोग ज्ञापन; नीदरलैंड की एक संस्था वुमन ऑन विम्स के साथ सहयोग ज्ञापन जिसका उद्देश्य वर्ष 2018 तक ग्रामीण भारत में महिलाओं के लिए 1 मिलियन रोजगार अवसरों का सृजन करना है; भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों में डिजाइन विकास के लिए राष्ट्रीय डिजाइन एवं उत्पाद विकास केन्द्र के साथ एक सहयोग ज्ञापन; भारतीय ग्रासरूट एवं ग्रामीण उद्यमों व शिल्पों की सहायता के लिए वर्ल्ड क्राफ्ट काउंसिल के साथ एक सहयोग ज्ञापन; इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर (आई टी सी), जिनेवा के साथ सहयोग ज्ञापन जिसका उद्देश्य उद्यमिता, प्रतिस्पर्धात्मकता एवं क्षमता विकास के साथ-साथ बाजार आसूचना, बाजार शोध एवं विश्लेषण को बढ़ावा देना है, आदि प्रमुख हैं।

#### व्यवसाय परिणाम

बैंक का कार्य निष्पादन बैंक के सशक्त वित्तीय आधार को प्रदर्शित करता है। बैंक की कुल ऋण आस्तियां गत वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत बढ़कर ₹ 758.7 बिलियन हो गई जबकि कुल ऋण मंजूरियां ₹ 482.6 बिलियन की रहीं। कर पूर्व लाभ गत वर्ष के ₹ 10.9 बिलियन की तुलना में ₹ 10.2 बिलियन रहा जबकि कर पश्चात लाभ गत वर्ष के ₹ 7.4 बिलियन की तुलना में ₹ 7.1 बिलियन रहा। जोखिम आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात (सी आर ए आर) 14.3 प्रतिशत के अच्छे स्तर पर रहा, जबकि निवल ऋण आस्तियों की तुलना में निवल गैर-निष्पादक आस्तियाँ 0.43 प्रतिशत रहीं। वर्ष के दौरान भारत सरकार से बैंक को ₹ 7 बिलियन का पूंजी सहयोग प्राप्त हुआ। ₹ 38 बिलियन की प्रदत्त पूंजी तथा ₹ 45 बिलियन के रिजर्व को मिलाकर यथा 31 मार्च, 2014 को बैंक के कुल संसाधन ₹ 798 बिलियन हो गए। यथा 31 मार्च, 2014 को बैंक को मूडीज ने बी ए ए 3, स्टैंडर्ड एंड पुअर्स ने बी बी बी-, फिच ने बी बी बी- तथा जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जे सी आर ए) द्वारा बी बी बी+ रेटिंग प्रदान की गई है। उपरोक्त सभी क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा बैंक को निवेश ग्रेड या उससे ऊपर रेटिंग प्रदान की गई है जो भारत की संग्रभु रेटिंग के समतुल्य की रेटिंग है।

#### संस्थागत संबद्धताएं

व्यापार तथा निवेश के संवर्द्धन में लगी एजेंसियों तथा संस्थाओं के साथ विकसित बैंक के विशिष्ट तथा अनौपचारिक संस्थागत संबंधों को बैंक बहुत मूल्यवान मानता है तथा इनसे बैंक के विभिन्न प्रयासों को सहायता मिली है। सीआईआई, फिक्की, एसोचेम, फिओ, ईईपीसी, पीएचडीसीसीआई, भारतीय परियोजना निर्यात संवर्द्धन परिषद, इंडो-ई यू चेंबर्स ऑफ कॉमर्स, अन्य निर्यात संवर्द्धन परिषदें, वाणिज्य मंडल और आर्थिक शोध संस्थाएं हमारे लिए ज्ञान व सहायता का मूल्यवान स्रोत रही हैं। बैंक को उद्योगों, बैंकों, वित्तीय संस्थाओं, भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम लिमिटेड, भारत सरकार के विविध मंत्रालयों, विशेषकर वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक तथा विदेशों में भारतीय दूतावासों के साथ परस्पर संवाद से भी शक्ति तथा महत्त्व प्राप्त हुआ है।





**श्री टी सी ए रंगनाथन**  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक  
(29 नवम्बर, 2013 तक)



**श्री अनुराग जैन**  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक  
(19 फरवरी, 2014 तक)

### निदेशक मंडल

वर्ष के दौरान बैंक के निदेशक मंडल में परिवर्तन हुआ है।

श्री एम. एस. राघवन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आई डी बी आई बैंक लिमिटेड; श्रीमती अरुन्धती भट्टाचार्य, अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक; श्री राजीव खेर, सचिव, भारत सरकार, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; सुश्री सुजाता मेहता, सचिव (आर्थिक संबंध तथा डी पी ए) भारत सरकार, विदेश मंत्रालय; श्री अमिताभ कान्त, सचिव, भारत सरकार, औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; डॉ. गुरदयाल सिंह संधु, सचिव, भारत सरकार, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय; को बैंक के बोर्ड में निदेशकों के रूप में नियुक्त किया गया।

श्री आर. एम. मल्ला, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आई डी बी आई बैंक लिमिटेड; डॉ. रघुराम जी. राजन, मुख्य आर्थिक सलाहकार, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार; श्री पिनाक रंजन चक्रवर्ती, सचिव (आर्थिक संबंध) भारत सरकार, विदेश मंत्रालय; श्री प्रतीप चौधरी, अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक; श्री एस. आर. राव, सचिव, भारत सरकार, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; श्री सौरभ चंद्र, सचिव, भारत सरकार, औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; श्री राजीव टकरू, सचिव, भारत सरकार, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, ने अपना कार्यकाल पूरा होने पर या कार्यालय में परिवर्तन होने के फलस्वरूप अपने-अपने निदेशक पद से त्यागपत्र दे दिये हैं। निदेशकों के रूप में दिए गए उनके बहुमूल्य योगदान के लिए बैंक उनका आभार मानता है।

बोर्ड में मेरे सहयोगी तथा मैं बैंक के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री टी. सी. ए. रंगनाथन का विशेष रूप से आभार मानते हैं जिनके मार्गनिर्देशन और सहयोग से बैंक ने उच्च उपलब्धियाँ हासिल कीं। हम श्री अनुराग जैन, संयुक्त सचिव (वित्तीय समावेशन तथा सी वी ओ), भारत सरकार, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय के सहयोग व मार्गदर्शन के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं और रिकॉर्ड में लेते हैं जिन्होंने अंतरिम अवधि में बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में अतिरिक्त कार्यभार संभाला।

मैं बैंक के मिशन को आगे बढ़ाने तथा कारोबार वृद्धि के लक्ष्यों को प्राप्त करने में बैंक के स्टाफ सदस्यों के सतत समर्पण और प्रतिबद्धता तथा उनके विशेष योगदान के लिए विशेष रूप से धन्यवाद देता हूँ।

*यदुवेंद्र माथुर*

### यदुवेंद्र माथुर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक  
भारतीय निर्यात-आयात बैंक





# आर्थिक परिवेश

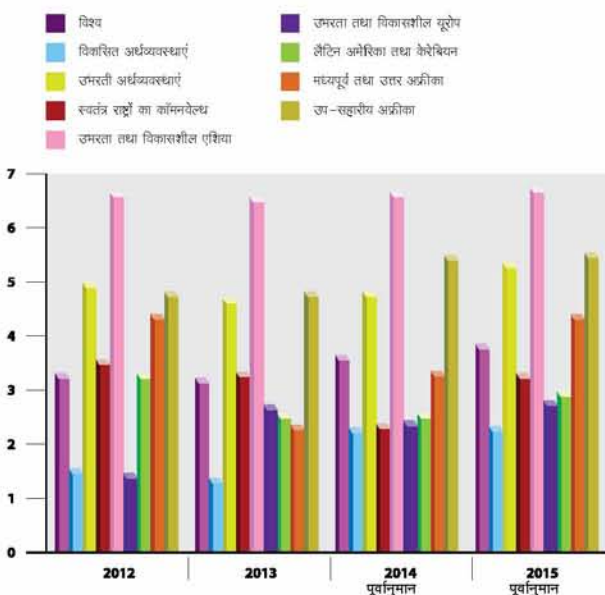
एक्विम बैंक ने सुजलॉन विंड एनर्जी साउथ अफ्रीका लि. को विंड टरबाइन  
स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता दी है।



## वैश्विक अर्थव्यवस्था

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आई एम एफ) की विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यू ई ओ) रिपोर्ट अप्रैल 2014 के अनुसार आर्थिक गतिविधियाँ वर्ष 2013 की पहली छमाही के 2.6 प्रतिशत के मुकाबले दूसरी छमाही में अच्छी वृद्धि प्रदर्शित करते हुए 3.6 प्रतिशत की दर से बढ़ीं। इस वृद्धि में मुख्यतः उन्नत अर्थव्यवस्थाओं का ही योगदान रहा क्योंकि उभरती अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर न्यून ही रही। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं का यह निष्पादन हाल के वर्षों तक चले आ रहे रुझान के विपरीत था क्योंकि हाल के वर्षों तक वैश्विक अर्थव्यवस्था मुख्यतः विकासशील अर्थव्यवस्थाओं द्वारा ही संचालित हो रही थी। तथापि 2013 के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था 2012 के 3.2 प्रतिशत की तुलना में समग्रतः वर्ष 2013 में 3 प्रतिशत की दर से ही बढ़ी।

## विश्व उत्पादन में वृद्धि (प्रतिशत में)



स्रोत: विश्व की अर्थव्यवस्था का परिदृश्य (डब्ल्यू ई ओ), अप्रैल 2014, आई एम एफ

## विश्व व्यापार

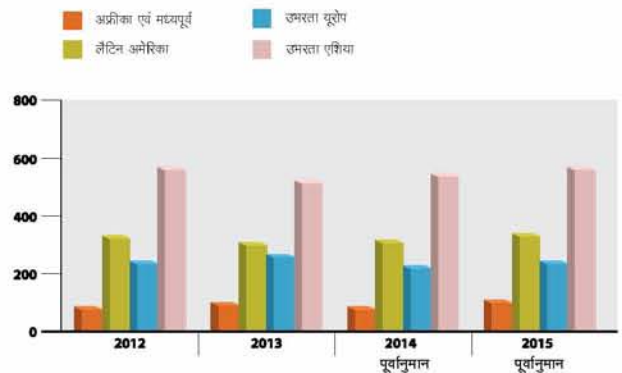
विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) के अनुसार वर्ष 2013 में वैश्विक पण्य व्यापार 2.1 प्रतिशत की धीमी रफ्तार से बढ़ा जिस पर यूरोपीय संघ की मंदी तथा यूरो क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं में उच्च बेरोजगारी (हालांकि जर्मनी इसका अपवाद रहा) तथा यू एस में फेडरल रिज़र्व द्वारा मौद्रिक सहायता पैकेज की समाप्ति के समय की अनिश्चितता का साया मंडराता रहा। वर्ष 2014 में वैश्विक पण्य व्यापार के 4.7 प्रतिशत की धीमी दर से बढ़ने का अनुमान है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के अनुसार वस्तुओं तथा सेवाओं का वैश्विक निर्यात वर्ष 2013 में 23.1 ट्रिलियन यू एस डॉलर रहने का अनुमान है जो गत वर्ष के 22.5 ट्रिलियन यू एस डॉलर की तुलना में 2.4 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित करता है। प्राथमिक गैर-ईंधन माल के यू एस डॉलर में विश्व व्यापार मूल्य में वर्ष 2013 में 1.2 प्रतिशत की कमी हुई जबकि 2012 में यह कमी 10 प्रतिशत की थी। वर्ष 2013 में तेल मूल्यों में भी 0.9 प्रतिशत की कमी आई।

## उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में निजी पूँजी प्रवाह

उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में निजी पूँजी प्रवाह गत वर्ष के 1,231 बिलियन यू एस डॉलर से घटकर 2013 में 1,119 बिलियन यू एस डॉलर के स्तर पर रहा। अधिकांश गिरावट 2013 की पहली छमाही के दौरान आई जब अमेरिकी फेडरल रिज़र्व ने वर्ष के अंत में खरीदी गई आस्तियों को टैपर करने के संकेत देने शुरू किए थे।

## उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में निजी पूँजी प्रवाह (बिलियन यू एस डॉलर)

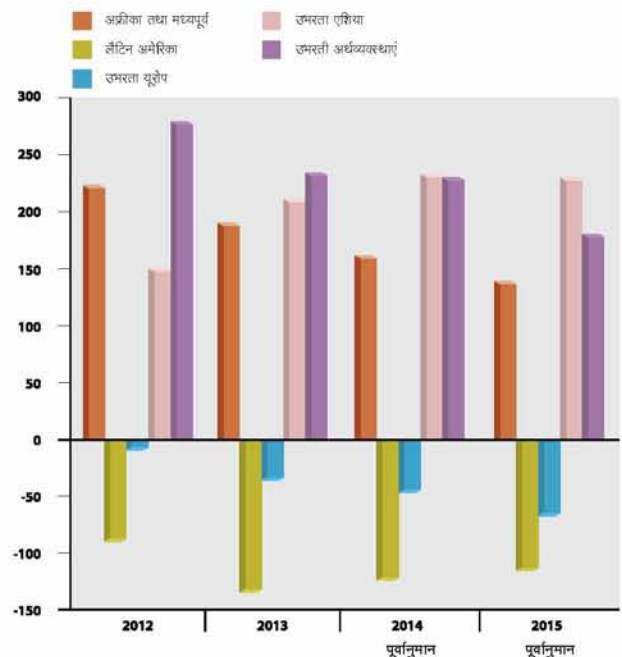


स्रोत: उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं को पूँजी प्रवाह, जनवरी 2014, आई आई एफ

## उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के चालू खाते का अधिशेष

उभरती अर्थव्यवस्थाओं के चालू खाते का अधिशेष जहां गत वर्ष की तुलना में 2013 में कम हुआ वहीं उभरते लैटिन अमेरिका तथा उभरते यूरोप में स्थिति और खराब हुई तथा चालू खाते का घाटा बढ़ा।

## उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के चालू खाते का अधिशेष (बिलियन यू एस डॉलर)

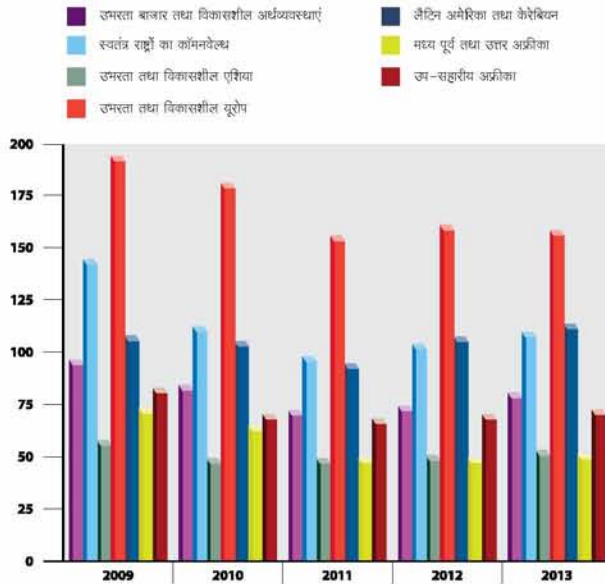


स्रोत: उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं को पूँजी प्रवाह, जनवरी 2014, आई आई एफ

## उभरती अर्थव्यवस्थाओं का बाह्य ऋण

उभरती तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का माल तथा सेवाओं के निर्यात की तुलना में बाह्य ऋण का प्रतिशत वर्ष 2012 के मुकाबले 2013 में बढ़ा। समग्रतः उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का ऋण भुगतान अनुपात 2012 के 25.7 प्रतिशत से बढ़कर 2013 में 27.3 प्रतिशत हो गया।

### उभरती अर्थव्यवस्थाओं का बाह्य ऋण (माल एवं सेवाओं के निर्यात का प्रतिशत)



स्रोत: विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यू ई ओ), अप्रैल 2014, आई एम एफ

## भारतीय अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था ने गत वर्ष की मंदी की तुलना में 2013-14 में रिकवरी प्रदर्शित की तथा वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर गत वर्ष के 4.5 प्रतिशत से बढ़कर 2013-14 में 4.7 प्रतिशत हो गयी। वृद्धि दर में बढ़त मुख्यतः कृषि क्षेत्र में रिकवरी, सेवा क्षेत्र की जोरदार बढ़त व व्यापार घाटे में आई कमी के चलते रही।

### कृषि

कृषि क्षेत्र में 2013-14 में उछाल आया तथा कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर गत वर्ष की 1.4 प्रतिशत की कमजोर वृद्धि की तुलना में 4.7 प्रतिशत रही। वर्ष 2013-14 के जीडीपी में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों का हिस्सा गत वर्ष के 13.9 प्रतिशत की तुलना में थोड़ा बढ़कर 14 प्रतिशत हो गया है।

### उद्योग

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (सी एस ओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र की वृद्धि दर वर्ष 2012-13 के 1 प्रतिशत की तुलना में 2013-14 में घटकर 0.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उप-क्षेत्रों के वर्गीकरण के आधार पर उप-क्षेत्र जैसे खनन तथा उत्खनन तथा विनिर्माण ने 2012-13 में क्रमशः 1.4 प्रतिशत तथा 0.7 प्रतिशत की कमी दर्ज की। जबकि विद्युत, गैस एवं जल आपूर्ति ने क्रमशः 5.9 प्रतिशत तथा 1.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। तदनुसार, जीडीपी में औद्योगिक क्षेत्र का हिस्सा वर्ष 2012-13 के 27.3 प्रतिशत की तुलना में घटकर वर्ष 2013-14 में 26.1 प्रतिशत के स्तर पर रहा।

### सेवाएँ

सेवा क्षेत्र ने 2013-14 के दौरान सशक्त वृद्धि दर्ज की। तथापि इस क्षेत्र की विकास दर गत वर्ष के 7 प्रतिशत की तुलना में घटकर 2013-14 में

6.8 प्रतिशत रही जिसका कारण व्यापार, होटल, परिवहन एवं संचार क्षेत्र की विकास दर में गिरावट रहा। हालांकि, सेवा खंड में जीडीपी का हिस्सा 2012-13 के 58.8 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर वर्ष 2013-14 में 59.9 प्रतिशत हो गया।

### बुनियादी क्षेत्र

ढांचागत क्षेत्र के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों - कोयला, कूड ऑयल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील (मिश्र धातु + गैर मिश्र धातु), सीमेंट एवं बिजली ने गत वर्ष की 6.5 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर की तुलना में 2013-14 में 2.6 प्रतिशत की निम्न वृद्धि दर दर्ज की।

### मुद्रास्फीति

मासिक थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित औसत वार्षिक मुद्रास्फीति की दर गत वर्ष के 7.4 प्रतिशत के मुकाबले 2013-14 के दौरान 5.9 प्रतिशत रही।

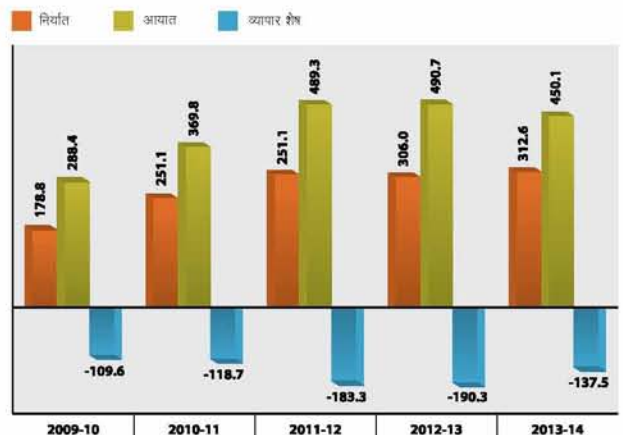
### फूँजी बाजार

भारत का विदेशी निवेश अंतर्वाह गत वर्ष के 46.7 बिलियन यू एस डॉलर की तुलना में घटकर वर्ष 2013-14 के दौरान 28.7 बिलियन यू एस डॉलर रहा। निवल पोर्टफोलियो निवेश वर्ष 2012-13 के 26.9 बिलियन यू एस डॉलर से तेजी से घटकर वर्ष 2013-14 के दौरान 4.9 बिलियन यू एस डॉलर रहा। इसका प्रमुख कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा कम निवेश करना रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकर्ताओं द्वारा वर्ष 2012-13 के दौरान 27.6 बिलियन यू एस डॉलर के निवेश की तुलना में 2013-14 में मात्र 5 बिलियन यू एस डॉलर का निवेश किया गया।

### विदेशी व्यापार तथा भुगतान संतुलन

भारत का पण्य निर्यात वर्ष 2013-14 के दौरान 4.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 312.6 बिलियन यूएस डॉलर रहा, जबकि 2012-13 के दौरान यह 300.4 बिलियन यू एस डॉलर था। वर्ष 2013-14 के दौरान भारत का पण्य आयात 450.1 बिलियन यू एस डॉलर रहा जो गत वर्ष के 490.7 बिलियन यू एस डॉलर से 8.3 प्रतिशत की कमी प्रदर्शित करता है। समग्र रूप में भारत का व्यापार घाटा गत वर्ष के 190.3 बिलियन यू एस डॉलर की तुलना में 2013-14 के दौरान घटकर 137.5 बिलियन यू एस डॉलर रहा। जहां तक 2013-14 के दौरान भारत की मुख्य निर्यात की पण्य संरचना का संबंध है रत्न एवं आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वानिकी एवं अयस्क व खनिज को छोड़कर लगभग सभी समूहों के अधिकांश पण्यों ने गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष के दौरान अच्छी वृद्धि दिखाई है।

### भारत का पण्य निर्यात - रुझान (बिलियन यू एस डॉलर)



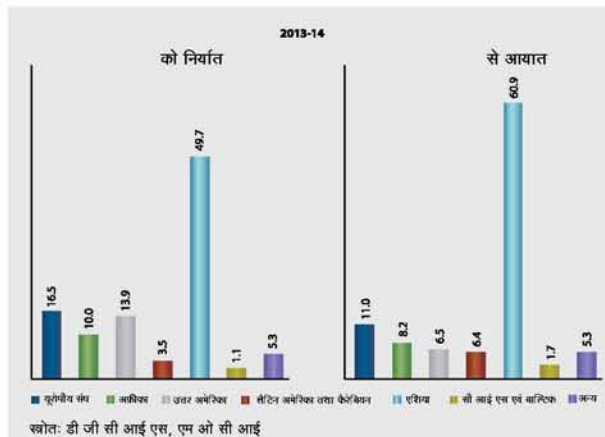
स्रोत : आर बी आई, डीजीसीआईएस, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय



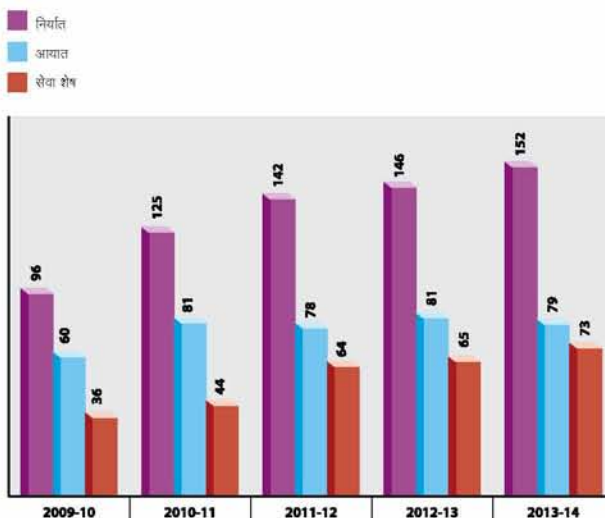
भारत का निवल अदृश्य अधिशेष 2012-13 में दर्ज किए गये 80.3 बिलियन यू एस डॉलर से बढ़कर 2013-14 में 85.8 बिलियन यू एस डॉलर हो गया। जिसका प्रमुख कारण समग्र और सापेक्ष दृष्टि से भुगतानों की तुलना में प्राप्तियों में वृद्धि होना रहा। अदृश्य अधिशेष में सेवाओं से प्राप्त अधिशेष तथा द्वितीयक बाज़ार से प्राप्त आय का प्रमुख योगदान रहा।

भारतीय सेवा निर्यात वर्ष 2012-13 के 145.7 बिलियन यू एस डॉलर से 4 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2013-14 के दौरान 151.5 बिलियन यू एस डॉलर हो गए।

### भारत के पण्य व्यापार रुझान (प्रतिशत में)



### भारत के सेवा व्यापार का रुझान (बिलियन यू एस डॉलर)



स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक, 2009-10 के सेवा क्षेत्र के आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक के नए भुगतान शेष प्रारूप के अनुसार हैं जो आई एम एफ के बीपीएम-6 मानकों पर आधारित हैं।

व्यापार घाटे में कमी तथा अदृश्य प्राप्तियों में वृद्धि के चलते चालू खाते का घाटा भी वर्ष 2012-13 के 87.8 बिलियन यू एस डॉलर (जीडीपी का 4.8 प्रतिशत) से घटकर वर्ष 2013-14 के दौरान 32.4 बिलियन यू एस डॉलर (जीडीपी का 1.7 प्रतिशत) हो गया।

भारत में सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आवक वर्ष 2013-14 के दौरान

36.4 बिलियन यू एस डॉलर रही जबकि 2012-13 के दौरान यह 34.3 बिलियन यू एस डॉलर थी। पूँजी तथा वित्तीय खाते के अंतर्गत निवल आवक (विदेशी मुद्रा भंडार में परिवर्तन को छोड़कर) वर्ष 2012-13 के 89 बिलियन यू एस डॉलर से घटकर वर्ष 2013-14 के दौरान 48.7 बिलियन यू एस डॉलर रही। कमी का प्रमुख कारण पोर्टफोलियो निवेश में वृद्धि, ऋणों का अधिक भुगतान व व्यापार ऋण तथा अग्रिम रहे।

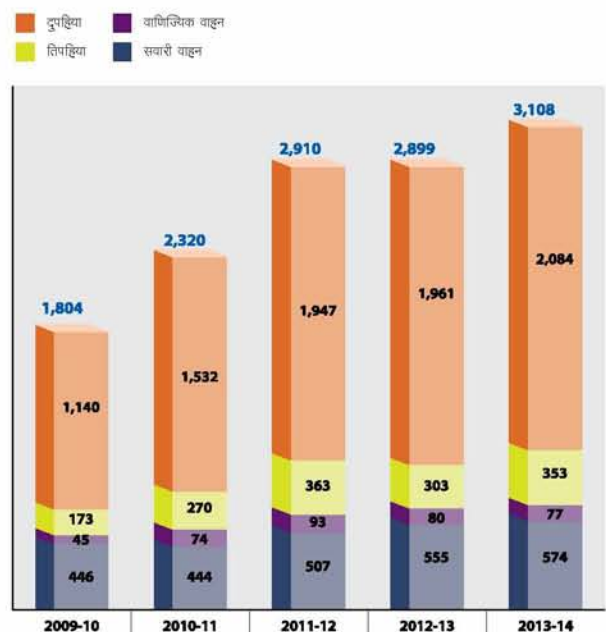
भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी मार्च 2013 के 292 बिलियन यू एस डॉलर की तुलना में मार्च 2014 के अंत में बढ़कर 304.2 बिलियन यू एस डॉलर हो गया। भारत का बाह्य ऋण मार्च 2013 के अंत में 404.9 बिलियन यू एस डॉलर से बढ़कर दिसंबर 2013 के अंत में 426 बिलियन यू एस डॉलर हो गया। बाह्य ऋण में लगभग 21.2 बिलियन यू एस डॉलर की वृद्धि मुख्यतः दीर्घावधि ऋण खंड के चलते रही।

### चुनिंदा क्षेत्रों का प्रदर्शन

#### ऑटोमोटिव्स

वर्ष 2013-14 के दौरान उत्पादन में 4 प्रतिशत की वृद्धि तथा बिक्री में (वाहनों की संख्या) 3.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ प्रदर्शन बेहतर रहा। गत वर्ष की तुलना में ऑटोमोबाइल क्षेत्र के निर्यात में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

#### भारत से ऑटोमोबाइल्स का निर्यात (हजार में)



स्रोत : एसआईएम

इस क्षेत्र की निर्यात उन्मुखता 2004-05 के 7.3 प्रतिशत से बढ़कर 2013-14 में 14.5 प्रतिशत हो गई है। निर्यात उन्मुखता में हुई इस सशक्त वृद्धि के चलते यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मांग के उतार-चढ़ाव से भी प्रभावित हुआ है। निर्यात उन्मुखता में आई यह सशक्त वृद्धि भारत में निर्मित वाहनों की अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी क्षमता को भी प्रदर्शित करती है। वर्तमान में भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग का चीन, अमेरिका, जर्मनी, जापान तथा ब्राज़ील के बाद विश्व में छठा स्थान है। हाल के वर्षों में भारतीय बाजार में आने के लिए उत्सुक बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ी संख्या



इस बात का प्रमाण है कि घरेलू बाजार में अच्छी संभाव्यता के साथ-साथ देश के विदेशी बाजारों के लिए विनिर्माण हब बनने की भी क्षमताएं हैं।

ऑटोमोबाइल उद्योग के विभिन्न खंडों में तुलनात्मक रूप से मंद वृद्धि ने ऑटोमोबाइल पुर्जा उद्योग के निष्पादन को भी प्रभावित किया है। परिणामतः इस क्षेत्र का टर्नओवर, जो 2012-13 के दौरान 39.7 बिलियन यू एस डॉलर था, के 2013-14 के दौरान उससे कम ही रहने का अनुमान है। निर्यात के मामले में इस क्षेत्र का प्रदर्शन बेहतर रहा है तथा वर्ष-दर-वर्ष आधार पर इस क्षेत्र का निर्यात 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 2012-13 के 9.3 बिलियन यू एस डॉलर से बढ़कर वर्ष 2020-21 में 30 बिलियन यू एस डॉलर तक पहुंच जाने का अनुमान है। ऑटोमोबाइल पुर्जा उद्योग का अधिकांश निर्यात यूरोप को जाता है जिसके बाद एशिया तथा उत्तर अमेरिका का स्थान है।

## रसायन

रसायन उद्योग भारत की राष्ट्रीय आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान करता है। भारतीय रसायन उद्योग के 2013 में लगभग 108 बिलियन यू एस डॉलर तक पहुंच जाने का अनुमान है जो विश्व के रसायन उद्योग का 3 प्रतिशत है। मूल्य संवर्धन की दृष्टि से (2000 के नियत मूल्य पर) भारतीय रसायन उद्योग का विश्व में 5वां तथा एशिया में चीन के बाद दूसरा स्थान है।

### भारत से प्रमुख रसायनों का निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर)



स्रोत : रसायन मंत्रालय

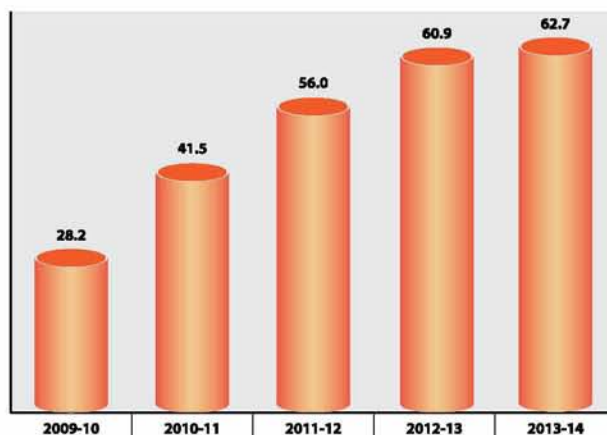
रसायन तथा संबद्ध उत्पाद खंड का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 5.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए वर्ष 2013-14 के दौरान 43.7 बिलियन यू एस डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। यह वृद्धि दर देश की समग्र निर्यात वृद्धि दर 4 प्रतिशत से अधिक रही है। वर्ष 2013-14 के दौरान भारत से मूल रसायनों (अकार्बनिक, कार्बनिक, टैनिंग तथा रंग सामग्री सहित अन्य रासायनिक पदार्थों) का निर्यात 17.8 बिलियन यू एस डॉलर रहा है।

रसायन उद्योग में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश तथा मूल फर्मों तथा इनकी अनुषंगियों के साथ व्यापार इस क्षेत्र के लिए वृद्धिशील रूप से महत्वपूर्ण सिद्ध हो रहा है। भारतीय रसायन उद्योग सर्वाधिक संचयी एफ डी आई आकर्षित करने वाले क्षेत्रों में 10वें स्थान पर है जिसने 2001 से 2014 की अवधि में (9.8 बिलियन यू एस डॉलर का) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ डी आई) आकर्षित किया जो भारत में आए कुल एफ डी आई (217.7 बिलियन यू एस डॉलर) का 5 प्रतिशत से ज्यादा है।

## पेट्रोलियम उत्पाद

पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस क्षेत्र जिसमें पेट्रोलियम एवं गैस पदार्थों का खनन, परिष्करण तथा विपणन शामिल है, का भारतीय जीडीपी में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान है। पेट्रोलियम आयोजना तथा विश्लेषण कक्ष द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2013-14 के दौरान रिफाइनरियों तथा फ्रैक्शनेटर्स से पेट्रोलियम पदार्थों का उत्पादन गत वर्ष के 218.8 मिलियन मीट्रिक टन की तुलना में 222.3 मिलियन मीट्रिक टन रहा।

### भारत से पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर)



स्रोत : एमओसीआई

भारतीय पेट्रोलियम रिफाइनरी क्षेत्र में हुए क्षमता विस्तार से पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में 2005-06 से काफी वृद्धि हुई है। हालांकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में हाल के वर्षों में आई मंदी का निर्यात पर प्रभाव पड़ा है। कमजोर वैश्विक मांग के चलते वर्ष 2013-14 के दौरान देश से पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 3 प्रतिशत की मामूली दर से बढ़कर 62.7 बिलियन यू एस डॉलर रहा। कुल निर्यातों में पेट्रोलियम पदार्थों के निर्यात का हिस्सा लगातार बढ़ रहा है तथा यह 2009-10 में 15.7 प्रतिशत से बढ़कर 2013-14 में 20.1 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

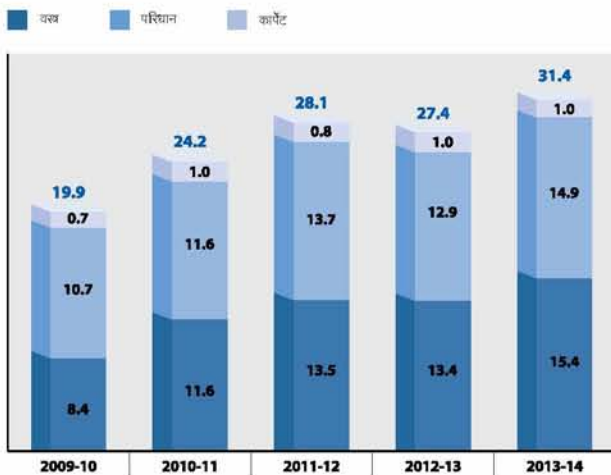
## वस्त्र एवं परिधान

औद्योगिक उत्पादन, रोजगार तथा निर्यात में योगदान के जरिए वस्त्र एवं परिधान उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह उद्योग सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 4 प्रतिशत तथा देश के निर्यात में 10 प्रतिशत का योगदान करता है।

वर्ष 2012-13 के दौरान भारत का विश्व टेक्सटाइल निर्यात में 5.3 प्रतिशत तथा विश्व वस्त्र निर्यात में 3.3 प्रतिशत हिस्सा रहा है।

वर्ष 2013-14 के दौरान भारत से वस्त्र एवं कपड़ों का निर्यात (कार्पेट सहित) 31.4 बिलियन यू एस डॉलर रहा जो वर्ष-दर-वर्ष आधार पर गत वर्ष की तुलना में 14.9 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित करता है। इसी अवधि के दौरान रेडीमेड कपड़ों, कॉटन यार्न एवं फैब्रिक तथा कृत्रिम फैब्रिक के निर्यात में क्रमशः 15.5 प्रतिशत, 18.1 प्रतिशत तथा 12.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

#### भारत से वस्त्र एवं परिधानों का निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर)

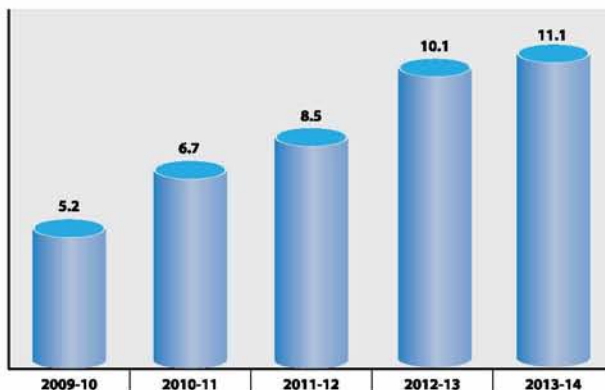


स्रोत : एमओसीआई

#### औषधियाँ

लागत लाभ अर्थात् कम लागत पर औषधियाँ बना पाने की क्षमता के चलते भारतीय औषधि निर्माता कंपनियाँ इस विश्व व्यापी मंदी से बहुत अधिक प्रभावित नहीं हुई हैं तथा निर्यातों में सामान्य वृद्धि होती रही है। औषधि उत्पादों का निर्यात (आई टी सी एच एस कोड 30) 2012-13 के दौरान 18.2 प्रतिशत की दर से बढ़कर गत वर्ष की तुलना में 10.1 बिलियन यू एस डॉलर रहा। औषधि उत्पादों का निर्यात 18.6 प्रतिशत की सी ए जी आर से बढ़कर 2008-09 के 5.1 बिलियन यू एस डॉलर से 2012-13 में 10.1 बिलियन यू एस डॉलर रहा।

#### भारत से औषधि उत्पादों का निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर)



स्रोत : एमओसीआई

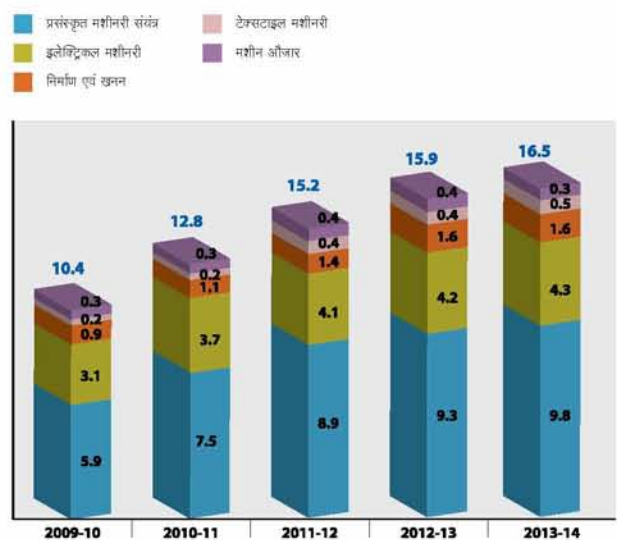
यू एस ए, 30.7 प्रतिशत हिस्से के साथ भारतीय औषधि उत्पादों के प्रमुख निर्यात गंतव्य स्थल रहा। इसके बाद रूस (5.6 प्रतिशत), यूके (3.8 प्रतिशत), दक्षिण अफ्रीका (3.5 प्रतिशत) तथा नाइजीरिया (2.9 प्रतिशत) का स्थान रहा। 2011-12 से कई अफ्रीकी देश जैसे दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, केन्या तथा घाना भी भारतीय औषधि उत्पादों की प्रमुख आयातकों के रूप में उभरे हैं। इन अफ्रीकी देशों ने आयरलैंड, ब्राज़ील तथा वियतनाम जैसे प्रमुख भारतीय औषधि बाजारों का स्थान ले लिया है।

#### पूँजीगत माल

पूँजीगत माल उद्योग भारतीय विनिर्माण क्षेत्र का रणनीतिक आधार है। भारत में विनिर्मित की जाने वाली प्रमुख मशीनरी में भारी विद्युत मशीनरी, टेक्सटाइल मशीनरी, मशीन उपकरण, खुदाई तथा निर्माण उपकरण सहित खनन उपकरण, सड़क निर्माण उपकरण, छपाई की मशीनें, डेयरी मशीनें, औद्योगिक रेफ्रिजरेशन तथा औद्योगिक ताप भट्टी उपकरण आदि शामिल हैं। पूँजीगत माल उद्योग क्षेत्र 2013-14 के दौरान वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 3.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है।

वर्ष 2013-14 में मशीनरी उपकरणों का निर्यात 16.6 बिलियन यू एस डॉलर मूल्य का रहा जो गत वर्ष की अनुरूपी अवधि की तुलना में 4.4 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित करता है। जबकि इसी अवधि के दौरान पूँजीगत माल के आयातों में गत वर्ष की अनुरूपी अवधि की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 11.2 प्रतिशत की ऋणात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

#### भारत से पूँजीगत माल का निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर)



स्रोत : एमओसीआई

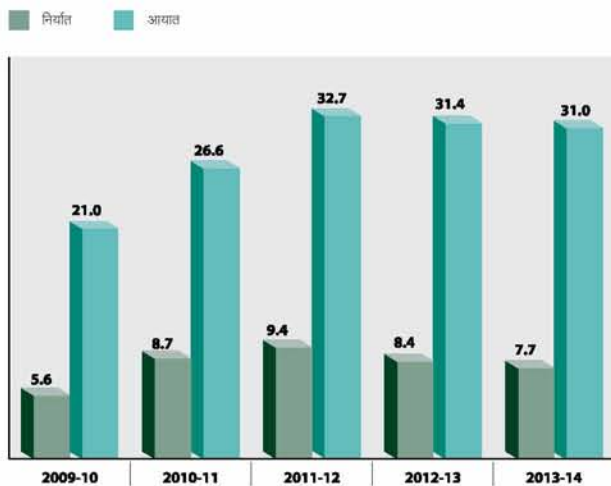
#### इलेक्ट्रॉनिक्स

भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण क्षेत्र हाल के वर्षों में सबसे तेजी से वृद्धि दर्ज करने वाले क्षेत्रों में से एक रहा है। भारत से इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात वर्ष 2013-14 के दौरान वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज करते हुए देश के कुल निर्यातों में 2.5 प्रतिशत के हिस्से के साथ 7.7 बिलियन यू एस डॉलर रहा है। जबकि 2013-14 के दौरान



आयात 31 बिलियन यू एस डॉलर मूल्य के रहे। गत वर्ष की कमजोर विकास दर के बावजूद भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र का निर्यात और आयात 2009-10 से 2013-14 की अवधि के दौरान क्रमशः 8.1 प्रतिशत तथा 10.3 प्रतिशत की सी ए जी आर से बढ़ा।

### भारत का इलेक्ट्रॉनिक व्यापार (बिलियन यू एस डॉलर)



स्रोत : डीजीसीआईएस

वर्ष 2013-14 के दौरान भारतीय इलेक्ट्रॉनिक उद्योग क्षेत्र के उपकरणों के प्रमुख निर्यात बाजारों में यू एस ए (13.7 प्रतिशत), यू ए ई (12.4 प्रतिशत), नीदरलैंड्स (6.1 प्रतिशत), चीन (4.5 प्रतिशत) तथा जर्मनी (4.4 प्रतिशत) रहे। आयात के मामले में प्रमुख स्रोतों में चीन 51.7 प्रतिशत हिस्से के साथ सबसे बड़ा स्रोत रहा। अन्य प्रमुख स्रोत देशों में दक्षिण कोरिया (5.4 प्रतिशत), यू एस ए (5.2 प्रतिशत), मलेशिया (5.1 प्रतिशत), सिंगापुर (4.9 प्रतिशत) तथा जर्मनी (3.3 प्रतिशत) रहे।

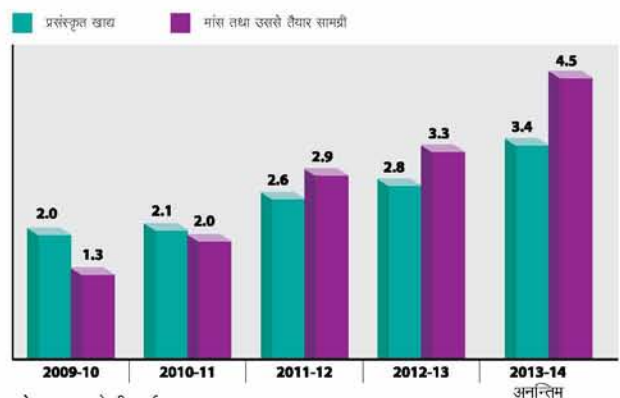
### खाद्य प्रसंस्करण

उत्पादन, वृद्धि, उपभोग तथा निर्यात की दृष्टि से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र भारत के प्रमुख क्षेत्रों में से एक है तथा इसे भारत सरकार द्वारा

प्राथमिक क्षेत्र का दर्जा दिया गया है। वर्ष 2013 में भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग 121 बिलियन यू एस डॉलर मूल्य का रहा तथा इसके 10 प्रतिशत की सी ए जी आर से बढ़कर 2015 तक 194 बिलियन यू एस डॉलर तक पहुँच जाने का अनुमान है। भारतीय खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में फल तथा सब्जियाँ, मसाले, मांस तथा पोल्ट्री, दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद, अल्कोहलिक तथा गैर-अल्कोहलिक पेय, फिशरी, प्लांटेन, अनाज प्रसंस्करण तथा अन्य उपभोक्ता उत्पाद समूहों जैसे कन्फेक्शनरी, चॉकलेट तथा कोकोआ उत्पाद, सोया-उत्पाद, मिनरल वाटर तथा उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ शामिल हैं।

प्रसंस्कृत खाद्यों का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। निर्यात मूल्य 2008-09 के 1.8 बिलियन यू एस डॉलर से बढ़कर 2012-13 में 2.8 बिलियन यू एस डॉलर हो गया है, जो 10.9 प्रतिशत की सी ए जी आर प्रदर्शित करता है। मांस तथा संबंधित खाद्य पदार्थों के निर्यात में काफी वृद्धि हुई है तथा इनका निर्यात मूल्य 2008-09 के 1.2 बिलियन यू एस डॉलर से बढ़कर 2012-13 में 3.3 बिलियन यू एस डॉलर हो गया है। वाणिज्य मंत्रालय के अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2013-14 के दौरान प्रसंस्कृत खाद्यों तथा प्रसंस्कृत मांस का निर्यात मूल्य क्रमशः 3.4 बिलियन यू एस डॉलर तथा 4.5 बिलियन यू एस डॉलर था।

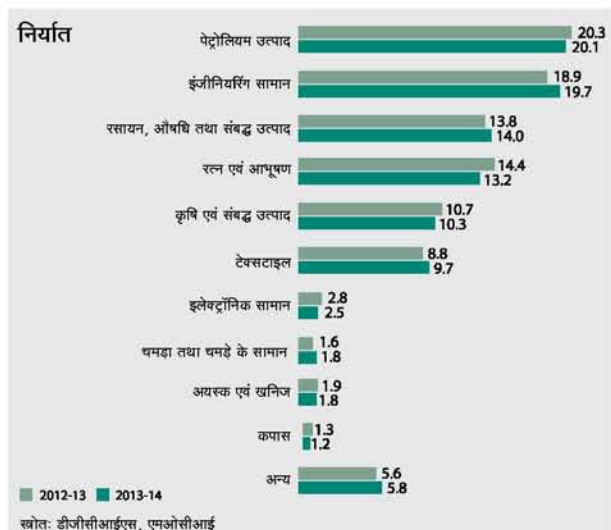
### भारत से प्रसंस्कृत खाद्य तथा मांस का निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर)



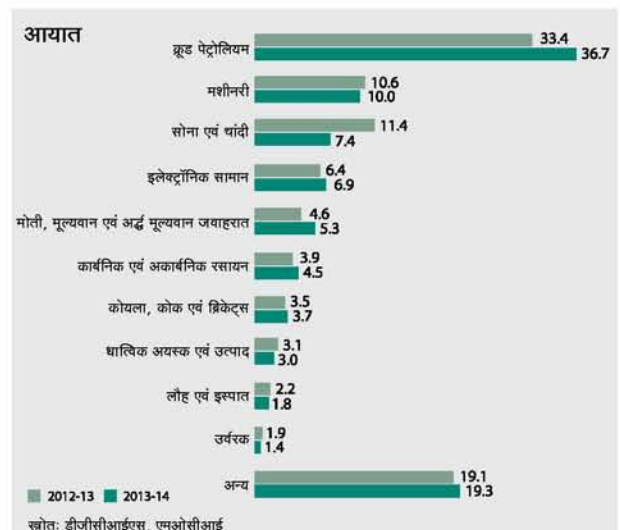
स्रोत : एमओसीआई

अनन्तिम

### भारत के पण्य व्यापार की संरचना (प्रतिशत में)



स्रोत : डीजीसीआईएस, एमओसीआई



स्रोत : डीजीसीआईएस, एमओसीआई



## वर्ष 2013-14 के दौरान प्रमुख नीतिगत परिवर्तन

### ऋण नीति

- रेपो रेट को मार्च 2013 के 7.5 प्रतिशत से कई चरणों में परिवर्तित कर जनवरी 2014 में 8 प्रतिशत कर दिया गया। रिवर्स रेपो दर को भी तदनुसार समायोजित किया गया।
- चलनिधि समायोजन सुविधा के अंतर्गत बैंकों को कुल उपलब्ध निधियों की सीमा उनकी निवल मांग तथा आवधिक देयताओं की सीमा का 0.50 प्रतिशत रखी गई।
- सेवा क्षेत्र के सूक्ष्म तथा लघु सेवा उद्यमों (एम एस ई) के लिए बैंक की ऋण सीमा को प्रति उधारकर्ता/इकाई को ₹ 2 करोड़ से बढ़ाकर ₹ 5 करोड़ किया गया।

### व्यापार नीति

- सेज (एस ई जेड) की स्थापना हेतु सन्निधि मानदंडों को पूरा करने के लिए न्यूनतम क्षेत्रफल आवश्यकता को घटाकर आधा कर दिया गया तथा विशिष्ट सेज क्षेत्रों में अतिरिक्त इकाइयों की स्थापना के लिए क्षेत्रीय वर्गीकरण प्रारंभ किया गया।
- सूचना प्रौद्योगिकी निर्यातों की मदद के लिए आई टी/आईटीईएस सेज की स्थापना के लिए न्यूनतम भूमि आवश्यकताओं को समाप्त कर दिया गया। सेज इकाइयों के स्वामित्व का अंतरण जिसमें बिक्री भी शामिल है की अनुमति दी गई।
- शून्य कर वाली ई पी सी जी योजना तथा 3 प्रतिशत कर वाली ई पी सी जी योजना को संतुलित किया गया है तथा शून्य कर वाली ई पी सी जी योजना का दायरा सभी क्षेत्रों के लिए बढ़ा दिया गया है।
- ई पी सी जी योजना के अंतर्गत मशीनरी की घरेलू सोर्सिंग संबंधी निर्यात दायित्व सीमा को 10 प्रतिशत घटा दिया गया है।
- निर्धारित क्षेत्रों को ऋण पर ब्याज दर सहायता योजना को 3 प्रतिशत तक बढ़ाया गया तथा इसकी अवधि को बढ़ाकर मार्च 2014 तक कर दिया गया।
- वृद्धिशील निर्यात प्रोत्साहन योजना (आई ई आई एस) को 2013-14 के लिए बढ़ाया गया तथा इसके अंतर्गत 53 लैटिन अमेरिकी तथा अफ्रीकी देशों को जोड़ा गया।
- मार्केट लिंकड फोकस प्रोडक्ट स्कीम (एम एल एफ पी एस) के अंतर्गत 47 नए उत्पादों तथा 2 नए देशों को जोड़ा गया। मार्केट लिंकड फोकस प्रोडक्ट स्कीम (एम एल एफ पी एस) को 31 मार्च, 2014 तक के लिए विस्तारित कर दिया गया।
- फोकस प्रोडक्ट योजना के अंतर्गत 126 नई मदों को जोड़ा गया तथा विशेष कृषि तथा ग्राम उद्योग योजना (वी के जी यू वाई) के अंतर्गत 2 नई मदों को जोड़ा गया।
- 80:20 योजना के तहत नामित बैंकों, एजेंसियों, संस्थाओं को देश में स्वर्ण आयात की अनुमति इस शर्त पर दी गई कि उनके द्वारा आयातित स्वर्ण की प्रत्येक लॉट का 20 प्रतिशत निर्यात के लिए निर्धारित करना होगा।

### निवेश नीति

#### विदेशी प्रत्यक्ष निवेश

- खुदरा एकल ब्रांड रिटेल में 49 प्रतिशत तक की एफ डी आई स्वतः रूट के जरिए तथा उससे अधिक का निवेश विदेशी निवेश संवर्द्धन बोर्ड (एफ आई पी बी) रूट के जरिए किया जा सकेगा।
- विभिन्न क्षेत्रों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ डी आई) सीमाओं को बढ़ा दिया गया जैसे टेलीकॉम क्षेत्र के लिए 74 प्रतिशत से 100 प्रतिशत; आस्टि पुनर्गठन कंपनियों के लिए 74 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तथा क्रेडिट इनफॉर्मेशन कंपनियों के लिए 49 प्रतिशत से 74 प्रतिशत की एफडीआई की मंजूरी दी गई।

#### विदेशी संस्थागत निवेश

- सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) में विदेशी संस्थागत निवेश की सीमा बढ़ाकर 30 बिलियन यू एस डॉलर कर दी गई। कार्पोरेट बांडों की 51 बिलियन यू एस डॉलर सीमा के अंदर वाणिज्यिक पेपर्स की विद्यमान विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिए उप सीमा को 3.5 बिलियन यू एस डॉलर से घटाकर 2 बिलियन यू एस डॉलर कर दिया गया।
- कार्पोरेट ऋण की 51 बिलियन यू एस डॉलर सीमा के अंदर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को 5 बिलियन यू एस डॉलर तक निवेश करने की अनुमति दी गई।

#### ई सी बी मानदंड

- बुनियादी सुविधा क्षेत्र की कंपनियों के लिए नई बाह्य वाणिज्यिक उधारियों के 25 प्रतिशत तक रुपया ऋण का पुनर्वित्तीयन करने की अनुमति दी गई।
- राष्ट्रीय आवास बैंक/आवास वित्त कंपनियों को सस्ते घरों के निर्माण के वित्तपोषण के लिए ई सी बी जुटाने की मंजूरी प्रदान की गई।
- बाह्य वाणिज्यिक उधारियों (ई सी बी) पर ब्याज के भुगतान के लिए विद होल्डिंग कर 20 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया।
- पात्र उधारकर्ताओं को उनकी सामान्य कार्पोरेट जरूरतों के लिए उनकी कंपनी में विदेशी हिस्सेदारी रखने वाली कंपनी से अनुमोदन रूट के जरिए न्यूनतम 7 वर्ष की अवधि वाली बाह्य वाणिज्यिक उधारियां जुटाने की अनुमति दी गई।
- विनिर्माण तथा बुनियादी सुविधा क्षेत्र की कंपनियों के लिए सेवाओं के आयात, तकनीकी लाइसेंस शुल्क के भुगतान को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पूँजीगत वस्तुओं के आयात के एक हिस्से के रूप में शामिल किया गया तथा स्वतः अनुमोदन रूट के जरिए जुटाई गई बाह्य वाणिज्यिक उधारियों को इन पर खर्च करने की अनुमति दी गई।
- रेन्मिन्बी (आर एम बी) मुद्रा में बाह्य वाणिज्यिक उधारियों (ई सी बी) की सुविधा बंद कर दी गई।

## भारतीय अर्थव्यवस्था के संक्षिप्त आंकड़े

संकेतक	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
जी डी पी (वर्तमान मूल्य पर, बिलियन यू एस डॉलर)	1365.4	1708.5	1880.3	1858.7 <sup>e</sup>	1871.8 <sup>f</sup>
वास्तविक जी डी पी वृद्धि (%)	8.6	8.9	6.7	4.5 <sup>e</sup>	4.7 <sup>p</sup>
जी डी पी में क्षेत्रीय हिस्सा (%)					
कृषि एवं संबद्ध कार्यकलाप	14.6	14.6	14.4	13.9 <sup>e</sup>	14.0 <sup>e</sup>
उद्योग	28.3	27.9	28.2	27.3 <sup>e</sup>	26.1 <sup>e</sup>
सेवाएं	57.1	57.5	57.4	58.8 <sup>e</sup>	59.9 <sup>e</sup>
मुद्रास्फीति दर (डब्ल्यू पी आई, वार्षिक औसत %)	3.8	9.6	8.9	7.4	5.9 <sup>#</sup>
सकल राजकोषीय घाटा (जी डी पी का %)	6.5	4.8	5.7	4.9	4.6 <sup>e</sup>
विनिमय दर (₹/यू एस डॉलर, औसत)	47.4	45.6	47.9	54.4	60.10 <sup>#</sup>
विनिमय दर (₹/यूरो, औसत)	67.1	60.2	65.9	70.1	82.58 <sup>#</sup>
निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर)	178.8	251.1	306.0	300.4	312.6
% परिवर्तन	-3.5	40.5	21.8	-1.8	4.1
तेल निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर)	28.2	41.5	56.0	60.9	62.7
% परिवर्तन	2.3	47.2	34.9	8.7	3.0
गैर-तेल निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर)	150.6	209.6	250.0	239.5	249.9
% परिवर्तन	-4.6	39.2	19.3	-4.2	4.3
आयात (बिलियन यू एस डॉलर)	288.4	369.8	489.3	490.7	450.1
% परिवर्तन	-5.1	28.2	32.3	0.3	-8.3
तेल आयात (बिलियन यू एस डॉलर)	87.1	106.0	155.0	164.0	165.1
% परिवर्तन	-7.0	21.6	46.2	5.9	0.7
गैर-तेल आयात (बिलियन यू एस डॉलर)	201.2	263.8	334.3	326.7	284.9
% परिवर्तन	-4.2	31.1	26.7	-2.3	-12.8
व्यापार शेष (बिलियन यू एस डॉलर)	-109.6	-118.7	-183.3	-190.3	-137.5
सेवाओं का निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर)*	96.0	124.6	142.3	145.7	151.5
सॉफ्टवेयर निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर)*	49.7	53.1	62.2	65.9	69.5
सेवाओं का आयात (बिलियन यू एस डॉलर)*	60.0	80.6	78.2	80.8	78.5
सेवा शेष (बिलियन यू एस डॉलर)*	36.0	44.0	64.1	64.9	73.0
चालू खाता शेष (बिलियन यू एस डॉलर)*	-38.4	-47.9	-78.2	-87.8	-32.4
चालू खाता शेष जी डी पी के (%) में	-2.8	-2.8	-4.2	-4.8	-1.7
विदेशी मुद्रा भंडार (बिलियन यू एस डॉलर)	279.1	304.8	294.4	292.0	304.2
बाह्य ऋण (बिलियन यू एस डॉलर)	260.9	317.9	360.8	404.9	426.0 <sup>^</sup>
बाह्य ऋण जी डी पी अनुपात का (%) में	18.2	18.2	20.5	21.8	23.3 <sup>^</sup>
अल्पावधि ऋण/कुल ऋण (%)	20.1	20.4	21.7	23.9	21.8 <sup>^</sup>
निवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (बिलियन यू एस डॉलर)	37.7	34.8	46.6	34.3	36.4
जीडीआर/एडीआर (बिलियन यू एस डॉलर)	3.3	2.0	0.6	0.2	0.02
विदेशी संस्थागत निवेश (बिलियन यू एस डॉलर)	29.0	29.4	16.8	27.6	5.0
प्रत्यक्ष विदेशी निवेश जावक (बिलियन यू एस डॉलर)	15.1	16.5	10.9	7.1	7.9

p-ईएसी, जीओआई के प्रोजेक्शन्स, e-अनुमान, f-पूर्वानुमान; \*-वर्ष 2009-10 के बाद के आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बी ओ पी सांख्यिकी के नये प्रारूप के अनुसार दिए गए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के भुगतान शेष मैनुअल में दिए गए दिशानिर्देशों पर आधारित हैं। #—यथा 28 मार्च, 2014; ^—दिसम्बर, 2013 के अंत के आंकड़े।

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण, विभिन्न मुद्दे; केन्द्रीय बजट; भारतीय रिज़र्व बैंक मासिक बुलेटिन, वार्षिक रिपोर्ट एवं साप्ताहिक सांख्यिकीय अनुपूरक; वित्त मंत्रालय; सी एस ओ; वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; अंतरराष्ट्रीय वित्त संस्थान (आई आई एफ)।





# निदेशकों की रिपोर्ट

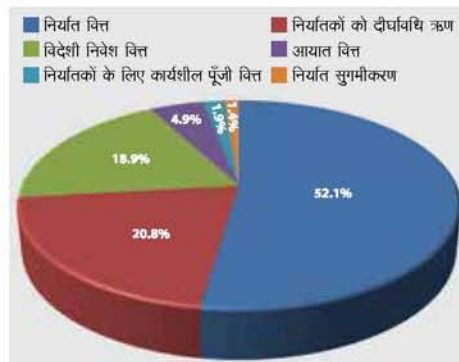


बैंक के निदेशक मंडल की बैठक

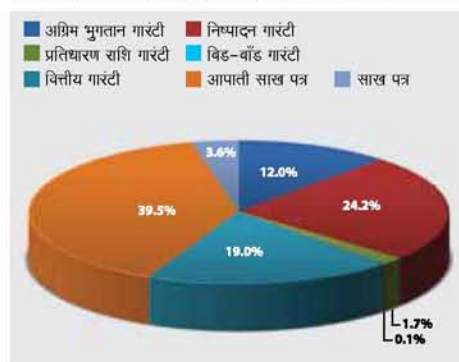


निदेशकों को 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलन-पत्र तथा लेखों के साथ, इस बैंक द्वारा निष्पादित कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

### कुल ऋण आस्तियां ₹ 758.73 बिलियन



### गैर-निधिक पोर्टफोलियो: ₹ 94.27 बिलियन



### परिचालनों तथा वित्तीय निष्पादन की समीक्षा

#### ऋण परिसंपत्तियाँ

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान, बैंक ने अपने विभिन्न ऋण कार्यक्रमों के अंतर्गत ₹ 482.64 बिलियन की राशि मंजूर की, जो वित्तीय वर्ष 2012-13 में मंजूर की गई ₹ 419.19 बिलियन के मुकाबले में है। वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक ने वर्ष 2012-13 के ₹ 406.35 बिलियन की तुलना में ₹ 432.62 बिलियन के ऋण का संवितरण किया जबकि वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान ऋण भुगतान वर्ष 2012-13 के ₹ 326.07 बिलियन की तुलना में ₹ 374.57 बिलियन रहे। 31 मार्च, 2014 को सकल ऋण-आस्तियाँ ₹ 758.73 बिलियन की रहीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती हैं। यथा 31 मार्च, 2014 को कुल ऋण आस्तियों का 35 प्रतिशत ऋण रुपये में जबकि शेष 65 प्रतिशत विदेशी मुद्रा में थी। यथा 31 मार्च, 2014 को अल्पावधि ऋण कुल ऋणों तथा अग्रिमों का 12 प्रतिशत थे।

#### गैर-निधिक सुविधाएँ

बैंक द्वारा वर्ष 2012-13 की ₹ 58.07 बिलियन की तुलना में वर्ष 2013-14 के दौरान ₹ 40.64 बिलियन की गारंटियाँ मंजूर की गई। जारी की गई गारंटियाँ वर्ष 2012-13 के ₹ 29.38 बिलियन की तुलना में वर्ष 2013-14 के दौरान ₹ 17.07 बिलियन की रहीं। यथा 31 मार्च, 2014 को बैंक की बहियों में बकाया गारंटियाँ 31 मार्च, 2013 के ₹ 47.44 बिलियन की तुलना में ₹ 53.67 बिलियन थीं तथा साख-पत्र यथा 31 मार्च, 2013 के ₹ 29.82 बिलियन की तुलना में यथा 31 मार्च, 2014 को ₹ 40.60 बिलियन के थे।

#### आय/व्यय

बैंक ने वर्ष 2012-13 के लिए ₹ 10.89 बिलियन के लाभ की तुलना में वर्ष 2013-14 के दौरान सामान्य निधि लेखे में ₹ 10.20 बिलियन का कर पूर्व लाभ दर्ज किया है। ₹ 3.10 बिलियन का आयकर का प्रावधान करने के बाद 2013-14 के दौरान कर पश्चात लाभ की राशि ₹ 7.10 बिलियन रही जबकि 2012-13 में यह ₹ 7.42 बिलियन थी। इस लाभ में से ₹ 1.54 बिलियन की राशि आरक्षित निधि में अंतरित कर दी गई है। इसके अतिरिक्त बैंक ने ऋण शोधन निधि में ₹ 0.12 बिलियन अंतरित किये हैं और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36 (1) (viii) के अधीन विशेष आरक्षित निधि में ₹ 2.05 बिलियन अंतरित किये हैं। शेष ₹ 3.39 बिलियन की राशि एक्जिम बैंक अधिनियम के अनुसार भारत सरकार को अंतरित की जाएगी।

वर्ष 2013-14 के दौरान निर्यात विकास निधि का कर पूर्व लाभ ₹ 47.09 मिलियन है जबकि 2012-13 में यह ₹ 46.60 मिलियन था। ₹ 16 मिलियन का कर प्रावधान करने के बाद कर पश्चात लाभ की राशि वर्ष 2013-14 में ₹ 31.09 मिलियन होती है जबकि वर्ष 2012-13 के दौरान यह राशि ₹ 31.48 मिलियन थी। ₹ 31.09 मिलियन का लाभ अगले वर्ष के लिए ले जाया गया है।

कारोबारी आय में ब्याज, विनिमय, कमीशन, दलाली और शुल्क से युक्त कारोबार आय वर्ष 2012-13 के ₹ 42.47 बिलियन की तुलना में वर्ष 2013-14 में ₹ 50.55 बिलियन रही। निवेश आय, बैंक जमा राशियों आदि पर ब्याज आय 2012-13 के ₹ 17.33 बिलियन की तुलना में वर्ष 2013-14 में ₹ 22.21 बिलियन रही। वर्ष 2013-14 में ब्याज व्यय ₹ 47.44 बिलियन रहा जिसमें उधारियों के बढ़ने के कारण गत वर्ष की तुलना में ₹ 5.76 बिलियन की वृद्धि हुई। प्रशासनिक खर्च (आकस्मिकताओं के लिए प्रावधानों को छोड़कर) 2012-13 के 2.17 प्रतिशत की तुलना में 2013-14 के दौरान कुल व्यय का 2.22 प्रतिशत रहा।

#### उधारियाँ

यथा 31 मार्च, 2014 को कुल उधार राशियाँ ₹ 714.82 बिलियन की रहीं जो 31 मार्च, 2013 के ₹ 644.85 बिलियन की तुलना में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती हैं।

## रुपया संसाधन

वर्ष के दौरान बैंक को भारत सरकार से ₹ 7 बिलियन की पूँजी प्राप्त हुई। यथा 31 मार्च, 2014 को ₹ 38 बिलियन की चुकता पूँजी तथा ₹ 45 बिलियन की आरक्षित निधियों सहित बैंक के कुल संसाधन ₹ 798 बिलियन रहे। एक्विजिशन बैंक के संसाधन आधार में बाँड, जमा प्रमाण-पत्र, वाणिज्यिक-पत्र, सावधि जमा राशियाँ, आवधिक ऋण और विदेशी मुद्रा जमा राशियाँ/उधार राशियाँ/दीर्घावधि स्वैप आदि शामिल हैं। आई डी बी आई ट्रस्टीशिप लि.; डिबेन्चर ट्रस्टी itsl@idbitrustee.co.in पर संपर्क कर सकते हैं। वर्ष के दौरान बैंक ने विभिन्न परिपक्वताओं वाले कुल ₹ 226.54 बिलियन के रुपया संसाधन और ₹ 192.38 बिलियन के समतुल्य विदेशी मुद्रा संसाधन जुटाए हैं। जुटाए गए विदेशी मुद्रा संसाधनों में द्विपक्षीय/क्लब/सामूहिक ऋणों के जरिए 1.74 बिलियन यू एस डॉलर के समतुल्य राशियाँ तथा 1.47 बिलियन यू एस डॉलर के क्रय-विक्रय स्वैप/ऑन-शोर जमा राशियाँ थीं। यथा 31 मार्च, 2014 को बैंक के पास कुल विदेशी मुद्रा संसाधन राशियाँ 8.51 बिलियन यू एस डॉलर की थीं तथा बाँडों तथा वाणिज्यिक-पत्रों सहित बकाया रुपया उधार राशियाँ ₹ 388.82 बिलियन की रहीं। यथा 31 मार्च, 2014 को बाज़ार से जुटाई गई उधारियाँ बैंक की कुल उधार राशियों का 100 प्रतिशत तथा कुल संसाधनों का 90 प्रतिशत थीं।

## विदेशी मुद्रा संसाधन

वर्ष 2013-14 के दौरान, बैंक ने 3.21 बिलियन यू एस डॉलर के समतुल्य विदेशी मुद्रा संसाधन जुटाए। बैंक ने मार्च 2014 में 5.5 वर्षों के लिए 500 मिलियन यू एस डॉलर के यूरो डॉलर बाँड जारी किए। ये बाँड उभरते बाज़ार बाँड इंडेक्स में शामिल हैं। बैंक ने अपने निवेशक आधार को व्यापक बनाने के लिए तीन अलग-अलग विदेशी मुद्राओं तुर्किश लीरा, जापानी येन तथा मेक्सिकन पेसो में क्रमशः अप्रैल 2013 में 171 मिलियन यू एस डॉलर समतुल्य के उरीदाशी बाँड (विदेशी मुद्रा में मूल्यांकित बाँड जो सीधे जापानी घरेलू निवेशकर्ताओं को बेचा जाता है) जारी किए। बैंक ने जुलाई 2013 में पुनः 148 मिलियन यू एस डॉलर के समतुल्य उरीदाशी बाँड जारी किए। बैंक उरीदाशी बाँड बाजारों में लगातार तीसरी बार बाँड जारी करने वाली पहली और एकमात्र भारतीय संस्था बना हुआ है। वर्ष 2012-13 के दौरान, बैंक ने यूरोपीय निवेश बैंक के साथ बीस वर्ष के लिए 150 मिलियन यूरो के एक दीर्घावधि ऋण करार पर हस्ताक्षर किए थे। इस ऋण का उद्देश्य जलवायु परिवर्तनों को रोकने वाली परियोजनाओं को सहायता प्रदान करना है। बैंक ने दिसम्बर 2013 में इस सुविधा से 40 मिलियन यूरो (54.44 मिलियन यू एस डॉलर) की राशि वित्तपोषण के लिए आहरित की। बैंक ने नवम्बर 2013 के दौरान एशियाई विकास बैंक से प्राप्त 100 मिलियन यू एस डॉलर की सुविधा में से 70 मिलियन यू एस डॉलर की शेष राशि वित्तपोषण के लिए उपयोग की। बैंक के पास 6 बिलियन यू एस डॉलर का एक मीडियम टर्म नोट कार्यक्रम है जिसमें से 31 मार्च, 2014 तक 3.98 बिलियन यू एस डॉलर की राशि के निर्गम जारी किए जा चुके हैं। अब तक बैंक ने विभिन्न विदेशी मुद्राओं जैसे यू एस डॉलर, जापानी येन, स्विस् फ्रैंक, यूरो, ऑस्ट्रेलियाई डॉलर, दक्षिण अफ्रीकी रैंड, सिंगापुर डॉलर, तुर्किश लीरा तथा मेक्सिकन पेसो आदि में संसाधन जुटाए हैं।

## आस्ति गुणवत्ता

वित्तीय संस्थाओं के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार उस ऋण/कर्ज सुविधा को गैर-निष्पादक आस्तियों (एन पी ए) के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसके संबंध में देय ब्याज और/या मूलधन 90 दिनों से अधिक समय से बकाया है। यथा 31 मार्च, 2014 को बैंक की कुल गैर-निष्पादक आस्तियाँ ₹ 15.96 बिलियन रही हैं, जो बैंक के कुल ऋणों तथा अग्रिमों का 2.10 प्रतिशत है। यथा 31 मार्च, 2014 को बैंक की शुद्ध गैर-निष्पादक आस्तियाँ ₹ 3.21 बिलियन (प्रावधान घटाकर) रहीं जो इसके ऋण तथा अग्रिमों (प्रावधान घटाकर) का 0.43 प्रतिशत हैं। यथा 31 मार्च, 2014 को प्रावधान कवरेज अनुपात (पी सी आर) 81.34 प्रतिशत था।

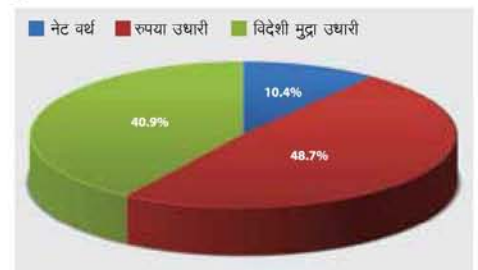
## आस्ति वर्गीकरण

‘अवमानक आस्तियाँ’ वे आस्तियाँ होती हैं जिनका ब्याज और/अथवा मूलधन 90 दिनों से अधिक समय तक अतिदेय होता है। जो अवमानक आस्तियाँ 12 माह से अधिक



भारत सरकार को पूँजी पर प्रतिफल के रूप में वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए ₹ 2.63 बिलियन प्रदान किए गए।

## कुल संसाधन: ₹ 798 बिलियन





अवधि तक गैर-निष्पादक संपत्ति के रूप में बनी रहती हैं, ऐसी आस्तियों को 'संदिग्ध आस्तियों' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। 'हानि आस्तियाँ' वे होती हैं जिनकी वसूली संभव नहीं है। यथा 31 मार्च, 2014 को 2.10 प्रतिशत की सकल गैर-निष्पादक आस्तियों में से अवमानक आस्तियाँ 1.24 प्रतिशत, संदिग्ध आस्तियाँ 0.86 प्रतिशत, जबकि हानि आस्तियाँ शून्य रहीं। यथा 31 मार्च, 2014 को निवल ऋणों तथा अग्रिमों के प्रतिशत के स्तर पर निवल गैर-निष्पादित आस्तियों में से अवमानक आस्तियाँ 0.43 प्रतिशत रहीं जबकि संदिग्ध आस्तियों के लिए पूर्ण प्रावधान किया गया है।

### **पूँजी पर्याप्तता**

जोखिम आस्ति की तुलना में पूँजी का अनुपात (सी आर ए आर) 31 मार्च, 2013 के 15.28 प्रतिशत की तुलना में यथा 31 मार्च, 2014 को 14.32 प्रतिशत रहा जो भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम 9 प्रतिशत की तुलना में है। यथा 31 मार्च, 2014 को ऋण-ईक्विटी अनुपात 8.60:1 रहा जबकि 31 मार्च, 2013 को यह 8.91:1 था।

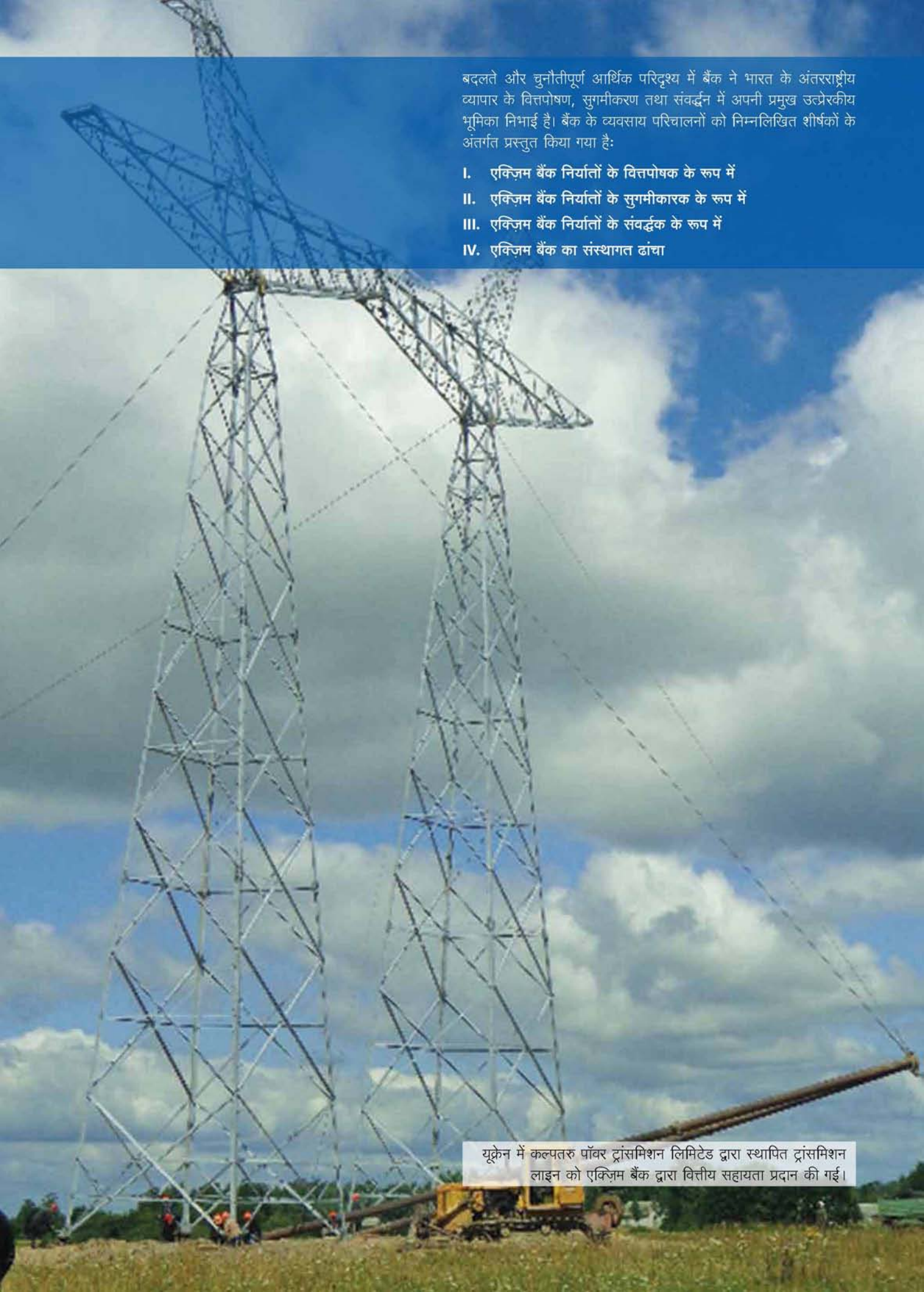
### **अधिकतम ऋण सीमा (एक्सपोजर) मानदंड**

भारतीय रिज़र्व बैंक ने अखिल भारतीय मीयादी ऋणदात्री संस्थाओं के लिए 31 मार्च, 2002 से एकल उधारकर्ता के लिए वित्तीय संस्था की पूँजी निधियों का 15 प्रतिशत और समूह उधारकर्ताओं के लिए 40 प्रतिशत की अधिकतम ऋण सीमा निर्धारित की है। बोर्ड के पूर्व अनुमोदन से विशेष मामलों में पाँच प्रतिशत तक अतिरिक्त ऋण सहायता (अर्थात् एकल उधारकर्ता के लिए वित्तीय संस्था का पूँजी निधियों के 20 प्रतिशत और उधारकर्ता समूह के लिए पूँजी निधियों के 45 प्रतिशत तक कुल ऋण सहायता) दी जा सकती है। वैयक्तिक उधारकर्ताओं तथा उधारकर्ता समूहों के अधिकतम ऋण सहायता सीमा को क्रमशः अतिरिक्त 5 प्रतिशत बिंदु (अर्थात् कुल पूँजी निधियों का 5 प्रतिशत) और 10 प्रतिशत बिंदु (अर्थात् कुल पूँजी निधियों का 10 प्रतिशत तक) बढ़ाया जा सकता है (क्रमशः 20 प्रतिशत तथा 45 प्रतिशत अधिकतम सीमाओं के अतिरिक्त), बशर्ते कि अतिरिक्त ऋण सहायता बुनियादी क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए हो। यथा 31 मार्च, 2014 को एकल तथा समूह उधारकर्ताओं को बैंक की वित्तीय सहायता भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नियत सीमा के भीतर थी। यथा 31 मार्च, 2014 को एक ही उधारकर्ता था जिसका एक्सपोजर मानदंड पूँजी निधि के 15 प्रतिशत से अधिक था, उसके लिए निदेशक मंडल/प्रबंध समिति से अनुमोदन प्राप्त किया गया। यथा 31 मार्च, 2014 को इस उधारकर्ता का एक्सपोजर बैंक के पूँजी निधि के 18.60 प्रतिशत पर था।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्तीय संस्थाओं को यह भी सूचित किया है कि वे विशिष्ट उद्योग क्षेत्रों को ऋण सहायता के लिए अपनी आंतरिक सीमाएं अपनाएं ताकि विभिन्न क्षेत्रों को ऋण का समान रूप से फैलाव हो। बैंक ने प्रत्येक उद्योग क्षेत्र के लिए अधिकतम ऋण सहायता सीमा कुल ऋण पोर्टफोलियो का 15 प्रतिशत निर्धारित किया है। यथा 31 मार्च, 2014 को किसी भी एकल उद्योग क्षेत्र को बैंक की कुल ऋण सहायता 15 प्रतिशत से अधिक नहीं थी।

### **अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू रेटिंग**

यथा 31 मार्च, 2014 को बैंक को मूडीज ने बी ए ए3 (स्थिर) रेटिंग, स्टैंडर्ड एंड पुअर्स ने बी बी बी- (नकारात्मक) एवं फिच रेटिंग्स ने बी बी बी- (स्थिर) रेटिंग तथा जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जे सी आर ए) द्वारा बी बी बी+(नकारात्मक) रेटिंग प्रदान की गई है। उपरोक्त सभी क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा बैंक को निवेश ग्रेड या उससे ऊपर की रेटिंग प्रदान की गई है जो भारत की संप्रभु रेटिंग के समतुल्य की रेटिंग है। बैंक की घरेलू ऋण लिखतों को क्रिसिल तथा इकरा जैसी रेटिंग एजेंसियों से 'ए ए ए' जैसी सर्वोच्च रेटिंग प्रदान की जाती रही है।



बदलते और चुनौतीपूर्ण आर्थिक परिदृश्य में बैंक ने भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के वित्तपोषण, सुगामीकरण तथा संवर्द्धन में अपनी प्रमुख उत्प्रेरकीय भूमिका निभाई है। बैंक के व्यवसाय परिचालनों को निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया है:

- I. एक्जिम बैंक निर्यातों के वित्तपोषक के रूप में
- II. एक्जिम बैंक निर्यातों के सुगामीकारक के रूप में
- III. एक्जिम बैंक निर्यातों के संवर्द्धक के रूप में
- IV. एक्जिम बैंक का संस्थागत ढांचा

यूक्रेन में कल्पतरु पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड द्वारा स्थापित ट्रांसमिशन लाइन को एक्जिम बैंक द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई।



## I. एक्जिम बैंक निर्यातों के वित्तपोषक के रूप में



एक्जिम बैंक की वित्तीय सहायता से के ई सी इंटरनेशनल लि. द्वारा ट्यूनीशिया में स्थापित एक ट्रांसमिशन लाइन परियोजना।



एक्जिम बैंक की वित्तीय सहायता से भूटान में जयप्रकाश असोशिएट्स लिमिटेड द्वारा स्थापित जल विद्युत परियोजना।

### परियोजना, उत्पाद और सेवा निर्यात

बैंक विभिन्न प्रकार की निर्यात ऋण सुविधाएं प्रदान करता है। इनमें पूँजी उपकरण वित्त, निर्यात परियोजना नकदी प्रवाह घाटा वित्तपोषण तथा गारंटियाँ आदि प्रमुख हैं। बैंक भारतीय परियोजना निर्यातकों को निधिक सहायता तथा परियोजना संबंधी गारंटी सुविधाओं सहित व्यापक वित्तपोषण सुविधाएँ प्रदान करने में सक्षम है। (अधिक जानकारी के लिए कृपया [peg@eximbankindia.in](mailto:peg@eximbankindia.in) पर संपर्क करें।)

### निर्यात संविदाएँ

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान 40 भारतीय निर्यातकों द्वारा 35 देशों में कुल ₹ 341.31 बिलियन की 75 परियोजना निर्यात संविदाएँ प्राप्त की गईं जो वर्ष 2012-13 के दौरान 47 भारतीय निर्यातकों द्वारा 38 देशों में कुल ₹ 242.55 बिलियन की 85 परियोजना निर्यात संविदाओं की तुलना में हैं।

वर्ष के दौरान प्राप्त संविदाओं में ₹ 153.39 बिलियन मूल्य की 48 टर्नकी संविदाएँ, ₹ 184.02 बिलियन मूल्य की 11 निर्माण संविदाएँ, ₹ 1.05 बिलियन मूल्य की 4 आपूर्ति संविदाएँ तथा ₹ 2.85 बिलियन मूल्य की 12 तकनीकी परामर्शी तथा सेवा संविदाएँ थीं। वर्ष के दौरान सहायता प्रदान की गई कुछ प्रमुख संविदाएँ थीं:

- लॉर्सन एंड टूब्रो लि. द्वारा सऊदी अरब में रियाद मेट्रो परियोजना के पैकेज 2 की डिजाइन, निर्माण तथा प्रवर्तन के लिए संविदा। यह किसी भारतीय कंपनी द्वारा हासिल की गई अब तक की सबसे बड़ी संविदा है।
- लॉर्सन एंड टूब्रो लि. द्वारा निष्पादित की जा रही गोल्ड लाइन अंडरग्राउंड मेट्रो के निर्माण कार्य की संविदा;
- लॉर्सन एंड टूब्रो लि. द्वारा बांग्लादेश में निष्पादित की जा रही 360 मेगावाट भेरामरा कंबाइंड सायकल पॉवर प्लांट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए डिजाइन, मैनुफैक्चरिंग, स्थापना, जाँच एवं संस्थापना कार्य के लिए उप-संविदा;
- बी जी आर एनर्जी सिस्टम्स लि. द्वारा अल नसिरिया, ईराक में निष्पादित की जा रही 4x125 मेगावाट की गैस आधारित ओपन सायकल विद्युत परियोजना के लिए विद्युत मंत्रालय, ईराक सरकार के साथ बैलेंस ऑफ प्लांट संविदा;
- इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लि. द्वारा सल्तनत ऑफ ओमान में निष्पादित की जा रही बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना के लिए डिजाइन, निर्माण, स्थापना, कमीशनिंग तथा जाँच के लिए संविदा;
- के ई सी इंटरनेशनल लि. द्वारा सऊदी अरब में निष्पादित की जा रही 380 केवी डी/सी ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइन तथा गैस इंसुलेटेड लाइन स्टेशन के लिए संविदा हैं।

वर्ष के दौरान प्राप्त आपूर्ति संविदाओं में कृषि प्रसंस्कृत खाद्य, ऑटो उपकरण, कॉपर तार, कोटेड स्टील पाइप, स्वर्ण आभूषण, हीरे जवाहरात जड़ित आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, फैब्रीकेटेड स्टील, भारी/हल्के व्यापारिक वाहन, कपड़े, स्टील के तार, स्टील के तार की रस्सी, रॉपिंग स्टैंड, सॉफ्टवेयर, पॉलिएस्टर धागे, वाटर कॅनन्स, फर्नेस ऑयल, ईंधन तेल, बेस ऑयल, हायड्रॉलिक ड्रिलिंग उपकरण, अनुषंगी क्राफ्ट तथा अन्य सहायक उत्पादों का निर्यात शामिल है।

## निर्यात ऋण एवं गारंटियाँ

वर्ष के दौरान बैंक ने आपूर्तिकर्ता ऋण, क्रेता ऋण और परियोजना निर्यात के लिए कुल ₹ 148.78 बिलियन की राशि मंजूर की। जबकि पिछले वर्ष में ये मंजूरीयाँ ₹ 176.05 बिलियन की थीं। वर्ष के दौरान किए गए संवितरणों की राशि गत वर्ष के ₹ 208.26 बिलियन की तुलना में ₹ 176.87 बिलियन रही।

वर्ष के दौरान अनुमोदित तथा जारी की गई गारंटियाँ गत वर्ष के क्रमशः ₹ 58.07 बिलियन तथा ₹ 29.38 बिलियन की तुलना में क्रमशः ₹ 40.64 बिलियन तथा ₹ 17.07 बिलियन रहीं। ये गारंटियाँ बिजली उत्पादन, पारेषण तथा वितरण, आधारभूत संरचना विकास जैसे क्षेत्रों में विदेशी परियोजनाओं से संबंधित थीं।

### क्रेता ऋण

क्रेता ऋण एक्जिम बैंक का एक विशिष्ट कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत बैंक भारतीय निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए विदेशी क्रेताओं को भारत से उनके आयातों के लिए ऋण देता है। क्रेता-ऋण कार्यक्रम के अंतर्गत एक्जिम बैंक भारतीय निर्यातकों को पात्र मूल्य का भुगतान उनकी बिना किसी जिम्मेदारी के करता है। क्रेता-ऋण भारतीय निर्यातकों, विशेषकर लघु एवं मध्यम उद्यमों को एक सुरक्षित तथा दायित्व रहित वित्तपोषण विकल्प उपलब्ध कराता है और उन्हें विदेशी बाजारों में अपनी पहुँच सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

वर्ष 2013-14 के दौरान, क्रेता-ऋण सुविधा के अंतर्गत बैंक द्वारा 27 विदेशी कंपनियों को ₹ 22.27 बिलियन की ऋण सुविधाएं प्रदान की गईं। क्रेता ऋण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल ₹ 24.60 बिलियन यू.एस. डॉलर के संवितरण किए गए जिनमें अर्जेंटिना, बांग्लादेश, बेनिन, ब्राज़ील, कोत-दिव्वा, जर्मनी, घाना, ग्वाटेमाला, जॉर्डन, कजाकिस्तान, केन्या, कुवैत, मलेशिया, मोज़ाम्बिक, नाइजीरिया, सऊदी अरब, सेनेगल, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, तंजानिया, थाइलैंड, युगांडा, यू.ए.ई., यू.एस.ए., यमन तथा ज़ाम्बिया के लिए निर्यात शामिल हैं। क्रेता-ऋण के अंतर्गत निर्यात किए गए सामानों में परिवहन वाहन एवं ऑटो स्पेअर पार्ट्स, इंजीनियरिंग सामान, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएँ, फल तथा सब्जियाँ, चावल, अन्य कृषि आधारित उत्पाद एवं सामग्री, सादे तथा जड़ाऊ स्वर्ण/हीरे के आभूषण, स्टील तार तथा तार निर्मित राड, ईंधन तथा फर्नेस ऑयल, टायर एवं धागे आदि शामिल हैं। लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों के कई निर्यातकों ने क्रेता-ऋण कार्यक्रम के अंतर्गत दायित्व रहित भुगतान सुविधा का लाभ उठाया।

भारत सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते' के अंतर्गत क्रेता ऋण (बी सी-एन ई आई ए) नामक एक नए उत्पाद के प्रारंभ से भारतीय परियोजना निर्यातों को सहायता प्रदान करने के बैंक के प्रयासों को बल मिला है। यह एक विशिष्ट कार्यक्रम है जो निर्यातकों को दायित्व रहित वित्तपोषण विकल्प देने के साथ-साथ विकासशील देशों जिन्हें लंबी अवधि के आस्थगित ऋणों की आवश्यकता होती है, के पारम्परिक तथा नए बाजारों तक पहुंचने का एक प्रभावी माध्यम है। इस कार्यक्रम को अब तक अच्छा प्रतिसाद मिला है। बैंक द्वारा इस कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 2.6 बिलियन यू.एस. डॉलर की 11 परियोजनाओं को 1.4 बिलियन यू.एस. डॉलर की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है जिनमें श्री लंका के डाम्बुला प्रांत में एक जल शोधन संयंत्र की स्थापना तथा रिजर्वारियों में इसकी आपूर्ति; ज़ाम्बिया में 132 के वी क्षमता के सब स्टेशनों तथा लुसाका से लुआंगवा तक 187 किलोमीटर की एक बिजली लाइन बिछाने; मोज़ाम्बिक में बीरा पोर्ट पर एकीकृत एल पी जी तथा बिटुमिन भंडारण सुविधा की स्थापना; श्री लंका में अलुथगमा, मथुगमा तथा अगलवत्ता में एकीकृत जल आपूर्ति परियोजना के लिए प्लांट की डिजाइन तथा सिविल, मैकेनिकल व इंजीनियरिंग कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही बैंक ने इस कार्यक्रम



वोल्टास लिमिटेड ने एक्जिम बैंक की सहायता से आबु धाबी, यू.ए.ई. में एक आवासीय टॉवर तथा केन्द्रीकृत बाजार पुनर्विकास परियोजना के अंतर्गत कार्यालयीन टॉवर की स्थापना, आपूर्ति, परीक्षण तथा रख-रखाव का कार्य किया।



कांगो गणराज्य को प्रदत्त 89.90 मिलियन यू.एस. डॉलर की एक ऋण-व्यवस्था करार पर हस्ताक्षर।





मोज़ाम्बिक सरकार को प्रदत्त ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत जुगआर ओवरसीज लि. द्वारा स्थापित सूचना प्रौद्योगिकी पार्क।



गाम्बिया गणराज्य को प्रदत्त ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत शापूरजी पल्लोनजी कम्पनी लि. द्वारा निर्मित नेशनल असेम्बली बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स।



एक्जिम बैंक के सहयोग से एमक्योर फार्मास्युटिकल लिमिटेड द्वारा न्यू जर्सी की एक जेनरिक फार्मा कंपनी हेस्टेज फार्मा इंक का अधिग्रहण किया गया।

के अंतर्गत 7.43 बिलियन यू एस डॉलर की 54 परियोजनाओं को भी सहायता प्रदान करने के लिए सिद्धांततः सहमति दी है।

### ऋण-व्यवस्थाएं

एक्जिम बैंक समुद्रपारीय वित्तीय संस्थाओं, क्षेत्रीय विकास बैंकों, संप्रभु सरकारों और अन्य समुद्रपारीय संस्थाओं को ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान करता है ताकि इन देशों के क्रेता आस्थगित भुगतान शर्तों पर भारत से उन्नतशील तथा आधारभूत परियोजनाओं, उपकरणों एवं माल तथा सेवाओं का आयात कर सकें। भारतीय निर्यातक पोतलदान दस्तावेजों के परक्रामण पर एक्जिम बैंक से दायित्व रहित पात्र मूल्य का भुगतान प्राप्त कर सकते हैं। (अधिक जानकारी के लिए कृपया [eximloc@eximbankindia.in](mailto:eximloc@eximbankindia.in) पर संपर्क करें।)

वर्ष के दौरान, बैंक ने भारत से परियोजनाओं, माल तथा सेवाओं के निर्यात को सहायता देने के लिए कुल 1.77 बिलियन यू एस डॉलर की 24 ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान की हैं। एक्जिम बैंक द्वारा वर्ष के दौरान प्रदान की गई ऋण-व्यवस्थाओं में बेनिन, बुरुन्दी, इथियोपिया, गैबन, होंडुरस, लाओ पी डी आर, लाइबेरिया, मॉरिशस, मोज़ाम्बिक, म्यांमार, निकारागुआ, निजर, कांगो गणराज्य, रवांडा, सेनेगल, सूडान, वियतनाम एवं जिम्बाब्वे की सरकारों को दी गई ऋण-व्यवस्थाएं शामिल हैं। यह ऋण-व्यवस्थाएं गाँवों में पानी आपूर्ति योजनाओं का उन्नयन, कृषि यंत्रीकरण, रेलवे, ब्रॉड-कॉस्टिंग सुविधाओं का सुधार एवं उन्नयन, पॉवर ट्रांसमिशन एवं वितरण, ग्रामीण पेय जल, शहरी एवं अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में पेय जल सुविधाएं, सड़कों की मरम्मत, घरों का निर्माण, सौर विद्युतीकरण, सिंचाई व सिंचाई सुविधाओं का विकास तथा चीनी संयंत्र के लिए वित्तपोषण प्रदान करेंगी तथा निर्यात को बढ़ावा देंगी। वर्तमान में कुल 10.03 बिलियन यू एस डॉलर की ऋण-वचनबद्धताओं के साथ अफ्रीका, एशिया, सी आई एस, यूरोप तथा लैटिन अमेरिका के 75 देशों में 189 ऋण-व्यवस्थाएं उपभोग के लिए उपलब्ध हैं, जबकि कई ऋण-व्यवस्थाएं बातचीत के विभिन्न चरणों में हैं।

### निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता का सृजन

बैंक के पास भारतीय कंपनियों की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के उद्देश्य से कई वित्तपोषण कार्यक्रम हैं। निर्यात उन्मुख इकाइयों (ई ओ यू), आयातकों को वित्तीय सहायता सहित कई भारतीय कंपनियों को विदेशी निवेशों के लिए भी वित्तीय सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। ये सुविधाएं भारतीय निर्यातकों को उनकी नई परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए, विस्तार, आधुनिकीकरण, उपकरणों की खरीद, शोध एवं विकास, विदेशी निवेश तथा कार्यशील पूँजी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दीर्घावधि ऋण प्रदान करती हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान एक्जिम बैंक ने निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि हेतु विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल ₹ 225.54 बिलियन के ऋण मंजूर किये। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत संवितरण ₹ 207.70 बिलियन के थे। (अधिक जानकारी के लिए कृपया [cbg@eximbankindia.in](mailto:cbg@eximbankindia.in) पर संपर्क करें।)

### निर्यात उन्मुख इकाइयों को ऋण

वर्ष के दौरान, बैंक ने 42 निर्यात उन्मुख इकाइयों को ₹ 47.39 बिलियन के दीर्घावधि ऋण मंजूर किये हैं जिनके अंतर्गत संवितरणों की राशि ₹ 36.55 बिलियन है। उत्पादन उपकरण वित्त कार्यक्रम के अधीन 15 निर्यातक कंपनियों को उत्पादन उपकरणों की प्राप्ति के वित्तपोषण के लिए ₹ 5.35 बिलियन मंजूर किये गये। इस कार्यक्रम के अधीन संवितरणों की राशि ₹ 2.22 बिलियन रही। पाँच कंपनियों को ₹ 3.05 बिलियन की दीर्घावधि कार्यशील पूँजी ऋण मंजूर किए गए जिनके अंतर्गत संवितरणों की राशि ₹ 2.69 बिलियन रही।

## प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (टी यू एफ एस)

कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक्जिम बैंक को प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना के अंतर्गत परियोजनाओं को स्थापित करने एवं पात्रता हेतु अनुमोदन प्रदान करने तथा अनुमोदित परियोजनाओं को सीधे सब्सिडी प्रदान करने के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया है। यथा 31 मार्च, 2014 को बैंक ने 206 परियोजनाओं को अनुमोदन प्रदान किया है, जिनकी कुल लागत ₹ 160.02 बिलियन है। अनुमोदित और संवितरित ऋणों की समग्र राशि क्रमशः ₹ 52.83 बिलियन तथा ₹ 31.91 बिलियन है। कपड़ा उद्योग को प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना के अंतर्गत बैंक द्वारा प्रदान की गई सहायता वस्त्र निर्माण के विभिन्न खंडों तथा भारत के कई राज्यों में फैली हुई है।

## विदेशी निवेश वित्त कार्यक्रम

भारतीय बाह्य निवेश को सहायता प्रदान करने के लिए ईक्रीटी वित्त, ऋण, गारंटियां और सलाहकारी सेवाएँ प्रदान करने की दृष्टि से बैंक के पास एक विस्तृत कार्यक्रम है। वर्ष के दौरान 55 कंपनियों को 22 देशों में उनके विदेशी निवेश के वित्तपोषण के लिए कुल ₹ 78.59 बिलियन की निधिक तथा गैर-निधिक सहायता मंजूर की गई। एक्जिम बैंक ने कनाडा में लौह खदान परियोजना, जर्मनी में खाद्य तथा फार्मास्युटिकल पैकेजिंग, सिंगापुर, इटली, यू एस ए, नीदरलैंड तथा जर्मनी में मैनुफैक्चरिंग परिचालन, एक्वाडोर में ऑयल एक्सप्लोरेशन असेट्स, इटली में ऑटोमोटिव उपकरण मैनुफैक्चरिंग आदि निवेशों के लिए सहायता प्रदान की है।

अभी तक बैंक द्वारा 80 देशों में 391 कंपनियों के 494 उद्यमों को वित्तपोषण प्रदान किया जा चुका है। भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशी निवेश के लिए इस कार्यक्रम के अंतर्गत कुल ₹ 371.39 बिलियन की राशि प्रदान की गई है जिसमें विभिन्न क्षेत्र यथा फार्मास्युटिकल्स, घर सज्जा, रेडीमेड कपड़े, निर्माण, कागज एवं कागज उत्पाद, कपड़ा एवं वस्त्र, रसायन तथा रंजक, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर तथा सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरी सामान, प्राकृतिक संसाधन (कोयला तथा वन), धातु तथा धातु प्रसंस्करण और कृषि तथा कृषि आधारित उत्पाद आदि शामिल हैं।

## आयात वित्त

बैंक ने थोक आयात-वित्त कार्यक्रम के अंतर्गत आयात के लिए भी चुनिंदा आधार पर वित्तीय सुविधाएँ प्रदान कीं। थोक आयात वित्त कार्यक्रम के अंतर्गत मंजूर तथा संवितरित की गई राशि क्रमशः ₹ 25.50 बिलियन तथा ₹ 19.52 बिलियन रही है। आयात वित्त कार्यक्रम के अंतर्गत 10 कंपनियों को मंजूर आवधिक ऋण ₹ 13.24 बिलियन तथा संवितरण ₹ 16.65 बिलियन के रहे।

## आपाती साख-पत्र/साख-पत्र

निर्यात उन्मुख इकाइयों के लेन-देनों को सुगम बनाने के लिए बैंक मुख्य रूप से आयात वित्तपोषण के लिए साख-पत्र जारी करता है। वर्ष के दौरान, बैंक ने ₹ 18.41 बिलियन के 179 साख पत्र जारी किए हैं। बैंक निर्यात दस्तावेजों का निगोशिएशन तथा संग्रहण भी करता है। बैंक ने ₹ 58.55 बिलियन के 2718 निर्यात दस्तावेज हैंडल किए हैं। यथा 31 मार्च, 2014 को गारंटियाँ, साख-पत्र एवं आपाती साख पत्रों (एस बी एल सी) को शामिल करते हुए बैंक का गैर-निधिक पोर्टफोलियो ₹ 94.26 बिलियन रहा जो 31 मार्च, 2013 के ₹ 77.26 बिलियन की तुलना में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।



आलोक इंटरनेशनल इंक द्वारा न्यूयॉर्क में स्थापित डिजाइन स्टूडियो को एक्जिम बैंक द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई।



एक्जिम बैंक की सहायता से फिनलैंड की कंपनी लैब-सिस्टम्स डायग्नोस्टिक्स ओ वाई का अधिग्रहण चेन्नै की द्विवीट्रॉन हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया।









एक्जिम बैंक ने इन हस्तशिल्प उत्पादों में मूल्य संवर्द्धन तथा डिज़ाइन सुधार के लिए वित्तीय व प्रशिक्षण संबंधी सहायता प्रदान की।



## II. एक्जिम बैंक निर्यात सुगमीकारक के रूप में



एक्जिम बैंक ने कर्नाटक में ग्राम्य टर्नकी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड नामक एक संस्था, जो ग्रामीण क्षेत्र में हस्तशिल्प कारीगरों के लिए काम करती है, की मदद की।



एक्जिम बैंक ने भुज, गुजरात में ग्रामीण महिलाओं के उत्थान लिए कार्यरत संस्था-सहज की मदद की।



एक्जिम बैंक ने कलाधर आर्ट गैलरी की फ्रांस में एक शादी समारोह के लिए सेटों हेतु सामग्री का प्लेसमेंट करने में मदद की।

### ग्रासरूट पहलें

बैंक अपनी ग्रामीण ग्रासरूट पहलों के जरिए ग्रामीण भारत में स्थित उद्यमों के ग्लोबलाइजेशन (वैश्वीकरण) में मदद करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक शिल्पियों, बुनकरों तथा ग्रामीण उद्यमियों के लिए नए अवसरों का सृजन कर समाज के तुलनात्मक रूप से पिछड़े वर्ग की मदद करना है। इसके लिए संस्थाओं के साथ संबद्धताएं स्थापित करने, उन्हें संपोषित करने तथा उन्हें मजबूत करने की अपनी सुविचारित नीति के तहत बैंक ने चुनिंदा तथा औपचारिक सहयोग करार किए हैं। इन संस्थाओं के जरिए बैंक इन लोगों तक सीधे पहुंचकर क्षमता निर्माण, प्रौद्योगिकी उन्नयन, गुणवत्ता सुधार, बाजार पहुंच, प्रशिक्षण आदि में मदद करता है। (अधिक जानकारी के लिए आप [grid@eximbankindia.in](mailto:grid@eximbankindia.in) पर संपर्क कर सकते हैं।)

वर्ष के दौरान, बैंक ने गुजरात स्थित एक ट्रस्ट की मदद की है, जो पूर्व गुजरात के आदिवासी कारीगरों को उनके घरों में ही जीविकोपार्जन हेतु अवसर प्रदान करता है तथा प्रवासन (माइग्रेशन) संबंधी मुद्दों को दूर करने में मदद करता है। बैंक ने इस ट्रस्ट को एक कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सी एफ सी) की स्थापना के लिए मदद की है। बैंक ने कर्नाटक में बेलगाम स्थित एक संस्था को इसकी सी एफ सी के लिए अतिरिक्त रंगाई (डाईंग) व बुनाई (विबिंग) उपकरणों की खरीद के लिए तथा कार्यशील पूंजी के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस संस्था में लगभग 700 कारीगर काम करते हैं, जिनमें से अधिकांशतः बेलगाम जिले की अर्द्धशुष्क तथा सूखाग्रस्त गाँवों की गरीब ग्रामीण महिलाएँ हैं। बैंक ने इसी तरह से आंध्र प्रदेश के श्रीकालहस्ती में कार्यरत एक संस्था को भी वित्तीय सहायता प्रदान की है जिसमें लगभग 5000 कारीगर कार्यरत हैं। बैंक ने उड़ीसा में भी ग्रामीण कला एवं शिल्प को बढ़ावा देने वाली एक संस्था को आदिवासी महिला कारीगरों द्वारा आभूषण बनाने हेतु एक छोटा वर्कशेड तैयार करने के लिए तथा आवश्यक कार्यशील पूंजी सहायता प्रदान की है। इसमें सामाजिक रूप से पिछड़े लगभग 2000 आदिवासी कारीगर कार्यरत हैं। वर्ष के दौरान, बैंक ने आईआईटी, मद्रास के रूरल टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेशन (आर टी बी आई) के तत्वावधान में दो उभरते प्रौद्योगिकी उन्मुख संस्थाओं को भी वित्तीय सहायता प्रदान की है।

### विपणन सलाहकारी सेवाएँ

बैंक अपने विपणन सलाहकारी कार्यक्रम के जरिए भारतीय कंपनियों में क्षमता निर्माण तथा उनकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। बैंक भारतीय निर्यातकों के उत्पादों एवं सेवाओं हेतु विदेशी वितरकों/क्रेताओं/सहभागियों की तलाश करने में मदद करता है। विपणन सलाहकारी कार्यक्रम के अंतर्गत बैंक अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की अच्छी जानकारी, अपनी वैश्विक उपस्थिति तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ अपने संबंधों का लाभ उठाकर सफलता शुल्क आधार पर भारतीय कंपनियों की उनके विदेशी विपणन प्रयासों में मदद करता है। (अधिक जानकारी के लिए आप [mas@eximbankindia.in](mailto:mas@eximbankindia.in) पर संपर्क कर सकते हैं।)

वर्ष के दौरान बैंक ने 31 कंपनियों के साथ उनके उत्पादों तथा सेवाओं को विपणन सहायता प्रदान करने हेतु अधिदेशों (मैंडेट्स) पर हस्ताक्षर किए। विभिन्न उत्पादों के लिए घरेलू तथा विदेशी बाजारों में 80 से अधिक आदेश प्राप्त हुए। कुछ सफल प्रयासों में रेडिमेड कपड़े जैसे साड़ियाँ एवं स्टोल का प्रमुख शहरों में एक मल्टी ब्रांड रिटेल श्रृंखला में प्लेसमेंट शामिल है। यूनाइटेड किंगडम में आम के पल्प, सिंगापुर में दिवाली दिये तथा फ्रांस में शादी हेतु सेट व बैकड्रॉप सामग्रियों की आपूर्ति के लिए भी खरीद ऑर्डर प्राप्त करने में मदद की गई। बैंक ने हैंडमेड पेपर उत्पाद, मधुबनी पेंटिंग्स, बीदर आर्टिफैक्ट्स, गुजराती हस्तशिल्प सामान, लकड़ी की नक्काशी तथा लाख (लेकरवेयर), ढोकरा मेटल उत्पाद तथा आदिवासी आभूषण, नारियल हैंडिक्राफ्ट्स, जूट के हस्तशिल्प सामान, वारली पेंटिंग,



गोंड पेंटिंग, वूडन पेंटिंग, मार्बल आर्टिफैक्ट्स, फाइल, फोल्डर तथा स्टेशनरी मर्चें सहित उपयोग में लायी जाने वाली अन्य वस्तुओं के लिए क्रय आदेश प्राप्त करने में मदद की है।

उत्पादों के नियोजन (प्लेसमेंट) के अलावा विशिष्ट व नवोन्मेषी उत्पाद व सेवाएं प्रदान करने वाली भारतीय कंपनियों के लिए व्यापार भागीदारों की तलाश में भी सहायता प्रदान की गई। बैंक ने बेंगलूर की एक मेडिकल डायग्नोस्टिक इक्विपमेंट कंपनी-फोरस हेल्थकेयर के नए उत्पाद त्रिनेत्र के लिए अफ्रीका तथा ईरान के बाजारों में बिजनेस पार्टनर की तलाश में मदद की। अल्युमिनियम कॉस्टिंग की मैनुफैक्चरिंग तथा आपूर्ति के लिए सुंदरम क्लेटन की यू एस आधारित थर्मल मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी कंपनी, मोडाइन के साथ पार्टनरशिप में मदद की गई है। बैंक ने भारतीय कंपनियों तथा संस्थाओं के चुनिंदा उत्पादों की आपूर्ति के लिए घरेलू रिटेल श्रृंखलाओं के साथ दीर्घवधि कारोबारी संबंध विकसित करने में भी सहयोग प्रदान किया है। बैंक ने रांची स्थित झारखंड सिल्क टेक्स्टाइल एंड हैंडिक्राफ्ट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि. (झारक्राफ्ट) के उत्पादों की बिक्री के लिए भारतीय वर्षों की एक रिटेल चेन के साथ उनकी पार्टनरशिप में मदद की है।

### म्यांमार में एक्विजि बैंक

भारत तथा म्यांमार के बीच द्विपक्षीय व्यापार व निवेश को बढ़ावा देने के लिए बैंक ने यांगून, म्यांमार में अपना आठवां विदेशी प्रतिनिधि कार्यालय खोला। म्यांमार में अपने परिचालन स्थापित करने वाला यह विश्व का पहला एक्विजि बैंक है। म्यांमार के साथ भारत के प्राचीन ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक व आर्थिक संबंध हैं। म्यांमार में अपनी उपस्थिति से अब बैंक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार व निवेश संबंधों को बढ़ाने पर विशेष ध्यान देगा।

### ट्रेजरी

बैंक की एकीकृत ट्रेजरी निधियों के निवेश, मुद्रा बाजार तथा फॉरेक्स परिचालनों तथा प्रतिभूतियों/ईक्विटी की खरीद-बिक्री सहित निधि प्रबंधन का कार्य देखती है। बैंक ने फ्रंट/मिडल/बैक ऑफिस कार्यों को अलग किया है और एक आधुनिकतम डीलिंग रूम स्थापित किया है। बैंक की ट्रेजरी द्वारा अपने ग्राहकों को प्रदान किये जाने वाले विभिन्न प्रकार के उत्पादों में विदेशी मुद्रा सौदे, निर्यात दस्तावेजों की वसूली/परक्रामण, अन्तर्देशीय/विदेशी साख-पत्र/गारंटियाँ जारी करना तथा संरचित ऋण आदि शामिल हैं। बैंक अपने बाजार जोखिमों को कम करने तथा न्यून लागत पर निधियाँ जुटाने के लिए वित्तीय व्युत्पन्न (डेरिवेटिव) संव्यवहारों का भी उपयोग करता है। बैंक भारतीय वित्तीय नेटवर्क (इनफीनेट) का एक सदस्य है। बैंक को भारतीय रिज़र्व बैंक की तयशुदा लेन-देन प्रणाली-ऑर्डर मिलान खंड (एन डी एस-ओ एम) के माध्यम से सौदा करने के लिए डिजिटल प्रमाण पत्र प्राप्त है, जो भारत सरकार की प्रतिभूतियों के क्रय-विक्रय के लिए इलेक्ट्रॉनिक लेन-देन का एक मंच प्रदान करता है। बैंक की प्रतिभूतियाँ तथा विदेशी मुद्रा लेन-देन मुख्यतः भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड (सी सी आई एल) द्वारा प्रदान की गई गारंटी निपटान सुविधा के जरिए किये जाते हैं। बैंक सी सी आई एल के संपाश्विकीकृत उधार लेन-देन संबंधित दायित्व खंड तथा रेपो डीलिंग सिस्टम का भी एक सक्रिय सदस्य है। बैंक क्लियर कॉर्प ऑर्डर मैचिंग सिस्टम, जो सी सी आई एल का रेपो डीलिंग सिस्टम है, का भी सदस्य है। बैंक ने इनफीनेट तथा बैंक के नेटवर्क के साथ कनेक्टिविटी कार्यान्वित की है जिससे ट्रेजरी अप्लीकेशनों की सीधी प्रोसेसिंग की जा सकेगी। स्विफ्ट अलाएंस एक्सेस पर बैंक की केन्द्रीकृत स्विफ्ट सुविधा उपलब्ध है।



बैंक ने रेडिमेड कपड़ों के प्लेसमेंट के लिए झारक्राफ्ट को सहायता प्रदान की।



एक्विजि बैंक ने मुम्बई में हस्त शिल्प उत्पादों के प्रदर्शनी के लिए महिलाओं की एक संस्था वीमेंस मोक्ष की मदद की।



यांगून, म्यांमार में बैंक के आठवें विदेशी कार्यालय का उद्घाटन।









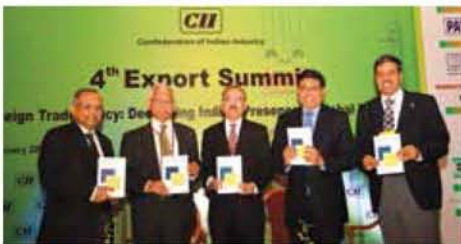
रवांडा सरकार को दी गई ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत न्याबारोंगो नदी पर निर्मित जल विद्युत परियोजना।  
ऊपर - एक्विम बैंक के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक प्रोजेक्ट साइट पर रवांडा के स्थानीय लोगों के साथ।



### III. एक्जिम बैंक निर्यातों के संवर्द्धक के रूप में



एक्जिम बैंक के शोध अध्ययन 'दक्षिण अफ्रीकी विकास समुदाय (एस ए डी सी) के साथ भारत का व्यापार: एक संक्षिप्त विश्लेषण' का विमोचन।



एक्जिम बैंक के शोध अध्ययन 'भारत का हाई-टेक निर्यात: संभावित बाज़ार तथा प्रमुख नीतिगत हस्तक्षेप' का विमोचन।



नई दिल्ली, हैदराबाद तथा मुम्बई में विश्व बैंक के साथ व्यवसाय अवसरों पर आयोजित सेमिनार।

#### शोध एवं विश्लेषण

एक्जिम बैंक का शोध एवं विश्लेषण समूह (आर ए जी) अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार तथा निवेश के क्षेत्र में अपने गुणात्मक व मात्रात्मक शोध कार्यों को बढ़ावा देता है। इस समूह द्वारा किए गए शोध कार्य देशों, उद्योग क्षेत्रों तथा नीतिगत विषयों पर होते हैं जिन्हें प्रासंगिक आलेखों, कार्यकारी आलेखों तथा पुस्तकों आदि के रूप में प्रकाशित किया जाता है। वर्ष के दौरान प्रकाशित शोध अध्ययन हैं :

- अफ्रीका के साथ भारतीय व्यापार संबंधों का संवर्द्धन : चुनिंदा देशों पर केंद्रित;
- वित्तीय खुलेपन का प्रभाव : भारतीय अनुभव का मूल्यांकन;
- चुनिंदा देशों के परिप्रेक्ष्य में श्रम कानूनों का तुलनात्मक अध्ययन;
- लैक (एल ए सी) क्षेत्र के साथ भारत के व्यापार संबंधों को बढ़ाना: चुनिंदा देशों पर केन्द्रित;
- भारत-म्यांमार के बीच बढ़ते व्यापार एवं निवेश संबंध: एक संक्षिप्त विश्लेषण;
- कम्बोडिया, लाओ पी डी आर, म्यांमार तथा वियतनाम (सी एल एम वी) के साथ भारत के व्यापार एवं निवेश संबंध: आर्थिक सहयोग बढ़ाना;
- रूस के साथ भारत के व्यापार संवर्द्धन की संभाव्यता: एक संक्षिप्त विश्लेषण;
- भारतीय सिरैमिक उद्योग: परिदृश्य, चुनौतियाँ एवं रणनीतियाँ;
- भारतीय बागवानी – भारत से व्यापार बढ़ाने के उपाय;
- खाड़ी सहयोग परिषद (जी सी सी) के साथ भारत के व्यापार एवं निवेश संबंध: मजबूत होते आर्थिक संबंध;
- फ्रांस के साथ भारत का व्यापार बढ़ाने की संभाव्यता: एक संक्षिप्त विश्लेषण;
- यू के के साथ भारत का व्यापार बढ़ाने की संभाव्यता: एक संक्षिप्त विश्लेषण;
- भारत के हाई-टेक निर्यात: संभावित बाजार एवं प्रमुख नीतिगत हस्तक्षेप;
- जर्मनी के साथ भारत का व्यापार बढ़ाने की संभाव्यता: एक संक्षिप्त विश्लेषण; तथा
- दक्षिण अफ्रीकी विकास समुदाय (एस ए डी सी) के साथ भारत का बढ़ता व्यापार: एक संक्षिप्त विश्लेषण।

(ये सभी शोध अध्ययन बैंक की वेबसाइट से निःशुल्क डाउनलोड किए जा सकते हैं)

#### सूचना और सलाहकारी सेवाएँ

बैंक सूचना, सलाहकारी और सहायता सेवाओं की एक व्यापक श्रेणी प्रदान करता है। यह सेवाएं उसके वित्तपोषण कार्यक्रमों को संपूर्ण बनाती हैं। ये सेवाएं भारतीय कंपनियों और विदेशी संस्थाओं को शुल्क के आधार पर प्रदान की जाती हैं। इन सेवाओं में बाजारों से संबंधित सूचना, क्षेत्र और व्यवहार्यता अध्ययन, प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ताओं की पहचान, भागीदारों की खोज, निवेश सुगमीकरण तथा भारत और विदेश दोनों में संयुक्त उद्यमों का विकास आदि शामिल हैं।

## विदेशों में बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा निधिक परियोजनाएँ (एम एफ पी ओ)

विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक, अफ्रीकी विकास बैंक तथा यूरोपीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक जैसी बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा निधिक परियोजनाओं का व्यवसाय प्राप्त करने की भारतीय कंपनियों की संभावनाओं में वृद्धि करने के लिए बैंक भारतीय कंपनियों को सूचना एवं सहायता सेवाओं का एक पूरा पैकेज प्रदान करता है। इन एजेंसियों द्वारा निधिक परियोजनाएं आपूर्तिकर्ताओं, संविदाकारों व सलाहकारों को आकर्षक व्यवसाय अवसर प्रदान करती हैं। बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा निधिक इन परियोजनाओं में भारतीय सलाहकारों, संविदाकारों एवं आपूर्तिकर्ताओं की संभाव्यता तथा सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए एक्जिम बैंक इन एजेंसियों के साथ मिलकर सेमिनारों का भी आयोजन करता है।

बैंक ने विश्व बैंक समूह द्वारा निधिक परियोजनाओं में व्यवसाय अवसरों पर नई दिल्ली, मुम्बई तथा हैदराबाद में चर्चापरक सेमिनारों की श्रृंखला आयोजित की। बैंक ने अफ्रीकी विकास बैंक समूह के साथ मिलकर नई दिल्ली, मुम्बई तथा हैदराबाद में अफ्रीकी विकास बैंक निधिक परियोजनाओं में व्यवसाय अवसरों पर सेमिनारों की श्रृंखला आयोजित की। इन सेमिनारों में बहुपक्षीय निधिक परियोजनाओं में आपूर्तिकर्ताओं, संविदाकारों तथा सलाहकारों के लिए व्यवसाय अवसरों के स्वरूप तथा इन परियोजनाओं में भारतीय कंपनियों द्वारा प्रभावी प्रतिभागिता सुनिश्चित करने के बारे में जानकारी दी गई। एक्जिम बैंक तथा अफ्रीकी विकास बैंक समूह ने अफ्रीका में परियोजनाओं के संयुक्त वित्तपोषण के लिए भी एक करार पर हस्ताक्षर किए। इस करार के अंतर्गत अफ्रीकी विकास बैंक समूह के क्षेत्रीय सदस्य देशों में परियोजनाओं (लघु एवं मध्यम उद्यम समूह की परियोजनाओं को प्राथमिकता देते हुए) को संयुक्त रूप से वित्तपोषित किया जाएगा।

वर्ष के दौरान, बैंक ने विभिन्न क्षेत्रों यथा परिवहन, बुनियादी सुविधा क्षेत्र, निर्माण, दूरसंचार, ऊर्जा, शिक्षा तथा सूचना प्रौद्योगिकी आदि पर विदेशी व्यवसाय अवसरों से संबंधित सूचना का प्रचार-प्रसार भी किया है।

## अनुभवों का आदान-प्रदान

विकासशील देश के संदर्भ में एक निर्यात ऋण एजेंसी के रूप में कार्य करने के अलावा अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा निवेश को सहायता देने वाली एक संस्था के रूप में बैंक का अनुभव अन्य विकासशील देशों के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है। बैंक अन्य देशों को परामर्शी सेवाओं के जरिए अपने इस अनुभव तथा विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करता रहा है। एक्जिम बैंक अपने संस्थागत सहभागियों के कर्मचारियों को प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करने हेतु कार्मिकों के ऑन-साइट एक्सचेंज कार्यक्रमों के जरिए भी अपने अनुभव तथा कौशल का आदान-प्रदान करता रहा है।

वर्ष के दौरान, कॉमनवेल्थ सचिवालय, लंदन द्वारा बैंक को श्री लंका निर्यात ऋण बीमा कॉर्पोरेशन (एस एल ई सी आई सी) की सहायता के लिए नियुक्त किया गया जिसके अंतर्गत उनकी परिचालन नीति की समीक्षा तथा नए उत्पादों के सुझाव सहित समग्र रूप में श्री लंका में निर्यात वित्तपोषण ढांचे को मजबूत करने संबंधी उपायों के बारे में सुझाव देना था।

एक्जिम बैंक ने आई टी सी, जिनेवा के साथ मिलकर म्यांमार सरकार को एक राष्ट्रीय निर्यात ऋण नीति विकसित करने के संबंध में परामर्श दिया। एक्जिम बैंक के अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों जैसे टेक्सटाइल और वस्त्र, चावल, व्यापार सूचना तथा व्यापार संवर्द्धन क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञ राय दी। इन अधिकारियों ने विशेषकर इन क्षेत्रों में म्यांमार का निर्यात बढ़ाने के लिए भारत के विकास मॉडल को शेयर किया।



नई दिल्ली, हैदराबाद तथा मुम्बई में अफ्रीकी विकास बैंक के साथ व्यवसाय अवसरों पर आयोजित सेमिनार।



एक्जिम बैंक के प्रासंगिक आलेख 'अफ्रीका के साथ भारत के व्यापार का संवर्द्धन : चुनिंदा देशों के संदर्भ में' का विमोचन।



भारत तथा पूर्वी अफ्रीका के बीच व्यापार तथा निवेश बढ़ाने के लिए एक्जिम बैंक तथा आई टी सी जिनेवा के बीच सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।





एशियन एक्जिम बैंक्स फोरम के सदस्यों के स्टाफ के लिए 'पूँजी बाज़ार तक कैसे पहुँचे' विषय पर बेंगलोर में आयोजित 26वां प्रशिक्षण कार्यक्रम।



जनता बैंक लिमिटेड; बांग्लादेश के एक डेलीगेशन ने बैंक के प्रधान कार्यालय का दौरा किया।



वुयिशाँन, चीन में आयोजित एशियन एक्जिम बैंक्स फोरम की 19वीं बैठक।

## एक्जिमिअस शिक्षण केन्द्र

एक्जिमिअस शिक्षण केन्द्र ने इस वर्ष के दौरान भी क्षमता निर्माण संबंधी अपनी गतिविधियों को जारी रखा। वर्ष के दौरान एक्जिमिअस केन्द्र द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :

- निर्यातकों के लिए फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्टर्स ऑर्गनाइजेशन (एफ आई ई ओ) के सहयोग से यू एस ए, अर्जेंटीना तथा वियतनाम के साथ व्यापार तथा व्यवसाय अवसरों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन;
- फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्टर्स ऑर्गनाइजेशन (एफ आई ई ओ) के साथ मिलकर ज्ञानसंवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन जिसमें यूरोपीय समुदाय के सुरक्षा मानक 'आर ई ए सी एच', 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर केन्द्रीय उत्पाद कर, सेवा कर तथा वित्तीय उत्पाद; 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भुगतान शर्तें तथा यूसीपी-600' आदि विषयों पर सत्र शामिल थे;
- सेवा निर्यातकों के सामने आने वाली कठिनाइयों को समझने के लिए बेंगलोर, चेन्नै, कोचीन, हैदराबाद, कोलकाता, मुम्बई और नई दिल्ली में वित्त मंत्रालय के सहयोग से "सेवा क्षेत्र पर रणनीति" विषय पर कार्यक्रमों का आयोजन;
- विदेश व्यापार महानिदेशालय (डी जी एफ टी) के आई टी एस परिबीक्षाधीन अधिकारियों तथा आयकर अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन;
- बेंगलोर में विश्वेश्वरैया ट्रेड प्रमोशन सेंटर के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार करने के इच्छुक उद्यमियों के लिए निर्यात प्रबंधन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।

## संस्थागत संबद्धताएँ

### ब्रिक्स अंतर बैंक सहयोग प्रक्रिया

देश के व्यापार तथा निवेश को बढ़ावा देने के लिए बैंक ने बहुपक्षीय एजेंसियों, निर्यात ऋण एजेंसियों, बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं, व्यापार संवर्द्धन निकायों तथा निवेश संवर्द्धन बोर्डों के साथ अपने संस्थागत संबंधों का एक नेटवर्क विकसित किया है। इसी दिशा में बैंक ने ब्रिक्स देशों के चार प्रमुख विकास बैंकों (ब्राज़ील, रूस, चीन तथा दक्षिण अफ्रीका) के साथ डरबन, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित ब्रिक्स समिट 2013 की बैठक के दौरान ब्रिक्स देशों के राष्ट्राध्यक्षों/सरकारों की उपस्थिति में दो सहयोग करारों पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षरित करारों में (i) अफ्रीका के लिए ब्रिक्स बहुपक्षीय ढांचागत वित्तपोषण करार (ii) संपोषी विकास के लिए ब्रिक्स बहुपक्षीय सहयोग व सह वित्तपोषण करार हैं। इन दोनों करारों से ब्रिक्स विकास बैंकों के बीच आपसी सहयोग तथा अंतर-ब्रिक्स व्यापार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

ब्रिक्स अंतर बैंक सहयोग प्रक्रिया के अंतर्गत भारतीय एक्जिम बैंक नामित सदस्य विकास बैंक है। ब्रिक्स राष्ट्रों के अन्य नामित सदस्य बैंकों में बी एन डी ई एस, ब्राज़ील; स्टेट कार्पोरेशन बैंक फॉर डेवलपमेंट एंड फॉरेन इकोनॉमिक अफेयर्स- वेनेशकोनोम बैंक, रूस; चाइना डेवलपमेंट बैंक कार्पोरेशन तथा डेवलपमेंट बैंक ऑफ साउथ अफ्रीका हैं। बैंक ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग व्यवस्था के अंतर्गत आयोजित ब्रिक्स वित्तीय फोरम की वार्षिक बैठकों में अपनी सहभागिता करता रहा है।

### एशियन एक्जिम बैंक्स फोरम

एशियन एक्जिम बैंक्स फोरम की (ए ई बी एफ) 19वीं वार्षिक बैठक अक्टूबर, 2013 में वुयिशाँन, चीन में संपन्न हुई। इस वर्ष की बैठक का मुख्य विषय था- 'चुनौतीपूर्ण

वैश्विक पर्यावरण परिदृश्य में क्षेत्रीय सहयोग व संपर्क मजबूत करना'। बैठक में वर्तमान चुनौतीपूर्ण वैश्विक पर्यावरण परिदृश्य में एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के बीच क्षेत्रीय सहयोग व संपर्क बढ़ाने पर सभी सदस्य देशों के बीच सार्थक चर्चा हुई। इस बैठक की अध्यक्षता एवं मेजबानी चाइना एक्सपोर्ट- इम्पोर्ट बैंक द्वारा की गई। इस बैठक में सदस्य देशों ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया, मलेशिया, फिलीपीन्स, थाइलैण्ड तथा वियतनाम से उच्च स्तरीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस बैठक में बहुपक्षीय वित्तपोषण संस्था एशियाई विकास बैंक (ए डी बी) ने एक स्थायी आमंत्रित्री के तौर पर हिस्सा लिया। वियतनाम को इस वार्षिक बैठक में फोरम के एक नियमित सदस्य के रूप में शामिल किया गया।

एशियन एक्विजिशन बैंक्स फोरम का उद्देश्य परस्पर आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देकर एशियाई एक्विजिशन बैंकों के बीच दीर्घकालिक व सुदृढ़ संबंध बनाना है। भारतीय एक्विजिशन बैंक नवम्बर 2014 में एशियन एक्विजिशन बैंक्स फोरम की 20वीं बैठक की मेजबानी करेगा। इस बैठक की थीम होगी-“एशियाई एक्विजिशन बैंकों की विकासकारी भूमिका व प्रासंगिकता - 2020 में।”

### एक्विजिशन बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं का वैश्विक नेटवर्क

एक्विजिशन बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं के वैश्विक नेटवर्क (जी-नेक्विजिड) की स्थापना अंकटाड के तत्वावधान में जिनेवा में मार्च 2006 में एक्विजिशन बैंक की पहल पर की गई थी। नेटवर्क ने विभिन्न विकासशील देशों के एक्विजिशन बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं के सहयोग से दक्षिण-दक्षिण सहयोग तथा निवेश को बढ़ाने की दिशा में अच्छा कार्य किया है।

### सहयोग ज्ञापन/ सहयोग करार

बैंक लघु एवं मध्यम उद्यमों के अंतरराष्ट्रीयकरण प्रयासों को अपने विशिष्ट शोध कार्यों तथा विपणन सलाहकारी सेवाओं के माध्यम से सहायता प्रदान करने में सक्रिय रहा है। इसी दिशा में बैंक ने छठी भारत-यू के आर्थिक व वित्तीय सहयोग वार्ता के अवसर पर यूके ट्रेड एण्ड इन्वेस्टमेंट (यू के टी आई) के साथ एक सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग ज्ञापन का उद्देश्य भारत और यूके में विशेषकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के बीच समुचित संयुक्त उद्यमों की स्थापना तथा व्यापार भागीदारों की खोज के लिए सूचना का आदान-प्रदान व सहयोग बढ़ाना है। बैंक ने एस एम ई चेंबर ऑफ इंडिया के साथ भी एक सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिसका उद्देश्य भारत तथा विदेशों में स्थित एस एम ई इकाइयों के बीच व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ावा देना है।

वर्ष के दौरान बैंक ने ऑस्टरलिज़, नीदरलैंड की एक गैर-लाभकारी संस्था वुमन ऑन विंग्स (डब्ल्यू ओ डब्ल्यू) के साथ भी एक सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह संस्था विकासशील देशों की महिलाओं की आय को बढ़ाने के लिए काम करती है। संस्था का उद्देश्य वर्ष 2018 तक ग्रामीण भारत में महिलाओं के लिए 1 मिलियन रोजगार अवसरों का सृजन करना है। यह संस्था भारतीय उद्यमियों को व्यवसाय विकास संबंधी सलाहकारी सेवाएं प्रदान कर, मानव पूँजी में निवेश को बढ़ावा देकर तथा उनके उत्पादों के लिए मार्केटिंग सहयोग प्रदान करती है।

बैंक ने इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर (आईटीसी), जिनेवा के साथ एक सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिसका उद्देश्य विशेषकर उद्यमिता तथा क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर व्यापार आसूचना, बाजार विश्लेषण तथा शोध आदि क्षेत्रों में क्षमता निर्माण में सहयोग करना है। सहयोग ज्ञापन का उद्देश्य भारत तथा अन्य देशों के बीच व्यापार नेटवर्क व व्यापार संबद्धताओं को सहायता प्रदान कर कारोबारी माहौल में सुधार लाना है। आई टी सी तथा एक्विजिशन बैंक द्वारा 'अफ्रीका के लिए भारतीय व्यापार वरीयता सहयोग परियोजना



नई दिल्ली में आयोजित एशियन एक्विजिशन बैंक्स फोरम के टेक्निकल वर्किंग ग्रुप की 20वीं बैठक।



जी-नेक्विजिड की जिनेवा, स्विट्जरलैंड में आयोजित 8वीं वार्षिक बैठक।



एक्विजिशन बैंक ने स्माल एंड मीडियम बिजनेस डेवलपमेंट चेंबर ऑफ इंडिया के साथ सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।





एक्जिम बैंक ने राष्ट्रीय डिजाइन तथा उत्पाद विकास केन्द्र के साथ सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।



बैंक ने अगरतला में आयोजित भारत-जिम्बाब्वे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हस्तशिल्प कारीगरों की मदद की।



बैंक ने पोचमपल्ली बुनकरों के लिए एक उत्पाद विकास कार्यशाला का आयोजन किया।

(एस आई टी ए)' को भी सहयोग प्रदान किया जाएगा। यह परियोजना इस वर्ष से प्रारंभ होकर 2020 तक चलेगी। इसके अंतर्गत भारतीय निवेश व कौशल अंतरण के जरिए पांच अफ्रीकी देशों इथियोपिया, केन्या, रवांडा, तंजानिया तथा युगांडा से भारत को निर्यात बढ़ाया जाएगा।

भारत के ग्रामीण क्षेत्र में दीर्घकालिक रोजगार अवसरों के सृजन तथा निर्यात बढ़ाने के लिए बैंक ग्रासरूट उद्यमों की अपने विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए मदद करता है। प्रदान की जाने वाली सेवाओं में वित्तीय सहायता सहित निर्यात मार्केटिंग व उत्पाद विकास सहायता शामिल है। अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों की बदलती अभिरुचियों के अनुरूप भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों में डिजाइन विकास के लिए बैंक ने राष्ट्रीय डिजाइन एवं उत्पाद विकास केन्द्र (एन सी डी पी डी) के साथ एक सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग ज्ञापन के अंतर्गत कंपनियों, कारीगरों के लिए विशिष्ट कार्यशालाओं का आयोजन, संकाय सहयोग, डिजाइन, उत्पाद विकास, कौशल विकास विषयक प्रशिक्षण, तकनीकी उन्नयन, निर्यात क्षमता सृजन में सहायता व पारस्परिक लाभप्रद विषयों पर संयुक्त अध्ययन व शोध शामिल हैं।

भारतीय ग्रासरूट एवं सामाजिक उद्यमों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने में सहायता के लिए बैंक ने वर्ल्ड क्राफ्ट काउंसिल (डब्ल्यू सी सी) के साथ भी एक सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग ज्ञापन के अंतर्गत सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में भारत में हस्तशिल्प कलाओं व उत्पादों के विकास में सहयोग, भारतीय कारीगरों के उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले अंतरराष्ट्रीय क्राफ्ट फिल्म समारोहों तथा अंतरराष्ट्रीय क्राफ्ट प्रदर्शनियों का आयोजन जिनसे उन्हें अपनी कलाओं के प्रदर्शन सहित नए विचारों व तकनीकों को सीखने में मदद मिल सके तथा भारतीय कारीगरों के उत्पादों को नए बाजारों तक पहुंचाने में सहायता प्रदान करना आदि शामिल हैं।

### कार्यशालाएँ

ग्रासरूट स्तर पर बैंक द्वारा निम्नलिखित कार्यशालाएं आयोजित की गईं:-

बैंक ने राष्ट्रीय डिजाइन एवं उत्पाद विकास केन्द्र (एन सी डी पी डी) के साथ मिलकर मार्च 2014 में पोचमपल्ली हैंडलूम पार्क लिमिटेड (पी एच पी एल) के बुनकरों के लिए 10 दिन की एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद तैयार करने हेतु प्रशिक्षण सहित, मार्केटिंग, पैकेजिंग, ब्रांड बिल्डिंग आदि विषयों पर कारीगरों को जानकारी प्रदान करना तथा बुनकरों व ग्रामीण शिल्पकारों के लिए व्यवसाय उत्पन्न करना था। कार्यशाला में 53 से अधिक कारीगरों ने भाग लिया।

बैंक ने राष्ट्रीय डिजाइन एवं उत्पाद विकास केन्द्र (एन सी डी पी डी) के साथ मिलकर नवंबर 2013 में बैबू एंड केन डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, अगरतला में भारत और जिम्बाब्वे के बीच क्राफ्ट एक्सचेंज कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में 50 कारीगरों ने हिस्सा लिया जिसमें जिम्बाब्वे के 25 तथा भारत के 25 कारीगरों ने सहभागिता की तथा अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। कार्यक्रम का मुख्य फोकस पर्यावरण अनुकूल बांस क्राफ्ट कला, बारकेटरी तथा अन्य संबद्ध उत्पादों के क्षेत्र में एक-दूसरे से विभिन्न उत्पादों की डिजाइन व पैटर्न सहित फिनिशिंग टेकनीक सीखना व कौशलों का आदान प्रदान करना था।



गोलाघाट, असम में हैंडलूम कपड़े तैयार करने वाली 60 महिला मास्टर कारीगरों के लिए उपयोगिता आधारित कपड़ों के प्रोटोटाइप तैयार करने के लिए डिजाइन विकास एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कर्नाटक के बेंगलूरु तथा लखवनहल्ली में कारीगरों के लिए प्राकृतिक फाइबर से निर्मित उपयोगी हस्तशिल्प उत्पाद बनाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान लगभग 50 कारीगरों को प्रशिक्षित किया गया तथा 20 नए उत्पादों के डिजाइन तैयार किए गए।

### व्यवसाय उत्कृष्टता का पुरस्कार

‘सी आई आई-एक्जिम बैंक व्यवसाय उत्कृष्टता पुरस्कार’ की स्थापना भारतीय निर्यात-आयात बैंक तथा भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा 1994 में भारतीय कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली उत्कृष्ट गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों को पुरस्कृत करने हेतु की गई थी। यह पुरस्कार यूरोपियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (ई एफ क्यू एम) मॉडल पर आधारित है।

उद्योग जगत में प्रतिष्ठित यह वार्षिक पुरस्कार पात्र कंपनियों को उनकी उत्कृष्ट गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों के लिए बाह्य मूल्यांककों द्वारा पारदर्शी एवं कड़ी परीक्षण प्रक्रिया के पश्चात एफ ई क्यू एम मॉडल पर प्रदान किया जाता है। वर्ष 2013 में उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए 40 कंपनियाँ अलग-अलग श्रेणियों में विजेता रहीं। बोश लि., डीजल सिस्टम्स बिजनेस, नासिक को व्यवसाय उत्कृष्टता के लिए सी आई आई-एक्जिम बैंक अवार्ड तथा बोश लि., डीजल सिस्टम्स बिजनेस, जयपुर तथा गोदरेज लॉकिंग सिस्टम्स एंड सॉल्यूशंस को व्यवसाय उत्कृष्टता के लिए सी आई आई-एक्जिम बैंक पुरस्कार प्राप्त हुआ। जबकि लघु एवं मझोले व्यवसाय उद्यम श्रेणी में इंडेलाक्स सर्विसेज विजेता रहे। लगातार दूसरे वर्ष पुरस्कार जीतने पर गोदरेज लॉकिंग सिस्टम्स एंड सॉल्यूशंस को विशिष्ट अध्यक्षीय प्रशंसा पत्र भी प्रदान किया गया।

बैंक द्वारा अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध वार्षिक पुरस्कार 1989 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य भारतीय व विदेशी विश्वविद्यालयों तथा शिक्षा संस्थाओं में भारतीय नागरिकों द्वारा अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार तथा विकास और संबद्ध वित्तपोषण के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देना है। इस पुरस्कार के अंतर्गत दो लाख पचास हजार रुपये की नकद राशि तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। वर्ष 2013 के लिए डॉ. अन्वेषा आदित्य को उनके शोध प्रबंध ‘व्यापार उदारीकरण, उत्पाद किस्म तथा वृद्धि’ के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. आदित्य ने जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता से वर्ष 2013 में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। वर्ष 2012 का ईडरा पुरस्कार डॉ. हरेन्द्र कुमार बेहरा को प्रदान किया गया था।

एक्जिम बैंक स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान शृंखला, जिसकी शुरुआत 1986 में बैंक के व्यवसाय परिचालन शुरू होने के उपलक्ष्य में की गई थी, को वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालने वाले सम-सामयिक व्यापार और विकास मुद्दों पर बहस तथा चर्चा के एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में ख्याति मिली है। ली क्यूआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के डीन एवं प्रोफेसर किशोर महबूबानी ने 2014 में बैंक का 29वाँ वार्षिक व्याख्यान दिया। प्रोफेसर महबूबानी ने “दि ग्रेट कन्वर्जेंस : भारत के लिए अवसर?” विषय पर अपना व्याख्यान दिया। प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य डॉ. दिलीप एम. नाचने कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वर्ष 2013 का वार्षिक व्याख्यान कैलिफोर्निया के बर्कले विश्वविद्यालय में ग्रेजुएट स्कूल के अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर डॉ. प्रणब बर्धन ने ‘व्यापार एवं विकास का सिद्धांत – भारतीय दृष्टिकोण’ विषय पर दिया था।



व्यवसाय उत्कृष्टता के लिए सी आई आई-एक्जिम बैंक पुरस्कार बोश लिमिटेड, डीजल सिस्टम्स बिजनेस, नासिक को प्रदान किया गया।



डॉ. हरेन्द्र कुमार बेहरा को वर्ष 2012 का एक्जिम बैंक ईडरा पुरस्कार प्रदान करते हुए डॉ. रघुराम राजन, तत्कालीन मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारत सरकार।



‘दि ग्रेट कन्वर्जेंस : भारत के लिए अवसर?’ विषय पर बैंक का वार्षिक स्थापना दिवस व्याख्यान देते हुए प्रोफेसर किशोर महबूबानी।





#### प्रबंधन टीम

बाएं से दाएं बैठे हुए: नदीम पंजेतन, मुख्य महाप्रबंधक; डेविड सिनाटे, मुख्य महाप्रबंधक; अजीत कुमार, मुख्य महाप्रबंधक; सैम्युअल जोसेफ, मुख्य महाप्रबंधक; प्रहलादन अय्यर, मुख्य महाप्रबंधक।

बाएं से दाएं खड़े हुए: उत्पल गोखले, महाप्रबंधक; सुदत्त मंडल, महाप्रबंधक; गीता पूजारी, महाप्रबंधक; दया चंद्रहास, महाप्रबंधक; गौरव भंडारी, महाप्रबंधक।





सी. पी. खीन्द्रनाथ मेनन, मुख्य महाप्रबंधक; यदुवेन्द्र माथुर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक; डेविड स्कीना, कार्यपालक निदेशक; मुकुल सरकार, मुख्य महाप्रबंधक;

सुनीता सिंदवानी, महाप्रबंधक; संगीता शर्मा, महाप्रबंधक; मधुलिका वर्मा, महाप्रबंधक; रीमा मारफतिया, महाप्रबंधक; हर्षा बंगारी, महाप्रबंधक;



## IV. एक्जिम बैंक का संस्थागत ढांचा



बैंगलोर में आयोजित प्रबंधन विकास कार्यक्रम के दौरान आउट बाउंड प्रशिक्षण अभ्यास में भाग लेते बैंक के स्टाफ सदस्य।

### मानव संसाधन प्रबंधन

31 मार्च, 2014 को बैंक के कुल कर्मचारियों की संख्या 295 थी। इनमें से 249 प्रोफेशनल स्टाफ हैं जिसमें सनदी लेखाकार, प्रबंधन स्नातक, अर्थशास्त्री, बैंकर, विधि, पुस्तकालय एवं प्रलेखीकरण विशेषज्ञ, इंजीनियर, भाषा विशेषज्ञ, मानव संसाधन तथा सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ आते हैं। इन प्रोफेशनल स्टाफ सदस्यों की सहायता कुशल और प्रतिबद्ध प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की जाती है।

बैंक एक “लर्निंग संस्था” है तथा अपने अधिकारियों के कौशलों का निरंतर उन्नयन करने के लिए उन्हें प्रेरित व प्रशिक्षित करता रहता है, वर्ष के दौरान बैंक द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं सेमिनार आयोजित किए गए। इसके साथ ही अधिकारियों को विशिष्ट दायित्व संभालने के लिए उनके विशेषज्ञता क्षेत्र में कौशल उन्नयन हेतु विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नामित किया गया। वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक के 232 अधिकारियों ने बैंक परिचालनों से संबंधित विविध विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सेमिनारों में भाग लिया। इन कार्यक्रमों में कार्यशील पूंजी प्रबंधन, वित्तीय विवरणों का स्पष्टीकरण, परियोजना वित्त, ऋण जोखिम, डेरीवेटिव तथा जोखिम प्रबंधन एवं संप्रेषण कौशल तथा सांगठनिक कौशल, कॉर्पोरेट उत्कृष्टता के लिए नेतृत्व विकास, व्यावसायिक संप्रेषण तथा सूचना एवं प्रौद्योगिकी आदि शामिल हैं।

### अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व



बैंगलोर में आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लेते बैंक के नए भर्ती अधिकारी।

31 मार्च, 2014 को बैंक की सेवा में कुल 295 कर्मचारियों में से 29 अनुसूचित जाति, 20 अनुसूचित जन-जाति और 38 अन्य पिछड़े वर्गों से हैं। बैंक ने इन स्टाफ सदस्यों को सूचना प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक संप्रेषण कौशल संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया है। बैंक ने भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली के अनुसूचित जाति और जन-जाति तथा अन्य पिछड़ी जातियों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करना जारी रखा है। बैंक ने कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) यूनिवर्सिटी, उड़ीसा; नॉर्थ ईस्टर्न रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एनईआरआईएसटी), अरुणाचल प्रदेश; डेल्ही स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के आरक्षित वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्तियाँ देना भी प्रारंभ किया है।

### “कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन शोषण (रोकथाम, निषेध व निवारण) अधिनियम, 2013” के अंतर्गत आंतरिक शिकायत समिति

इस अधिनियम के अनुपालन में बैंक ने कार्य स्थल पर महिलाओं के यौन शोषण संबंधी घटनाओं की शिकायतों पर विचार करने के लिए एक समिति का गठन किया है। बैंक अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानता है और इसके लिए अपने कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य - स्थल प्रदान करता है।

हालांकि बैंक में अब तक इस प्रकार की किसी घटना की रिपोर्टिंग नहीं हुई है तथापि समिति ने अपनी नियमित बैठकें जारी रखी हैं। समिति द्वारा इस संबंध में बैंक के कर्मचारियों को जागरूक करने के लिए सभी कार्यालयों में जागरूकता सत्रों का भी आयोजन किया गया है। बैंक के इंटरनेट व गृह पत्रिका के जरिए भी स्टाफ सदस्यों को जानकारी दी गई है।

## राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में प्रगति

वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक ने राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाने में अपने प्रयासों को जारी रखा है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) के उपबंधों के अनुपालन में परिपत्र, प्रेस-विज्ञप्तियाँ, सूचनाएँ एवं रिपोर्टें द्विभाषिक रूप में जारी की गई हैं। राजभाषा नियम 1976 की नियम 5 के अनुपालन में हिन्दी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिन्दी में दिए गए हैं।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए वार्षिक कार्यक्रम को कार्यान्वित किया गया तथा विभिन्न मानदंडों पर लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्य-योजना तैयार की गई। प्रधान कार्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों के जरिए इसकी प्रगति की तिमाही आधार पर समीक्षा एवं मॉनीटरिंग की गई। माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा बैंक के प्रधान कार्यालय का 20 सितम्बर, 2013 को निरीक्षण किया गया। समिति द्वारा राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए बैंक द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई।

बैंक के अधिकारियों को हिन्दी में प्रशिक्षित करने के लिए लक्ष्य के अनुसार हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। यूनिकोड के प्रयोग को प्रोत्साहित किया गया तथा कम्प्यूटरों पर इसके प्रयोग हेतु अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

बैंक द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टॉलिक)/राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति/ वित्तीय सेवाएँ विभाग की राजभाषा कार्यान्वयन समिति तथा भारतीय रिज़र्व बैंक की बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में सक्रियता से भाग लिया गया तथा बैठकों में लिए गए निर्णयों को कार्यान्वित किया गया।

बैंक के अधिकारियों को अपने दैनिक कार्य में हिन्दी का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक प्रोत्साहन योजना बैंक में लागू है। बैंक की द्विभाषिक गृहपत्रिका 'एक्विमिअस' में हिन्दी खंड भी शामिल है। अधिकारियों को हिन्दी में अपने लेख देने के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा सर्वोत्तम लेखों को पुरस्कृत किया गया है। बैंक अपने अधिकारियों को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों तथा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा आयोजित अंतरबैंक हिन्दी प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करता है। हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान न रखने वाले अधिकारियों को हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान दिलाने के लिए प्रशिक्षण हेतु नामित किया गया।

सरकार के निर्देशों के अनुसरण में 1 सितम्बर, 2013 से बैंक में हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। बैंक की कॉर्पोरेट वेबसाइट हिन्दी और अंग्रेजी में उपलब्ध है। बैंक के व्यवसाय एवं परिचालन संबंधी सूचना के व्यापक प्रसार के लिए इसे बैंक के हिन्दी वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया/अद्यतित किया गया है। स्टाफ सदस्यों के लिए उपयोगी सहायक एवं संदर्भ साहित्य बैंक के इंटरनेट पर उपलब्ध कराया गया है।

बैंक के परिचालनों एवं प्रक्रिया साहित्य के अनुवाद के अलावा चुनिंदा प्रासंगिक आलेख एवं कार्यकारी आलेख हिन्दी में अनुदित किए गए। बैंक के त्रैमासिक प्रकाशन 'एक्विमिअस: एक्सपोर्ट एडवांटेज' का हिन्दी रूपांतरण 'एक्विमिअस : निर्यात लाभ' शीर्षक के अधीन प्रकाशित किया गया। बैंक के एक द्विमासिक प्रकाशन 'एग्री एक्सपोर्ट एडवांटेज' के सभी अंकों को भी हिन्दी में 'कृषि निर्यात लाभ' शीर्षक के अधीन प्रकाशित किया गया। बैंक के वार्षिक व्याख्यान की पुस्तिका भी हिन्दी में प्रकाशित की गई।

हिन्दी के प्रगामी प्रयोग विषयक सरकार की नीति के अनुसरण में बैंक के पुस्तकालय (ज्ञान केंद्र) को विदेश व्यापार, वाणिज्य, वित्तपोषण, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी तथा अन्य विषयों पर नई पुस्तकों से समृद्ध बनाया गया।



बैंक की गृह पत्रिका एक्विमिअस को द्विभाषिक गृह पत्रिका श्रेणी में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा लगातार तीसरी बार पुरस्कृत किया गया।



बैंक द्वारा असम में एक डिजाइन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।





बैंक के न्यूज लेटर 'कृषि निर्यात लाभ' को असोसिएशन ऑफ बिजनेस कम्युनिकेटर्स ऑफ इंडिया (ए बी सी आई) द्वारा भारतीय भाषा प्रकाशन श्रेणी में गोल्ड ट्रॉफी प्रदान किया गया है। यह प्रकाशन हिन्दी और अंग्रेजी सहित दस भारतीय भाषाओं में प्रकाशित किया जाता है।



बैंक को नवीनतम प्रौद्योगिकी के प्रभावी इस्तेमाल के लिए न्यूयॉर्क में आयोजित सीलेंट मॉडल बैंक पुरस्कार समारोह में 'हाइली कमैडेबल बैंक' पुरस्कार प्राप्त हुआ।

शासकीय प्रयोजनों के लिए हिन्दी के प्रयोग की गति में तेज़ी लाने के बैंक के प्रयासों को विभिन्न प्राधिकरणों से मान्यता प्राप्त हुई है। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में गठित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टॉलिक), मुम्बई ने वर्ष 2012-13 के लिए समस्त वित्तीय संस्थाओं में से एक्जिम बैंक के प्रधान कार्यालय को हिन्दी में सराहनीय कार्य निष्पादन के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया है। भारतीय रिज़र्व द्वारा बैंक की गृहपत्रिका 'एक्जिमिअस' को 32 प्रतिभागी बैंकों/वित्तीय संस्थाओं में वर्ष 2012-13 के लिए लगातार तीसरी बार पुरस्कार प्रदान किया गया है। बैंक के न्यूज लेटर 'कृषि निर्यात लाभ' को असोसिएशन ऑफ बिजनेस कम्युनिकेटर्स ऑफ इंडिया (ए बी सी आई) द्वारा भारतीय भाषा प्रकाशन श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है।

### सूचना प्रौद्योगिकी

विभिन्न घटकों के बीच सूचना के बेहतर प्रसार और प्रयोक्ता तथा प्रणाली क्षमताओं को मजबूत करने के लिए बैंक ने ज्ञान प्रबंधन, संचार उपकरणों को उन्नत करना जारी रखा है। बैंक इन्फिनेट (इंडियन फाइनेंशियल नेटवर्क) तथा विनियामक एवं औद्योगिकी संस्थाओं जैसे भारतीय रिज़र्व बैंक, क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, क्रेडिट इन्फॉर्मेशन ब्यूरो इंडिया लि. तथा सोसाइटी फॉर वर्ल्ड वाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्यूनिकेशन (स्विफ्ट) द्वारा लागू प्रणालियों एवं पद्धतियों में इंडस्ट्रीवाइड सिस्टम के जरिए डिजिटल सहभागिता सुनिश्चित करता है।

परिचालन व्यवसाय आसूचना, बैंक व्यापी सिस्टम; प्रलेखन प्रबंधन एवं कार्य प्रवाह; नेटवर्क; ढांचागत सुविधा तथा सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रणालियों को सक्षम बनाया गया है तथा उनका उन्नयन किया गया है। बैंक ने सूचना प्रौद्योगिकी अभिशासन के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए अपने परिचालन एवं प्रक्रियाओं को मजबूत किया गया।

बैंक की कॉर्पोरेट वेबसाइट ([www.eximbankindia.in](http://www.eximbankindia.in)) को वर्ष के दौरान रिवैम्प किया गया। वेबसाइट अब बैंक के विभिन्न शोध कार्य-कलापों, व्यवसाय अवसरों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार अग्रताओं पर सूचना का व्यवस्थित ढंग से प्रचार-प्रसार करती है। इसके अलावा, इस पर बैंक के विभिन्न उधारदात्री कार्यक्रमों तथा सूचना एवं सलाहकारी सेवाओं से संबंधित जानकारी उपलब्ध है।

बैंक के कृषिपोर्टल ([www.eximbankagro.in](http://www.eximbankagro.in)) ने संबंधित गतिविधियों पर उत्पाद-वार जानकारी तथा सलाहकारी सेवाएं प्रदान करना जारी रखा है। बैंक एशियन एक्जिम बैंक्स फोरम तथा जी-नेक्जिड का सदस्य है तथा इन दोनों संगठनों की वेबसाइट का प्रबंधन करता है। बैंक ने अपने विभिन्न परिचालनों के लिए हाल ही में एकीकृत फिनैकल सिस्टम कार्यान्वित किया है जिससे दक्षता में सुधार के साथ-साथ एम आई एस रिपोर्टिंग में मदद मिली है। फिनैकल सिस्टम के साथ बिजनेस इंटेलीजेंस सिस्टम को एकीकृत किया गया जिसके जरिए प्रयोक्ताओं की आवश्यकतानुसार अलर्ट जारी होते हैं इससे ऋण आस्तियों के कुशल प्रबंधन तथा देख-रेख में मदद मिलेगी। बैंक ने बेहतर कार्यकुशलता के लिए रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आर टी जी एस) प्रणाली कार्यान्वित की है।

### कॉर्पोरेट अभिशासन

एक्जिम बैंक अपने सभी प्रकार के संप्रेषणों के संबंध में पूरी पारदर्शिता तथा ईमानदारी बरतता है और सभी संबंधितों को पूर्ण, सही और स्पष्ट सूचना प्रदान करना सुनिश्चित करता है। बैंक कॉर्पोरेट अभिशासन की उत्कृष्ट पद्धतियों के अनुपालन के लिए प्रतिबद्ध है तथा इसके लिए सदैव तत्पर रहता है। इस पर समुचित नियंत्रण के लिए बैंक ने एक व्यवस्था विकसित की है तथा इसकी उपादेयता की निरंतर समीक्षा करता रहता है। व्यवसाय/वित्तीय निष्पादन से संबंधित मामले, विश्लेषण आंकड़े / सूचना आदि को निदेशक मंडल/निदेशक मंडल की प्रबंधन समिति को समीक्षा के लिए आवधिक आधार पर रिपोर्ट किया जाता है। बैंक की अनुपालन नीति निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित है तथा सभी कानूनों, विनियमों तथा अन्य प्रक्रियाओं, भारत सरकार / भारतीय रिज़र्व बैंक



व अन्य नियामकों द्वारा जारी विनियमों के पालन के संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी को अनुपालन अधिकारी के रूप में उत्तरदायी बनाया गया है जो किसी भी प्रकार के विचलन को लेखा परीक्षा समिति को रिपोर्ट करता है। वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक के निदेशक मंडल की पाँच बैठकें तथा प्रबंधन समिति की आठ बैठकें आयोजित की गईं।

### लेखा परीक्षा समिति

बैंक की लेखा परीक्षा समिति (ए सी) का उद्देश्य बैंक के संपूर्ण लेखा परीक्षा कार्यों की देख-रेख करना तथा उसे मार्गदर्शन प्रदान करना है ताकि प्रबंधन के एक माध्यम के रूप में उसकी प्रभावशीलता में वृद्धि हो और वह सांविधिक/बाहरी/आंतरिक तथा कनकरेंट लेखा परीक्षा रिपोर्टों तथा भारतीय रिज़र्व बैंक की निरीक्षण रिपोर्टों में उठाये गये सभी मुद्दों के संबंध में अनुवर्ती कार्रवाई करे। निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले बैंक के वार्षिक वित्तीय विवरणों की जांच लेखा परीक्षा समिति द्वारा की जाती है। इसके साथ ही लेखा परीक्षा समिति आवधिक आधार पर बैंक की निधि प्रबंधन समिति (सी एफ एम सी) तथा आस्ति-देयता समिति (ए एल सी ओ) के कार्यों की भी समीक्षा करती है। वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान लेखा परीक्षा समिति की छह बैठकें हुईं।

### आस्ति-देयता प्रबंधन (ए एल एम)

बैंक की आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) बैंक के मिड ऑफिस के सहयोग से बाजार जोखिमों की निगरानी तथा प्रबंधन करती है तथा बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित व्यापक आस्ति देयता प्रबंधन/नकदी नीतियों के अनुसार नकदी/ब्याज दर जोखिमों का प्रबंधन करती है। एल्को की भूमिका में अन्य बातों के साथ-साथ भारतीय रिज़र्व बैंक/बोर्ड द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण सीमाओं की तुलना में बैंक की मुद्रा-वार नकदी स्थिति तथा ब्याज दर संवेदनशीलता की स्थितियों की समीक्षा करना, नकदी प्रवाहों के आवधिक दबाव परीक्षणों के परिणामों की निगरानी करना और झूरीशन गैप एनालिसिस का प्रयोग करते हुए ब्याज दर, घट-बढ़ की तुलना में (क) निवल ब्याज आय की संवेदनशीलता और (ख) आर्थिक मूल्य की संवेदनशीलता के आकलन के माध्यम से आंकी गई ब्याज दर जोखिम की मात्रा के आधार पर समुचित आस्ति-देयता प्रबंधन रणनीति तय करना शामिल है। मुद्रावार नकदी संरचना की आवधिक आधार पर स्ट्रेस-टेस्टिंग की गई तथा बेहद प्रतिकूल परिस्थितियों में हर मुद्रा की कमी के आकलन के आधार पर आकस्मिक योजनाएं तैयार की गईं। भारत सरकार की प्रतिभूतियों के जोखिम पर मूल्य की गणना बिक्री के लिए उपलब्ध तथा ट्रेडिंग के लिए रखे गए बैंक के पोर्टफोलियो के लिए की गई है। निधि प्रबंध समिति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में अनुमोदित संसाधन योजना के अनुसार निवेशों/विनिवेशों और संसाधन जुटाने से संबंधित निर्णय लेती है। निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति तथा प्रबंधन समिति द्वारा निधि प्रबंधन समिति (एफ एम सी) तथा आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) के कार्यों की समीक्षा की जाती है।

### जोखिम प्रबंधन

बैंक में एक एकीकृत जोखिम प्रबंधन समिति (आई आर एम सी) गठित है जो परिचालन समूहों से स्वतंत्र है और यह सीधे शीर्ष प्रबंधन को रिपोर्ट करती है। आई आर एम सी विभिन्न जोखिमों (पोर्टफोलियो, नकदी, ब्याज दर, तुलन-पत्र से इतर और परिचालन जोखिम), निवेश नीतियों तथा उनसे संबंधित विनियामक एवं अनुपालन मुद्दों के बारे में बैंक की जोखिम प्रबंधन नीतियों की समीक्षा करती है। एकीकृत जोखिम प्रबंधन समिति आस्ति-देयता प्रबंधन समिति (एल्को), निधि प्रबंधन समिति (एफ एम सी) तथा ऋण-जोखिम प्रबंधन समिति (सी आर एम सी) के परिचालनों की देख-रेख करती है, जिनमें से सभी में क्रॉस फंक्शनल प्रतिनिधि होते हैं। जहाँ आस्ति-देयता प्रबंधन समिति (एल्को) बैंक में आस्ति-देयता प्रबंधन नीति और प्रक्रियाओं से संबंधित मुद्दों को देखती है और बैंक के समग्र बाजार जोखिम (चलनिधि, ब्याज दर जोखिम और विदेशी मुद्रा जोखिम) का विश्लेषण करती है वहीं ऋण जोखिम प्रबंधन समिति (सी आर एम सी), ऋण-नीति और प्रक्रियाओं की देख-रेख और पूरे बैंक के



सेवा क्षेत्र के लिए रणनीति विषय पर चर्चापरक सेमिनारों की एक श्रृंखला का आयोजन विभिन्न केंद्रों पर किया गया।



यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज़, देहरादून, उत्तराखंड के छात्र बैंक के डिस्प्ले सेंटर में।





एक्विम बैंक द्वारा सहायता प्राप्त हस्तशिल्पियों ने बैंक के वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। मुम्बई में आयोजित इस समारोह में उच्च स्तर के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

ऋण जोखिमों का विश्लेषण, प्रबंधन तथा नियंत्रण करती है। ऋण-प्रस्ताव स्वतंत्र रूप से बैंक के मुख्य जोखिम अधिकारी के पास जाते हैं जो उनके जोखिमों का विश्लेषण कर अनुमोदनकर्ता अधिकारियों को अपनी राय देता है। बैंक के पास आस्ति गुणवत्ता और ऋण समीक्षा में सुधार के लिए उन्नत ऋण जोखिम प्रबंधन मॉडल (सी आर एम) है जिससे (गुणवत्ता तथा मात्रात्मक पैरामीटरों/उपायों की व्यापक श्रेणी के जरिए) बैंक को बेहतर ऋण मूल्यांकन निर्णय लेने तथा उत्कृष्ट पोर्टफोलियो प्रबंधन क्षमता में मदद मिलती है। व्यवसाय निरंतरता तथा आकस्मिकता प्रबंधन के लिए बैंक अपने हर कार्यालय की समेकित वार्षिक समीक्षा करता है। प्रत्येक कार्यक्रम की व्यवसाय निरंतरता तथा जोखिमों के प्रभाव को कम करने की दृष्टि से उसकी पूर्णता के लिए समीक्षा की जाती है।

### ऋण निगरानी समूह

बैंक में ऋण वसूली के लिए अलग से एक समूह कार्यरत है। यह समूह निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित ऋण निगरानी तथा वसूली नीति के अनुसार कार्य करता है तथा मानक आस्तियों को अवमानक आस्तियों की श्रेणी में जाने से रोकने संबंधी कार्य देखता है। बैंक में ऋणों के ए बी सी वर्गीकरण (क्रेडिट रेटिंग माइग्रेशन प्रणाली की मॉनीटरिंग सहित) की एक प्रणाली विद्यमान है। गैर-निष्पादक आस्तियों की समीक्षा मासिक आधार पर अलग से गठित समिति द्वारा की जाती है। सभी एकबारगी निपटान प्रस्तावों की जाँच करने तथा इन्हें आस्ति पुनर्निर्माण कंपनियों को अंतरित करने के लिए एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश और विधि तथा बैंकिंग के क्षेत्रों में गहन अनुभव रखने वाले दो प्रतिष्ठित व्यक्तियों से युक्त एक स्वातंत्र्य जाँच समिति गठित है जो निदेशक मंडल को अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करती है।

### बैंक में के वाई सी, ए एम एल एवं पी एम एल उपाय

बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी), धनशोधन निवारण (एएमएल) तथा धनशोधन निषेध (पीएमएल) नीतियाँ अपनाई हैं। केवाईसी, एएमएल तथा पीएमएल नीतियों में (क) ग्राहक स्वीकार्यता नीति (ख) ग्राहक पहचान प्रक्रिया (ग) संव्यवहारों की निगरानी (घ) जोखिम प्रबंधन (ङ) विद्यमान ग्राहकों के लिए के वाई सी मानदंड आदि शामिल हैं। बैंक भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी अद्यतन चेतावनी सूची का संदर्भ लेता है।

बैंक द्वारा बैंकों के एक्यूटी डेटाबेस को भी एक्सेस किया जाता है जो एक ऑनलाइन डेटाबेस सेवा है तथा यह विश्व के प्रमुख बिजनेस पब्लिशर, रीड बिजनेस इंफॉर्मेशन द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो रीड एल्सीवियर समूह की इकाई है। यह बैंकर्स अल्मनैक के लिए अनुपालन डेटाबेस है। संशोधित व अद्यतन एक्यूटी डेटाबेस काफी व्यापक है और इसमें विश्व के सभी प्रमुख बैंकों, वित्तीय संस्थाओं, कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा वित्तीय नियामकों द्वारा जारी चेतावनी सूचियों का समावेश है। बैंक के सभी ग्राहकों को के वाई सी अपेक्षाओं के अधीन लाया जाता है। इससे स्वाभाविक व्यक्ति/कानूनी व्यक्ति तथा 'लाभकर्ता स्वामित्व' की पहचान में मदद मिलती है। के वाई सी नीतियाँ तथा प्रक्रियाएं सावधि जमा खाता धारकों, प्रतिनिधि बैंकों, नए स्टाफ की भर्ती तथा ट्रेजरी संव्यवहारों से संबंधित प्रतिपक्षी पार्टियों पर भी लागू की जाती हैं। के वाई सी मानदंडों के अनुपालन के संबंध में बैंक एक प्रश्नावली के माध्यम से अन्य प्रतिपक्षी बैंकों से आवश्यक जानकारी प्राप्त करता है।

बैंक कतिपय संव्यवहारों के बारे में भारतीय रिज़र्व बैंक, सेबी द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रियाओं तथा तरीकों के अनुसार रिकार्ड/सूचना भी रखता है तथा यह रिकार्ड, संव्यवहार की तारीख से दस वर्षों तक सुरक्षित रखे जाते हैं। बैंक ने के वाई सी, ए एम एल तथा पी एम एल के उपायों के अनुपालन के लिए एक मुख्य अधिकारी भी नियुक्त किया है। के वाई सी, ए एम एल तथा पी एम एल नीतियों को बैंक की वेबसाइट पर भी रखा गया है।

## ऋणदाताओं के लिए उचित आचार संहिता

बैंक में भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप ऋणदाताओं के लिए उचित आचार संहिता विद्यमान है जो निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित है। इस नीति की समीक्षा प्रत्येक वर्ष की जाती है।

## सूचना का अधिकार

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में परिभाषित अनुसार एक्विज़ बैंक एक लोक प्राधिकरण है। अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत भारतीय नागरिक सूचना प्राप्त करने के लिए बैंक के लोक सूचना अधिकारी अथवा सहायक लोक सूचना अधिकारियों को अपने आवेदन भेज सकते हैं। इनके पते बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

## संयुक्त उद्यम

बैंक का संयुक्त उद्यम, ग्लोबल प्रोक्योरमेंट कन्सल्टेंट्स लि. (जी पी सी एल) एक्विज़ बैंक तथा विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाली 11 अन्य प्रतिष्ठित निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के बीच एक संयुक्त उद्यम है। इसकी स्थापना 1996 में की गई थी। जी पी सी एल विकासशील देशों में बहुपक्षीय संस्थाओं द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं में मुख्य रूप से प्रोक्योरमेंट अवसरों तथा क्षमता निर्माण के लिए प्रोक्योरमेंट सलाहकारी सेवाएं प्रदान करता है। कंपनी ने विभिन्न क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, खनन, परिवहन, संचार, ऊर्जा, जल संसाधन तथा अन्य कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। जी पी सी एल प्रोक्योरमेंट के सभी चरणों में सहायता प्रदान करता है जिनमें सलाहकारी सेवाएं, प्रोक्योरमेंट प्रबंधन, प्रोक्योरमेंट समीक्षा, निष्पादन समीक्षा, सहयोग सेवाएं, मूल्यांकन सेवाएं, वित्तीय सलाहकारी सेवाएं तथा प्रोक्योरमेंट अभिशासन प्रमुख हैं। जी पी सी एल ने लाभप्रद परिचालनों का एक और वर्ष पूरा कर लिया है। कंपनी ने ₹ 15.42 मिलियन के कर पूर्व लाभ के साथ 2013-14 में ₹ 53.57 मिलियन का टर्नओवर दर्ज किया है।

वर्ष के दौरान बैंक ने शीर्ष हथकरघा सोसायटियों तथा निगमों के संघ (ए सी ए एस एच) तथा राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (एन एच डी सी) के साथ मिलकर भारत हैंडलूम मार्केटिंग कंपनी लिमिटेड (बी एच एम सी एल) नामक एक नए संयुक्त उद्यम की स्थापना की। बी एच एम सी एल की स्थापना कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी के रूप में की गई है। यह कंपनी हथकरघा तथा हस्तशिल्प उत्पादों की राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मार्केटिंग व संवर्धन करेगी।

## परियोजना विकास कंपनी

बैंक की अफ्रीका में एक परियोजना विकास कंपनी (पी डी सी) स्थापित करने की योजना है जो अफ्रीका में परियोजनाओं को बैंकों से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के स्तर तक लाकर भारत से अफ्रीका को निर्यात बढ़ाने में मदद करेगी। यह एक्विज़ बैंक की एक नई पहल है।



मितान हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट प्रा. लि. के लिए बेलगाम, कर्नाटक में स्थापित कॉमन फैसिलिटी सेंटर।

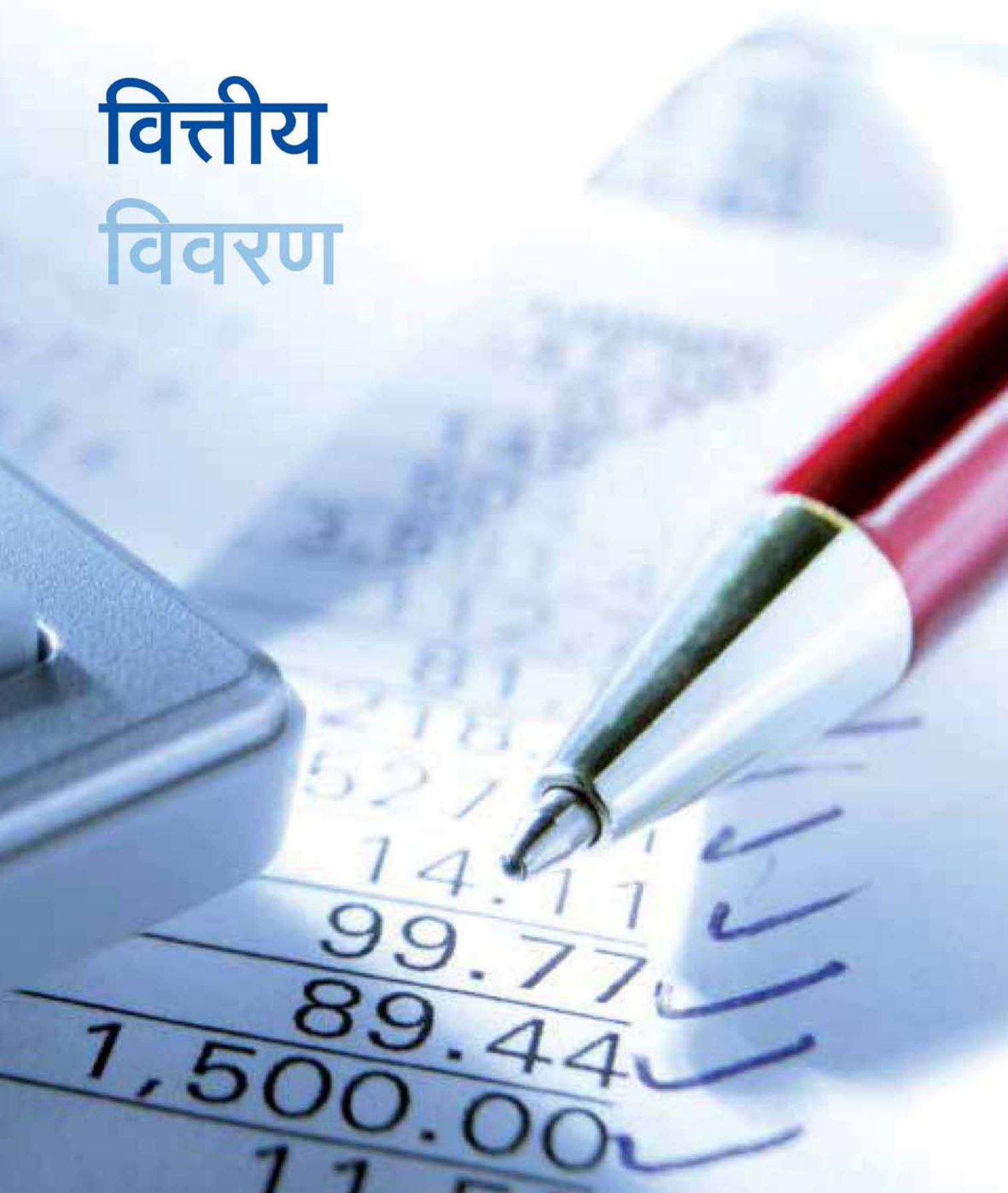


एक्विज़ बैंक ने नई दिल्ली में एक क्राफ्ट बाजार प्रदर्शनी लगाने में हस्तशिल्प कारीगरों की मदद की।





# वित्तीय विवरण



521	
14.11	
99.77	
89.44	
1,500.00	
11.5	



सेवा में  
भारत के राष्ट्रपति  
वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट



- हमने भारतीय निर्यात-आयात बैंक (बैंक) की सामान्य निधि के संलग्न 31 मार्च, 2014 के तुलन-पत्र और साथ ही उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए बैंक की सामान्य निधि के लाभ और हानि लेखे एवं समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरणी तथा लेखा नीतियों एवं अन्य विवरणात्मक आँकड़ों की लेखा परीक्षा की है।

### वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेवारी

- बैंक का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 तथा उसके अधीन विरचित विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। इस जिम्मेवारी में उसकी डिजाइन, कार्यान्वयन तथा वित्तीय विवरणों को तैयार करने में आवश्यक आंतरिक नियंत्रण शामिल हैं ताकि इन विवरणों में धोखाधड़ी अथवा भूलवश भी कोई मिथ्या सूचना न आने पाए।

### लेखा परीक्षकों की जिम्मेवारी

- हमारी जिम्मेवारी इन वित्तीय विवरणों की हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा के आधार पर रिपोर्ट देना है। हमने यह लेखा परीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप की है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए अपनी लेखा परीक्षा को इस प्रकार निष्पादित और नियोजित करें ताकि तर्कपूर्ण रूप से यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन वित्तीय विवरणों में किसी प्रकार की कोई महत्वपूर्ण जानकारी भ्रामक नहीं है।
- लेखा परीक्षा के अंतर्गत वित्तीय विवरणों में राशियों एवं प्रकटीकरण को प्रमाणित करने वाले साक्ष्यों की परीक्षण आधार पर जाँच करना शामिल है। इसके लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पूर्णतया लेखा परीक्षकों के विवेक पर निर्भर है जिसमें महत्वपूर्ण विवरणों के संबंध में भूल अथवा धोखाधड़ी के चलते भ्रामक/ मिथ्याकथन जोखिमों का आँकलन करना शामिल है। विद्यमान इन जोखिमों के मूल्यांकन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के संबंध में लेखा परीक्षकों के विचार से इन विवरणों को त्रुटिरहित ढंग से तैयार करने में बैंक के आंतरिक प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों एवं प्रबंधन द्वारा वित्तीय विवरणों का प्रस्तुतीकरण महत्वपूर्ण है। लेखा परीक्षा में बैंक द्वारा प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों तथा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों के आँकलन के साथ ही समग्र वित्तीय विवरणों के प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन करना भी शामिल है।
- हमें विश्वास है कि लेखा परीक्षा के लिए हमारे द्वारा प्राप्त किए गए साक्ष्य पर्याप्त और समुचित हैं तथा हमारे लेखा परीक्षा अभिमत के लिए तर्क संगत आधार प्रदान करते हैं।

### अभिमत

- हमारी राय तथा सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण उक्त लेखा विवरण तथा उन पर लेखा टिप्पणियाँ भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 तथा उसके अंतर्गत विरचित विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप हैं तथा भारत में सामान्यतः मान्य लेखा मानकों के अनुरूप सच्ची और सही स्थिति प्रदर्शित करते हैं।
  - यथा 31 मार्च, 2014 को बैंक की सामान्य निधि के मामले में;
  - उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि खाता;
  - उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरण।

### अन्य विधिक तथा विनियामक मामलों पर रिपोर्ट

7. तुलन पत्र, लाभ और हानि खाता तथा नकदी प्रवाह विवरण भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 के तथा उसके अंतर्गत विरचित विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

### 8. हम यह रिपोर्ट करते हैं कि:

- i) लेखा परीक्षा के लिए हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार जो तथ्य और स्पष्टीकरण आवश्यक थे वे सब हमने प्राप्त किए हैं और वे संतोषजनक हैं।
- ii) बैंक के संव्यवहार, जो हमारे संज्ञान में लाए गए हैं, बैंक की शक्तियों के अंतर्गत हैं।
- iii) हमारी राय में तुलन पत्र, लाभ और हानि लेखा तथा नकदी प्रवाह विवरण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी अनिवार्य लेखा मानकों के अनुरूप हैं।

### 9. हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि:

- i) तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता बैंक की लेखा बहियों और विवरणों के अनुरूप हैं।
- ii) हमारे विचार में और हमारे परीक्षण के आधार पर बैंक द्वारा विधि निर्धारित अनुसार इन बहियों का उचित अभिलेख रखा गया है।

### कृते एम जेड एस के एंड असोशिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म रजिस्ट्रेशन सं. 105047 डब्ल्यू

### अबुअली दारुखानावाला

पार्टनर - (एम. सं. 108053)

मुंबई

अप्रैल 29, 2014



		इस वर्ष (यथा 31.03.2014 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2013 को) ₹
<b>देयताएँ</b>			
1. पूँजी	I	37,593,663,881	30,593,663,881
2. आरक्षित निधियाँ	II	45,503,735,880	41,795,912,670
3. लाभ और हानि	III	3,390,000,000	2,630,000,000
4. नोट, बॉण्ड एवं डिबेंचर		548,867,892,091	451,020,235,742
5. देय बिल		-	-
6. जमा राशियाँ	IV	23,727,794,562	30,833,633,817
7. उधार राशियाँ	V	142,225,187,006	162,993,757,004
8. चालू देयताएँ एवं आकस्मिकताओं हेतु प्रावधान		43,293,522,489	30,788,467,247
9. अन्य देयताएँ		26,887,874,599	10,526,061,976
<b>योग</b>		<b>871,489,670,508</b>	<b>761,181,732,337</b>
<b>आस्तियाँ</b>			
1. नकदी एवं बैंक शेष	VI	51,240,826,117	68,869,000,977
2. निवेश	VII	39,162,531,095	24,981,627,680
3. ऋण एवं अग्रिम	VIII	743,983,407,926	643,529,812,314
4. भुनाये गये/पुनः भुनाये गये विनिमय बिल और वचन पत्र	IX	2,000,000,000	-
5. अचल आस्तियाँ	X	807,273,023	875,915,639
6. अन्य आस्तियाँ	XI	34,295,632,347	22,925,375,727
<b>योग</b>		<b>871,489,670,508</b>	<b>761,181,732,337</b>
<b>आकस्मिक देयताएँ</b>			
(i) स्वीकृतियाँ, गारंटियाँ, परांकन तथा अन्य दायित्व		53,668,306,500	47,439,835,800
(ii) वायदा विनिमय संविदाओं की बकाया राशियों पर		166,261,700	3,351,809,300
(iii) हामीदारी एवं वचनबद्धताओं पर		-	-
(iv) अंशतः प्रदत्त निवेशों पर अनाहूत देयताएँ		83,124,000	72,283,500
(v) बैंक पर दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है		2,249,300,000	2,249,300,000
(vi) संग्रहण के लिए बिल		-	-
(vii) सहभागिता प्रमाण-पत्रों पर		-	-
(viii) भुनाये गये/पुनःभुनाये गये बिल		-	-
(ix) अन्य राशियाँ जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से जिम्मेदार है		40,914,713,500	30,127,878,700
<b>योग</b>		<b>97,081,705,700</b>	<b>83,241,107,300</b>

'लेखों पर टिप्पणियाँ' संलग्न है।

## डेविड रस्कीना

कार्यपालक निदेशक

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

यदुवेन्द्र माथुर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

डॉ. गुरदयाल सिंह संधु

श्री एन. शंकर

श्री एम. एस. राघवन

श्री अमिताभ कान्त

श्री एस. एस. मूंदड़ा

श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य

निदेशक गण

श्री जी. पद्मनाभन

श्रीमती वी. आर. अय्यर

डॉ. बिस्वजीत धर

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम जेड एस के एंड असोशिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म रजि. नं. 105047 डब्ल्यू

(अबुअली दारुखानावाला)

साझेदार

एम. सं. 108053

मुंबई

दिनांक : अप्रैल 29, 2014

# लाभ और हानि लेखा यथा 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

सामान्य निधि

		इस वर्ष ₹	गत वर्ष ₹
<b>व्यय</b>	<b>अनुसूचियाँ</b>		
1	ब्याज	46,839,664,164	41,156,470,438
2	ऋण बीमा, शुल्क एवं प्रभार	599,654,314	523,082,832
3	स्टाफ़ के वेतन, भत्ते आदि और सेवांत लाभ	316,800,428	351,565,795
4	निदेशकों एवं समिति के सदस्यों की फीस तथा व्यय	68,554	42,500
5	लेखा परीक्षा की फीस	1,008,000	2,114,000
6	भाड़ा, कर, बिजली और बीमा प्रीमियम	164,725,936	112,777,123
7	संचार विषयक व्यय	34,122,067	23,971,207
8	विधि विषयक व्यय	41,240,082	25,873,325
9	अन्य व्यय	520,731,783	414,704,482
10	मूल्यहास	147,502,144	146,637,378
11	ऋण हानियों/आकस्मिकताओं/निवेशों पर हास के लिए प्रावधान	13,896,581,571	6,150,689,976
12	आगे ले जाया गया लाभ	10,202,071,145	10,887,606,464
<b>योग</b>		<b>72,764,170,188</b>	<b>59,795,535,520</b>
आयकर के लिए प्रावधान		3,104,247,935	3,464,375,389
[आस्थगित कर जमा राशि ₹ 3,380,752,065 (गत वर्ष आस्थगित राशि ₹ 1,317,811,613)]			
तुलन-पत्र में आंतरित शेष लाभ		7,097,823,210	7,423,231,075
		<b>10,202,071,145</b>	<b>10,887,606,464</b>
<b>आय</b>			
1	ब्याज और बट्टा	68,463,527,765	56,071,056,229
2	विनिमय, कमीशन, दलाली और फीस	2,685,378,606	2,145,168,726
3	अन्य आय	1,615,263,817	1,579,310,565
4	तुलन-पत्र को ले जायी गयी हानि	-	-
<b>योग</b>		<b>72,764,170,188</b>	<b>59,795,535,520</b>
घटाया गया लाभ		10,202,071,145	10,887,606,464
पूर्ववर्ती वर्षों की आधिक्य आय/ ब्याज-कर प्रावधान का प्रतिलेखन		-	-
		<b>10,202,071,145</b>	<b>10,887,606,464</b>

‘लेखों पर टिप्पणियाँ’ संलग्न हैं।

## डेविड रस्कीना

कार्यपालक निदेशक

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

यदुवेन्द्र माथुर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

डॉ. गुरदयाल सिंह संधु

श्री एन. शंकर

श्री एम. एस. राघवन

श्री अमिताभ कान्त

श्री एस. एस. मूंदड़ा

श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य

निदेशक गण

श्री जी. पद्मनाभन

श्रीमती वी. आर. अय्यर

डॉ. बिस्वजीत धर

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम जेड एस के एंड असोशिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म रजि. नं. 105047 डब्ल्यू

(अबुअली दारुखानावाला)

साझेदार

एम. सं. 108053

मुंबई

दिनांक : अप्रैल 29, 2014





# तुलन-पत्र की अनुसूचियाँ

सामान्य निधि

	इस वर्ष (यथा 31.03.2014 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2013 को) ₹
<b>अनुसूची I: पूँजी:</b>		
1 प्राधिकृत	100,000,000,000	100,000,000,000
2 निर्गमित एवं प्रदत्त: (केन्द्रीय सरकार द्वारा पूर्णतः अभिदत्त)	37,593,663,881	30,593,663,881
<b>अनुसूची II: आरक्षित निधियाँ</b>		
1 आरक्षित निधि	34,061,416,816	32,525,593,606
2 सामान्य आरक्षित राशियाँ	-	-
3 अन्य आरक्षित राशियाँ:		
निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि	-	-
ऋण शोधन निधि (ऋण-व्यवस्थाएं)	1,672,319,064	1,550,319,064
4 आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के अधीन विशेष आरक्षित राशि)	9,770,000,000	7,720,000,000
	<b>45,503,735,880</b>	<b>41,795,912,670</b>
<b>अनुसूची III: लाभ और हानि लेखा</b>		
1 परिशिष्ट में उल्लिखित लेखा के अनुसार शेष	7,097,823,210	7,423,231,075
2 घटाएं: विनियोजन:		
- आरक्षित निधि को अंतरित	1,535,823,210	3,223,231,075
- निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित	-	-
- निधि को अंतरित	122,000,000	120,000,000
- आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के अधीन विशेष आरक्षित निधि को अंतरित	2,050,000,000	1,450,000,000
3 निवल लाभ का शेष (भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 की धारा 23(2) के अनुसार केन्द्र सरकार को अंतरणीय)		
	<b>3,390,000,000</b>	<b>2,630,000,000</b>
<b>अनुसूची IV: जमा राशियाँ</b>		
(क) भारत में	23,727,794,562	30,833,633,817
(ख) भारत के बाहर	-	-
	<b>23,727,794,562</b>	<b>30,833,633,817</b>
<b>अनुसूची V: उधार राशियाँ</b>		
1. भारतीय रिज़र्व बैंक से:		
(क) न्यासी प्रतिभूतियों पर	-	-
(ख) विनिमय बिलों पर	-	-
(ग) राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घावधि परिचालन) निधि से	-	-
2 भारत सरकार से	-	-
3 अन्य स्रोतों से:		
(क) भारत में	37,066,391,512	12,278,093,456
(ख) भारत के बाहर	105,158,795,494	150,715,663,548
	<b>142,225,187,006</b>	<b>162,993,757,004</b>
<b>अनुसूची VI: नकदी एवं बैंक में शेष</b>		
1 हाथ में नकदी	293,259	109,123
2 भारतीय रिज़र्व बैंक में शेष	1,154,135	1,127,712
3 अन्य बैंकों में शेष:		
(क) भारत में		
i) चालू खातों में	904,354,525	1,848,905,588
ii) अन्य जमा खातों में	18,652,776,000	50,857,170,000
(ख) भारत के बाहर	31,682,248,198	16,105,780,458
4 मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि/सी बी एल ओ के अंतर्गत ऋण	-	55,908,096
	<b>51,240,826,117</b>	<b>68,869,000,977</b>

आगे .....

	इस वर्ष (यथा 31.03.2014 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2013 को) ₹
<b>अनुसूची VII: निवेश:</b> (मूल्य में हास का निवल, यदि कोई है)		
1 केन्द्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियाँ	18,585,385,247	17,139,447,680
2 ईक्विटी शेयर और स्टॉक	1,552,585,730	1,541,216,096
3 अधिमान शेयर एवं स्टॉक	133,710,300	137,710,300
4 नोट, डिबेंचर एवं बाँड	18,890,849,818	3,810,753,604
5 अन्य	-	2,352,500,000
	<b>39,162,531,095</b>	<b>24,981,627,680</b>
<b>अनुसूची VIII: ऋण एवं अग्रिम:</b>		
1 विदेशी सरकारें	237,504,194,106	182,209,358,616
2 बैंक:		
(क) भारत में	81,051,415,000	89,128,250,000
(ख) भारत के बाहर	641,491,335	1,453,031,676
3 वित्तीय संस्थाएं:		
(क) भारत में	-	-
(ख) भारत के बाहर	25,154,054,825	17,895,730,184
4 अन्य	399,632,252,660	352,843,441,838
	<b>743,983,407,926</b>	<b>643,529,812,314</b>
<b>अनुसूची IX: भुनाये गये/पुनः भुनाये गये विनिमय बिल और वचन-पत्र:</b>		
(क) भारत में	2,000,000,000	-
(ख) भारत के बाहर	-	-
	<b>2,000,000,000</b>	<b>-</b>
<b>अनुसूची X: अचल आस्तियाँ:</b> (लागत पर मूल्यहास घटाकर)		
1 परिसर		
सकल खंड (आगे लाया गया)	1,362,648,920	1,358,476,715
वर्ष के दौरान परिवर्द्धन	10,005,185	15,416,727
वर्ष के दौरान निपटान	11,654,115	11,244,522
वर्ष के अंत में सकल खंड	1,360,999,990	1,362,648,920
संचित हास	702,079,395	654,976,148
निवल खंड	658,920,595	707,672,772
2 अन्य		
सकल खंड (आगे लाया गया)	742,842,548	644,112,230
वर्ष के दौरान परिवर्द्धन	77,412,323	112,117,641
वर्ष के दौरान निपटान	14,949,403	13,387,323
वर्ष के अंत में सकल खंड	805,305,468	742,842,548
संचित हास	656,953,040	574,599,681
निवल खंड	148,352,428	168,242,867
	<b>807,273,023</b>	<b>875,915,639</b>
<b>अनुसूची XI: अन्य आस्तियाँ:</b>		
1 निम्नलिखित पर उपचित ब्याज		
क) निवेशों/बैंक राशियों पर	8,233,583,688	4,817,100,772
ख) ऋणों और अग्रिम राशियों पर	8,385,714,528	6,761,193,485
2 विविध पक्षों के पास जमा राशियाँ	28,474,733	28,237,848
3 प्रदत्त अग्रिम आयकर	7,665,872,428	5,570,480,123
4 अन्य [आस्थगित कर आस्तियों सहित ₹ 6,157,332,569 (गत वर्ष - ₹ 2,776,580,504)]	9,981,986,970	5,748,363,499
	<b>34,295,632,347</b>	<b>22,925,375,727</b>

आगे .....



	इस वर्ष (यथा 31.03.2014 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2013 को) ₹
<b>अनुसूची XII: अन्य व्यय:</b>		
1 निर्यात संवर्द्धन व्यय	26,590,495	23,566,822
2 डाटा प्रोसेसिंग पर और संबद्ध व्यय	28,688,474	6,862,979
3 मरम्मत और रख-रखाव	104,358,025	97,877,921
4 मुद्रण और लेखन सामग्री	12,030,978	14,161,314
5 अन्य	349,063,811	272,235,446
	<b>520,731,783</b>	<b>414,704,482</b>
<b>अनुसूची XIII: ब्याज एवं छूट:</b>		
1 ऋणों और अग्रिमों/बिलों की भुनाई/ पुनर्भुनाई पर ब्याज और बट्टा	48,157,573,078	40,559,451,972
2 निवेशों/बैंक शेष राशियों पर आय	20,305,954,687	15,511,604,257
	<b>68,463,527,765</b>	<b>56,071,056,229</b>
<b>अनुसूची XIV: अन्य आय:</b>		
1 निवेशों की बिक्री/पुनर्मूल्यांकन पर निवल लाभ	1,511,894,075	1,573,274,270
2 भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर निवल लाभ	96,194,037	(1,275,059)
3 अन्य	7,175,705	7,311,354
	<b>1,615,263,817</b>	<b>1,579,310,565</b>

**टिप्पणी:** 'देयताओं' [अनुसूची IV (क) देखिए] के अंतर्गत 352.23 मिलियन यू एस डॉलर की 'ऑन शोर' विदेशी मुद्रा जमा राशियाँ (गत वर्ष 455.93 मिलियन यू एस डॉलर) शामिल हैं जो प्रतिपक्षी पार्टी बैंकों/संस्थाओं द्वारा एक्जिम बैंक के पास रेसीप्रोकल रुपया जमा/बाँडों के पेटे रखी गई हैं। आस्तियों [अनुसूची सं. VI 3 (क) (ii) देखिए] के अंतर्गत नकदी तथा बैंक जमाओं में ₹ 18.38 बिलियन (गत वर्ष ₹ 21.63 बिलियन) की रुपया जमा शामिल है जो कि स्वैप संव्यवहारों के कारण है। आस्तियों के अंतर्गत [अनुसूची सं. VII 4 देखिए] कुल ₹ 2.38 बिलियन (गत वर्ष ₹ 2.51 बिलियन) की बाँड राशि शामिल है जो स्वैप्स के कारण है।

सेवा में  
भारत के राष्ट्रपति  
वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट



1. हमने भारतीय निर्यात-आयात बैंक (बैंक) की निर्यात विकास निधि के संलग्न 31 मार्च, 2014 के तुलन-पत्र और साथ ही उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए बैंक की निर्यात विकास निधि के लाभ और हानि लेखे एवं समाप्त वर्ष के लिए लेखा नीतियों का सारांश एवं अन्य विवरणात्मक आँकड़ों की लेखा परीक्षा की है।

### वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेवारी

2. बैंक का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 तथा उसके अधीन विरचित विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। इस जिम्मेवारी में उसकी डिजाइन, कार्यान्वयन तथा वित्तीय विवरणों को तैयार करने में आवश्यक आंतरिक नियंत्रण शामिल हैं ताकि इन विवरणों में धोखाधड़ी अथवा भूलवश भी कोई मिथ्या सूचना न आने पाए।

### लेखा परीक्षकों की जिम्मेवारी

3. हमारी जिम्मेवारी इन वित्तीय विवरणों की हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा के आधार पर रिपोर्ट देना है। हमने यह लेखा परीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप की है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए अपनी लेखा परीक्षा को इस प्रकार निष्पादित और नियोजित करें ताकि तर्कपूर्ण रूप से यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन वित्तीय विवरणों में किसी प्रकार की कोई महत्वपूर्ण जानकारी भ्रामक नहीं है।
4. लेखा परीक्षा के अंतर्गत वित्तीय विवरणों में राशियों एवं प्रकटीकरण को प्रमाणित करने वाले साक्ष्यों की परीक्षण आधार पर जाँच करना शामिल है। इसके लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पूर्णतया लेखा परीक्षकों के विवेक पर निर्भर है जिसमें महत्वपूर्ण विवरणों के संबंध में भूल अथवा धोखाधड़ी के चलते भ्रामक/ मिथ्याकथन जोखिमों का आँकलन करना शामिल है। विद्यमान इन जोखिमों के मूल्यांकन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के संबंध में लेखा परीक्षकों के विचार से इन विवरणों को त्रुटिरहित ढंग से तैयार करने में बैंक के आंतरिक प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों एवं प्रबंधन द्वारा वित्तीय विवरणों का प्रस्तुतीकरण महत्वपूर्ण है। लेखा परीक्षा में बैंक द्वारा प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों तथा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों के आँकलन के साथ ही समग्र वित्तीय विवरणों के प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन करना भी शामिल है।
5. हमें विश्वास है कि लेखा परीक्षा के लिए हमारे द्वारा प्राप्त किए गए साक्ष्य पर्याप्त और समुचित हैं तथा हमारे लेखा परीक्षा अभिमत के लिए तर्क संगत आधार प्रदान करते हैं।

### अभिमत

6. हमारी राय तथा सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण उक्त लेखा विवरण तथा उन पर लेखा टिप्पणियाँ भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 तथा उसके अंतर्गत विरचित विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप हैं तथा भारत में सामान्यतः मान्य लेखा मानकों के अनुरूप सही और सही स्थिति प्रदर्शित करते हैं:
  - i) यथा 31 मार्च, 2014 को बैंक की निर्यात विकास निधि के तुलन पत्र मामले में;
  - ii) उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि खाता के लाभ के मामले में।

### अन्य विधिक तथा विनियामक मामलों पर रिपोर्ट

7. तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 के तथा उसके अंतर्गत विरचित विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप तैयार किए गए हैं।





**8. हम यह रिपोर्ट करते हैं कि:**

- i) लेखा परीक्षा के लिए हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार जो तथ्य और स्पष्टीकरण आवश्यक थे वे सब हमने प्राप्त किए हैं और वे संतोषजनक हैं।
- ii) बैंक के संव्यवहार, जो हमारे संज्ञान में लाए गए हैं, बैंक की शक्तियों के अंतर्गत हैं।
- iii) हमारी राय में तुलन पत्र तथा लाभ और हानि लेखा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी अनिवार्य लेखा मानकों के अनुरूप हैं।

**9. हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि:**

- i) तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता बैंक की लेखा बहियों और विवरणों के अनुरूप हैं।
- ii) हमारे विचार में और हमारे परीक्षण के आधार पर बैंक द्वारा विधि निर्धारित अनुसार इन बहियों का उचित अभिलेख रखा गया है।

**कृते एम जेड एस के एंड असोशिएट्स**

सनदी लेखाकार

फर्म रजिस्ट्रेशन सं - 105047 डब्ल्यू

**अबुअली दारुखानावाला**

पार्टनर - (एम. सं. 108053)

मुंबई

अप्रैल 29, 2014

	इस वर्ष (यथा 31.03.2014 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2013 को) ₹
<b>देयताएँ</b>		
1 ऋण:		
(क) सरकार से	-	-
(ख) अन्य स्रोतों से	-	-
2 अनुदान:		
(क) सरकार से	128,307,787	128,307,787
(ख) अन्य स्रोतों से	-	-
3 उपहार, दान, उपकृतियाँ		
(क) सरकार से	-	-
(ख) अन्य स्रोतों से	-	-
4 अन्य देयताएँ	148,958,318	132,958,318
5 लाभ और हानि लेखा	381,168,912	350,074,930
<b>योग</b>	<b>658,435,017</b>	<b>611,341,035</b>
<b>आस्तियाँ</b>		
1 बैंक शेष		
(क) चालू खातों में	356,430	242,507
(ख) अन्य जमा खातों में	498,903,005	469,252,429
2 निवेश	-	-
3 ऋण एवं अग्रिम:		
(क) भारत में	-	-
(ख) भारत के बाहर	8,505,318	8,505,318
4 भुनाए गए, पुनर्भुनाए गए विनिमय बिल और वचन-पत्र:		
(क) भारत में	-	-
(ख) भारत के बाहर	-	-
5 अन्य आस्तियाँ		
(क) निम्नलिखित पर उपचित ब्याज		
i) ऋण एवं अग्रिम	-	-
ii) निवेश/बैंक शेष	10,238,561	8,909,078
(ख) प्रदत्त अग्रिम आय कर	140,431,703	124,431,703
(ग) अन्य	-	-
<b>योग</b>	<b>658,435,017</b>	<b>611,341,035</b>
<b>आकस्मिक देयताएँ</b>		
(i) स्वीकृतियाँ, गारंटियाँ, परांकन तथा अन्य दायित्व	-	-
(ii) वायदा विनियम संविदाओं की बकाया राशियों पर	-	-
(iii) हामीदारी एवं वचनबद्धताओं पर	-	-
(iv) अंशतः प्रदत्त निवेशों पर अनाहूत देयताएँ	-	-
(v) बैंक पर दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है	-	-
(vi) संग्रहण के लिए बिल	-	-
(vii) सहभागिता प्रमाण-पत्रों पर	-	-
(viii) भुनाये गये / पुनःभुनाये गये बिल	-	-
(ix) अन्य राशियाँ जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से जिम्मेदार है	-	-

**टिप्पणी:** भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (अधिनियम) की धारा 15 की शर्तों के अनुसार बैंक द्वारा निर्यात विकास निधि की स्थापना की गई है। अधिनियम की धारा 17 की शर्तों के अनुसार, किसी भी ऋण अथवा अग्रिम की मंजूरी से पहले अथवा ऐसी कोई व्यवस्था करने से पहले भारतीय निर्यात-आयात बैंक को केंद्र सरकार का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

#### डेविड रस्कीना

कार्यपालक निदेशक

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

यदुवेन्द्र माथुर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

डॉ. गुरदयाल सिंह संधु

श्री एन. शंकर

श्री एम. एस. राघवन

श्री अमिताभ कान्त

श्री एस. एस. मूंदड़ा

श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य

निदेशक गण

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम जेड एस के एंड असोशिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म रजि. नं. 105047 डब्ल्यू

(अबुअली दारुखानावाला)

साझेदार

एम. सं. 108053

श्री जी. पद्मनाभन

श्रीमती वी. आर. अय्यर

डॉ. बिस्वजीत धर

मुंबई

दिनांक : अप्रैल 29, 2014



# लाभ और हानि लेखा यथा 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

निर्यात विकास निधि

	इस वर्ष ₹	गत वर्ष ₹
<b>व्यय</b>		
1 ब्याज	-	-
2 अन्य व्यय	-	-
3 आगे ले जाया गया लाभ	47,093,982	46,601,193
<b>योग</b>	<b>47,093,982</b>	<b>46,601,193</b>
आयकर के लिए प्रावधान	16,000,000	15,120,000
तुलन-पत्र में अंतरित शेष लाभ	31,093,982	31,481,193
	<b>47,093,982</b>	<b>46,601,193</b>
<b>आय</b>		
1 ब्याज और बट्टा		
(क) ऋण एवं अग्रिम	-	-
(ख) निवेश/बैंक शेष	47,093,982	46,601,193
2 विनिमय, कमीशन, दलाली और फीस	-	-
3 अन्य आय	-	-
4 तुलन-पत्र को ले जायी गयी हानि	-	-
<b>योग</b>	<b>47,093,982</b>	<b>46,601,193</b>
लाभ नीचे लाया गया	47,093,982	46,601,193
पूर्ववर्ती वर्षों की आधिक्य आय/ब्याज कर के प्रावधान का प्रतिलेखन	-	-
	<b>47,093,982</b>	<b>46,601,193</b>

## डेविड रस्कीना

कार्यपालक निदेशक

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

यदुवेन्द्र माथुर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

डॉ. गुरदयाल सिंह संधु

श्री एन. शंकर

श्री एम. एस. राघवन

श्री अमिताभ कान्त

श्री एस. एस. मूंदड़ा

श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य

निदेशक गण

श्री जी. पद्मनाभन

श्रीमती वी. आर. अय्यर

डॉ. बिस्वजीत धर

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम जेड एस के एंड असोशिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म रजि. नं. 105047 डब्ल्यू

(अबुअली दारुखानावाला)

साझेदार

एम. सं. 108053

मुंबई

दिनांक : अप्रैल 29, 2014

# नकदी प्रवाह विवरणी यथा 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

सामान्य निधि  
राशि (मिलियन ₹)

विवरण	वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2014	वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2013
<b>परिचालनगत कार्यकलापों से नकदी प्रवाह</b>		
कर पूर्व निवल लाभ और असाधारण मदें	10,202.1	10,887.6
निम्नलिखित के लिए समायोजन		
- अचल आस्तियों की बिक्री से (लाभ)/हानि (निवल)	(96.2)	1.3
- निवेशों की बिक्री से (लाभ)/हानि (निवल)	(1,511.9)	(1,573.3)
- मूल्यहास	147.5	146.6
- बटूटे में डाले गए बाँड निर्गमों पर छूट/व्यय	52.5	264.9
- निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित लेखे से अंतर	-	-
- ऋणों/निवेशों एवं अन्य प्रावधानों के लिए प्रावधान/बटूटे खाते डालना	13,896.6	6,150.7
- अन्य - उल्लेख करें	-	-
	<b>22,690.6</b>	<b>15,877.8</b>
निम्नलिखित के लिए समायोजन		
- अन्य आस्तियाँ	(5,946.7)	6,032.7
- चालू देयताएँ	13,199.3	6,467.1
<b>परिचालनों से नकदी निर्माण</b>	<b>29,943.3</b>	<b>28,377.6</b>
आय कर/ब्याज कर की अदायगी	(6,809.5)	(5,047.7)
<b>परिचालनगत कार्यकलापों से निवल नकदी प्रवाह</b>	<b>23,133.8</b>	<b>23,329.9</b>
<b>निवेशगत कार्यकलापों से नकदी प्रवाह</b>		
- अचल आस्तियों की निवल खरीद	17.3	(114.0)
- निवेशों में निवल परिवर्तन	(12,669.0)	8,708.9
<b>निवेशगत कार्यकलापों में उपयोग की गयी/से जुटायी गयी निवल नकदी</b>	<b>(12,651.7)</b>	<b>8,594.9</b>
<b>वित्तीय कार्यकलापों से नकदी प्रवाह</b>		
- लगायी गयी ईक्विटी पूँजी से	7,000.0	2,000.0
- लिए गए ऋणों (की गयी पुनर्अदायगी की निवल राशि) से	69,973.2	103,329.5
- लिए गए ऋणों, बिलों की भुनाई और पुनर्भुनाई (प्राप्त पुनर्अदायगी का निवल) से	(102,453.6)	(104,632.0)
- ईक्विटी शेयरों पर लाभांश तथा लाभांश पर कर (केंद्र सरकार को अंतरित निवल लाभ अधिशेष)	(2,630.0)	(2,050.0)
<b>वित्तीय कार्यकलापों में प्रयुक्त/से जुटाई गई निवल नकदी</b>	<b>(28,110.3)</b>	<b>(1,352.5)</b>
<b>नकदी और नकदी तुल्य में निवल वृद्धि/(गिरावट)</b>	<b>(17,628.2)</b>	<b>30,572.3</b>
प्रारंभिक नकदी एवं नकदी तुल्य	68,869.0	38,296.7
अंतिम नकदी एवं नकदी तुल्य	51,240.8	68,869.0

## डेविड रस्कीना

कार्यपालक निदेशक

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

यदुवेन्द्र माथुर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

डॉ. गुरदयाल सिंह संधु

श्री एन. शंकर

श्री एम. एस. राघवन

श्री अमिताभ कान्त

श्री एस. एस. मूंदड़ा

श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य

निदेशक गण

श्री जी. पद्मनाभन

श्रीमती वी. आर. अय्यर

डॉ. बिस्वजीत धर

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम जेड एस के एंड असोशिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म रजि. नं. 105047 डब्ल्यू

(अबुअली दारुखानावाला)

साझेदार

एम. सं. 108053

मुंबई

दिनांक : अप्रैल 29, 2014





# महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ एवं लेखों की टिप्पणियाँ

## I – महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

### (i) वित्तीय विवरण

#### (क) तैयारी का आधार

भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्विजिब बैंक) का तुलन-पत्र तथा लाभ और हानि लेखा (सामान्य निधि एवं निर्यात विकास निधि), भारत में प्रचलित लेखा सिद्धांतों के अनुसार तैयार किये गये हैं। वित्तीय विवरण जब तक अन्यथा उल्लिखित न हो ऐतिहासिक लागत पद्धति के तहत तैयार किए गए हैं। बैंक द्वारा अपनाई गई लेखा नीतियाँ गत वर्ष प्रयोग की गई लेखा नीतियों के अनुरूप हैं। एक्विजिब बैंक का तुलन-पत्र तथा लाभ और हानि लेखा भारतीय निर्यात-आयात बैंक सामान्य विनियमावली, 1982 में दिए गए रूप में तथा ढंग से तैयार किए गए हैं, जिसे भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का संख्यांक 28) की धारा 39(2) के अधीन भारत सरकार के पूर्व अनुमोदन से निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक के परिपत्र डी बी एस.एफ आई डी.सं. सी - 18 / 01.02.00/2000-01, दिनांकित 13 अगस्त, 2005 और उसके बाद में अपेक्षित अनुसार कतिपय महत्त्वपूर्ण वित्तीय अनुपात / आंकड़े, 'लेखों की टिप्पणियाँ' के खंड के रूप में दर्शाए गए हैं।

#### (ख) आकलन का प्रयोग

निर्धारित तिथि को वित्तीय विवरणों को तैयार करने तथा आय और व्यय को रिपोर्ट करने के दौरान आस्ति तथा देयताओं की राशि रिपोर्ट करने के लिए (आकस्मिक देयताओं सहित) प्रबंधन को कुछ अनुमानों / आकलनों का सहारा लेना पड़ता है। प्रबंधन की राय के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करने में प्रयोग किए गए यह आकलन/अनुमान समुचित और तार्किक हैं।

### (ii) राजस्व निर्धारण

गैर-निष्पादक आस्तियों और 'भार ग्रस्त आस्तियों' पर ब्याज, दंड स्वरूप ब्याज, वचनबद्धता प्रभार जिन्हें नकदी आधार पर हिसाब में लिया जाता है, को छोड़कर आय/व्यय का निर्धारण उपचय आधार पर किया गया है। गैर-निष्पादक आस्तियों का निर्धारण अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया गया है। एक्विजिब बैंक के बाँडों पर दिया जाने वाला बट्टा / मोचन प्रीमियम बाँड की अवधि के दौरान परिशोधित किया गया है और ब्याज व्यय में शामिल किया गया है।

### (iii) आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण

तुलन-पत्र में दर्शायी गई ऋण और अग्रिम राशियों में गैर-निष्पादक आस्तियों हेतु प्रावधानों को घटाकर सिर्फ मूलधन बकाया राशियाँ शामिल हैं। प्राप्त होने वाले ब्याज को "अन्य आस्तियों" में समूहित किया गया है।

खाते की कमज़ोरी और वसूली हेतु संपार्श्विक प्रतिभूतियों पर निर्भरता के अनुसार ऋण आस्तियों को निम्नलिखित समूहों में वर्गीकृत किया गया है: मानक आस्तियाँ, अवमानक आस्तियाँ, संदिग्ध आस्तियाँ और हानि आस्तियाँ। ऋण आस्तियों का वर्गीकरण एवं प्रावधानीकरण भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अखिल भारतीय सावधि ऋणदात्री संस्थाओं को जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरूप है।

### (iv) निवेश

संपूर्ण निवेश-संविभाग को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

- (क) "परिपक्वता तक धारित" (परिपक्वता तक रखने के इरादे से अर्जित प्रतिभूतियाँ),
  - (ख) "क्रय-विक्रय के लिए धारित" (प्रतिभूतियाँ इस इरादे से अर्जित की जाती हैं कि अल्पावधि मूल्य/ब्याज दर में होने वाले उतार-चढ़ावों आदि का लाभ उठाकर उनका क्रय-विक्रय किया जाए) और
  - (ग) "बिक्री के लिए उपलब्ध" (शेष निवेश)।
- निवेशों को निम्नलिखित रूप में पुनः वर्गीकृत किया गया है:
- i) सरकारी प्रतिभूतियाँ
  - ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ
  - iii) शेयर
  - iv) डिबेंचर और बाँड
  - v) सहायक कंपनियों / संयुक्त उपक्रमों
  - vi) अन्य (वाणिज्यिक-पत्र, म्युच्युअल फंड की यूनिटें आदि)

निवेशों के विभिन्न लिखतों का वर्गीकरण, श्रेणीकरण, श्रेणियों के बीच परिवर्तन और निवेशों का मूल्य निर्धारण, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अखिल भारतीय सावधि ऋणदात्री संस्थाओं को जारी किये गये मानदंडों के अनुसार किया जाता है।

**(v) अचल आस्तियाँ तथा मूल्यहास**

- (क) अचल आस्तियों को संचयी मूल्यहास घटाकर परंपरागत लागत पर दर्शाया गया है।  
(ख) मूल्यहास का प्रावधान सीधी रेखा पद्धति के आधार पर निम्नलिखित दरों पर किया गया है:

आस्तियाँ	मूल्यहास दर
स्वयं के भवन	5%
फर्नीचर एवं फिक्सचर	25%
कार्यालय उपकरण	25%
अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	25%
कम्प्यूटर व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	25%
मोटर वाहन	25%
मोबाइल फोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पर मूल्यहास प्रौद्योगिकी के पुराने होने के आधार पर लिया गया है।	33.33%

- (ग) वर्ष के दौरान अर्जित आस्तियों के संबंध में मूल्यहास खरीद वर्ष में समूचे वर्ष के लिए प्रदान किया गया है तथा वर्ष के दौरान बेची गई आस्तियों के बारे में बिक्री वर्ष में कोई मूल्यहास नहीं किया गया है।  
(घ) जहाँ किसी अवक्षयी आस्ति को निपटा दिया गया है, त्याग दिया गया है, गिरा दिया गया है अथवा नष्ट कर दिया गया है ऐसी स्थिति में निवल अधिशेष या कमी को लाभ और हानि लेखों में समायोजित किया गया है।

**(vi) अवक्षय**

आस्तियों के रख-रखाव की राशि को हर तुलन-पत्र की तारीख को आंतरिक अथवा बाह्य कारणों से आस्ति के मूल्य में हुए अपक्षय के लिए प्रावधान अथवा गत अवधियों में हुई अवक्षय हानियों के प्रावधानों को रिवर्स करने के लिए पुनरीक्षित किया गया है।

**(vii) विदेशी मुद्रा लेन-देनों के लिए लेखांकन**

- (क) विदेशी मुद्रा में मूल्यांकित आस्तियों तथा देयताओं को वर्ष के अंत में भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापार संघ (फेडआई) द्वारा अधिसूचित दर पर नियत किया गया है।  
(ख) आय तथा व्यय मदों को वर्ष के दौरान विनिमय की औसत दरों पर अंतरित किया गया है।  
(ग) बकाया विदेशी मुद्रा विनिमय संविदाओं को निर्दिष्ट परिपक्वता अवधियों के लिए फेडआई द्वारा अधिसूचित विनिमय दरों पर पुनर्मूल्यांकित किया गया है तथा इससे होने वाले लाभ/हानि को लाभ और हानि लेखों में शामिल किया गया है।  
(घ) गारंटियों, स्वीकृतियों, परांकों तथा अन्य दायित्वों के संबंध में आकस्मिक देयताओं को वर्ष के अंत में फेडआई द्वारा अधिसूचित विनिमय दरों पर दर्शाया गया है।

**(viii) गारंटियाँ**

ई सी जी सी पॉलिसियों के अधीन अरक्षित खण्ड के लिए गारंटियों का प्रावधान परियोजनाओं के पूरे होने तक संभावित हानियों को ध्यान में रखकर किया गया है।

**(ix) डेरीवेटिव**

बैंक अपनी आस्ति देयताओं की हेजिंग के लिए डेरीवेटिव संव्यवहारों जैसे ब्याज दर स्वैप, करेंसी स्वैप, अंतर करेंसी ब्याज दर स्वैप तथा वायदा दर करारों में भी डील करता है। भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार ये संव्यवहार हेजिंग के उद्देश्य से किए जाते हैं तथा उपचित आधार पर हिसाब में लिए जाते हैं। बकाया डेरीवेटिव संव्यवहारों के बारे में मात्रात्मक तथा गुणात्मक प्रकटन 'लेखों की टिप्पणियों में' वित्तीय संस्थाओं के लिए प्रकटन मानक विषयक भारतीय रिज़र्व बैंक के मास्टर परिपत्र के अनुरूप किए जाते हैं।

**(x) कर्मचारियों के लाभ हेतु प्रावधान**

- (क) बैंक में भविष्य निधि, उपदान निधि और पेंशन निधि परिभाषित लाभकारी योजनाएं हैं। इन निधियों में बैंक का अंशदान लाभ-हानि खाते को नामे कर किया जाता है।  
(ख) उपदान तथा पेंशन परिभाषित लाभकारी देयताएँ हैं। देयताओं के लिए प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन आधार पर प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अनुमानित एकक जमा पद्धति के आधार पर किया जाता है।  
(ग) छुट्टी के नकदीकरण के प्रति देयता के लिए वर्ष के अंत में बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रावधान किया गया है।



**(xi) आय पर करों का लेखांकन**

(क) संबंधित संविधि के अधीन अदायगी योग्य चालू कर के लिए प्रावधान किया गया है।

(ख) कर योग्य आय और लेखांकन आय के बीच समय अंतर की दृष्टि से आस्थगित कर की गणना विद्यमान कर दरों पर तथा अधिनियमित विधि अथवा तुलन-पत्र की सम दिनांक को प्रमुखतः अधिनियमित विधि के अनुसार की गई है। आस्थगित कर आस्तियों को केवल उसी सीमा तक हिसाब में लिया गया है जिस सीमा तक उनकी वसूली की समुचित निश्चितता है।

**(xii) प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ तथा आकस्मिक आस्तियाँ**

प्रावधान, “आकस्मिक देयताएँ तथा आकस्मिक आस्तियाँ” भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आई सी ए आई) द्वारा जारी लेखा मानक 29 के अनुसार किए जाते हैं। बैंक केवल उन प्रावधानों को हिसाब में लेता है जब वर्तमान दायित्व किसी विगत घटना का परिणाम हो। हालांकि यह संभव है कि इस दायित्व से उपजे आर्थिक लाभ संबंधी राशि का भुगतान दायित्व की राशि के सही आकलन के निर्धारण के बाद किया जाए।

आकस्मिक देयताएँ तभी प्रकट की जाती हैं जब आर्थिक लाभ संबंधी राशि का भुगतान किए जाने की संभावना बहुत ही कम हो। आकस्मिक आस्तियों को न ही हिसाब में लिया जाता है तथा न ही उन्हें वित्तीय विवरणों में प्रकट किया जाता है।

## II - लेखों की टिप्पणियाँ - सामान्य निधि

### 1. एजेंसी लेखा

चूँकि एक्विजिशन बैंक ईराक में भारतीय संविदाकारों से संबंधित कतिपय सौदों को सुगम बनाने के लिए केवल एक एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है अतएव भारत सरकार को समनुदेशित ₹ 41.18 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 37.31 बिलियन) की राशि सहित बैंक को सूचित की गई एजेंसी खाते में धारित ₹ 37.21 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 33.71 बिलियन) की समतुल्य राशि की विदेशी मुद्रा की प्राप्य राशियाँ उपर्युक्त तुलन-पत्र में शामिल नहीं की गई हैं।

### 2. आयकर

बैंक की पूँजी संपूर्ण रूप से भारत सरकार द्वारा अभिदत्त है तथा बैंक में कोई अन्य शेयर पूँजी नहीं है। अतः भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 की धारा 23 (2) के अनुसार केंद्र सरकार को अंतरणीय लाभ अधिशेष को लाभांश नहीं कहा जा सकता। परिणामस्वरूप वाद सं. आई टी ए सं. 2025/मुंबई /2000 में 18 दिसंबर, 2006 को आईटीएटी द्वारा पारित निर्णय के आलोक में लाभांश वितरण पर कोई कर देय नहीं है, अतः इसके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

### 3. (क) आकस्मिक देयताएँ

गारंटियों में ₹ 3.21 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 5.37 बिलियन) की एक्सपायर्ड गारंटियाँ शामिल हैं, जिन्हें बहियों में से निरस्त किया जाना बाकी है।

#### (ख) दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है

आकस्मिक देयताओं के अंतर्गत “बैंक पर दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है” के रूप में दिखाई गई ₹ 2.25 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 2.25 बिलियन) की राशि अधिकांशतः बैंक के उधारकर्ता/चूककर्ताओं द्वारा बैंक के विरुद्ध किए गए दावों/प्रतिदावों से संबंधित है जो बैंक द्वारा उनके विरुद्ध शुरू की गई विधिक कार्रवाई के कारण है। बैंक के सॉलिसिटर्स की राय में कोई भी दावा/प्रतिदावा गुणवत्ता योग्य नहीं है तथा कोई भी मामला अभी तक अंतिम सुनवाई तक नहीं पहुंचा है; अतः व्यावसायिक सलाह के आधार पर इस संबंध में कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

#### (ग) वायदा विनिमय संविदाएं, मुद्रा / ब्याज दर स्वेप्स

(i) यथा 31 मार्च, 2014 को बकाया वायदा विनिमय संविदाओं की पूरी तरह से हेजिंग की गई है। बैंक भारतीय रिज़र्व बैंक के 7 जुलाई, 1999 के परिपत्र संदर्भ सं. एम पी डी.बी.सी. 187/07.01.279/1999-2000 एवं उसके बाद जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आस्ति-देयता प्रबंध के प्रयोजनार्थ डेरिवेटिव सौदे (ब्याज दर स्वेप, वायदा कर करार तथा मुद्रा-सह- ब्याज दर स्वेप) करता है। बैंक अपनी आवश्यकताओं तथा बाजार स्थितियों के आधार पर ऐसे सौदों से बाहर निकलता है तथा पुनः प्रवेश करता है। बकाया डेरिवेटिव सौदों को ब्याज दर के उतार-चढ़ाव के आधार पर निपटाया जाता है जिसकी आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) द्वारा निगरानी और बोर्ड द्वारा समीक्षा की जाती है। डेरिवेटिव के ऋण समतुल्य की गणना भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित ‘मौजूदा ऋण जोखिम’ पद्धति के अनुसार की जाती है। डेरिवेटिव के आधार बिंदु (पी वी 01) के उचित मूल्य तथा कीमत मूल्य को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित अनुसार ‘लेखों की टिप्पणियों’ में अलग से प्रकट किया गया है। वायदा दर संविदाओं से होने वाले लाभ या हानि को संविदा की पूरी अवधि के लिए परिशोधित किया गया है। वायदा विनिमय संविदाओं के निरस्तीकरण से उत्पन्न होने वाले लाभ या हानि को वर्ष के लिए आय/व्यय के रूप में हिसाब में लिया जाता है।

(ii) बैंक को ग्राहकों/गैर-ग्राहकों के लिए ‘लॉग डेटेड फॉरेन करेंसी रुपी स्वेप्स’ संव्यवहारों के लिए ‘मार्केट मेकर’ की भूमिका निभाने की अनुमति प्राप्त है।

#### (घ) मुद्रा विनिमय दर घट-बढ़ पर लाभ / हानि

विदेशी मुद्रा में उल्लिखित आस्तियों तथा देयताओं को वर्ष के अंत में भारतीय विदेशी मुद्रा डीलर संघ (फेडआई) द्वारा अधिसूचित दरों पर अंतरित किया जाता है। आय तथा व्यय मदों को वार्षिक औसत विनिमय दर पर अंतरित किया जाता है। चालू वर्ष के दौरान विदेशी मुद्रा परिचालनों से अर्जित एवं धारित आय इन अंतरणों पर सांकेतिक लाभ ₹ 0.20 बिलियन (गत वर्ष ₹ 0.04 बिलियन) है।

4. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों संबंधित प्रकटीकरण : सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को विलंबित भुगतान संबंधी कोई मामला प्रकाश में नहीं आया है।



5. पूँजी

(क)	विवरण	यथा 31 मार्च, 2014 को	यथा 31 मार्च, 2013 को
(i)	जोखिम आस्तियों की तुलना में पूँजी अनुपात (सी आर ए आर)	14.32%	15.28%
(ii)	जोखिम आस्तियों की तुलना में मुख्य पूँजी अनुपात	12.78%	13.71%
(iii)	जोखिम आस्तियों की तुलना में अनुपूरक पूँजी अनुपात	1.54%	1.57%

(ख) यथा 31 मार्च, 2014 को टीयर-II पूँजी के रूप में जुटाये गये और बकाया गौण ऋण की राशि: ₹ कुछ नहीं (गत वर्ष : ₹ कुछ नहीं)

(ग) जोखिम भारित आस्तियाँ-

(बिलियन ₹)

विवरण	यथा 31 मार्च, 2014 को	यथा 31 मार्च, 2013 को
(i) तुलन-पत्र में 'शामिल' मदें	457.37	407.88
(ii) तुलन-पत्र में 'शामिल नहीं की गई' मदें	117.92	75.85

(घ) तुलन-पत्र की तारीख को शेयरधारित का स्वरूप : भारत सरकार द्वारा पूर्णतः अभिदत्त।

- जोखिम आस्तियों की तुलना में पूँजी का अनुपात और अन्य मानदंडों का निर्धारण भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा वित्तीय संस्थाओं के लिए निर्धारित पूँजी पर्याप्तता मानदंडों के अनुसार किया गया है।

6. यथा 31 मार्च, 2014 को आस्ति-गुणवत्ता और ऋण-संकेन्द्रण

(क) निवल ऋणों और अग्रिमों की तुलना में अनर्जक आस्तियों की प्रतिशतता : 0.43 (गत वर्ष 0.47)

(ख) निर्धारित आस्ति वर्गीकरण श्रेणियों के अंतर्गत अनर्जक आस्तियों की राशि और प्रतिशतता :

(बिलियन ₹)

विवरण	यथा 31 मार्च, 2014 को		यथा 31 मार्च, 2013 को	
	राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत
अवमानक आस्तियाँ	3.21	0.43	3.05	0.47
संदिग्ध आस्तियाँ	-	-	-	-
हानि आस्तियाँ	-	-	-	-
<b>योग</b>	<b>3.21</b>	<b>0.43</b>	<b>3.05</b>	<b>0.47</b>

(ग) वर्ष के दौरान निम्नलिखित मदों के लिए किए गए प्रावधान :

(बिलियन ₹)

विवरण	2013-14	2012-13
मानक आस्तियाँ	0.98	1.83
अनर्जक आस्तियाँ	8.94	6.48
निवेश (जो अग्रिम को छोड़कर अन्य स्वरूप के हैं)	1.01	0.25
आयकर	3.10	3.46

(घ) निवल अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़ :

(बिलियन ₹)

विवरण	2013-14	2012-13
वर्ष के आरंभ में निवल अनर्जक-आस्तियाँ	3.05	1.56
जोड़ें : वर्ष के दौरान नई अनर्जक-आस्तियाँ	3.21	3.05
घटाएं : वर्ष के दौरान वसूलियाँ / कोटि उन्नयन	3.05	1.56
वर्ष की समाप्ति पर निवल अनर्जक-आस्तियाँ	3.21	3.05

(ड) अनर्जक-आस्तियों (जिसमें ऋण, बाँड और अग्रिम के रूप में डिबेंचर और अंतर-कंपनी जमा राशियाँ शामिल हैं) के लिए प्रावधान (मानक आस्तियों के लिए प्रावधान को छोड़कर):

(बिलियन ₹)

विवरण	2013-14	2012-13
वर्ष के आरंभ में प्रारंभिक जमा शेष	12.10	6.40
जोड़ें : वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	8.94	6.48
घटाएं : बड़े खाते में डालना / प्रतिलेखित अतिरिक्त प्रावधान*	8.29	0.78
वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अंतिम शेष	12.75	12.10

(\*आस्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (एआरसी) को बेचे गए एनपीए पर प्राप्त एआरसी की प्रतिभूतियों के रिडेम्पशन के लिए रिज़र्व को अंतरित राशियों सहित)

(घ) प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर):

	2013-14	2012-13
प्रावधान कवरेज अनुपात	81.34%	82.67%

(छ) जमा, अग्रिमों, ऋणों तथा एन पी ए का संकेन्द्रण

जमा राशियों का संकेन्द्रण:

(बिलियन ₹)

विवरण	2013-14	2012-13
20 सबसे बड़े जमाकर्ताओं की कुल राशि	0.68	2.88
बैंक की कुल जमा राशियों में 20 सबसे बड़े जमाकर्ताओं का प्रतिशत	25.89%	47.28%

अग्रिमों का संकेन्द्रण:

(बिलियन ₹)

विवरण	2013-14	2012-13
20 सबसे बड़े उधारकर्ताओं को / ग्राहकों को अग्रिम	100.31	89.45
बैंक की कुल अग्रिमों के इन उधारकर्ताओं / ग्राहकों के ऋणों का प्रतिशत	13.22	13.64

अग्रिमों की गणना डेरीवेटिव सहित अग्रिम मानदंडों पर भारतीय रिज़र्व बैंक के मास्टर परिपत्र डीबीओडी. सं. एफआईडी.एफ आईसी. सं.4 / 01.02.00/2013-14 दिनांकित 1 जुलाई, 2013 में परिभाषित अनुसार की गई है।

एक्सपोजर का संकेन्द्रण:

(बिलियन ₹)

विवरण	2013-14	2012-13
बड़े उधारकर्ताओं / ग्राहकों को एक्सपोजर	145.94	138.12
बैंक के कुल एक्सपोजर में इन उधारकर्ताओं / ग्राहकों के एक्सपोजर का प्रतिशत	10.77	11.54

एक्सपोजर की गणना भारतीय रिज़र्व बैंक के मास्टर परिपत्र डीबीओडी सं. एफआईडी.एफआईसी. 4/01.02.00/2013-14 दिनांकित 1 जुलाई, 2013 में परिभाषित अनुसार की गई है।

भारत सरकार द्वारा गारंटीत विदेशी बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं के ऋणों को भारत सरकार की ओर से दिए गए ऋण माना गया है तथा उन्हें एकल समूह उधारकर्ताओं की श्रेणी में नहीं माना गया है।



### अनर्जक आस्तियों का संकेन्द्रण:

(बिलियन ₹)

	2013-14	2012-13
शीर्ष चार एन पी ए खातों का कुल ऋण	6.91	4.91

#### I. क्षेत्रवार अनर्जक अस्तियाँ :

क्रम. सं.	क्षेत्र	क्षेत्र विशेष में कुल अग्रिमों की तुलना में अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत	
		2013-14	2012-13
1.	कृषि एवं संबद्ध गतिविधियाँ	-	-
2.	उद्योग (सूक्ष्म, लघु, मध्यम तथा बड़े)	2.10	2.31
3.	सेवाएं	-	-
4.	व्यक्तिगत ऋण	-	-

#### II. अनर्जक आस्तियों (एनपीए) की घट-बढ़ :

(बिलियन ₹)

विवरण	2013-14	2012-13
<b>1 अप्रैल को सकल एनपीए (प्रारंभिक शेष) (क)</b>	<b>15.15</b>	<b>7.96</b>
वृद्धि :		
(i) वर्ष के दौरान (नए एन पी ए)	19.69	9.20
(ii) ब्याज-निधायन	0.50	0.03
(iii) विनिमय दर घट-बढ़	0.44	0.10
<b>उपखंड योग (ख)</b>	<b>20.63</b>	<b>9.33</b>
घटाएं :		
(i) उन्नयन	0.27	0.86
(ii) वसूली (उन्नत खातों से वसूली को छोड़कर)	16.09	1.01
(iii) बट्टा	3.46	0.27
(iv) विनिमय दर घट-बढ़	-	-
<b>उपखंड योग (ग)</b>	<b>19.82</b>	<b>2.14</b>
<b>31 मार्च को सकल एनपीए (क + ख - ग)</b>	<b>15.96</b>	<b>15.15</b>

- डीबीओडी परिपत्र सं.डीबीओडी सं. बी.पी.बी.सी. 1/21.04.048/2013-14 दिनांकित 1 जुलाई, 2013 के अनुलग्नक की मद सं. 2 के अनुसार सकल एन पी ए

#### III. विदेशों में आस्तियाँ, अनर्जक अस्तियाँ तथा राजस्व:

(बिलियन ₹)

विवरण	2013-14	2012-13
कुल आस्तियाँ	76.95	40.15
कुल एन पी ए	-	-
कुल राजस्व	4.38	1.69

उक्त आंकड़े बैंक की लंदन शाखा से संबंधित हैं जिसने अपने परिचालन अक्टूबर 2010 से प्रारंभ किए।

#### IV. तुलन पत्र से इतर प्रायोजित एसपीवी (जिन्हें लेखा मानकों के अनुरूप समेकित किया जाना है):

प्रायोजित एस पी वी का नाम	
घरेलू	विदेशी
-	-

(ज) आस्ति पुनर्निर्माण हेतु वर्ष के दौरान प्रतिभूतिकरण कंपनी / पुनर्निर्माण कंपनी को बेची गई वित्तीय आस्तियाँ:

(बिलियन ₹)

क्रम सं.	विवरण	2013-14	2012-13
(i)	खातों की संख्या	67	1
(ii)	प्रतिभूतिकरण कंपनी / पुनर्निर्माण कंपनी को बेचे गए खातों का कुल मूल्य (प्रावधानों का निवल)	9.36	0.65
(iii)	कुल प्रतिफल	16.58	0.65
(iv)	पूर्ववर्ती वर्षों में स्थानांतरित खातों के संबंध में वसूल किया गया अतिरिक्त प्रतिफल	0.06	0.00
(v)	निवल बही मूल्य पर कुल लाभ	7.22	0.00

- “पुनर्निर्माण कंपनियों को बेची गई आस्तियों” को भारतीय रिज़र्व बैंक के मास्टर परिपत्र डी बी ओ डी सं. एफ आई डी. एफ आई सी. 2/01.02.00/2006-07 दिनांकित 1 जुलाई, 2006 और उसके बाद के दिशा-निर्देशों में परिभाषित अनुसार हिसाब में लिया गया है।

(झ) अनर्जक निवेश

(बिलियन ₹)

विवरण	2013-14	2012-13
वर्ष के आरंभ में प्रारंभिक जमा शेष	0.58	0.49
वर्ष के दौरान परिवर्द्धन	0.15	0.09
वर्ष के दौरान घटाई गई राशियाँ	0.21	-
वर्ष की समाप्ति पर अंतिम शेष	0.52	0.58
कुल प्रावधान	0.52	0.58

(ञ) निवेशों में मूल्यहास के लिए प्रावधान

(बिलियन ₹)

विवरण	2013-14	2012-13
वर्ष के आरंभ में प्रारंभिक जमा शेष	2.68	2.33
जोड़ें :		
(i) वर्ष के दौरान किये गये प्रावधान / (प्रतिलेखन)	0.95	0.35
(ii) वर्ष के दौरान निवेश घट-बढ़ आरक्षित लेखे से विनियोग, यदि कोई है	-	-
घटाएँ :		
(i) वर्ष के दौरान बट्टा खाता	0.01	-
(ii) निवेश घट-बढ़ आरक्षित लेखे में अंतरण, यदि कोई है	-	-
वर्ष की समाप्ति पर अंतिम शेष	3.62	2.68



(ट) वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान पुनर्संचित खातों का विवरण:

(बिलियन ₹)

श्रेणी	विवरण	सीडीआर प्रणाली	एसएमई ऋण प्रणाली	अन्य
पुनर्संचित की गई	उधारकर्ताओं की संख्या	13	3	10
मानक	बकाया राशि	13.92	0.14	7.29
आस्तियाँ	बलिदान राशि (मूल्य में कमी)	1.96	0.001	0.19
पुनर्संचित की गई	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	-
अवमानक	बकाया राशि	-	-	-
आस्तियाँ	बलिदान राशि (मूल्य में कमी)	-	-	-
पुनर्संचित की गई	उधारकर्ताओं की संख्या	3	-	1
संदिग्ध	बकाया राशि	1.65	-	0.15
आस्तियाँ	बलिदान राशि (मूल्य में कमी)	0.12	-	-
कुल	उधारकर्ताओं की संख्या	16	3	11
	बकाया राशि	15.57	0.14	7.44
	बलिदान राशि (मूल्य में कमी)	2.08	0.001	0.19

टिप्पणी : यथा 31 मार्च, 2014 को 7 उधारकर्ताओं का आवेदन ऋण पुनर्संचना के लिए प्राप्त हुआ जिनके अंतर्गत कुल राशि ₹ 3.96 बिलियन है।

गत वर्ष (वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान पुनर्संचित खातों का विवरण):

(बिलियन ₹)

श्रेणी	विवरण	सीडीआर प्रणाली	एसएमई ऋण प्रणाली	अन्य
पुनर्संचित की गई	उधारकर्ताओं की संख्या	21	1	10
मानक	बकाया राशि	20.32	0.03	6.48
आस्तियाँ	बलिदान राशि (मूल्य में कमी)	2.28	0.002	0.10
पुनर्संचित की गई	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	-
अवमानक	बकाया राशि	-	-	-
आस्तियाँ	बलिदान राशि (मूल्य में कमी)	-	-	-
पुनर्संचित की गई	उधारकर्ताओं की संख्या	-	1	-
संदिग्ध	बकाया राशि	-	0.05	-
आस्तियाँ	बलिदान राशि (मूल्य में कमी)	-	-	-
कुल	उधारकर्ताओं की संख्या	21	2	10
	बकाया राशि	20.32	0.08	6.48
	बलिदान राशि (मूल्य में कमी)	2.28	0.002	0.10

टिप्पणी : यथा 31 मार्च, 2013 को 9 उधारकर्ताओं का आवेदन ऋण पुनर्संचना के लिए प्राप्त हुआ जिनके अंतर्गत कुल राशि ₹ 4.55 बिलियन है।

(ठ) ऋण एक्सपोजर :

विवरण	पूँजी निधियों की तुलना में प्रतिशतता*	कुल ऋण सहायता की तुलना में प्रतिशतता (टी सी ई) @	कुल आस्तियों की तुलना में प्रतिशतता
i) सबसे बड़ा एकल उधारकर्ता	18.60	1.01	1.58
ii) सबसे बड़ा उधारकर्ता समूह	29.63	1.62	2.51
iii) 10 सबसे बड़े एकल उधारकर्ता	115.10	6.28	9.77
iv) 10 सबसे बड़े उधारकर्ता समूह	189.22	10.32	16.05

\* 31 मार्च, 2013 को पूँजी निधियाँ

@ कुल ऋण सहायता (टी सी ई) : ऋण + अग्रिम राशियाँ + उपयोग न की गई मंजूरियाँ + गारंटियाँ + डेरीवेटिव्स के कारण ऋण जोखिम।

- 1) बैंकों और समुद्रपारीय संस्थाओं को प्रदान किए गए ऐसे ऋण, जिनकी गारंटी भारत सरकार ने दी है, उन्हें उनके आदेशानुसार दिया गया माना गया है, अतः उन पर एकल/समूह उधारकर्ता के रूप में विचार नहीं किया गया है।
- 2) यथा 31 मार्च, 2014 को एक उधारकर्ता को ऋण कुल निधियों के 15% से अधिक था। जिसे निदेशक मंडल/प्रबंध समिति का अनुमोदन प्राप्त था। यथा 31 मार्च, 2014 को इस उधारकर्ता का एक्सपोजर बैंक की निधि का 19% था।

गत वर्ष :

विवरण	पूँजी निधियों की तुलना में प्रतिशतता*	कुल ऋण सहायता की तुलना में प्रतिशतता (टी सी ई) @	कुल आस्तियों की तुलना में प्रतिशतता
i) सबसे बड़ा एकल उधारकर्ता	14.72	0.84	1.31
ii) सबसे बड़ा उधारकर्ता समूह	36.38	2.06	3.25
iii) 10 सबसे बड़े एकल उधारकर्ता	118.89	6.75	10.61
iv) 10 सबसे बड़े उधारकर्ता समूह	190.25	10.80	16.98

\* यथा 31 मार्च, 2012 को पूँजी निधियाँ

@ कुल ऋण सहायता (टी सी ई) : ऋण + अग्रिम राशियाँ + उपयोग न की गई मंजूरियाँ + गारंटियाँ + डेरीवेटिव्स के कारण ऋण जोखिम।

1) बैंकों और समुद्रपारीय संस्थाओं को प्रदान किए गए ऐसे ऋण, जिनकी गारंटी भारत सरकार ने दी है, उन्हें उनके आदेशानुसार दिया गया माना गया है, अतः उन पर एकल/समूह उधारकर्ता के रूप में विचार नहीं किया गया है।

(ड) पाँच सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों को ऋण सहायता :

क्षेत्र	कुल ऋण सहायता की तुलना में प्रतिशतता (टी सी ई)	ऋण आस्तियों की तुलना में प्रतिशतता
i) लौह धातु और धातु प्रसंस्करण	10.94	8.84
ii) ई पी सी सेवाएं	9.25	7.48
iii) वस्त्र एवं परिधान	7.57	6.12
iv) तेल एवं गैस	6.62	5.35
v) औषधि एवं फार्मास्युटिकल्स	6.24	5.05

गत वर्ष :

क्षेत्र	कुल ऋण सहायता की तुलना में प्रतिशतता (टी सी ई)	ऋण आस्तियों की तुलना में प्रतिशतता
i) लौह धातु और धातु प्रसंस्करण	10.41	9.74
ii) ई पी सी सेवाएं	9.41	8.80
iii) वस्त्र एवं परिधान	8.06	7.54
iv) औषधि एवं फार्मास्युटिकल्स	6.28	5.88
v) ऑटो एवं ऑटो पुर्जे	5.55	5.19

• 'ऋण एक्सपोजर' की गणना भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा परिभाषित अनुसार की गई है।

बैंकों को ऋण और समुद्रपारीय संस्थाओं को ऋण-व्यवस्थाएँ / क्रेता-ऋण को, इसमें शामिल नहीं किया गया है।



(ढ) गैर-सरकारी ऋण प्रतिभूतियों में निवेश के संबंध में निर्गमकर्ता वर्ग:

(बिलियन ₹)

क्रम सं.	निर्गमकर्ता	राशि	की राशि			
			निजी नियोजन के माध्यम से किये गये निवेश	“निवेश कोटि से कम स्तर” की प्रतिभूतियाँ	अनिर्धारित प्रतिभूतियाँ	“असूचीबद्ध” प्रतिभूतियाँ
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम	0.04	-	-	0.04	0.04
2	वित्तीय संस्थाएँ	2.59	2.35	-	0.24	2.59**
3	बैंक	0.25	0.15	-	0.10	0.10
4	निजी कंपनियाँ	19.83	19.77	-	19.65	18.54*
5	सहायक कंपनी / संयुक्त उद्यम	0.0032	-	-	0.0032	0.0032
6	अन्य	-	-	-	-	-
7	# मूल्य में कमी के लिए धारित प्रावधान	2.13	-	-	-	-
	<b>कुल</b>	<b>22.71</b>	<b>22.27</b>	<b>-</b>	<b>20.03</b>	<b>21.27</b>

# प्रावधान की गई कुल राशि को ही कॉलम 3 में दिखाया गया है।

\* इसमें से ₹ 17.82 बिलियन आस्टि पुनर्संरचना कंपनियों (ए आर सी) द्वारा जारी प्रतिभूति रसीद में निवेश तथा ₹ 0.52 बिलियन ऋण की राशि पुनर्संरचना के कारण अर्जित शेयर / डिबेंचर में निवेश की गई हैं।

\*\* जिनमें से ₹ 2.35 बिलियन की राशि भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुमोदन से यू एस डॉलर / भारतीय रुपये के स्वैप संव्यवहारों से प्राप्त हुई।  
उक्त कॉलम 4, 5, 6 और 7 में रिपोर्ट की गई राशियाँ परस्पर अनन्य (म्युचुअली एक्सक्लूसिव) नहीं हैं।

गत वर्ष :

(बिलियन ₹)

क्रम सं.	निर्गमकर्ता	राशि	की राशि			
			निजी नियोजन के माध्यम से किये गये निवेश	“निवेश कोटि से कम स्तर” की प्रतिभूतियाँ	अनिर्धारित प्रतिभूतियाँ	“असूचीबद्ध” प्रतिभूतियाँ
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम	0.04	-	-	0.04	0.04
2	वित्तीय संस्थाएँ	2.75	2.51	-	0.24	2.75**
3	बैंक	0.25	0.15	-	0.10	0.10
4	निजी कंपनियाँ	4.53	3.57	-	4.17	3.30*
5	सहायक कंपनी / संयुक्त उद्यम	0.0032	-	-	0.0032	0.0032
6	अन्य	2.35	-	-	0.0025	0.0025
7	# मूल्य में कमी के लिए धारित प्रावधान	2.08	-	-	-	-
	<b>कुल</b>	<b>9.92</b>	<b>6.23</b>	<b>-</b>	<b>4.56</b>	<b>6.20</b>

# किए गए प्रावधान की कुल राशि को ही कॉलम 3 में दिखाया गया है।

\* इसमें से ₹ 2.14 बिलियन आस्टि पुनर्संरचना कंपनियों (ए आर सी) द्वारा जारी प्रतिभूति रसीद में निवेश तथा ₹ 0.79 बिलियन ऋण की राशि पुनर्संरचना के कारण अर्जित शेयर / डिबेंचर में निवेश की गई हैं।

\*\* जिनमें से ₹ 2.51 बिलियन की राशि भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुमोदन से यू एस डॉलर / भारतीय रुपये के स्वैप संव्यवहारों से प्राप्त है।  
उक्त कॉलम 4, 5, 6 और 7 में रिपोर्ट की गई राशियाँ परस्पर अनन्य (म्युचुअली एक्सक्लूसिव) नहीं हैं।

## 7. चल निधि (लिक्विडिटी) :

- (क) रुपया आस्तियों और देयताओं का परिपक्वता स्वरूप; और  
(ख) विदेशी मुद्रा आस्तियों और देयताओं का परिपक्वता स्वरूप।

(बिलियन ₹)

मदें	1 वर्ष से कम या उसके समतुल्य	1 वर्ष से अधिक 3 वर्षों तक	3 वर्षों से अधिक 5 वर्षों तक	5 वर्षों से अधिक 7 वर्षों तक	7 वर्षों से अधिक	योग
रुपया आस्तियाँ	237.64	161.41	192.57	123.35	203.53	918.50
विदेशी मुद्रा आस्तियाँ	183.18	156.94	188.31	118.22	220.26	866.91
<b>कुल आस्तियाँ</b>	<b>420.82</b>	<b>318.35</b>	<b>380.88</b>	<b>241.57</b>	<b>423.79</b>	<b>1,785.41</b>
रुपया देयताएँ	224.58	151.76	109.70	54.63	246.09	786.76
विदेशी मुद्रा देयताएँ	177.06	135.92	187.70	117.78	241.88	860.34
<b>कुल देयताएँ</b>	<b>401.64</b>	<b>287.68</b>	<b>297.40</b>	<b>172.41</b>	<b>487.97</b>	<b>1,647.10</b>

## गत वर्ष :

(बिलियन ₹)

मदें	1 वर्ष से कम या उसके समतुल्य	1 वर्ष से अधिक 3 वर्षों तक	3 वर्षों से अधिक 5 वर्षों तक	5 वर्षों से अधिक 7 वर्षों तक	7 वर्षों से अधिक	योग
रुपया आस्तियाँ	240.67	144.26	127.33	121.42	131.20	764.88
विदेशी मुद्रा आस्तियाँ	217.18	147.01	132.25	63.87	138.50	698.81
<b>कुल आस्तियाँ</b>	<b>457.85</b>	<b>291.27</b>	<b>259.58</b>	<b>185.29</b>	<b>269.70</b>	<b>1,463.69</b>
रुपया देयताएँ	240.12	140.93	42.73	31.20	203.48	658.46
विदेशी मुद्रा देयताएँ	215.79	146.80	117.16	53.47	161.15	694.37
<b>कुल देयताएँ</b>	<b>455.91</b>	<b>287.73</b>	<b>159.89</b>	<b>84.67</b>	<b>364.63</b>	<b>1,352.83</b>

- आस्तियों और देयताओं के परिपक्वता स्वरूप के लिए आस्तियों और देयताओं की विभिन्न मदों का समूहन आस्ति-देयता प्रबंधन प्रणाली से संबंधित यथा 31 दिसंबर, 1999 के भारतीय रिज़र्व बैंक के परिपत्र डी बी एस.एफ आई डी.सं.सी-11/01.02.00/1999-2000 के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार निर्दिष्ट समय-समूहों में किया गया है।

## (ग) रेपो लेन-देन :

(बिलियन ₹)

विवरण	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया	वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया	वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया	यथा 31 मार्च, 2014 को बकाया
रेपो के अंतर्गत बेची गई प्रतिभूतियाँ				
i) सरकारी प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-
ii) कार्पोरेट ऋण प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-
रेपो के अंतर्गत खरीदी गई प्रतिभूतियाँ				
i) सरकारी प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-
ii) कार्पोरेट ऋण प्रतिभूतियाँ	-	5.00	0.21	-



गत वर्ष :

(बिलियन ₹)

विवरण	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया	वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया	वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया	यथा 31 मार्च, 2014 को बकाया
रेपो के अंतर्गत बेची गई प्रतिभूतियाँ				
i) सरकारी प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-
ii) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-
रेपो के अंतर्गत खरीदी गई प्रतिभूतियाँ				
i) सरकारी प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-
ii) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियाँ	-	0.48	0.017	-

#### 8. भारतीय रिज़र्व बैंक के 01 जुलाई, 2013 के दिशा-निर्देश और उसके बाद के दिशा-निर्देशों के अनुसार डेरीवेटिव जोखिमों का प्रकटीकरण

##### क) गुणात्मक प्रकटीकरण

1. बैंक बाजार जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से मुख्यतः अपने तुलन-पत्र जोखिमों को हेज करने तथा प्रभावी न्यून लागत निधियों को जुटाने के लिए वित्तीय डेरीवेटिव का उपयोग करता है। बैंक वर्तमान में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत केवल ओवर दि काउंटर (ओ टी सी) ब्याज दर तथा मुद्रा डेरीवेटिव आदि का ही उपयोग करता है।
2. डेरीवेटिव संव्यवहारों में दो जोखिम (i) बाजार जोखिम अर्थात् ब्याज दरों / विनिमय दरों के प्रतिकूल प्रचलन से बैंक को संभावित हानि (ii) ऋण जोखिम अर्थात् प्रतिपक्षी पार्टी द्वारा अपने दायित्व के निर्वहन में चूक से हानि की संभावना, विहित रहते हैं। बैंक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित एक डेरीवेटिव नीति लागू है, जिसका उद्देश्य संपूर्ण आस्ति देयता स्थिति तथा संव्यवहार स्तर पर ही जोखिम प्रबंधन उद्देश्यों के अनुरूप डेरीवेटिव उत्पादों का प्रयोग करने, नियंत्रण तथा निगरानी उपायों की स्थापना सहित नियामक प्रलेखन तथा लेखा संबंधी मुद्दों को परिभाषित किया गया है। इसमें बाजार जोखिम को नियंत्रित करने तथा प्रबंध करने (स्टॉप लॉस लिमिट, ओपेन पोजिशन लिमिट, टेनर लिमिट, सेटलमेंट तथा प्री-सेटलमेंट रिस्क लिमिट, पी वी 01 लिमिट आदि) संबंधी जोखिम मानदंडों को भी निर्धारित किया गया है।
3. बैंक की आस्ति-देयता प्रबंधन समिति (अल्को) बैंक के मिड ऑफिस, जो डेरीवेटिव संव्यवहारों से जुड़े बाजार जोखिमों का आकलन और निगरानी करता है, की सहायता से बाजार जोखिम प्रबंधन कार्य की देख-रेख करती है।
4. यथा 31 मार्च, 2014 को बैंक की बहियों में बकाया सभी डेरीवेटिव संव्यवहारों को हेजिंग के उद्देश्य से लिया गया है तथा आस्ति-देयता बहियों में दर्शाया गया है। इन संव्यवहारों पर आय को बीमांकिक आधार पर हिसाब में लिया गया है।
5. आकस्मिक देयताओं के अंतर्गत बकाया वायदा दर संविदाओं में ब्याज दर स्वैप शामिल नहीं हैं जो कि डेरीवेटिव नीति के अनुपालन के संदर्भ में हैं।

ख) मात्रात्मक प्रकटन:

(बिलियन ₹)

क्रम सं.	विवरण	2013-14		2012-13	
		मुद्रा डेरीवेटिव	ब्याज दर डेरीवेटिव	मुद्रा डेरीवेटिव	ब्याज दर डेरीवेटिव
1	डेरीवेटिव (सांकेतिक मूल राशि)				
	क) हेजिंग के लिए	280.99	167.53	185.25	126.87
	ख) ट्रेडिंग के लिए	-	-	-	-
2	मार्क-टू-मार्केट स्थितियाँ				
	क) आस्ति (+)	-	-	-	1.49
	ख) देयता (-)	29.91	2.99	6.88	-
3	ऋण सहायता	17.41	1.73	11.40	2.57
4	ब्याज दर में एक प्रतिशत परिवर्तन का संभावित प्रभाव (100*पी वी 01)				
	क) हेजिंग डेरीवेटिव पर	12.33	6.85	6.92	6.07
	ख) ट्रेडिंग डेरीवेटिव पर	-	-	-	-
5	वर्ष के दौरान 100*पी वी 01 का अधिकतम और न्यूनतम				
	क) हेजिंग पर				
	(i) अधिकतम	12.48	6.85	6.92	6.17
	(ii) न्यूनतम	8.02	5.59	4.72	1.95
	ख) ट्रेडिंग पर				
	(i) अधिकतम	-	-	-	-
	(ii) न्यूनतम	-	-	-	-

ग) एक्सचेंजों में व्यापार किए गए ब्याज दर डेरीवेटिव के संबंध में प्रकटन

(बिलियन ₹)

क्रम सं.	विवरण	राशि
1.	वर्ष के दौरान एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव की सांकेतिक मूल राशि (लिखत-वार)	-
2.	यथा 31 मार्च, 2014 को एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव की बकाया सांकेतिक मूल राशि (लिखत-वार)	-
3.	एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव की सांकेतिक मूल राशि बकाया किंतु "हाइली इफेक्टिव" नहीं (लिखत-वार)	-
4.	एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव का मार्क-टू-मार्केट मूल्य बकाया किंतु "हाइली इफेक्टिव" नहीं (लिखत-वार)	-



घ) वायदा दर करार एवं ब्याज दर स्वैप पर प्रकटीकरण:

(बिलियन ₹)

क्रम सं.	विवरण	2013-14		2012-13	
		हेजिंग	ट्रेडिंग	हेजिंग	ट्रेडिंग
1.	स्वैप करारों का मूल सांकेतिक मूल्य	167.53	-	126.87	-
2.	प्रतिपक्षी पार्टी द्वारा करार के दायित्वों का निर्वहन न करने पर संभावित हानि	0.42	-	0.35	-
3.	स्वैप्स से उत्पन्न ऋण जोखिम का संकेंद्रण	सभी संव्यवहार अनुमोदित ऋण जोखिम सीमाओं के अंदर हैं।	-	सभी संव्यवहार अनुमोदित ऋण जोखिम सीमाओं के अंदर हैं।	-
4.	स्वैप बही का सही मूल्य	(2.99)	-	1.49	-

स्वैप की प्रकृति तथा शर्तें: सभी संव्यवहार बैंक की आस्ति-देयताओं से संबंधित हैं तथा इन्हें बैंक की आस्ति-देयता प्रबंधन स्थिति की हेजिंग के उद्देश्य से किया गया है।

9. परिचालनात्मक परिणाम:

क्रम सं.	विवरण	2013-14	2012-13
(i)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में ब्याज आय	8.32	7.94
(ii)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में गैर-ब्याज आय	0.52	0.53
(iii)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में परिचालन-लाभ	2.93	2.41
(iv)	औसत आस्तियों पर प्रतिफल	0.86	1.05
(v)	प्रति (स्थायी) कर्मचारी निवल लाभ (₹ बिलियन में)	0.024	0.027

- परिचालनात्मक परिणामों के लिए कार्यशील निधियों तथा कुल आस्तियों को गत लेखा वर्ष के अंत में, अनुवर्ती छमाही के अंत में तथा समीक्षाधीन वर्ष के अंत में, आंकड़ों के औसत के रूप में लिया गया है। ('कार्यशील निधियाँ' कुल आस्तियों से संबंधित हैं)।
- प्रति कर्मचारी निवल लाभ की गणना करने के लिए सभी संवर्गों में सभी पूर्णकालिक स्थायी कर्मचारियों को हिसाब में लिया गया है।

10. अचल आस्तियों के विवरण:

अचल आस्तियों के विवरण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा अचल आस्तियों के लिए जारी लेखा मानक-10 के अनुसार नीचे दिए गए हैं।

(बिलियन ₹)

विवरण	परिसर	अन्य	कुल
<b>सकल ब्लॉक</b>			
यथा 31 मार्च, 2013 को लागत	1.36	0.74	2.10
परिवर्द्धन	0.01	0.08	0.09
निपटान	0.01	0.01	0.02
यथा 31 मार्च, 2014 को लागत (क)	1.36	0.81	2.17
<b>मूल्यहास</b>			
यथा 31 मार्च, 2013 को संचित	0.65	0.58	1.23
वर्ष के दौरान प्रावधान	0.06	0.09	0.15
निपटान पर समाप्त	0.01	0.01	0.02
यथा 31 मार्च, 2014 को संचित (ख)	0.70	0.66	1.36
<b>निवल ब्लॉक (क-ख)</b>	<b>0.66</b>	<b>0.15</b>	<b>0.81</b>

गत वर्ष :

(बिलियन ₹)

विवरण	परिसर	अन्य	कुल
<b>सकल ब्लॉक</b>			
यथा 31 मार्च, 2012 को लागत	1.36	0.64	2.00
परिवर्द्धन	0.01	0.11	0.12
निपटान	0.01	0.01	0.02
यथा 31 मार्च, 2013 को लागत (क)	1.36	0.74	2.10
<b>मूल्यहास</b>			
यथा 31 मार्च, 2012 को संचित	0.60	0.49	1.09
वर्ष के दौरान प्रावधान	0.05	0.10	0.15
निपटान पर समाप्त	0.00	0.01	0.01
यथा 31 मार्च, 2013 को संचित (ख)	0.65	0.58	1.23
<b>निवल ब्लॉक (क-ख)</b>	<b>0.71</b>	<b>0.16</b>	<b>0.87</b>

### 11. सरकारी अनुदानों का लेखा

भारत सरकार ने बैंक द्वारा विदेशी सरकारों, बैंकों/संस्थाओं को प्रदान की गई विशिष्ट ऋण-व्यवस्थाओं के प्रति बैंक को ब्याज समकरण राशि अदा करने के लिए सहमति दी है और उसे उपचय आधार पर हिसाब में लिया गया है।

### 12. खंड रिपोर्टिंग

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक-17 के अंतर्गत रिपोर्ट किये जाने योग्य कोई खंड नहीं है क्योंकि, बैंक के परिचालनों में प्रमुखतः एक खंड अर्थात् वित्तीय कार्यकलाप ही शामिल हैं।

### 13. संबंधित पक्षकार प्रकटन

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक-18 के अंतर्गत संबंधित पक्षकार प्रकटन किया गया है :

- संबंध
  - (i) संयुक्त उद्यम :
    - ग्लोबल प्रोक्थोरमेंट कन्सल्टेंट्स लिमिटेड
  - (ii) प्रमुख प्रबंधन कार्मिक :
    - श्री टी.सी.ए. संगनाथन, (अध्यक्ष, जी पी सी एल) (30 नवम्बर, 2013 तक)
    - श्री यदुवेन्द्र माथुर (अध्यक्ष, जी पी सी एल) (5 मार्च, 2014 से)
- बैंक से संबंधित पक्षकार शेष राशियां तथा लेन-देनों का सारांश नीचे दिया गया है :

(मिलियन ₹)

विवरण	संयुक्त उद्यम 2013-14	संयुक्त उद्यम 2012-13
मंजूर ऋण	-	-
जारी गारंटियाँ	2.42	2.64
प्राप्त ब्याज	-	-
प्राप्त गारंटी कमीशन	0.01	0.02
प्रदत्त सेवाओं के एवज में प्राप्त भुगतान	0.01	0.01
स्वीकार की गई जमा राशियाँ	6.58	6.06
सावधि जमा राशियों पर प्रदत्त ब्याज	0.58	0.56
बड़ाकृत / अपलेखीकृत की गई राशि	-	-

वर्ष के अंत में बकाया ऋण राशि : शून्य (गत वर्ष शून्य रुपये)  
 वर्ष के अंत में बकाया गारंटियाँ : ₹ 2.42 मिलियन (गत वर्ष ₹ 2.64 मिलियन)  
 वर्ष के दौरान बकाया निवेश राशि : ₹ 3.23 मिलियन (गत वर्ष ₹ 3.23 मिलियन)  
 वर्ष के दौरान बकाया अधिकतम ऋण राशि : शून्य (गत वर्ष शून्य रुपये)  
 वर्ष के दौरान बकाया अधिकतम गारंटियाँ : ₹ 5.17 मिलियन (गत वर्ष ₹ 8.48 मिलियन)

- वाणिज्यिक बैंकों को जारी किये गये भारतीय रिज़र्व बैंक का यथा 29 मार्च, 2003 का परिपत्र डी बी ओ डी सं. बी पी.बी सी. 89/21.04.018/2002-03 ऐसे लेन-देनों के प्रकटन को शामिल नहीं करता है, जहां किसी भी श्रेणी में सिर्फ एक संबंधित पक्षकार (अर्थात् प्रमुख प्रबंध कार्मिक) है।





#### 14. आय पर कर का लेखांकन

(क) चालू वर्ष के लिए कर प्रावधान का विवरण :	(बिलियन ₹)
(i) आय पर कर	6.48
(ii) घटाकर : निवल आस्थगित कर आस्तियाँ	3.38
	<u>3.10</u>

#### (ख) आस्थगित कर आस्ति :

प्रमुख मदों के संदर्भ में आस्थगित कर देयताओं तथा आस्तियों का संगठन नीचे दिया गया है :

(बिलियन ₹)

#### विवरण

#### आस्थगित कर आस्तियाँ

1. अस्वीकार्य प्रावधान (निवल)	9.59
2. अचल आस्तियों पर मूल्यहास	0.03
	<u>9.62</u>

#### घटाएँ : आस्थगित कर देयताएँ

1. बॉर्ड निर्गम खर्च का परिशोधन	0.41
2. धारा 36 (1) (viii) के अंतर्गत सृजित विशेष रिज़र्व	3.05
	<u>3.46</u>

निवल आस्थगित कर आस्तियाँ तुलन-पत्र के 'आस्तियाँ' पक्ष में 'अन्य आस्तियों' में शामिल

6.16

#### 15. संयुक्त उद्यम में हित की वित्तीय रिपोर्टिंग

I. संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्था	देश	धारिता का प्रतिशत	
		वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क ग्लोबल प्रोक्योरमेंट कन्सलटेंट्स लिमिटेड	भारत	28%	28%

II. संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्था में हित से संबंधित आस्तियों, देयताओं और आय तथा व्यय की कुल राशि निम्नलिखित है :

(मिलियन ₹)

देयताएँ	2013-14	2012-13	आस्तियाँ	2013-14	2012-13
पूँजी एवं आरक्षित निधियाँ	18.19	15.28	अचल आस्तियाँ	0.10	0.16
ऋण	0.00	0.00	निवेश	6.31	7.62
अन्य देयताएँ	5.92	2.17	अन्य आस्तियाँ	17.70	9.67
<b>कुल</b>	<b>24.11</b>	<b>17.45</b>	<b>कुल</b>	<b>24.11</b>	<b>17.45</b>

आकस्मिक देयताएँ : शून्य (गत वर्ष शून्य)

(मिलियन ₹)

व्यय	2013-14	2012-13	आय	2013-14	2012-13
अन्य व्यय	10.72	8.37	परामर्शी आय	13.99	10.03
प्रावधान	1.43	0.90	ब्याज आय तथा		
			निवेश से आय	0.74	0.92
			अन्य आय	0.32	(0.02)
<b>कुल</b>	<b>12.15</b>	<b>9.27</b>	<b>कुल</b>	<b>15.05</b>	<b>10.93</b>

नोट : जी पी सी एल के वित्तीय वर्ष 2013-14 के आंकड़े अलेखापरिचित एवं अस्थायी हैं।

#### 16. आस्तियों का अनर्जन

बैंक की आस्तियों में से अधिकांश आस्तियाँ वित्तीय आस्तियाँ हैं जिन पर 'आस्तियों के अनर्जन' संबंधी लेखामानक-28 लागू नहीं होता है। बैंक के मत से यथा 31 मार्च, 2014 को आस्तियों का कोई अनर्जन नहीं हुआ है जिससे इस लेखा मानक के अंतर्गत प्रावधान किया जाए।

## 17. कर्मचारी लाभ

बैंक ने भारतीय सनदी लेखाकार संगठन द्वारा कर्मचारी लाभों पर, यथा 01 अप्रैल, 2007 से जारी लेखामानक-15 (आर) को अपनाया है। कर्मचारी लाभों से उत्पन्न देयता को बैंक की बहियों में दायित्व के विद्यमान मूल्य पर हिसाब में लिया गया है जिसमें तुलन-पत्र की तारीख को आयोजनागत आस्तियों के सही मूल्य को घटाया गया है।

### क) बैंक के तुलन-पत्र में हिसाब में ली गई राशि

(बिलियन ₹)		
विवरण	पेंशन निधि	ग्रेच्युटी
निधिक देयताओं का वर्तमान मूल्य	0.462	0.062
आयोजनागत आस्तियों का सही मूल्य	0.486	0.067
गैर-निधिक देयताओं का सही मूल्य	(0.024)	(0.005)
हिसाब में न ली गई पूर्व सेवा लागत	-	-
आस्ति के रूप में हिसाब में न ली गई राशि	-	-
निवल देयता	0.024	0.005

### ख) बैंक के लाभ और हानि खाते में हिसाब में लिया गया व्यय

(बिलियन ₹)		
विवरण	पेंशन निधि	ग्रेच्युटी
वर्तमान सेवा लागत	0.020	0.006
परिभाषित लाभ देयता पर ब्याज	0.037	0.005
आयोजनागत आस्ति पर अपेक्षित प्रतिफल	(0.028)	(0.004)
वर्ष के दौरान निवल उपचय गत हानि/(लाभ)	0.002	(0.003)
विगत सेवा लागत - गैर निजी लाभ निधि	-	-
विगत सेवा लाभ - निजी लाभ हिसाब में लिया गया	-	-
	-	-
कुल "कर्मचारी लाभ खर्च" में शामिल	0.031	0.004
नियोक्ता द्वारा योगदान	(0.127)	(0.008)

### ग) बीमांकिक अनुमानों का सारांश

विवरण	पेंशन निधि	ग्रेच्युटी
बड़ा ब्याज (प्रति वर्ष)	9.20%	9.31%
आस्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल (प्रति वर्ष)	9.20%	9.31%
वेतन वृद्धि दर (प्रति वर्ष)	7.00%	7.00%

उपरोक्त के अतिरिक्त बैंक ने वर्ष 2013-2014 के लिए निधिक देयताओं के वर्तमान मूल्य में वृद्धि के लिए छुट्टी नकदीकरण की परिभाषित लाभ देयता ₹ 0.05 बिलियन हो गई है।

वर्ष के दौरान बैंक द्वारा 0.0004 बिलियन की राशि का योगदान कर्मचारियों के लाभार्थ भविष्य निधि खाते में कोई अंशदान नहीं किया गया है।

18. जहाँ कहीं आवश्यक समझा गया है, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनर्समूहित किया गया है। जिन मामलों में भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेशानुसार पहली बार प्रकटन किया गया है, उन मामलों में गत वर्ष के आंकड़े नहीं दिए गए हैं।

## डेविड रस्कीना

कार्यपालक निदेशक

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

यदुवेन्द्र माथुर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

डॉ. गुरदयाल सिंह संधु

श्री एन. शंकर

श्री एम. एस. राघवन

श्री अमिताभ कान्त

श्री एस. एस. मूंदड़ा

श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य

निदेशक गण

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम जेड एस के एंड असोशिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म रजि. नं. 105047 डब्ल्यू

(अबुअली दारुखानावाला)

साझेदार

एम. सं. 108053

श्री जी. पद्मनाभन

श्रीमती वी. आर. अय्यर

डॉ. बिस्वजीत धर

मुंबई

दिनांक : अप्रैल 29, 2014

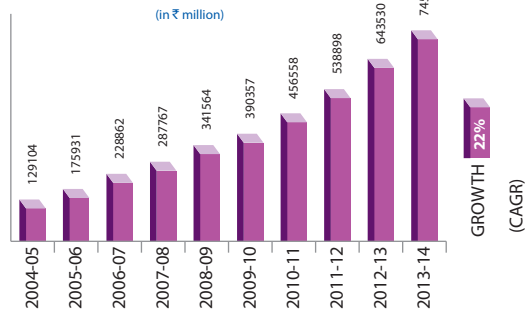




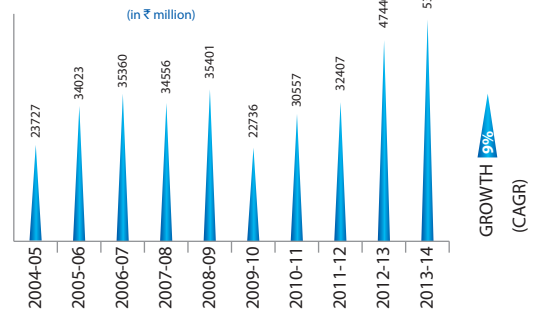
# HIGHLIGHTS OF THE PAST DECADE

## LOAN PORTFOLIO

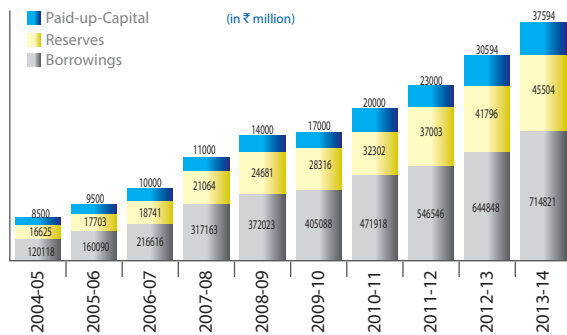
(Loan assets are net of provisions for NPAs effective 2004-05)



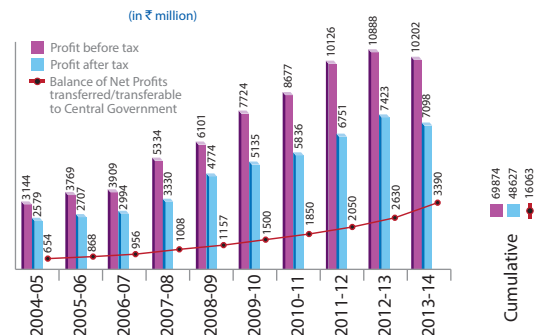
## GUARANTEE PORTFOLIO



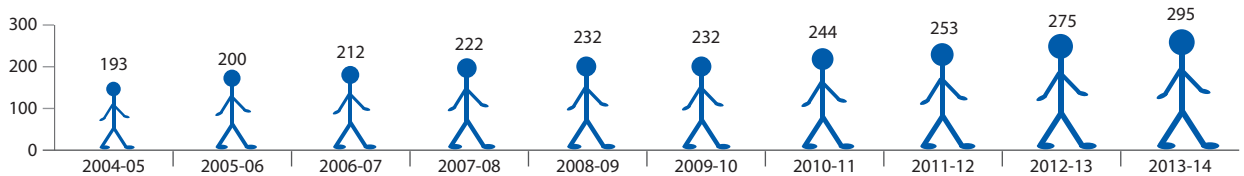
## RESOURCES



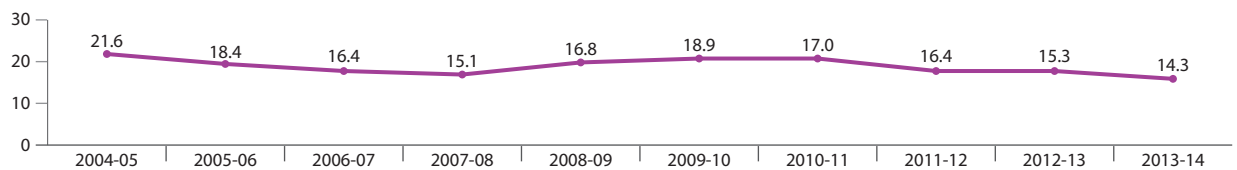
## PERFORMANCE



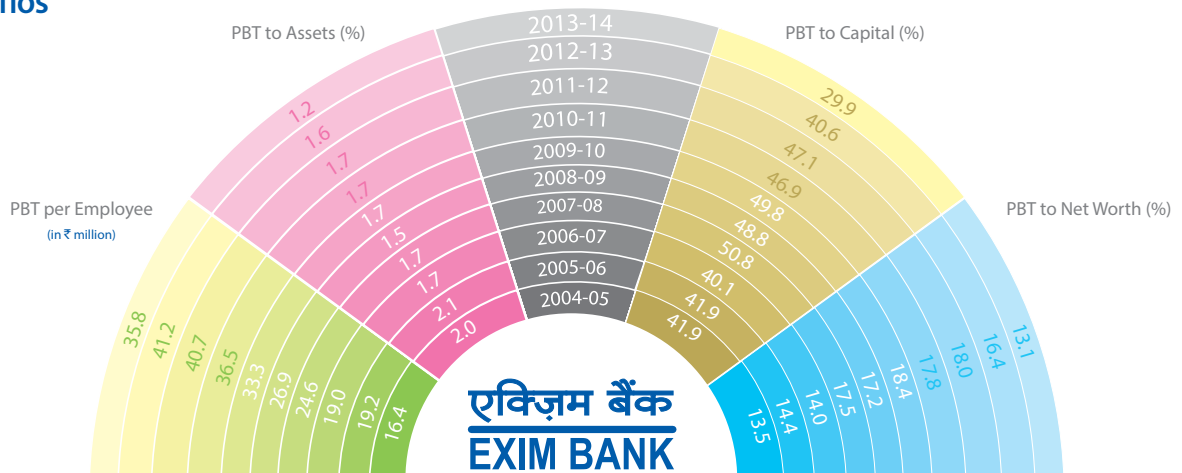
## STAFF STRENGTH

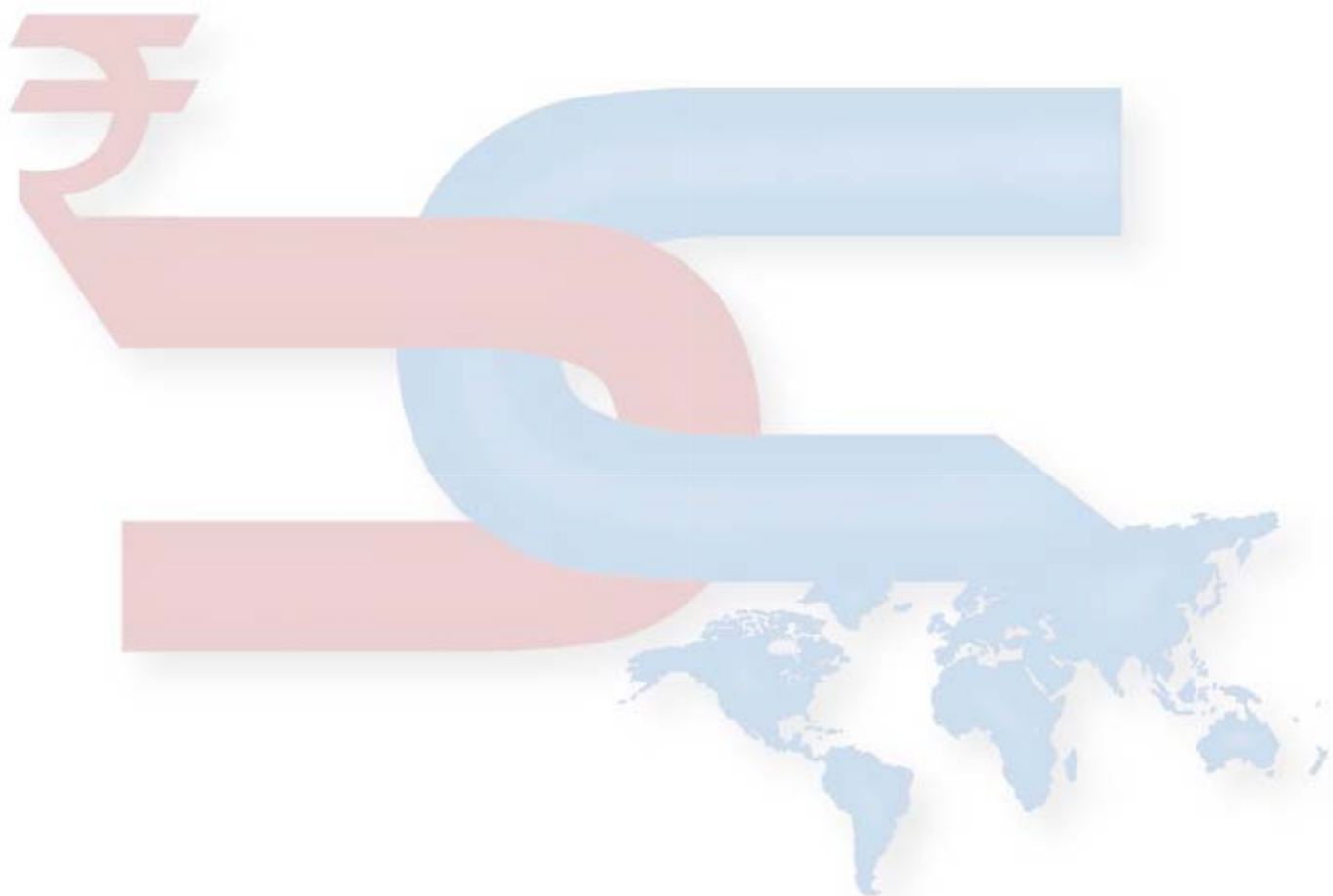


## CAPITAL TO RISK ASSETS RATIO (%)



## RATIOS





## CONTENTS

Board of Directors	01
Chairman's Statement	03
Economic Environment	07
Directors' Report	17
Financial Statements	47



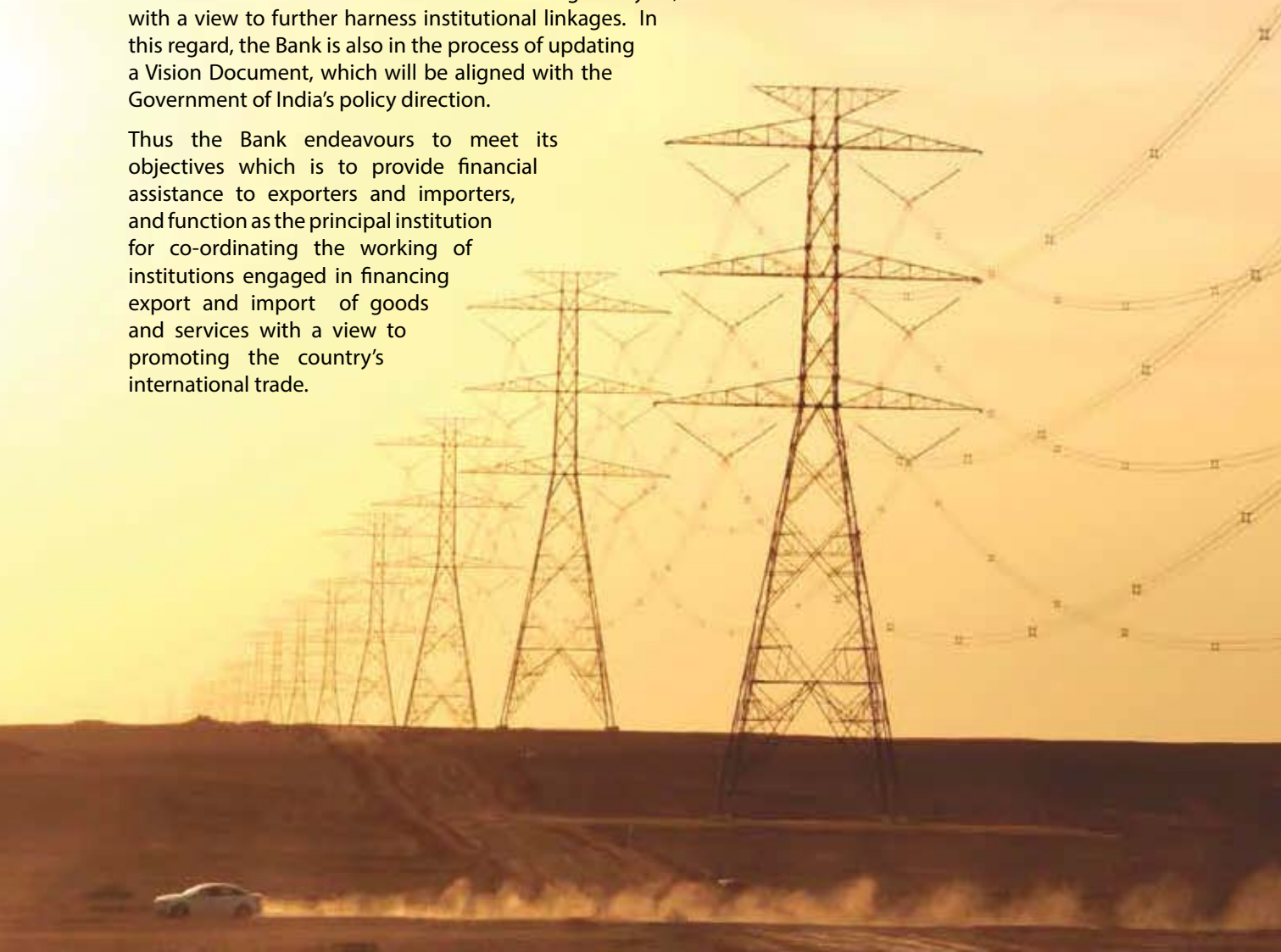
## **The Theme for this year's Annual Report is Catalysing Exports through Cross Border Linkages**

Stronger cross-border linkages are necessary to enhance trade and investment opportunities by expanding the market for final demand, increasing capital accumulation and improving factor productivity. Such cross-border linkages also provide opportunities to capitalise on diverse comparative advantages in a region. Cooperation with multilateral agencies and global players in international finance has assumed increasing importance as a key mechanism for the development agenda of emerging and developing economies.

Export-Import Bank of India since its inception in 1982, has played a catalytic role in ensuring India's increasing integration with the global economy by promoting, financing and facilitating India's international trade and investment. The Bank has also fostered a network of alliances and institutional linkages with a number of multilateral agencies, export credit agencies, banks and financial institutions, trade promotion bodies, and investment promotion boards across a number of developed and developing countries to help create an enabling environment for supporting trade and investment for Indian entrepreneurs. The Asian Exim Banks Forum set up in 1996 to facilitate and enhance intra-Asian trade, and the Global Network of Exim Banks and Development Finance Institutions (G-NEXID), set up in 2006, are milestone initiatives of Exim Bank with the objective of fostering trade and investment cooperation among member countries.

With the encouragement of the Bank's Board for the top management to foster institutional linkages by networking and sharing experiences through exchange of delegations, Exim Bank has entered into several cooperation agreements with various national and international institutions during the year, with a view to further harness institutional linkages. In this regard, the Bank is also in the process of updating a Vision Document, which will be aligned with the Government of India's policy direction.

Thus the Bank endeavours to meet its objectives which is to provide financial assistance to exporters and importers, and function as the principal institution for co-ordinating the working of institutions engaged in financing export and import of goods and services with a view to promoting the country's international trade.





*Exim Bank supported KEC International Ltd. in executing an overhead transmission lines project in Riyadh City, Saudi Arabia.*



---

## BOARD OF DIRECTORS



**Shri Yaduvendra Mathur**

Chairman & Managing Director  
Export-Import Bank of India



**Dr. Gurdial Singh Sandhu**

Secretary  
Department of Financial Services  
Ministry of Finance



**Shri Rajeev Kher**

Secretary  
Department of Commerce  
Ministry of Commerce & Industry



**Ms Sujata Mehta**

Secretary  
Economic Relations & DPA  
Ministry of External Affairs



**Smt Arundhati Bhattacharya**

Chairperson  
State Bank of India



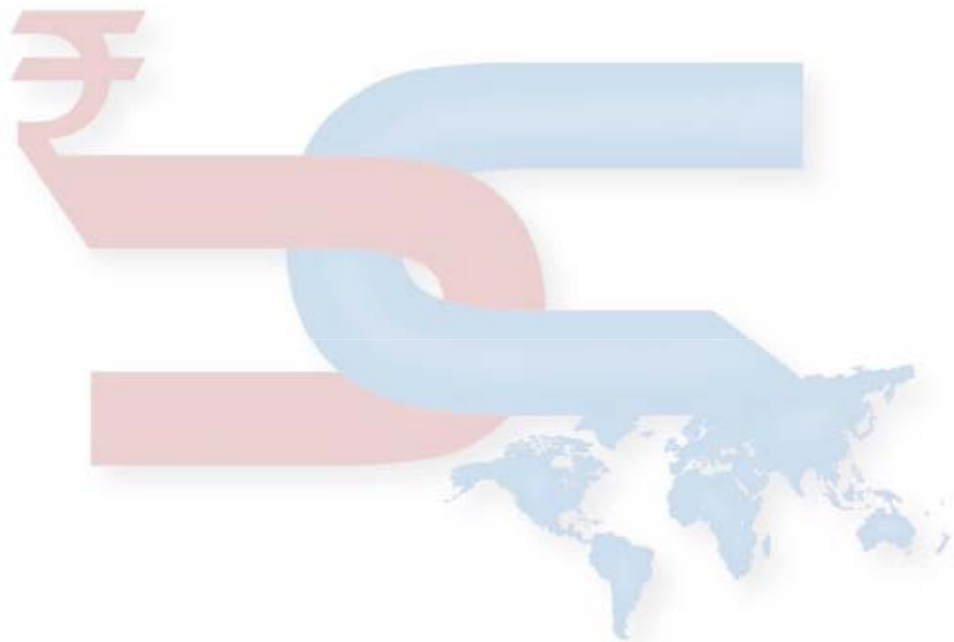
**Shri S. S. Mundra**

Chairman & Managing Director  
Bank of Baroda



**Smt V. R. Iyer**

Chairperson & Managing Director  
Bank of India



**Shri Amitabh Kant**

Secretary  
Department of Industrial Policy &  
Promotion  
Ministry of Commerce & Industry



**Shri G. Padmanabhan**

Executive Director  
Reserve Bank of India



**Shri N. Shankar**

Chairman-cum-Managing Director  
Export Credit Guarantee Corporation  
of India Ltd.



**Shri M. S. Raghavan**

Chairman & Managing Director  
IDBI Bank Ltd.



**Dr. Biswajit Dhar**

Professor of Economics  
Jawaharlal Nehru University



**Prof. Aditya Bhattacharjee**

Professor and Head of the  
Department of Economics  
Delhi School of Economics  
University of Delhi





The Indian economy witnessed a slow recovery in 2013-14 with real GDP growth rate increasing to 4.7 per cent from 4.5 per cent on the back of the recovery in agricultural output and rural demand, aided by a strong monsoon during the year, and sustained growth in the services sector.

On the external front, the year 2013 witnessed sluggish growth in global trade, mainly attributed to the lingering impact of the EU recession, high unemployment in Euro area economies, and uncertainty about the timing of the Federal Reserve's winding down of its monetary stimulus in the US. The year recorded flat import demand in developed economies (0.2 per cent) and moderate import growth in developing economies (4.4 per cent). On the export side, both developed and developing economies only managed to record small, positive increases (1.5 per cent for developed economies and 3.3 per cent for developing economies).

In spite of slowdown in global demand, growth in India's exports recovered in 2013-14, after witnessing a decline in the previous year. With a modest growth of 4.1 per cent, India's exports stood marginally higher at US\$ 312.6 billion in 2013-14, up from US\$ 300.4 billion in the previous year.

India's imports, on the other hand, declined by 8.3 per cent during 2013-14 to US\$ 450.1 billion, largely reflecting fall in non-oil imports by 12.8 per cent. It

may be noted that the policy of restricting gold imports in August 2013 by the RBI had its desired impact. Imports of gold, which stood at US\$ 53.8 billion in 2012-13, were reduced by 46.3 per cent in 2013-14 to US\$ 28.9 billion. Of the decline in total imports of US\$ 40.6 billion in 2013-14, decline in gold imports accounted for over 60 per cent (US\$ 24.9 billion). Accordingly, the trade deficit for 2013-14 narrowed to US\$ 137.5 billion, compared to US\$ 190.3 billion during 2012-13.

## **BUSINESS INITIATIVES**

The Bank supported 75 project export contracts aggregating to ₹ 341.3 billion secured by 40 Indian companies in 35 countries, reflecting the capabilities of Indian corporates to secure and execute a diverse range of projects. As on March 31, 2014, 319 project export contracts valued at ₹ 1403.2 billion supported by the Bank were under execution, in 74 countries across Asia, Africa and USA by 99 Indian companies. During the year, the Bank also extended Buyer's Credit facility to 27 overseas companies to facilitate exports from India.

Buyer's Credit under the Government of India's National Export Insurance Account (BC-NEIA), which was recently launched in conjunction with the Export Credit Guarantee Corporation of India Ltd. to promote project exports from India, has made steady progress. The Bank has so far sanctioned an aggregate amount of US\$ 1.4 billion for 11 projects valued at US\$ 2.67 billion under BC-NEIA. The Bank has also given in-principle commitments for supporting several projects and the current active pipeline includes projects aggregating US\$ 6.5 billion under BC-NEIA.

During the year, 24 new LOCs aggregating US\$ 1.77 billion were extended by the Bank to support export of projects, goods and services from India. As on March 31, 2014, the Bank had in place 189 LOCs covering 75 countries in Africa, Asia, CIS, Europe and Latin America with credit commitments aggregating US\$ 10.3 billion.

With Indian companies having established themselves as global investors, the Bank provides impetus to such outward-oriented corporates. The Bank assisted 55 corporates for part financing their overseas investments in 22 countries.

The Bank plans to set up a Project Development Company in Africa, which will essentially look to bring infrastructure projects in Africa to a bankable stage and facilitate exports from India to Africa. This is a new initiative Exim Bank has taken.

During the year, the Bank formed a new joint venture, viz. Bharat Handloom Marketing Company Ltd. (BHMCL) in association with the National Handloom Development Corporation Ltd. and the Association of Corporations and Apex Societies of Handlooms. BHMCL has been incorporated as a public limited company under the Companies Act, 1956 to carry out the business of promotion and marketing of handloom and handicraft products both at the domestic and global levels.

During the year, the Bank raised foreign currency resources aggregating US\$ 3.2 billion equivalent through a variety of instruments, different investor bases and across various geographies. In March 2014, the Bank issued 5.5-year US\$ 500 million Eurodollar bonds, which are included in the Emerging Market Bond Index. In fact, Exim Bank is the first Indian entity to be included in the Emerging Market Bond Index. The Bank raised US\$ 171 million equivalent in April 2013 by way of issue of Uridashi Bonds (a bond denominated in a foreign currency and sold directly to Japanese household investors) in three different currencies viz., Turkish Lira, Japanese Yen and Mexican Peso thereby achieving diversification of investor base. In July 2013, the Bank followed up with another issue of Uridashi Bonds of US\$ 148 million equivalent. The Bank has now tapped the Uridashi Bond market on three occasions and continues to be the only Indian entity in this market.

The Bank continued its endeavours to support globalisation of rural industries through the Grassroots Business Initiatives.





Research studies brought out by the Bank have focused on India's trade and investment potential with Africa, Southern African Development Community, Latin America and the Caribbean, Cambodia, Lao PDR, Myanmar, Vietnam, Gulf Cooperation Council, France, United Kingdom, Germany and Russia, while sector studies have focused on mapping the potential of the Indian Ceramic Industry, Indian Horticulture and India's Hi-Tech exports as well as cross-country comparison on labor laws. Another study on the theme of "The Effects of Financial Openness: An Assessment of the Indian Experience" was also published.

The Asian Exim Banks Forum was conceived and initiated by Export-Import Bank of India in 1996. In October 2013, the Nineteenth Annual Meeting of the Forum was held at Wuyishan, China, with the theme "Reinforcing Regional Cooperation & Connectivity in a Challenging Global Environment". The meeting provided a platform for exchange of ideas/information amongst the members on the role played by respective Exim Banks in the areas of co-financing of green projects, resource raising and training. I am happy to announce that Export-Import Bank of India would be hosting the Twentieth Annual Meeting of the Forum during November 2014. The theme of the forum would be "Evolving Role & Relevance of Asian Exim Banks – Path to 2020".

Towards fostering institutional linkages, the Bank has signed memoranda of understanding with several key institutions in India and abroad, including UK Trade and Investment, in order to exchange information to boost cooperation particularly between SMEs from India and the UK, helping them to locate suitable JV and trade partners; Small & Medium Business Development Chamber of India, to facilitate trade and investment among the SMEs in India and abroad; Visveswaraya Trade Promotion Centre, a Government of Karnataka owned institution, for conducting various skill building programmes for exporters; Women on Wings, The Netherlands, with an objective to create one million jobs for women in rural India by 2018; National Centre for Design and Product Development, with an objective of product development of Indian handicraft items; World Craft Council, to cooperate in areas through which Indian grassroots / social enterprises and crafts could be supported; International Trade Centre, Geneva to help increase enterprise and sector competitiveness and promote capacity-building in trade intelligence, including market research and analysis.

## **BUSINESS RESULTS**

Strong fundamentals of the Bank have been reflected in the Bank's business performance. Gross loan assets amounted to ₹ 758.7 billion, registering an increase of 16 percent over the previous year, while loan approvals stood at ₹ 482.6 billion. Profit before tax stood at ₹ 10.2 billion, compared to ₹ 10.9 billion in the previous year, while profit after tax amounted to ₹ 7.1 billion, as against ₹ 7.4 billion in the previous year. Capital to Risk Assets Ratio stood at a healthy 14.3 per cent, while net NPAs to net loan asset ratio was at 0.43 per cent. During the year, the Bank received capital of ₹ 7 billion from the Government of India. As on March 31, 2014, the Bank's total resources, including paid-up capital of ₹ 38 billion and reserves of ₹ 45 billion, aggregated to ₹ 798 billion. As on March 31, 2014, the Bank was rated Baa3 by Moody's, BBB- by Standard & Poor's, BBB- by Fitch Ratings, and BBB+ by Japan Credit Rating Agency. All the above ratings are of investment grade or above and are the same as the sovereign rating.

## **INSTITUTIONAL INTERACTIONS**

We value the relationships, both structured and informal, with agencies and institutions involved in promotion of trade and investment which have served to supplement the various endeavours of the Bank. CII, FICCI, ASSOCHAM, FIEO, EEP, PHDCCI, Project Exports Promotion Council of India, Indo-EU Chambers of Commerce, other Export Promotion Councils, Chambers of Commerce and Economic Research Institutes have been a valuable source of learning and support for us. The Bank has also received strength and value from interaction with industry, banks, financial institutions, Export Credit Guarantee Corporation of India Ltd., various Ministries of Government of India,

particularly the parent Ministry of Finance, Reserve Bank of India, and Indian Missions overseas.

## BOARD OF DIRECTORS

There have been changes on the Board of the Bank.

Shri M.S. Raghavan, Chairman and Managing Director, IDBI Bank Ltd.; Smt. Arundhati Bhattacharya, Chairperson, State Bank of India; Shri Rajeev Kher, Secretary, Government of India, Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry; Ms. Sujata Mehta, Secretary (Economic Relations & DPA), Government of India, Ministry of External Affairs; Shri Amitabh Kant, Secretary, Government of India, Department of Industrial Policy and Promotion, Ministry of Commerce and Industry; Dr. Gurdial Singh Sandhu, Secretary, Government of India, Department of Financial Services, Ministry of Finance, were appointed as Directors on the Board.



**T C A Ranganathan**  
Chairman & Managing Director  
(upto November 29, 2013)

Shri R.M. Malla, Chairman and Managing Director, IDBI Bank Ltd.; Dr. Raghuram G. Rajan, Chief Economic Adviser, Government of India, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance; Shri Pinak Ranjan Chakravarty, Secretary (Economic Relations), Government of India, Ministry of External Affairs; Shri Pratip Chaudhuri, Chairman, State Bank of India; Shri S.R. Rao, Secretary, Government of India, Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry; Shri Saurabh Chandra, Secretary, Government of India, Department of Industrial Policy and Promotion, Ministry of Commerce and Industry; Shri Rajiv Takru, Secretary, Government of India, Department of Financial Services, Ministry of Finance, relinquished their directorships consequent upon completion of their term or change in office. The Bank gratefully acknowledges their invaluable contributions as Directors.



**Anurag Jain**  
Chairman & Managing Director  
(upto February 19, 2014)

My colleagues on the Board and I would like to express our appreciation for the distinguished and valuable services rendered by Shri T.C.A. Ranganathan during his tenure as Chairman and Managing Director and the guidance and support extended by him, which have helped the Bank to achieve considerable progress. We would also like to place on record our gratitude for the guidance and support extended by Shri Anurag Jain, Joint Secretary (Financial Inclusion and CVO), Government of India, Ministry of Finance, Department of Financial Services, who took over additional charge as CMD, during the intervening period.

I must acknowledge the high level of commitment and dedication displayed by the staff of the Bank to the pursuit of business growth and new initiatives and for carrying the Bank's mission forward.

**Yaduvendra Mathur**

Chairman & Managing Director  
Export-Import Bank of India





# Economic Environment

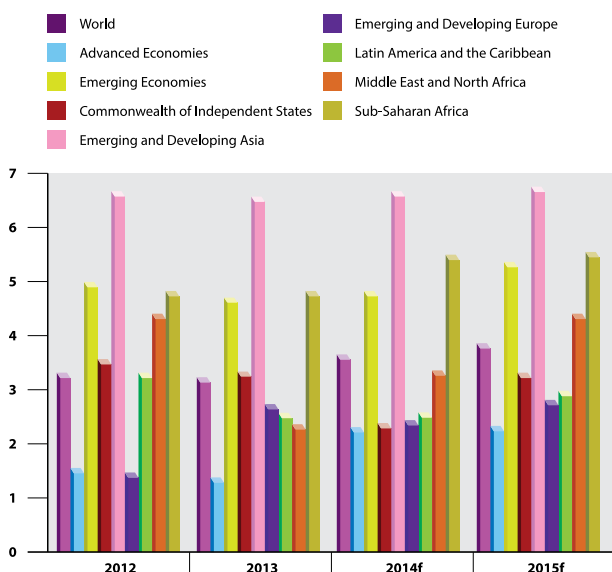
*Exim Bank provided financial support for wind turbines installed by  
Suzlon Wind Energy South Africa (PTY) Ltd.*



## GLOBAL ECONOMY

According to the International Monetary Fund (IMF)'s World Economic Outlook (WEO), April 2014, global growth averaged 3.6 per cent in the second half of 2013, a marked pick-up from the 2.6 per cent recorded during the first half of the year. This impulse has come primarily from advanced economies, whereas emerging markets witnessed modest growth. This strengthening of output among advanced countries marks a significant shift from recent years when developing countries alone pulled the global economy forward. However, for 2013 as a whole, global growth was recorded at 3 per cent, compared to 3.2 per cent seen in 2012.

### Growth in World Output (in per cent)



**Source:** World Economic Outlook (WEO), April 2014, IMF  
f: Forecasts

## WORLD TRADE

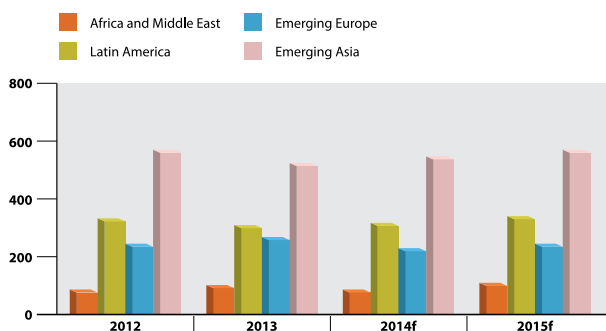
According to the World Trade Organisation (WTO), global merchandise trade grew at a sluggish pace of 2.1 per cent in 2013, attributed to the lingering impact of the EU recession, high unemployment in Euro area economies (Germany being a notable exception), and uncertainty about the timing of the Federal Reserve's winding down of its monetary stimulus in USA. World merchandise trade is expected to grow by a modest 4.7 per cent in 2014.

According to the IMF, global exports of goods and services are estimated at US\$ 23.1 trillion in 2013, implying a rise of 2.4 per cent over the previous year's total of US\$ 22.5 trillion. The world trade prices of non-fuel primary commodities contracted by 1.2 per cent in US\$ terms in 2013 as against a contraction of 10 per cent in 2012. Oil prices also lost momentum and contracted by 0.9 per cent in 2013.

## PRIVATE CAPITAL FLOWS IN EMERGING MARKET ECONOMIES

Net private inflows to emerging economies declined to an estimated US\$ 1,119 billion in 2013, as compared to US\$ 1,231 billion in the preceding year. A significant retrenchment was observed in the first half of 2013 after the US Federal Reserve signalled the start of tapering of asset purchases by end-year.

### Private Capital Flows in Emerging Markets (US\$ billion)

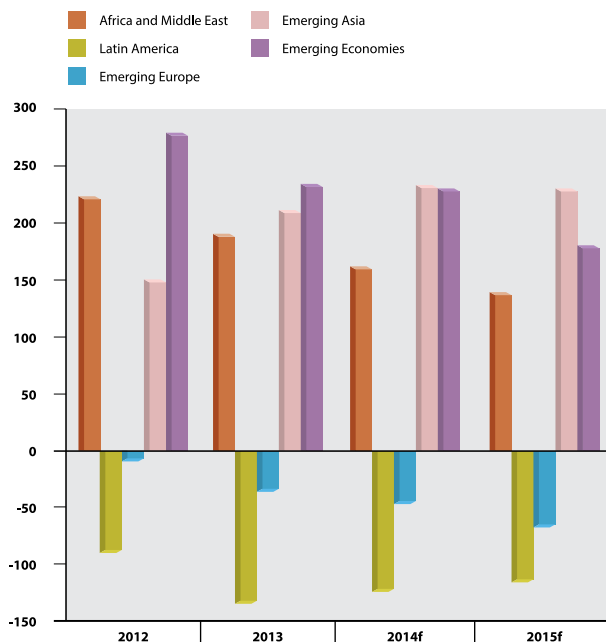


**Source:** Capital Flows to Emerging Market Economies, January 2014, IIF  
f: Forecasts

## CURRENT ACCOUNT BALANCE OF EMERGING MARKET ECONOMIES

While the Current account surplus of the emerging economies eased in 2013 as compared to the previous year, in emerging Latin America and Emerging Europe current account deficit worsened.

### Current Account Balance of Emerging Market Economies (US\$ billion)

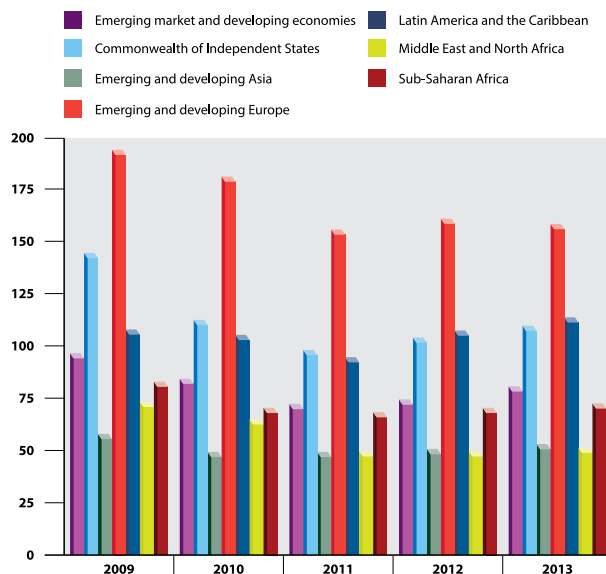


**Source:** Capital Flows to Emerging Market Economies, January 2014, IIF  
f: Forecasts

## EXTERNAL DEBT OF EMERGING ECONOMIES

External debt of emerging and developing economies, as a percentage of their exports of goods and services, increased in 2013 as compared to 2012. Overall, the debt-service payments ratio of the emerging and developing economies increased to 27.3 per cent in 2013 from 25.7 per cent in 2012.

### External Debt of Emerging Economies (per cent of exports of goods and services)



Source: World Economic Outlook (WEO), April 2014, IMF

## INDIAN ECONOMY

The Indian economy recovered in 2013-14 after witnessing a slowdown in the previous year. Real GDP growth rate increased to 4.7 per cent during 2013-14, compared to 4.5 per cent in the preceding year. Growth was mainly on the back of the recovery in the agricultural sector, strong growth in the services sector, and a decline in trade deficit.

### Agriculture

Indian agricultural sector rebounded during 2013-14, with a growth rate of 4.7 per cent as compared to the sluggish 1.4 per cent rate of growth achieved during the previous year. The share of agriculture and allied sectors in GDP, however, marginally increased to 14 per cent in 2013-14, from 13.9 per cent recorded in the previous year.

### Industry

As per data from the Central Statistical Organisation (CSO), the growth of the industrial sector, which stood at 1 per cent in 2012-13, is estimated to have moderated to 0.4 per cent in 2013-14. Among the sub-sectors, mining and quarrying and manufacturing contracted by 1.4 per cent and 0.7 per cent, respectively, while electricity, gas and water supply, and construction registered a growth of 5.9 per cent and 1.6 per cent, respectively. Accordingly, the share of Industry in GDP declined to 26.1 per cent in 2013-14 as compared to 27.3 per cent recorded in 2012-13.

## Services

The services sector remained the dominant sector in 2013-14. Services sector growth is estimated to have moderated to 6.8 per cent in 2013-14 from 7 per cent in the previous year, mainly reflecting deceleration in the growth rate of trade, hotels, transport and communication. The share of the services sector in GDP in 2013-14, however, stood higher at 59.9 per cent, as compared to a share of 58.8 per cent in 2012-13.

## Infrastructure

The eight infrastructure and core industries, viz. coal, crude oil, natural gas, petroleum refinery products, fertilizers, steel (alloy + non-alloy), cement and electricity, registered lower growth rate during 2013-14, averaging 2.6 per cent, as compared to 6.5 per cent recorded in the previous year.

## Inflation

The annual rate of inflation, based on monthly Wholesale Price Index, stood lower at 5.9 per cent during 2013-14 as compared to 7.4 per cent during the previous year.

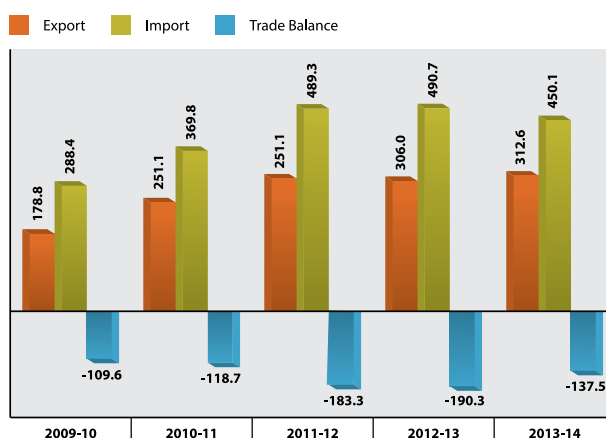
## Capital Markets

India's foreign investment inflows during 2013-14 stood at US\$ 28.7 billion, a fall from US\$ 46.7 billion in 2012-13. Net portfolio investment in India decreased sharply to US\$ 4.9 billion in 2013-14 from US\$ 26.9 billion during 2012-13. This may be attributed to the sharp decrease in the inflow of funds by Foreign Institutional Investors (FIIs) from US\$ 27.6 billion during 2012-13 to US\$ 5 billion in 2013-14.

## Foreign Trade and Balance of Payments

India's merchandise exports during 2013-14 grew by 4.1 per cent to US\$ 312.6 billion, from US\$ 300.4 billion recorded during 2012-13. India's merchandise imports during 2013-14 amounted to US\$ 450.1 billion, registering a decline of 8.3 per cent from US\$ 490.7 billion during 2012-13. Overall, the trade deficit for 2013-14 narrowed to US\$ 137.5 billion, from US\$ 190.3 billion during 2012-13. With regard to the commodity composition of India's main exports in 2013-14, all major commodity groups except gems and jewellery, electronic goods, plantation, and ores and minerals, registered a positive growth during the year.

### Trends in India's Merchandise Trade (US\$ billion)



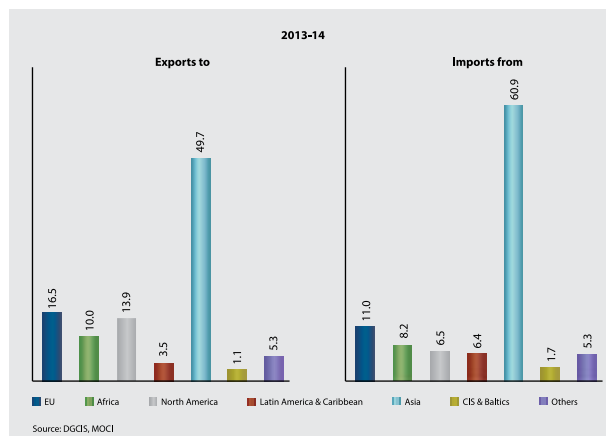
Source: RBI, DGCI, MOCI



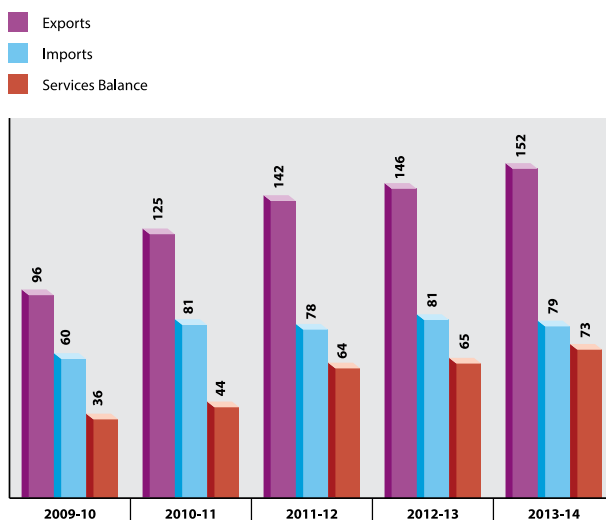
India's net invisibles surplus increased to US\$ 85.8 billion during 2013-14 as against US\$ 80.3 billion during the corresponding period of 2012-13, mainly due to higher increase in invisible receipts relative to payments in absolute terms. The increase in invisibles surplus was mainly driven by a rise in services surplus and secondary income surplus.

Services exports recorded a marginal growth of 4 per cent to US\$ 151.5 billion during 2013-14, as against US\$ 145.7 billion during the corresponding period of 2012-13.

#### Direction of India's Merchandise Trade (in per cent)



#### Trends in India's Services Trade (US\$ billion)



**Source:** RBI, Services trade data from 2009-10 is as per the new RBI BoP format, based on the IMF's BPM6 standards.

Contraction in the trade deficit, coupled with a rise in net invisibles receipts, resulted in a reduction of the current account deficit to US\$ 32.4 billion (1.7 per cent of GDP) in 2013-14 from US\$ 87.8 billion (4.8 per cent of GDP) in 2012-13.

Gross foreign direct investment inflows into India stood at US\$ 36.4 billion in 2013-14 as against US\$ 34.3 billion

recorded in 2012-13. Net inflows under the capital and financial account (excluding change in foreign exchange reserves) declined to US\$ 48.7 billion in 2013-14 from US\$ 89.0 billion in corresponding period of 2012-13 owing to net outflows on account of portfolio investment, higher repayment of loans, and trade credit & advances.

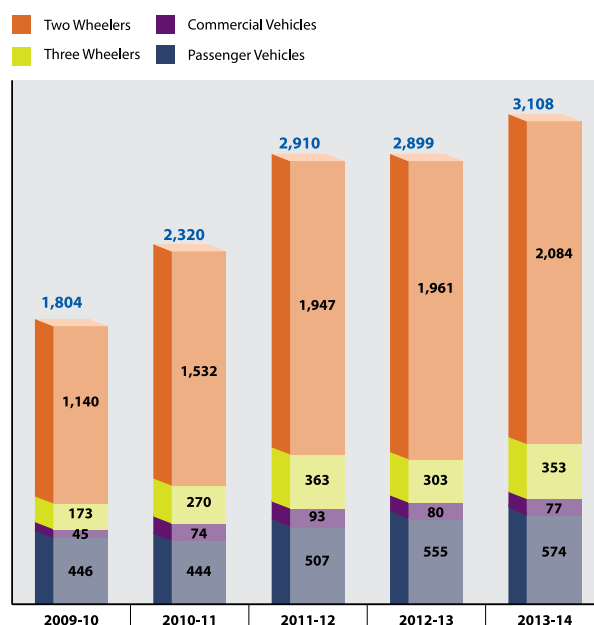
India's foreign exchange reserves increased to US\$ 304.2 billion as on end-March, 2014, from US\$ 292.0 billion as on end-March 2013. India's external debt, which stood at US\$ 404.9 billion on end-March 2013 increased to US\$ 426 billion as on end-December 2013. The increase in external debt by around US\$ 21.2 billion has been due to increase in long-term debt component.

#### PERFORMANCE OF SELECT SECTORS

##### Automotives

The performance of the automobile sector in 2013-14 was fairly modest in terms of volume (number of vehicles), with production growing by 4 per cent and sales by 3.5 per cent; exports performed better registering an increase of 7.2 per cent, compared to the previous year.

#### Export of Automobiles from India (in Thousands)



**Source:** SIAM

A significant increase in the export orientation of the sector, from 7.3 per cent in 2004-05 to 14.5 per cent in 2013-14, has resulted in the sector being affected by volatility in international demand. On the positive side, this increased export orientation attests to the increasing international competitiveness of domestically manufactured vehicles. Currently, India has the sixth largest automobile industry after China, the US, Germany, Japan and Brazil. The spurt in the number of MNCs

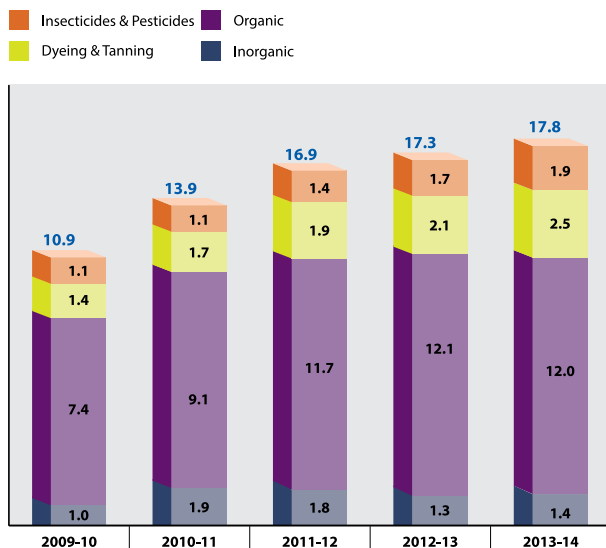
foraying into the Indian market bears testimony not only to the potential of the domestic market but also to the capability of the country to act as a manufacturing hub to serve the overseas market.

The relatively modest growth across various segments of the automobile industry is reflected in the performance of the auto component manufacturers. The turnover of the auto component industry in 2012-13 was US\$ 39.7 billion with growth in 2013-14 expected to be only modest, at best. However, the performance of the sector on the export front has been better with auto component exports standing at US\$ 9.3 billion in 2012-13, a year-on-year growth of 8.6 per cent, and projected to cross US\$ 30 billion by 2020-21. A major proportion of exports of auto components are accounted by Europe, followed by Asia and North America.

## Chemicals

The chemicals industry is a significant contributor to India's national economic growth. The size of the Indian chemicals industry is estimated to have reached around US\$ 108 billion in 2013, accounting for approximately 3 per cent of the global chemical industry. In terms of total value added (at constant 2000 prices), the Indian chemical industry was the fifth largest in the world, and second largest in Asia, after China.

### Export of Major Chemicals from India (US\$ billion)



Source: Ministry of Chemicals

In terms of exports, chemical and related products witnessed a year-on-year growth of 5.4 per cent during 2013-14 to reach US\$ 43.7 billion. This was significantly higher than the growth in the country's overall exports, which registered a growth of 4 per cent during the same period. Exports of chemicals (including organic, inorganic, tanning and dye extracts, other chemical products) for 2013-14 stood at US\$ 17.8 billion.

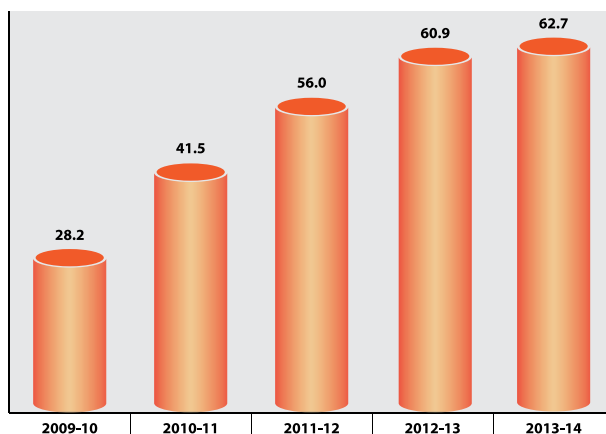
Foreign direct investment (FDI) in the chemical industry and trade between parent firms and their subsidiaries

is increasingly becoming significant for the sector. The Indian chemical industry was among the top 10 sectors attracting the highest cumulative FDI inflows (US\$ 9.8 billion) during the period 2001 to 2014 with a share of over 5 per cent in total FDI inflows (US \$ 217.7 billion) into India.

## Petroleum Products

The petroleum and natural gas sector, which includes exploration, refining and marketing of petroleum products and gas, constitutes over 15 per cent of India's GDP. According to the Petroleum Planning and Analysis Cell, production of petroleum products by refineries and fractionators stood at 222.3 million metric tons (MMT) during the period 2013-14, as compared to 218.8 MMT in the previous year.

### Export of Petroleum Products from India (US\$ billion)



Source: MOCI

With substantial increase in refining capacity in India, exports of petroleum products have picked up since 2005-06 although the slowdown in global economy has affected the exports in recent years. Due to the weak global demand, exports of petroleum products witnessed only a marginal growth of 3 per cent during the period 2013-14, to reach a level of US\$ 62.7 billion. The share of petroleum products exports in total exports has witnessed a consistent increase from 15.7 per cent in 2009-10 to 20.1 per cent in 2013-14.

## Textiles and Garments

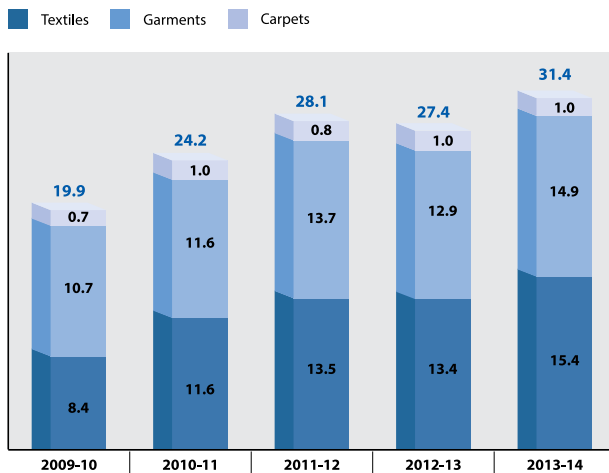
The textiles and garments industry through its contribution to industrial output, employment and exports, plays a critical role in the Indian economy. The industry is estimated to account for 4 per cent of national GDP and about 10 per cent of the country's exports.

India accounted for 5.3 per cent of world textile exports and held 3.3 per cent share in world clothing exports,



during 2012-13. During 2013-14, textiles and readymade garments exports (including carpets) from India amounted to US\$ 31.4 billion, showing a y-o-y growth of 14.9 per cent over the previous year. During this period, exports of readymade garments, cotton yarn and fabrics and manmade textiles grew by 15.5 per cent, 18.1 per cent and 12.9 per cent, respectively.

### Export of Textiles and Garments from India (US\$ billion)

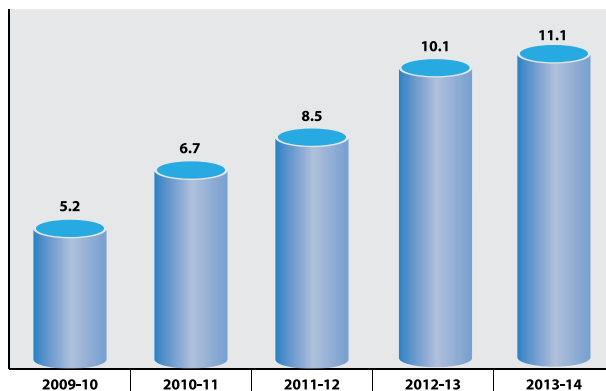


Source: MOCI

### Pharmaceuticals

Indian pharmaceutical companies have not been affected much by the global slowdown, largely because of cost advantages in production. Notwithstanding this, performance on the export front has been rather modest; exports of pharmaceutical products (ITC HS Code 30) increased by a healthy 18.2 per cent in 2012-13 over the previous year to aggregate to US\$ 10.1 billion. The exports of pharmaceutical products have registered a CAGR of 18.6 per cent during the period 2008-09 to 2012-13, from US\$ 5.1 billion in 2008-09 to US\$ 10.1 billion in 2012-13.

### Export of Pharmaceutical Products from India (US\$ billion)



Source: MOCI

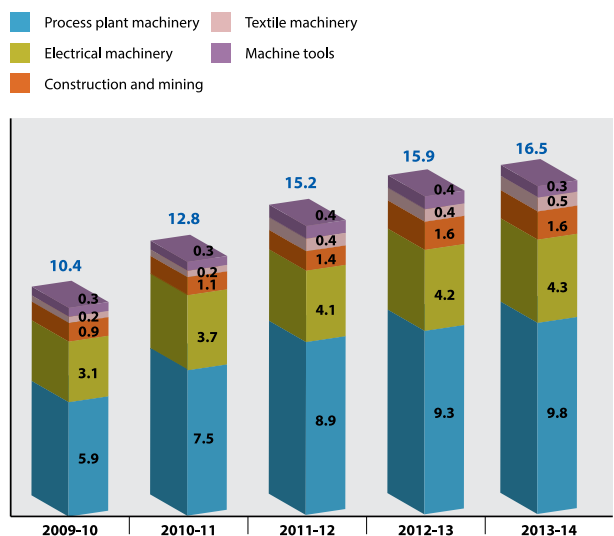
USA, with a share of 30.7 per cent was the predominant destination for pharmaceutical exports from India. Other major export destinations for India's pharmaceutical products included Russia (share of 5.6 per cent), UK (3.8 per cent), South Africa (3.5 per cent) and Nigeria (2.9 per cent). Since 2011-12, several African countries, such as South Africa, Nigeria, Kenya and Ghana, have emerged as important markets for Indian pharmaceutical products. These African countries have replaced countries such as Ireland, Brazil and Vietnam as significant markets for Indian pharmaceutical products.

### Capital Goods

The capital goods industry is a strategic sector for India's manufacturing sector. Some of the prominent capital goods produced in India include heavy electrical machinery, textile machinery, machine tools, earthmoving and construction equipment including mining equipment, road construction equipment, printing machinery, dairy machinery, industrial refrigeration, and industrial furnaces. In 2013-14, the capital goods industry recorded a year-on-year decline of 3.7 per cent.

During 2013-14, capital goods exports grew by 4.4 per cent over the corresponding period of the previous year to reach US\$ 16.6 billion. Imports of capital goods in 2013-14 registered a negative year-on-year growth of 11.2 per cent as compared to the corresponding period in the previous year.

### Export of Capital Goods from India (US\$ billion)



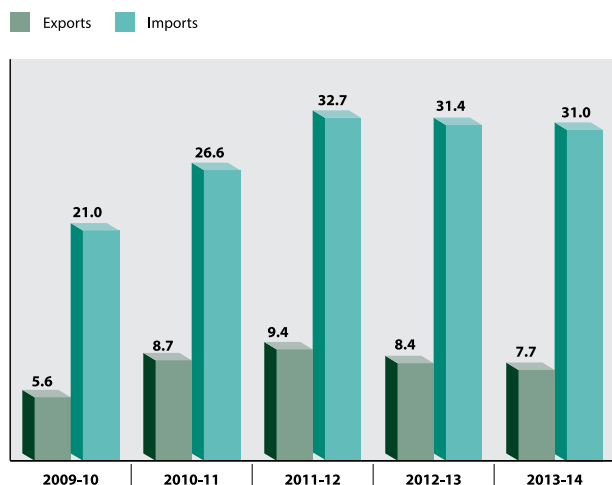
Source: MOCI

### Electronics

The Indian electronic goods sector has been among the fastest growing sectors in the recent past. However, in 2013-14, India's exports of electronics registered a year-on-year decline of 9 per cent to aggregate US\$ 7.7 billion, accounting for 2.5 per cent of the country's total exports. Imports of electronics during 2013-14, were valued at

US\$ 31 billion. In spite of dismal growth rates in the last year, overall CAGR during 2009-10 to 2013-14 remained strong at 8.1 per cent and 10.3 per cent for India's electronics exports and imports, respectively.

### India's Trade in Electronics (US\$ billion)



Source: DGCIIS

During 2013-14, major export destinations for Indian electronic goods were USA (13.7 per cent share), UAE (12.4 per cent), the Netherlands (6.1 per cent), China (4.5 per cent), and Germany (4.4 per cent). In the case of imports, China was the predominant source, accounting for 51.7 per cent of India's total imports of electronics goods. Other major source countries were South Korea (5.4 per cent), USA (5.2 per cent), Malaysia (5.1 per cent), Singapore (4.9 per cent), and Germany (3.3 per cent).

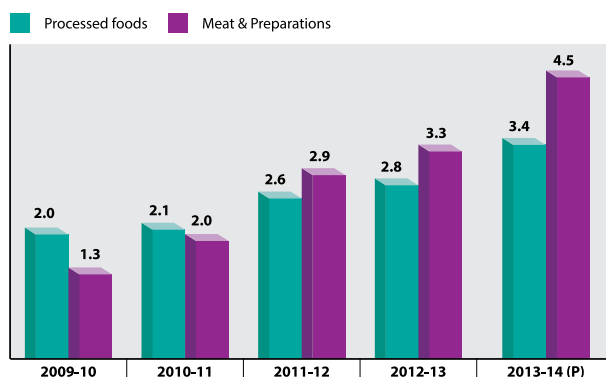
### Food Processing

The food processing sector is one of the major sectors in India in terms of production, growth, consumption, and export, and has been accorded a priority status by the

Government of India. The value of the food processing industry in India stood at US\$ 121 billion in 2013 and is projected to grow with a CAGR of 10 per cent to reach US\$ 194 billion by 2015. India's food processing sector covers fruit and vegetables, spices, meat and poultry, milk and milk products, alcoholic and non-alcoholic beverages, fisheries, plantation, grain processing and other consumer product groups like confectionery, chocolates and cocoa products, soya-based products, mineral water, and high protein foods.

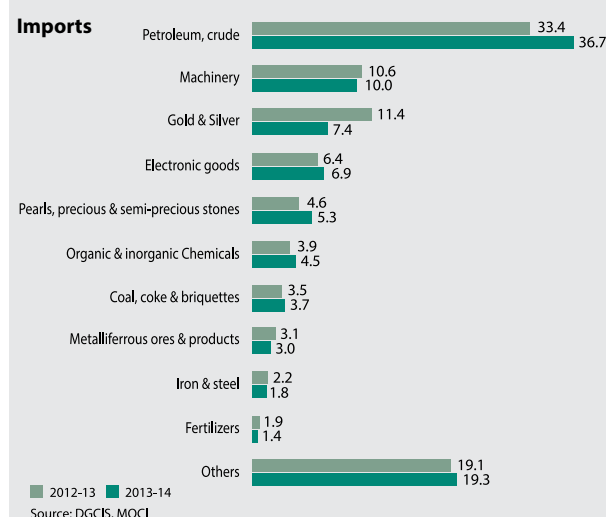
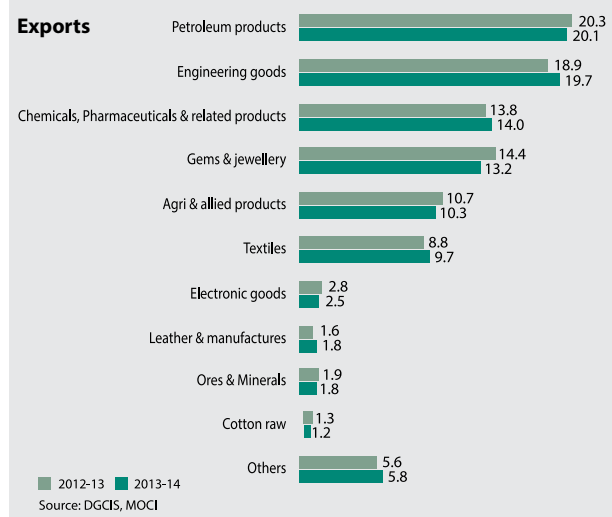
The export of processed foods has been displaying a rising trend. The exports have increased at a CAGR of 10.9 per cent and the value of exports rose from US\$ 1.8 billion in 2008-09 to US\$ 2.8 billion in 2012-13. The exports of meat and preparations have exhibited considerable growth and the value of exports have risen from US\$ 1.2 billion in 2008-09 to US\$ 3.3 billion in 2012-13. According to the provisional data from Ministry of commerce, the export of processed foods and meat during the year 2013-14 was valued at US\$ 3.4 billion and US\$ 4.5 billion respectively.

### Export of Processed Foods and Meat from India (US\$ billion)



Source: MOCI  
p: Provisional

### Composition of India's Merchandise Trade (in per cent)





---

## MAJOR POLICY CHANGES DURING 2013-14

---

### CREDIT POLICY

- Repo rate changed, in phases, from 7.5 per cent in March 2013 to 8 per cent in January 2014. Reverse repo rate also stood automatically adjusted.
- Total amount of funds available to a bank under the Liquidity Adjustment Facility was capped at 0.50 per cent of the individual bank's Net Demand and Time Liabilities.
- Limit of bank loans to Micro and Small Service Enterprises engaged in providing or rendering of services increased from ₹ 2 crore to ₹ 5 crore per borrower/unit.

### TRADE POLICY

- Minimum area requirement for Special Economic Zones (SEZs) reduced to half to fulfill the contiguity norms, and sectoral broad-banding introduced to set up additional units in a sector specific SEZ.
- To support IT exports, minimum land requirement for setting up an IT/ITES SEZ removed. Transfer of ownership of SEZ units, including sale permitted.
- Zero duty EPCG Scheme and concessional 3 per cent duty EPCG scheme were harmonized and zero Duty EPCG scheme extended to cover all sectors.
- Quantum of specific Export Obligation for domestic sourcing of capital goods under EPCG authorizations reduced by 10 per cent.
- Rate of interest subvention for credit on existing sectors increased to 3 per cent and was extended up to March 2014.
- Incremental Exports Incentivisation Scheme extended to 2013-14, with addition of 53 Latin American and African countries.
- Forty-seven new items and 2 new countries added to Market Linked Focus Product Scheme, which is extended till March 31, 2014.
- Around 126 new items added to the Focus Product Scheme list and two new items added in the Vishesh Krishi and Gram Udyog Yojana Scheme.
- Under the 80:20 scheme, nominated banks /agencies/entities are allowed to import gold on condition that 20 per cent of every lot of gold imported to the country is made available exclusively for the purpose of exports.

### INVESTMENT POLICY

#### Foreign Direct Investment

- In single-brand retail, FDI up to 49 per cent will be under the automatic route and beyond that through the Foreign Investment Promotion Board route.
- The government raised FDI caps in several sectors: 100 per cent in telecom from the current 74 per cent; 100 per cent in Asset Reconstruction Company from 74 per cent and 74 per cent in Credit Information Companies from 49 per cent.

#### Foreign Institutional Investment

- FII limit for investment in G-Secs further enhanced to US\$ 30 billion. Existing FII sub-limit of US\$ 3.5 billion for Commercial Paper, out of US\$ 51 billion limit of corporate bond, reduced to US\$ 2 billion.
- Foreign Portfolio Investors allowed to invest in credit enhanced bonds, up to a limit of US\$ 5 billion within the overall limit of US\$ 51 billion earmarked for corporate debt.

#### External Commercial Borrowing (ECB) Norms

- ECB permitted for refinancing of Rupee loans for infrastructure sector to the extent of 25 per cent of fresh ECBs.
- NHB/ housing finance companies permitted to avail ECBs for financing prospective owners of low cost / affordable housing units.
- Rate of withholding tax reduced from 20 per cent to 5 per cent on interest payment on ECBs.
- Eligible borrowers permitted to avail of ECB under the approval route from their foreign equity holder company with minimum average maturity of 7 years for general corporate purposes.
- RBI included import of services, technical know-how and payment of license fees as part of import of capital goods by the companies for the use in the manufacturing and infrastructure sectors as permissible end uses of ECB under the automatic / approval route.
- ECB in Renminbi discontinued.

## STATISTICAL SNAPSHOT OF THE INDIAN ECONOMY

INDICATORS	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
<b>GDP (at current prices, US\$ bn)</b>	<b>1365.4</b>	<b>1708.5</b>	<b>1880.3</b>	<b>1858.7<sup>e</sup></b>	<b>1871.8<sup>f</sup></b>
<b>Real GDP Growth (%)</b>	<b>8.6</b>	<b>8.9</b>	<b>6.7</b>	<b>4.5<sup>e</sup></b>	<b>4.7<sup>e</sup></b>
<b>Sectoral Share in GDP (%)</b>					
Agriculture & allied activities	14.6	14.6	14.4	13.9 <sup>e</sup>	14.0 <sup>e</sup>
Industry	28.3	27.9	28.2	27.3 <sup>e</sup>	26.1 <sup>e</sup>
Services	57.1	57.5	57.4	58.8 <sup>e</sup>	59.9 <sup>e</sup>
<b>Inflation rate (WPI, annual avg. %)</b>	<b>3.8</b>	<b>9.6</b>	<b>8.9</b>	<b>7.4</b>	<b>5.9</b>
<b>Gross Fiscal Deficit (% of GDP)</b>	<b>6.5</b>	<b>4.8</b>	<b>5.7</b>	<b>4.9</b>	<b>4.6<sup>e</sup></b>
Exchange Rate (₹/US\$, avg.)	47.4	45.6	47.9	54.4	60.10 <sup>#</sup>
Exchange Rate (₹/Euro, avg.)	67.1	60.2	65.9	70.1	82.58 <sup>#</sup>
<b>Exports (US\$ bn)</b>	<b>178.8</b>	<b>251.1</b>	<b>306.0</b>	<b>300.4</b>	<b>312.6</b>
% change	-3.5	40.5	21.8	-1.8	4.1
<b>Oil Exports (US\$ bn)</b>	<b>28.2</b>	<b>41.5</b>	<b>56.0</b>	<b>60.9</b>	<b>62.7</b>
% change	2.3	47.2	34.9	8.7	3.0
<b>Non-oil Exports (US\$ bn)</b>	<b>150.6</b>	<b>209.6</b>	<b>250.0</b>	<b>239.5</b>	<b>249.9</b>
% change	-4.6	39.2	19.3	-4.2	4.3
<b>Imports (US\$ bn)</b>	<b>288.4</b>	<b>369.8</b>	<b>489.3</b>	<b>490.7</b>	<b>450.1</b>
% change	-5.1	28.2	32.3	0.3	-8.3
<b>Oil Imports (US\$ bn)</b>	<b>87.1</b>	<b>106.0</b>	<b>155.0</b>	<b>164.0</b>	<b>165.1</b>
% change	-7.0	21.6	46.2	5.9	0.7
<b>Non-oil Imports (US\$ bn)</b>	<b>201.2</b>	<b>263.8</b>	<b>334.3</b>	<b>326.7</b>	<b>284.9</b>
% change	-4.2	31.1	26.7	-2.3	-12.8
<b>Trade Balance (US\$ bn)</b>	<b>-109.6</b>	<b>-118.7</b>	<b>-183.3</b>	<b>-190.3</b>	<b>-137.5</b>
<b>Services Exports (US\$ bn)*</b>	<b>96.0</b>	<b>124.6</b>	<b>142.3</b>	<b>145.7</b>	<b>151.5</b>
Software Exports (US\$ bn)*	49.7	53.1	62.2	65.9	69.5
<b>Services Imports (US\$ bn)*</b>	<b>60.0</b>	<b>80.6</b>	<b>78.2</b>	<b>80.8</b>	<b>78.5</b>
<b>Services Balance (US\$ bn)*</b>	<b>36.0</b>	<b>44.0</b>	<b>64.1</b>	<b>64.9</b>	<b>73.0</b>
<b>Current Account Balance (US\$ bn)*</b>	<b>-38.4</b>	<b>-47.9</b>	<b>-78.2</b>	<b>-87.8</b>	<b>-32.4</b>
CAB as percentage of GDP (%)	-2.8	-2.8	-4.2	-4.8	-1.7
<b>Forex Reserves (US\$ bn)</b>	<b>279.1</b>	<b>304.8</b>	<b>294.4</b>	<b>292.0</b>	<b>304.2</b>
External Debt (US\$ bn)	260.9	317.9	360.8	404.9	426.0 <sup>^</sup>
External Debt to GDP Ratio (%)	18.2	18.2	20.5	21.8	23.3 <sup>^</sup>
Short Term Debt / Total Debt (%)	20.1	20.4	21.7	23.9	21.8 <sup>^</sup>
<b>FDI (US\$ bn)</b>	<b>37.7</b>	<b>34.8</b>	<b>46.6</b>	<b>34.3</b>	<b>36.4</b>
GDRs/ADRs (US\$ bn)	3.3	2.0	0.6	0.2	0.02
FII (net) (US\$ bn)	29.0	29.4	16.8	27.6	5.0
<b>FDI Outflows (US\$ bn)</b>	<b>15.1</b>	<b>16.5</b>	<b>10.9</b>	<b>7.1</b>	<b>7.9</b>

p - EAC, GOI's Projections; e - estimates; f - Forecasts; \* - Data from 2009-10 onwards is given by RBI as per new format of standard presentation of BoP statistics based on guidelines set out in IMF Balance of Payment Manual; # - Data as on March 28, 2014; ^ - Data as on end December 2013

**Sources:** Economic Survey, Various issues; Union Budget, RBI Monthly Bulletin, Annual Report & Weekly Statistical Supplement; Ministry of Finance; CSO; Ministry of Commerce & Industry; Institute of International Finance (IIF).







# Directors' Report



*Board of Directors meeting in progress.*



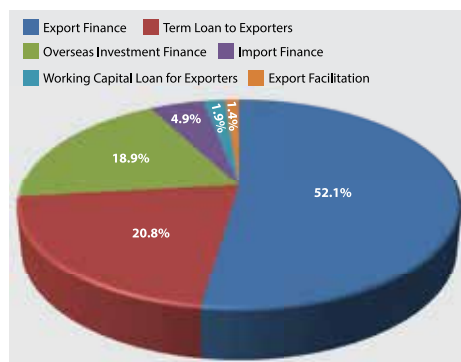
The Directors are pleased to present the report of the working of the Bank with the audited Balance Sheet and accounts for the year ended March 31, 2014.

## REVIEW OF OPERATIONS AND FINANCIAL PERFORMANCE

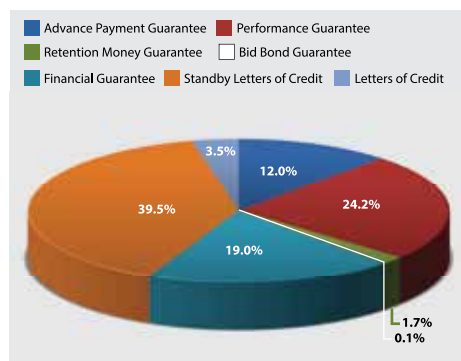
### Loan Assets

The Bank approved loans aggregating ₹ 482.64 billion under various lending programmes as against ₹ 419.19 billion during 2012-13. Loan disbursements during 2013-14 were ₹ 432.62 billion as against ₹ 406.35 billion during 2012-13, while loan repayments during 2013-14 amounted to ₹ 374.57 billion, as against ₹ 326.07 billion in 2012-13. Gross loan assets as on March 31, 2014 were ₹ 758.73 billion, registering an increase of 16 per cent over the previous year. Rupee loans and advances accounted for 35 per cent of the total loan assets as on March 31, 2014 while the balance 65 per cent were in foreign currency. Short-term loans accounted for 12 per cent of the total loans and advances as on March 31, 2014.

### Total Loan Assets: ₹ 758.73 billion



### Non Funded Portfolio: ₹ 94.27 billion



### Non-funded Facilities

During the year, the Bank sanctioned guarantees aggregating ₹ 40.64 billion as against ₹ 58.07 billion in 2012-13. Guarantees issued during 2013-14 amounted to ₹ 17.07 billion as against ₹ 29.38 billion in 2012-13. Guarantees in the books of the Bank as on March 31, 2014 were ₹ 53.67 billion as against ₹ 47.44 billion as on March 31, 2013 and Letters of credit as on March 31, 2014 amounted to ₹ 40.60 billion as against ₹ 29.82 billion as on March 31, 2013.

### Income/Expenditure

The Bank registered profit before tax of ₹ 10.20 billion on account of General Fund during 2013-14 as against a profit of ₹ 10.89 billion for the year 2012-13. After providing for income tax of ₹ 3.10 billion, profit after tax amounted to ₹ 7.10 billion during 2013-14 as against ₹ 7.42 billion during 2012-13. Out of this profit, an amount of ₹ 1.54 billion is transferred to Reserve Fund. In addition, the Bank has transferred ₹ 0.12 billion to Sinking Fund and ₹ 2.05 billion to Special Reserve u/s 36(1)(viii) of the Income Tax Act, 1961. The balance of ₹ 3.39 billion will be transferred to Government of India (GOI) as provided in the Exim Bank Act.

Profit before tax of the Export Development Fund during 2013-14 was ₹ 47.09 million as against ₹ 46.60 million during 2012-13. After providing for tax of ₹ 16 million, the post tax profit amounted to ₹ 31.09 million as against ₹ 31.48 million during 2012-13. The profit of ₹ 31.09 million is carried forward to next year.

Business income including interest on loans, exchange, commission, brokerage and fees, etc. during 2013-14 was ₹ 50.55 billion as compared to ₹ 42.47 billion in 2012-13. Investment income, interest on bank deposits etc. during 2013-14 was ₹ 22.21 billion as compared to ₹ 17.33 billion in 2012-13. Interest expenses in 2013-14 at ₹ 47.44 billion were higher by ₹ 5.76 billion mainly due to the increase in borrowings. Administrative expenses as a per cent of total expenses (excluding provisions for contingencies) worked out to 2.22 per cent during 2013-14 as against 2.17 per cent during 2012-13.

### Borrowings

Total borrowings of the Bank at ₹ 714.82 billion as on March 31, 2014, were higher by 11% compared to total borrowings of ₹ 644.85 billion as on March 31, 2013.

### Rupee Resources

During the year, the Bank received capital of ₹ 7 billion from the Government of India (GOI). As on March 31, 2014, the Bank's total

resources including paid-up capital of ₹ 38 billion and reserves of ₹ 45 billion, aggregated to ₹ 798 billion. Exim Bank's resource base includes bonds, certificates of deposit, commercial paper, term deposits, term loans and foreign currency deposits/borrowings/long-term swaps. IDBITrusteeship Services Ltd.; the debenture trustees can be contacted on itsl@idbitrustees.co.in. During the year, the Bank raised borrowings of varying maturities comprising rupee resources of ₹ 226.54 billion and foreign currency resources of ₹ 192.38 billion equivalent. Foreign currency resources of US\$ 1.74 billion equivalent were raised through bonds, bilateral/club/syndicated loans and US\$ 1.47 billion by way of Buy-Sell swaps/on-shore deposits. As on March 31, 2014, the Bank had a pool of foreign currency resources equivalent to US\$ 8.51 billion and outstanding Rupee borrowings including bonds and commercial paper of ₹ 388.82 billion. As on March 31, 2014, market borrowings constituted 100 per cent of the total borrowings and 90 per cent of the total resources of the Bank.

### Foreign Currency Resources

During 2013-14, the Bank raised foreign currency resources aggregating US\$ 3.21 billion equivalent. The Bank issued 5.5-year US\$ 500 million Eurodollar bonds in March, 2014. These bonds are included in the Emerging Market Bond Index. The Bank raised US\$171 million equivalent in April 2013 by way of issue of Uridashi Bonds (a bond denominated in a foreign currency and sold directly to Japanese household investors) in three different currencies viz., Turkish Lira, Japanese Yen and Mexican Peso thereby achieving diversification of investor base and currency. In July 2013, the Bank followed up with another issue of Uridashi Bonds of US\$ 148 million equivalent. The Bank has now tapped the Uridashi Bond market on three occasions and continues to be the only Indian entity in this market. During 2012-13, the Bank had signed an agreement for a long term loan of Euro 150 million equivalent with tenor of upto 20 years with the European Investment Bank. The purpose of the loan is to support projects that contribute to climate change mitigation. The Bank has drawn EUR 40 million (US\$ 54.44 million) in December 2013. The Bank also drew the balance amount of US\$ 70 million of the US\$ 100 million Asian Development Bank loan in November 2013. The Bank has a Euro Medium Term Note Programme of US\$ 6 billion of which an amount of US\$ 3.98 billion equivalent has been issued upto March 31, 2014. So far, the Bank has raised FC resources in diverse currencies including United States Dollars, Japanese Yen, Swiss Francs, Euros, Australian Dollars, South African Rand, Singapore Dollars, Turkish Lira and Mexican Peso.

### Asset Quality

As per RBI prudential norms for Financial Institutions a credit/loan facility in respect of which interest and/or principal has remained overdue for more than 90 days, is defined as a Non-Performing Asset (NPA). The Bank's gross NPAs at ₹ 15.96 billion as on March 31, 2014, worked out to 2.10 per cent of the total loans and advances. The Bank's NPAs (net of provisions) of ₹ 3.21 billion as on March 31, 2014, were at 0.43 per cent of loans and advances (net of provisions) as on March 31, 2014. The Provision Coverage Ratio (PCR) as on March 31, 2014, was 81.34 per cent.

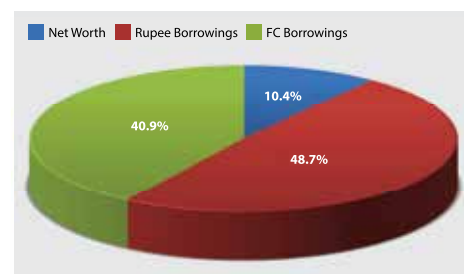
### Asset Classification

'Sub-standard assets' are those where interest and/or principal remains overdue for more than 90 days. Sub-standard assets that have remained as NPAs for a period exceeding 12 months are classified as 'doubtful assets.' 'Loss assets' are those considered uncollectable. Out of gross NPAs at 2.10 per cent, sub-standard assets worked out



*Return on Capital of ₹ 2.63 billion for financial year 2012-13 being handed over to the Central Government.*

### Total Resources: ₹ 798 billion





Out of gross NPAs at 2.10 per cent, sub-standard assets worked out to 1.24 per cent, doubtful assets worked out to 0.86 per cent, while there were no loss assets. Net NPAs at 0.43 per cent of net loans and advances as on March 31, 2014, are entirely towards sub-standard assets, while doubtful assets have been fully provided for.

### **Capital Adequacy**

The Capital to Risk Assets Ratio (CRAR) was 14.32 per cent as on March 31, 2014, as compared to 15.28 per cent as on March 31, 2013, as against a minimum 9 per cent norm stipulated by RBI. The Debt-Equity Ratio as on March 31, 2014 was 8.60:1, as compared to 8.91:1 as on March 31, 2013.

### **Exposure Norms**

Reserve Bank of India (RBI) has prescribed credit exposure limits for all-India term lending institutions, at 15 per cent of the financial institutions' capital funds, effective from March 31, 2002, for exposure to individual borrowers and at 40 per cent for group borrowers. An additional exposure upto 5 per cent (i.e. a total exposure upto 20 per cent of capital funds of the Financial Institution for Single Borrowers and 45 per cent of capital funds for Borrower Groups) can be taken in exceptional circumstances, with the prior approval of the Board. The exposure ceilings for individual borrowers and borrower groups can be exceeded by an additional five percentage points (i.e. 5 per cent of total capital funds) and ten percentage points (i.e. 10 per cent of total capital funds) respectively (over and above the maximum limits of 20 per cent and 45 per cent respectively), provided the additional credit exposure is on account of infrastructure projects in India. The Bank's credit exposures to single and group borrowers as at March 31, 2014 were within the limits stipulated by RBI. There was 1 borrower as on March 31, 2014 for whom exposure over 15 per cent of capital funds was assumed with the approval of the Board/Management Committee. Exposure to this borrower as on March 31, 2014 stood at 18.60 per cent of the capital funds of the Bank.

RBI has advised Financial Institutions to adopt internal limits on exposures to specific industry sectors so that the exposures are evenly spread over various sectors. The industry exposure limits adopted by the Bank for each industry sector are 15 per cent of the Bank's credit exposure to all industry sectors. The Bank's exposure to a single industry sector was not more than 15 % per cent of its total exposure as at March 31, 2014.

### **International and Domestic Rating**

As on March 31, 2014, the Bank was rated Baa3 (Stable) by Moody's, BBB- (Negative) by Standard & Poors, BBB- (Stable) by Fitch Ratings and BBB+ (Negative) by Japan Credit Rating Agency (JCRA). All the above ratings are of investment grade or above and are the same as the sovereign rating. The Bank's domestic debt instruments continued to enjoy the highest rating viz. 'AAA' rating from the rating agencies, CRISIL and ICRA.



In a dynamic and challenging environment, the Bank played a catalytic role in financing, facilitating and promoting India's international trade and investment. The Bank's business operations are classified under the following heads:

- I. Exim Bank as Financier of Exports**
- II. Exim Bank as Facilitator of Exports**
- III. Exim Bank as Promoter of Exports**
- IV. Exim Bank's Institutional Infrastructure**

*Exim Bank provided financial support for transmission lines installed by Kalpataru Power Transmission Ltd. in Ukraine.*



## I. EXIM BANK AS A FINANCIER OF EXPORTS



Transmission lines set up by KEC International Ltd. in Tunisia, with support from Exim Bank.



Hydro-electric power project executed by Jaiprakash Associates Ltd. in Bhutan, with support from Exim Bank.

### PROJECTS, PRODUCTS AND SERVICES EXPORTS

The Bank provides a range of export credit services like finance for export of projects and consultancy services, capital equipment finance, export project cash-flow deficit finance and guarantees. The Bank is equipped to offer a comprehensive financing package to Indian project exporters including funded support and project related guarantee facilities. (For more details, please write to: [peg@eximbankindia.in](mailto:peg@eximbankindia.in))

#### Export Contracts

During FY 2013-14, 75 contracts amounting to ₹ 341.31 billion covering 35 countries were secured by 40 Indian exporters, as against 85 contracts worth ₹ 242.55 billion covering 38 countries, secured by 47 Indian exporters during FY 2012-13.

The contracts secured during the year comprised 48 turnkey contracts valued at ₹ 153.39 billion, 11 construction contracts valued at ₹ 184.02 billion, 4 supply contracts valued at ₹ 1.05 billion and 12 technical consultancy & services contracts valued at ₹ 2.85 billion. Some major project contracts supported during the year included :

- Contract for design, construction and commissioning of package 2 of the Riyadh Metro Project, Saudi Arabia, being executed by Larsen & Toubro Ltd. This is the largest ever contract secured by an Indian Company.
- Contract for Design and Construction of Gold line Underground Metro being executed by Larsen & Toubro Ltd.;
- Sub-contract for design, manufacture, erection, testing and commissioning of 360 MW Bheramara Combined Cycle Power Plant Development Project in Bangladesh, being executed by Larsen & Toubro Ltd.;
- Balance of Plant contract for setting up 4X125 MW open cycle gas based power plant at Al Nasiriya, Iraq for Ministry of Electricity, Government of Iraq, being executed by BGR Energy Systems Ltd.;
- Contract for design, construction, installation, commissioning, and testing of Border Infrastructure Project in Sultanate of Oman, being executed by Engineering Projects (India) Ltd.;
- Contract for 380 kV D/C Overhead Transmission Line and construction of Gas Insulated Line station in Saudi Arabia, being executed by KEC International Ltd.

Supply contracts secured during the year included those for agricultural processed foods, auto components, copper wire, coated steel pipes, gold jewellery, diamond & studded jewellery, engineering goods, fabricated steel, heavy/light commercial vehicles, garments, steel wire, steel wire ropes, roping stands, software, polyester yarn, water cannons, furnace oil, fuel oil, base oil, hydraulic drilling equipments, and ancillary crafts with other accessories.

## Export Credits and Guarantees

During the year, the Bank approved loans aggregating ₹ 148.78 billion by way of supplier's credit, buyer's credit, and finance for project exports as against ₹ 176.05 billion during the previous year. Disbursements amounting to ₹ 176.87 billion were made during the year, as compared to ₹ 208.26 billion during the previous year.

Guarantees sanctioned and issued during the year amounted to ₹ 40.64 billion and ₹ 17.07 billion respectively, as against ₹ 58.07 billion and ₹ 29.38 billion during the previous year. These guarantees pertain to overseas projects in sectors such as power generation, transmission and distribution, infrastructure development and export obligation guarantees.

### Buyer's Credit

Buyer's Credit is a unique programme of Exim Bank under which, the Bank facilitates Indian exports by way of extending credit facility to overseas buyers for financing their imports from India. Under Buyer's Credit programme, Exim Bank makes payment of eligible value to Indian exporters, without recourse to them. Buyer's Credit is a safe, non-recourse financing option available to Indian exporters, especially to small and medium enterprises, which motivates them to enter overseas markets.

During 2013-14, the Bank extended Buyer's Credit facility aggregating ₹ 22.27 billion to 27 overseas companies. Disbursements under Buyer's Credit Programme aggregated ₹ 24.60 billion for exports to countries that include Argentina, Bangladesh, Benin, Brazil, Cote d'Ivoire, Germany, Ghana, Guatemala, Jordan, Kazakhstan, Kenya, Kuwait, Malaysia, Mozambique, Nigeria, Saudi Arabia, Senegal, Singapore, South Africa, Tanzania, Thailand, Uganda, UAE, USA, Yemen and Zambia. The products exported under Buyer's Credit included transport vehicles and auto spare parts, engineering goods, IT services, fruits and vegetables, rice, other agro-based products and commodities, plain and studded gold / diamond jewellery, steel wires and wire rods, fuel & furnace oil, tyres and yarn etc. Several exporters from small and medium enterprises were beneficiaries under the Buyer's Credit Programme, receiving non-recourse payment.

The Bank has laid strong emphasis on enhancing India's project exports, the funding options for which have been strengthened with the introduction of the Buyer's Credit under GOI's National Export Insurance Account (BC-NEIA) programme. BC-NEIA is a unique financing mechanism that provides a safe mode of nonrecourse financing option to Indian exporters and serves as an effective market entry tool to traditional as well as new markets in developing countries, which need deferred credit on medium or long term basis. The response to the programme has been encouraging. The Bank has sanctioned an aggregate amount of US\$ 1.4 billion for 11 projects valued at US\$ 2.6 billion, including the supply, erection and commissioning of a Water Treatment Plant and distribution to reservoirs across the Dambulla region in Sri Lanka; setting up a 187 km (132 KV) power transmission line from Lusaka to Luangwa along with distribution network and three 132 KV substations in Zambia; setting up of an integrated LPG and Bitumen Storage Facility at the Beira Port in Mozambique; and Plant and Design – Build Contract for Civil and Mechanical & Engineering Works for the Aluthgama, Mathugama and Agalawatta Integrated Water Supply



*Voltas Ltd. executed a supply, installation, testing & maintenance project for a residential tower and office tower under Central Market Redevelopment Project in Abu Dhabi, UAE, with support from Exim Bank.*



*Signing of agreement for Line of Credit of US\$ 89.90 million extended to the Republic of Congo.*





*An Information Technology Park constructed by Jaguar Overseas Ltd. utilizing the Lines of Credit extended to the Government of Mozambique.*



*The National Assembly Building Complex constructed by Shapoorji Pallonji & Co. Ltd. under the Lines of Credit extended to the Republic of Gambia.*



*Acquisition of Heritage Pharma Inc, a New Jersey-based generic pharmaceutical company by Emcure Pharmaceuticals Ltd., with support from Exim Bank.*

Project in Sri Lanka. The Bank has also given in-principle commitments for supporting 54 projects with an aggregate value of US\$ 7.43 billion under BC-NEIA.

### **Lines of Credit**

Exim Bank extends Lines of Credit (LOCs) to overseas financial institutions, regional development banks, sovereign governments and other entities overseas, to enable buyers in those countries to import developmental and infrastructure projects, equipments, goods and services from India, on deferred credit terms. Indian exporters can obtain payment of eligible value from Exim Bank, without recourse to them, against negotiation of shipping documents. (For more details, please write to [eximloc@eximbankindia.in](mailto:eximloc@eximbankindia.in))

During the year, the Bank extended 24 LOCs, aggregating US\$ 1.77 billion, to support export of projects, goods and services from India. LOCs extended by Exim Bank during the year include LOCs to the Governments of Benin, Burundi, Ethiopia, Gabon, Honduras, Lao PDR, Liberia, Mauritius, Mozambique, Myanmar, Nicaragua, Niger, Republic of Congo, Rwanda, Senegal, Sudan, Vietnam and Zimbabwe. These LOCs will finance and catalyse exports by way of financing projects such as upgradation of water supply schemes in villages, farm mechanization, railways, rehabilitation and upgradation of broad-casting facilities, power transmission and distribution, rural drinking water, potable water facilities for semi-urban and rural communities, rehabilitation of roads, construction of houses, solar electrification, irrigation and irrigation infrastructure and sugar plants. One hundred and eighty nine LOCs, covering 75 countries in Africa, Asia, CIS, Europe and Latin America, with credit commitments aggregating US\$ 10.03 billion are currently available for utilisation, while a number of prospective LOCs are at various stages of negotiation.

### **BUILDING EXPORT COMPETITIVENESS**

The Bank operates a range of financing programmes aimed at enhancing the export competitiveness of Indian companies. A variety of financing services are offered to Export-Oriented Units importers, and for overseas investment by Indian companies. The financing programmes cater to the term loan requirements of Indian exporters for financing their new projects, expansion, modernization, purchase of equipment, R&D, overseas investments and also the working capital requirements. During 2013-14, Exim Bank sanctioned loans aggregating ₹ 225.54 billion under programmes for enhancing export competitiveness. Disbursements amounted to ₹ 207.70 billion under these programmes. (For more details, please write to: [cbg@eximbankindia.in](mailto:cbg@eximbankindia.in))

### **Loans to Export Oriented Units**

During the year, the Bank approved term loans of ₹ 47.39 billion to 42 export-oriented units. Disbursements amounted to ₹ 36.55 billion. Under the Production Equipment Finance Programme, 15 exporting companies were sanctioned ₹ 5.35 billion for financing acquisition of production equipment. Disbursements amounted to ₹ 2.22 billion. Five companies were sanctioned long-term working capital loans aggregating ₹ 3.05 billion. Disbursements amounted to ₹ 2.69 billion.

## Technology Upgradation Fund Scheme (TUFs)

Exim Bank is one of the nodal agencies appointed by GOI, Ministry of Textiles, to establish and approve the eligibility of projects under TUFs, and release subsidy directly to the approved projects. As on March 31, 2014, the Bank has accorded approval for 206 projects with aggregate cost of ₹ 160.02 billion. Loans approved and disbursed aggregated ₹ 52.83 billion and ₹ 31.91 billion respectively. The Bank's assistance under TUFs to the textile industry is spread across various segments in textile manufacturing and covers several states in India.

## Overseas Investment Finance Programme

The Bank has a comprehensive programme covering equity finance, loans, guarantees and advisory services, to support Indian outward investment. During the year, 55 corporates were sanctioned funded and non-funded assistance aggregating to ₹ 78.59 billion for part financing their overseas investments in 22 countries. The investments supported were Iron ore project in Canada, food and pharmaceutical packaging in Germany, manufacturing operations in Singapore, Italy, USA, The Netherlands and Germany, oil exploration assets in Ecuador, automotive components manufacturing in Italy.

So far, Exim Bank has provided finance to 494 ventures set up by 391 companies in 80 countries. Aggregate assistance extended by the Bank to support overseas investment by Indian corporates amounts to ₹ 371.39 billion covering various sectors including pharmaceuticals, home furnishings, readymade garments, construction, paper & paper products, textiles & garments, chemicals & dyes, computer software & IT, engineering goods, natural resources (coal & forests) metal & metal processing and agriculture and agro-based products.

## FINANCE FOR IMPORTS

The Bank also selectively undertook finance towards Imports under Bulk Import Finance Programme. Sanctions and Disbursements amounted to ₹ 25.50 billion and ₹ 19.52 billion, respectively. Under Import Finance Programme, 10 companies were sanctioned term loans aggregating ₹ 13.24 billion and disbursements aggregated ₹ 16.65 billion.

## STANDBY LETTERS OF CREDIT / LETTERS OF CREDIT:

To facilitate the transactions of the Export-Oriented Units, the Bank issues LCs mainly for imports financed by the Bank. During the year, the Bank opened 179 LCs of ₹ 18.41 billion. The Bank also handles negotiation/collection of export documents. The bank handled 2718 export documents worth ₹ 58.55 billion. The Bank's aggregate non-funded portfolio, comprising Guarantees, LCs & SBLCs, as on March 31, 2014, stood at ₹ 94.26 billion as against ₹ 77.26 billion as on March 31, 2013, representing a growth of 22 per cent.



*Design studio at New York City set up by Alok International Inc., with support from Exim Bank.*



*Chennai-based Triviron Healthcare Pvt. Ltd. acquired Finland-based Labsystems Diagnostics OY, with support from Exim Bank.*









**Exim Bank provided financial and training related assistance in value addition and design sensitisation of these Handicraft items.**



## II. EXIM BANK AS FACILITATOR OF EXPORTS



Exim Bank supported Gramya Turnkey Services Pvt. Ltd. in Karnataka which works with rural artisans.



Exim Bank supported SAHAJ, an organisation working for the upliftment of rural women in Bhuj, Gujarat.



Exim Bank supported Kaladhar Art Gallery for placement of sets for weddings in France.

### GRASSROOTS INITIATIVES

The Bank, through its grassroots initiatives, envisages supporting globalisation of enterprises based out of rural India. The programme seeks to address the needs of relatively disadvantaged sections of society while creating expanded opportunities for traditional craftspersons and artisans, and rural entrepreneurs of the country. The Bank has consciously sought to establish, nurture and foster various institutional linkages and has entered into formal cooperation arrangements with select broad-based agencies in order to directly reach out to the artisans, by helping in capacity-building, technological up-gradation, quality improvement, market access and training. (For more details, please write to [grid@eximbankindia.in](mailto:grid@eximbankindia.in))

During the year, the Bank provided support to a Gujarat based Trust, which provides home-based livelihood opportunities to tribal artisans of Eastern Gujarat and helps address the issue of migration. The interventions by the Bank are aimed at financing the establishment of Common Facility Centre (CFC). Intervention in the form of financial support was also provided to a Belgaum, Karnataka based organization which works with nearly 700 producers, mostly the rural poor women in semi-arid and drought prone villages of Belgaum district. The support was provided for financing working capital requirements of the organization and for purchasing additional dyeing and weaving equipments for its CFC. Similar support was provided to an organization working with nearly 5000 artisans in Srikalahasti, Andhra Pradesh. The Bank also provided working capital support to an Odisha based organization working with more than 2000 tribal artisans belonging to socially deprived communities on arts & crafts development. A small workshop was also constructed for tribal women artisan for assembling tribal jewellery parts. During the year, the Bank also provided financial support to two emerging, technology-oriented organizations under the aegis of IIT Madras Rural Technology and Business Incubator (RTBI).

### MARKETING ADVISORY SERVICES

The Bank plays a promotional role and seeks to create and enhance export capabilities and international competitiveness of Indian companies through its Marketing Advisory Services. The Bank provides assistance to Indian firms in their globalisation efforts by locating overseas distributor(s)/ buyer(s)/partner(s) for their products and services. The Bank leverages its international standing, in-depth knowledge and understanding of the international markets and well-established institutional linkages, coupled with its physical presence, to support Indian companies in their marketing initiatives on a success fee basis. (For more details please write to [mas@eximbankindia.in](mailto:mas@eximbankindia.in))

During the year, the Bank signed mandates with 31 companies to assist in marketing of their products and services. Over 80 orders in domestic as well as overseas markets were generated for various products. The success stories include placement of Readymade garments such as sarees and stoles with a multi-brand retailer in major cities. Orders were also generated for Mango Pulp in the United Kingdom, Diwali Diyas in Singapore and supply of sets and backdrop for wedding accessories in France. The Bank also supported and

assisted in order placement of handicraft items such as Handmade Paper products, Madhubani Paintings, Bidar Artefacts, Handicrafts from Gujarat, Wood Carvings & Lacquerware, Dhokra Metal castings & Tribal Jewellery, Coconut handicrafts, Jute based handicrafts, Warli paintings, Gond painting, Wooden paintings, marble artefacts, files, folders and stationery items.

Besides product placement, Indian companies providing innovative products & niche services were also assisted in partnerships. The Bank assisted a Bangalore based medical diagnostic equipment company - Forus Healthcare in partnering for their innovative product *3 nethra* in the markets of Africa and Iran. Sundaram Clayton was also assisted with tying up with a US based Thermal Management Technology Company, Modine, for manufacturing and supply of aluminium castings. The Bank assisted Indian companies and organizations in long-term tie ups with domestic retail chains for supplying select products. Jharkhand Silk Textile and Handicraft Development Corporation Ltd. (Jharcraft), a Ranchi based organization, partnered with an Indian garments retail chain for placement of their products with assistance of Exim Bank.

### EXIM BANK'S PRESENCE IN MYANMAR

To bolster bilateral trade and investment between India and Myanmar, the Bank opened its eighth overseas Representative Office in Yangon, Myanmar, becoming the first Exim Bank to set up its operations in Myanmar. With its presence in Yangon, the Bank will now focus on further enhancing India's bilateral trade and investment links with Myanmar, with which India shares rich historic, cultural, social and economic ties.

### TREASURY

The Bank's integrated treasury handles fund management functions including investment of surplus funds, money market and forex operations and securities/ equity trading. The Bank has segregated front/middle/back-office functions and has set up a state-of-the-art dealing room. The range of products offered by the Bank's treasury to its borrowers includes foreign exchange deals, collection/negotiation of export documents, issuance of inland/foreign letters of credit/ guarantees and structured loans. The Bank uses financial derivative transactions for raising cost effective funds and hedging its balance sheet exposures, with an objective of reducing market risks. The Bank is a member of the Indian Financial Network (INFINET). The Bank deals through the Negotiated Dealing System – Order Matching segment (NDS-OM) of the RBI, which provides the electronic dealing platform for trading in GOI securities. The securities/foreign exchange transactions of the Bank are routed through the Guaranteed Settlement Facility provided by the Clearing Corporation of India Ltd. (CCIL). The Bank is an active member of Collateralised Borrowing & Lending Obligation segment of CCIL. The Bank is also a member of Clearcorp Order Matching System, the Repo Dealing System of CCIL. Through connectivity between INFINET and the Bank's network to achieve straight through processing for treasury applications. The Bank has centralised SWIFT facility on SWIFT Alliance Access.



Exim Bank supported Jharcraft for placement of readymade garments.



Exim Bank supported Women's Moksha to set up an exhibition for handicrafts manufacturers in Mumbai.



Inauguration of the Bank's eighth overseas office at Yangon, Myanmar.









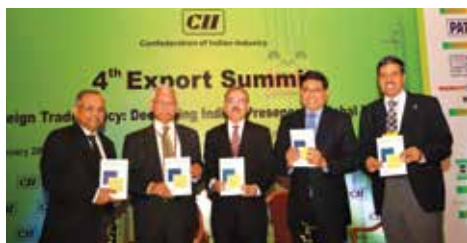
*Hydro Electric Power Project located on the Nyabarongo River financed through Lines of Credit extended to the Government of Rwanda.  
Above: Exim Bank's CMD with children at the project site.*



### III. EXIM BANK AS PROMOTER OF EXPORTS



*Release of Exim Bank's study on "Enhancing India's Trade Relations with the Southern African Development Community (SADC): A Brief Analysis".*



*Release of Exim Bank's study on "India's Hi-Tech Exports: Potential Markets and Key Policy Interventions."*



*Business Opportunities Seminars organized with the World Bank at New Delhi, Hyderabad and Mumbai.*

#### RESEARCH AND ANALYSIS

Exim Bank's Research & Analysis Group offers a range of research insights on aspects of international economics, trade and investment through qualitative and quantitative research techniques. The research work carried out in the Group under the broad classification of regional, sectoral and policy related studies, are published in the form of Occasional Papers, Working Papers, Books, etc. The research studies undertaken during the year are:

- Enhancing India's Trade Relations with Africa: Focus on Select Countries;
- The Effects of Financial Openness: An Assessment of the Indian Experience;
- Comparison of Labour Laws: Select Countries;
- Enhancing India's Trade Relations with LAC: Focus on Select Countries;
- Enhancing India - Myanmar Trade and Investment Relations: A Brief Analysis;
- India's Trade and Investment Relations with Cambodia, Lao PDR, Myanmar, Vietnam (CLMV): Enhancing Economic Cooperation;
- Potential for Enhancing India's Trade with Russia: A Brief Analysis;
- Indian Ceramic Industry: Scenario, Challenges & Strategies;
- Indian Horticulture: Imperatives to Enhance Trade from India;
- India's Trade and Investment Relations with Gulf Cooperation Council (GCC): Strengthening Economic Ties;
- Potential for Enhancing India's Trade with France: A Brief Analysis;
- Potential for Enhancing India's Trade with United Kingdom: A Brief Analysis;
- India's Hi-Tech Exports: Potential Markets and Key Policy Interventions;
- Potential for Enhancing India's Trade with Germany: A Brief Analysis; and
- Enhancing India's Trade Relations with Southern African Development Community (SADC): A Brief Analysis.

*(All the above studies are freely downloadable from the Bank's website)*

#### INFORMATION AND ADVISORY SERVICES

The Bank provides a wide range of information, advisory and support services, which complement its financing programmes. These services are provided on a fee basis to Indian companies and overseas entities. The scope of services includes market-related information, sector and feasibility studies, technology supplier identification,

partner search, investment facilitation and development of joint ventures both in India and abroad.

### MULTILATERAL FUNDED PROJECTS OVERSEAS (MFPO)

The Bank provides a package of information and support services to Indian companies to help improve their prospects for securing business in projects funded by the World Bank, Asian Development Bank, African Development Bank (AfDB) and European Bank for Reconstruction and Development. Projects funded by such Multilateral Funding Agencies, present attractive business opportunities for suppliers, contractors and consultants. Recognising the potential for increasing effective participation by Indian firms in such multilateral funded projects, Exim Bank has been organising seminars in association with the Multilateral Agencies.

The Bank has organized a series of interactive seminars on Business Opportunities in projects funded by the World Bank Group at New Delhi, Mumbai and Hyderabad. The Bank in association with the AfDB Group also organised a series of seminars on business opportunities in AfDB funded projects at New Delhi, Hyderabad and Mumbai. The series of seminars have enabled sharing of information on the nature of business opportunities for suppliers, contractors and consultants under multilateral funded projects, and outlined learnings for Indian companies for effective participation in such projects. Exim Bank and AfDB Group have also signed an agreement for co-financing projects in Africa. The agreement envisages joint financing of projects (priority being given to support projects of small and medium enterprises) in regional member countries of AfDB Group.

During the year, the Bank also disseminated information on numerous overseas business opportunities covering various sectors including transportation, infrastructure, construction, telecommunications, energy, education, and information technology.

### EXPERIENCE SHARING

The Bank's experience in evolving as an institution supporting international trade and investment, in addition to functioning as an export credit agency in a developing country context, is of particular relevance to other developing countries. The Bank has been sharing its experience and expertise by undertaking advisory assignments. Exim Bank also shares its experience and expertise through provision of on-site exchange of personnel programmes aimed at providing a first-hand experience to the employees of its institutional partners.

The Bank was commissioned by the Commonwealth Secretariat London, to assist the Sri Lanka Export Credit Insurance Corporation (SLECIC) to review its operating policies and suggest new products while recommending measures to enhance the overall export financing framework in Sri Lanka.

Exim Bank, along with ITC Geneva, undertook a consultation mission for the Government of Myanmar for developing a National Export Strategy. Exim Bank officials served as experts for sectors such as textiles and garments, rice, trade information, and trade promotion. The experts shared the developmental model of India to develop exports in Myanmar, particularly in these sectors.



*Business Opportunities Seminars organized with the African Development Bank at New Delhi, Hyderabad and Mumbai.*



*Release of Exim Bank's Occasional Paper on "Enhancing India's Trade Relations with Africa: Focus on Select Countries."*



*An MoU was signed with the International Trade Centre, Geneva to promote Trade and Investment between India and east Africa.*





*26th Training Programme on "Accessing Capital Markets" for the Staff of Asian Exim Banks Forum members at Bangalore.*



*A delegation from Janata Bank Ltd., Bangladesh visiting the Bank's Head Office.*



*The 19th Annual Meeting of the Asian Exim Banks Forum at Wuyishan, China.*

### **Eximius Centre for Learning**

Eximius Centre (EC) continued its capacity building activities for this year as well. During the year EC organized the following programmes:

- "Doing Business with USA", "Doing Business with Argentina", "Trade and Business Opportunities with Vietnam" were organized in collaboration with Federation of Indian Exporters Organisation (FIEO) for the benefit of exporting community;
- Knowledge-building sessions were conducted in collaboration with FIEO which included sessions on "Understanding REACH", "Central Excise and Service Tax and Financial Products on International Trade", "Payment Terms in International Trade and UCP-600".
- A special programme on "Strategy on Services Sector" was organized in collaboration with the Ministry of Finance at Bangalore, Chennai, Cochin, Hyderabad, Kolkata, Mumbai and New Delhi to understand the issues faced by Services Exporters;
- Workshops were arranged for ITS Probationary officers of DGFT and Income Tax officers;
- In association with Visvesvaraya Trade Promotion Centre an Export Management Training Programme was organised in Bangalore targeting entrepreneurs, who wish to venture into international trade, was organized in Bangalore.

### **INSTITUTIONAL LINKAGES**

#### **BRICS Interbank Cooperation Mechanism**

The Bank has fostered a network of alliances and institutional linkages with multilateral agencies, export credit agencies, banks and financial institutions, trade promotion bodies, and investment promotion boards to help create an enabling environment for supporting trade and investment. The Bank entered into two cooperation Agreements with four major development banks of the BRICS countries (Brazil, Russia, China, and South Africa), in the presence of Heads of States/Governments of the BRICS countries held in Durban, South Africa during the BRICS Summit 2013. The two Agreements signed during the occasion are: (i) BRICS Multilateral Infrastructure Co-financing for Africa; and (ii) BRICS Multilateral Cooperation and Co-financing Agreement for Sustainable Development. These two Agreements are expected to enhance cooperation among BRICS development banks and to significantly promote intra-BRICS trade.

Exim Bank of India is the nominated member development bank under the BRICS Interbank Cooperation Mechanism. Other nominated member development banks from BRICS nations are: Banco Nacional de Desenvolvimento Economico e Social – BNDES, Brazil; State Corporation Bank for Development and Foreign Economic Affairs – Vnesheconombank, Russia; China Development Bank Corporation, and the Development Bank of Southern Africa. The Bank has been participating in the Annual Meetings of the BRICS Financial Forum, under the BRICS Interbank Cooperation Mechanism.

#### **Asian Exim Banks Forum**

The Nineteenth Annual Meeting of the Asian Exim Banks Forum (AEBF) was held in Wuyishan, China during October 2013.

The theme for the meeting was “Reinforcing Regional Cooperation and Connectivity in a Challenging Global Environment”. The meeting provided a platform for exchange of ideas and information amongst the members towards reinforcing regional cooperation among the Asian economies, in the present challenging global economic environment. The Meeting was hosted and chaired by The Export-Import Bank of China. The meeting had representatives at the highest level from all member countries, viz., Australia, China, India, Indonesia, Japan, Korea, Malaysia, Philippines, Thailand and Vietnam. The meeting also had participation from Asian Development Bank (ADB), the multilateral financing institution, as a permanent invitee. Vietnam was admitted as a regular member to the Forum at the Annual Meeting.

The AEBF seeks to enhance economic cooperation and forge stronger linkages among its member institutions, thereby fostering a long-term relationship within the Asian Exim Banks’ community. Exim Bank of India would be hosting the Twentieth Annual Meeting of AEBF in November 2014. The theme of the AEBF-2014 is “Evolving Role & Relevance of Asian Exim Banks – Path to 2020”.

### **Global Network of Exim Banks and Development Finance Institutions**

The Global Network of Exim Banks and Development Finance Institutions (G-NEXID) was set up in Geneva in March 2006 through the Bank's initiative, under the auspices of UNCTAD. With the active support of a number of other Exim Banks and Development Finance Institutions from various developing countries, the network has endeavoured to foster enhanced South-South trade and investment and cooperation.

### **Memoranda of Understanding / Co-operation (MoU / MoC)**

The Bank proactively supports Small and Medium Enterprises (SMEs) in their internationalisation efforts, through customised research activities, and marketing advisory services. To enhance business and investment opportunities and facilitate better cooperation between companies from India and United Kingdom (UK), the Bank and UK Trade and Investment (UKTI) have signed a Memorandum of Cooperation (MoC), on the occasion of the Sixth UK-India Economic and Financial Dialogue. Exim Bank and UKTI agreed to exchange information to boost cooperation particularly between SMEs from India and the UK, helping them locate suitable joint venture and trade partners. In order to promote the realisation of business opportunities and facilitating trade and investment among the SMEs in India and abroad, the Bank has also signed an MoC with Small & Medium Business Development Chamber of India.

During the year, the Bank entered into an MoC with the Women on Wings (WoW), a non-profit organization based in Austerlitz, the Netherlands, working with the objective of improving the income of women in developing countries. WoW, which plans to create one million jobs for women in rural India by 2018, assists Indian enterprises by providing consultancy and business development, investing through human capital and providing good networking support for marketing their produce.

The Bank has signed an MoU with the International Trade Centre (ITC) in Geneva which is intended to strengthen collaboration



*20th Technical Working Group Meeting of the Asian Exim Banks Forum at New Delhi.*



*G-NEXID's 8th Annual Meeting at Geneva, Switzerland.*



*An MoC signed with Small & Medium Business Development Chamber of India.*





*MoU with the National Centre for Design and Product Development.*



*Exim Bank helped artisans to participate in an India-Zimbabwe programme in Agartala.*



*Product Development Workshop organized for Pochampally weavers by Exim Bank.*

between ITC and Exim Bank to help increase enterprise and sector competitiveness and promote capacity-building in trade intelligence, including market analysis and research. The cooperation will also help foster trade support networks and business linkages between India and other countries, and improve the business environment. ITC and Exim Bank will also cooperate on the project on Supporting India's Trade Preferences for Africa (SITA), which will run from this year to 2020 for promoting exports from five East African countries - Ethiopia, Kenya, Rwanda, Tanzania and Uganda - to India through investment and skills transfer from the Indian side.

In order to augment sustainable employment opportunities and exports from rural India, the Bank actively supports exports from rural grassroots business enterprises by providing them an array of services including financial support, export marketing and product development. The Bank entered into an MoU with the National Centre for Design and Product Development (NCDPD) with an objective to promote cooperation in assisting manufacturers of Indian handicraft items in their design and product development to cater to the needs of changing taste and design concepts of international buyers. The broad areas of cooperation comprise organizing task based workshops for companies/artisans, providing faculty support, providing training on design, product development, skill development, technology up-gradation, assisting in creating export capability and conducting joint studies and research in areas of mutual interest.

An MoU was also signed with the World Craft Council (WCC). The objective was to co-operate in areas through which Indian grassroots / social enterprises and crafts could be supported to help them reach international markets. The broad areas of cooperation includes coordination and development of Arts and Crafts in India, Organizing the International Craft Film Festival and International Craft Exhibition where artisans can showcase their arts and crafts which will feature demonstrations and exchange of ideas and techniques and help the Indian craftsman to gain access to new markets for Indian Crafts.

### **Workshops**

Workshops organized by the Bank at the grassroot level are mentioned below:

The Bank organized a 10 day workshop with Pochampally Handloom Park Limited (PHPL) for Product Development during March 2014, in association with National Centre for Design and Product Development (NCDPD). The objective of the workshop was to generate quality products ready to tap international markets and handholding in terms of marketing, packaging, brand building and generating business for the weavers and artisan's community. Over 53 weavers attended the workshop.

The Bank in partnership with NCDPD also organized a Craft Exchange Programme between India and Zimbabwe at the Bamboo and Cane Development Institute in Agartala. Fifty artisans participated and exchanged ideas, out of which 25 were from India and 25 from Zimbabwe. The focus of the programme was to demonstrate unique designs & patterns and sharing of processing & finishing techniques of their craft in the field of bamboo eco-friendly crafts, basketry and other allied products.

A “Design Development and Training Workshop” for 60 women master artisans in Golaghat, Assam, was arranged with the objective of developing utility based prototypes for Handloom products.

A training programme was organized for 50 artisans based in Lakkavanhally and Bengaluru, Karnataka for developing natural fiber based hand crafted utility products. About 20 marketable prototypes were developed during the course of the workshop.

### Awards for Excellence

Export-Import Bank of India and Confederation of Indian Industry (CII) joined hands, in 1994, to promote ‘excellence’ among Indian companies through the ‘CII-Exim Bank Award for Business Excellence’ for best Total Quality Management (TQM) practices adopted by an Indian company. The Award is based on the European Foundation for Quality Management (EFQM) model.

The award, which is an annual ceremony, is a prestigious and befitting industry recognition given to a company after being assessed by panels of trained assessors through a transparent and rigorous methodology based on the EFQM Model. In 2013, there were 40 companies which received varying levels of recognition. Bosch Ltd, Diesel Systems business – Nashik was adjudged as the winner of the CII-Exim Bank Award for Business Excellence. Bosch Ltd, Diesel Systems business – Jaipur and Godrej Locking Systems and Solutions bagged the CII-EXIM Bank Prize for Business Excellence, while Indelox Services won the Prize in the Small and Medium Businesses (SMBs) category. Godrej Locking Systems and Solutions has also been conferred with the Chairman’s Special Commendation for having won the Prize for the second year in a row.

The International Economic Research Award was instituted by the Bank in 1989. The objective of the award is to promote research in international economics, trade, development, and related financing, by Indian nationals at universities and academic institutions in India and abroad. The Award consists of a sum of Rupees Two Hundred and Fifty Thousand and a citation. The winner for the year 2013 is Dr. Anwesha Aditya, for her doctoral thesis titled “Trade Liberalization, Product Variety and Growth”. Dr. Aditya received her degree in 2013 from Jadavpur University, Kolkata. Dr. Harendra Kumar Behera had won the award for the year 2012.

Exim Bank’s Commencement Day Annual Lecture series, instituted in 1986 to commemorate the commencement of the Bank’s business, has earned recognition as an important milestone in contributing to the debate and discussions on contemporary trade and development issues impacting the global economy. Prof. Kishore Mahbubani, Dean and Professor in the Practice of Public Policy at the Lee Kuan Yew School of Public Policy of the National University of Singapore delivered the Bank’s Twenty-Ninth Commencement Day Lecture for 2014. Professor Mahbubani spoke on the topic “The Great Convergence: Can India Make It?” Dr. Dilip M. Nachane, Member, Economic Advisory Council to the Prime Minister was the Guest of Honour for the lecture. In 2013, Professor Pranab Bardhan, Professor of Graduate School, Department of Economics, University of California, Berkeley, had delivered the Lecture on the topic, ‘The Theory of Trade and Development from the Indian Point of View.’



*The CII-EXIM Bank Award for Business Excellence presented to Bosch Ltd, Diesel Systems Business-Nashik.*



*Exim Bank’s IEDRA Award 2012 presented to Dr. Harendra Kumar Behera by Dr. Raghuram Rajan, then Chief Economic Adviser, Govt. of India.*



*Professor Kishore Mahbubani delivering the Bank’s Commencement Day Annual Lecture 2014 on “The Great Convergence: Can India Make It?”*





#### **Management Team:**

**Sitting left to right:** Nadeem Panjetan, Chief General Manager; David Sinate, Chief General Manager; Ajit Kumar, David Rasquinha, Executive Director; Mukul Sarkar, Chief General Manager; Samuel Joseph, Chief General Manager;

**Standing left to right:** Utpal Gokhale, General Manager; Sudatta Mandal, General Manager; Geeta Poojary, General Manager; Madhulika Verma, General Manager; Rima Marphatia, General Manager; Harsha Bangari, General Manager;





Chief General Manager; C.P. Ravindranath Menon, Chief General Manager; Yaduvendra Mathur, Chairman & Managing Director; Prahalathan Iyer, Chief General Manager.

General Manager; Daya Chandras, General Manager; Sunita Sindwani, General Manager; Sangeeta Sharma, Gaurav Bhandari, General Manager.



## IV. EXIM BANK'S INSTITUTIONAL INFRASTRUCTURE



Staff members completing an outbound learning exercise during a Management Development Programme in Bangalore.

### HUMAN RESOURCES MANAGEMENT

The Bank's staff, comprising management graduates, chartered accountants, bankers, economists, legal, library and documentation experts, engineers, linguists, human resources and IT specialists, numbered 295 on March 31, 2014. The professional team of 249, is supported by a set of skilled and highly committed administrative officers.

The Bank - a "learning organisation", organizes various group training programmes, facilitating continuous upgradation of skills of its staff. Officers are also nominated for customised training programmes and seminars, aimed at developing and enhancing skill sets for handling highly specialised portfolios and enabling them to keep abreast with the latest developments in the field. During 2013-14, 232 officers attended training programmes and seminars on various subjects relevant to the Bank's operations, ranging from working capital management & interpretation of financial statements, project finance, credit risk, derivatives & risk management, to interpersonal communication & organizational effectiveness, leadership development for corporate excellence, business communications and IT.

### REPRESENTATION OF SCHEDULED CASTES, SCHEDULED TRIBES AND OTHER BACKWARD CLASSES

Of the total staff of 295 in the Bank's service as on March 31, 2014, there were 29, 20 and 38 Scheduled Caste, Scheduled Tribe and Other Backward Class staff members, respectively. Training in Information Technology and other areas such as effective presentation and communication skills, was provided to these staff members. The Bank continues to grant scholarships for scheduled caste and scheduled tribe and other backward class students at the Indian Institute of Foreign Trade (IIFT), New Delhi, and has also instituted scholarships for reserved category students of the Kalinga Institute of Industrial Technology (KIIT) University, Orissa; the North Eastern Regional Institute of Science and Technology (NERIST), Arunachal Pradesh; the Delhi School of Economics and the Jawaharlal Nehru University, New Delhi.

### INTERNAL COMPLAINTS COMMITTEE UNDER "THE SEXUAL HARASSMENT OF WOMEN AT WORKPLACE (PREVENTION, PROHIBITION AND REDRESSAL) ACT, 2013"

In compliance with the Act, the Bank has constituted a Complaint Committee for considering complaints of sexual harassment of women at workplace as defined under the Act. The Bank considers the safety of its employees to be very important and seeks to provide a safe working environment at the workplace.

The committee held regular meetings even though there were no complaints. The committee also initiated awareness sessions for all employees at all offices of the Bank. Awareness was also spread through the Bank's intranet and in-house magazine.



New recruits attended an Orientation Programme in Bangalore.

## PROGRESS IN IMPLEMENTATION OF THE OFFICIAL LANGUAGE POLICY

During 2013-14, the Bank continued its efforts to strengthen the implementation of the Official Language Policy. In compliance with the provisions of Section 3 (3) of the Official Language Act, circulars, press releases, notices and reports were issued in bilingual form. In compliance with Rule 5 of the Official Language Rule 1976, letters received in Hindi were responded to in Hindi.

Annual Programme for FY 2013-14, received from the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs was implemented through an action plan, prepared to achieve targets on various parameters. Towards this end, Official Language Implementation Committees at Bank's Head Office and Regional offices reviewed and monitored the progress on quarterly basis. The Bank's Head Office was inspected by the Committee of Parliament on Official Language in September 20, 2013. The Committee appreciated the overall efforts of the Bank and commended the Bank for implementation of Rajbhasha in the Bank.

Hindi workshops were organized to impart training in Hindi to officers of the Bank, as per the targets. Use of Unicode was encouraged and officers were given training to use software/ facilities available for working in Hindi on computers.

The Bank has actively participated in the meetings of Town Official Language Implementation Committees (TOLIC) / State Level Bankers' Committees / Official Language Implementation Committee of the Department of Financial Services and Official Language Implementation Committee of Reserve Bank of India for Banks and Financial Institutions, and implemented the decisions taken in these meetings.

A scheme offering incentives aimed at encouraging officers to learn and use Hindi in their day-to-day work is in place in the Bank. The Bank's in-house magazine 'Eximius' includes a Hindi section. Officers were encouraged to contribute articles in Hindi and best articles were rewarded. The Bank has increasingly encouraged its officers to participate in interbank Hindi competitions organized under the aegis of TOLICs and RBI. Hindi training needs of the officers were identified and they were nominated for training for attaining working knowledge of Hindi.

In pursuance of the Government's directives, a Hindi fortnight commencing from September 1, 2013 was celebrated in the Bank. The Bank maintains its corporate website in both Hindi and English. Information related to business and operations of the Bank was updated/ made available on Hindi website for wider dissemination. Help and reference material along with useful information for use of staff members were made available on the Bank's intranet.

Apart from literature on the Bank's operations and procedures, select Occasional Papers were translated into Hindi. Hindi versions of all the issues of 'Eximius: Export Advantage', a quarterly publication of the Bank, were published under the title 'Eximius: Niryaat Laabh'. Issues of 'Agri Export Advantage', a bi-monthly publication of the Bank, were also published in Hindi under the title 'Krishi Niryaat Laabh'.

In pursuance of Government policy regarding progressive use of Hindi, new Hindi books, particularly on foreign trade, commerce, finance, banking, information technology and other subjects were added to the Bank's library (Knowledge Centre).



*The Bank's in-house journal 'Eximius' was awarded a prize for the third time under bilingual magazine category, by the Reserve Bank of India.*



*A design development training programme organized by the Bank in Assam.*





*Gold Trophy awarded by Association of Business Communicators of India for the Bank's in-house publication 'Krishi Niryaat Laabh' published in ten Indian regional languages other than English and Hindi.*



*The Bank received 'Highly Commendable Bank' award at the Celent Model Bank Award Ceremony held in New York, for effective use of latest technology in banking.*

The Bank's efforts for accelerating the use of Hindi for official purposes received recognition from various authorities, such as TOLIC, Mumbai, constituted under the auspices of Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, GOI, which awarded the second prize to the Bank's Head Office for commendable performance in implementing Hindi among all Financial Institutions for the year 2012-13. The Bank's in-house journal 'Eximius' was awarded a prize for the fourth time under bilingual magazine category amongst 32 participating Banks / Financial Institutions, by Reserve Bank of India for the year 2012-13. Bank's news bulletin "Krishi Niryaat Laabh" was awarded the First prize the under the Indian language publications category by Association of Business Communicators of India (ABCI).

## **INFORMATION TECHNOLOGY**

The Bank continued its initiatives in enhancing the use of knowledge management tools, communication across its various constituents for better sharing of information, user empowerment and system intelligence capabilities. The Bank is a member of INFINET and digitally participates in the market through industry-wide systems initiated by regulatory and industry institutions such as RBI, CCIL, Credit Information Bureau (India) Ltd. and SWIFT.

Systems were supported and upgraded in various areas including those of operational business intelligence; bank-wide system; document management and workflow; networks; infrastructure; and security. The Bank strengthened its practices and procedures in compliance with international standards for IT Governance.

The Bank's corporate website ([www.eximbankindia.in](http://www.eximbankindia.in)) was revamped during the year. The information on the Bank is now disseminated in an organised manner on the various research activities conducted by the Bank and on business opportunities and leads in international trade. Besides, it features relevant information on the Bank's various lending programmes and information and advisory services.

The Bank's agro-portal ([www.eximbankagro.in](http://www.eximbankagro.in)) continues to provide product-wise information and advisory services. The Bank is a member of the Asian Exim Banks Forum and G-NEXID and the Bank maintains websites for the two fora.

The integrated Finacle software solution which has recently been implemented has improved efficiency and MIS reporting. Business Intelligence system has been integrated fully online with Finacle system and various alerts are being sent as per specific requirements of core users, for better management and servicing of loan assets. The Bank has introduced Real Time Gross Settlement (RTGS) for better efficiency.

## **CORPORATE GOVERNANCE**

Exim Bank ensures transparency and integrity in communication and makes available full, accurate and clear information to all concerned. The Bank is committed to and is continuously striving to ensure compliance with best practices of corporate governance as relevant to the Bank. The Bank has established a framework of strategic control and is continuously reviewing its efficacy. Business/financial performance related matters, analytical data/information are reported to the Board/Management Committee of the Board (MC) periodically for review. The Bank has put in place a Board approved Compliance Policy and a senior official has been made responsible in

respect of compliance issues with all applicable statutes, regulations and other procedures, policies as laid down by the GOI/RBI and other regulators and the Board, and reporting deviation if any to the Audit Committee (AC). The Bank's Board held five meetings (during the FY 2013-14) and the MC held eight meetings.

### AUDIT COMMITTEE

The Bank's Audit Committee (AC) of the Board provides direction to the total audit function of the Bank in order to enhance its effectiveness as a management tool and to follow-up on all issues raised in the statutory/external/internal/concurrent audit reports and RBI inspection reports. The AC reviews the annual financial statements every year before submission of the same to the Board. AC also periodically reviews the functioning of the Bank's Fund Management Committee (CFMC) and Asset-Liability Management Committed (ALCO). The Audit Committee met 6 times during the FY 2013-14.

### ASSET-LIABILITY MANAGEMENT (ALM)

The ALCO of the Bank oversees the monitoring and management of market risk with support from the Bank's mid-office. Liquidity/interest rate risks are managed by ALCO as per the comprehensive ALM/liquidity policies approved by the Board. The role of ALCO includes, inter-alia, reviewing the Bank's currency-wise structural liquidity and interest-rate sensitivity positions vis-a-vis prudential limits prescribed by the RBI/Board, monitoring results of periodical stress testing of cash flows and identifying a suitable ALM strategy based on the quantum of interest-rate risk as measured through a) assessment of sensitivity of net-interest income; and b) sensitivity of economic value, using duration-gap analysis, to interest rate movement. Regular stress testing of currency-wise liquidity position is carried out and a Contingency Funding Plan is drawn up periodically to estimate the worst-case fund shortfall in each currency. Value-at-risk is computed for the Bank's held-for-trading and available-for-sale portfolio of GOI securities. FMC decides on the investments/disinvestments and raising of resources as per the Fund Management/Resources Plan approved by the Board at the beginning of each financial year and reviewed during the year. The Audit Committee & Management of the Board periodically review the functioning of ALCO/FMC.

### RISK MANAGEMENT

The Bank has an Integrated Risk Management Committee (IRMC), which is independent of operating groups and reports directly to the top management. The IRMC reviews the Bank's position in regard to various risks (portfolio, liquidity, interest rate, off-balance sheet and operational risks), and oversees the operations of the ALCO, the FMC and the Credit Risk Management Committee (CRMC), all of which have cross-functional representation. While ALCO deals with issues relating to ALM policy and processes and analyses the overall market risk (liquidity, interest-rate risk and currency risks) of the Bank, CRMC deals with credit policy and procedures and analyses, manages and controls credit risk on a Bank-wide basis. Loan proposals are independently analysed by the Chief Credit Risk Officer of the Bank, who evaluates the risk profile of the proposals and provides inputs to the approving authority. The Bank has in place an advanced Credit Risk Model (CRM) that enables a broad-based credit appraisal decision support (by incorporating a range of qualitative



*A series of interactive sessions on "Strategy for Services Sector" were organized by the Bank at various centres.*



*Students from the University of Petroleum and Energy, Dehradun, Uttarakhand, visiting the Bank's Display Centre.*





Artisans supported by Exim Bank showcased their products at the Bank's Annual Reception attended by high level delegates in Mumbai.

as well as quantitative parameters/ measures) and superior portfolio management capability. The Bank also undertakes an annual review of the Business Continuity & Disaster Recovery Plans of all its offices. Each of the plans is vetted for completeness with regard to critical Business Continuity Risk Events and safeguards in place, for mitigating the impact thereof.

### CREDIT MONITORING GROUP

A dedicated Loan Administration Group takes pro-active steps towards loan recovery as per the Board-approved Loan Monitoring and Recovery Policy and towards preventing slippage of standard assets into non-performing assets. A system of ABC classification of loan accounts (including system for monitoring credit rating migration) is in place. A monthly review of non-performing assets is done by a separate Committee. An independent Screening Committee, comprising a retired judge and two eminent persons with rich experience in the fields of law and banking, has been constituted for examining and recommending all settlement proposals and assignment to Asset Reconstruction Companies, for consideration by the Board.

### KYC, AML AND PML MEASURES OF THE BANK

The Bank has a policy approved by the Board on 'Know your Customer (KYC)', 'Anti Money Laundering (AML)' and Prevention of Money Laundering (PML)' measures. The Policy conforms to RBI guidelines in the matter. The KYC, AML and PML policy covers (a) Customer Acceptance Policy; (b) Customer Identification Procedure; (c) monitoring of transactions (d) Risk Management; and (e) KYC of existing customers. The Bank is currently referring to the latest caution list issued by RBI.

The Bank also has access to the Bankers Accuity Database, an online database service, a product of one of the world's leading business publishers, Reed Business Information, which is a part of the Reed Elsevier Group. It is a compliance database for Bankers Almanac. Accuity's enhanced Global WatchList is a comprehensive collection of caution lists from all major sanctioning bodies, law enforcement agencies and financial regulators worldwide. All the customers of the Bank are subjected to KYC standards, which establish the identity of the natural/legal person and those of the 'beneficial owners'. Implementation of KYC policies and procedures covers identification of term deposit holders, correspondent banks, recruitment of new staff members, and counterparty identification with regard to treasury transactions. The Bank obtains data required for ensuring compliance by its counterparty banks with regard to KYC norms through a suitable questionnaire.

The Bank also maintains information in respect of certain transactions in accordance with the procedure and manner as may be specified by RBI and SEBI, as the case may be, from time to time and the records are maintained for a period of ten years from the date of the transaction. The Bank has appointed a Principal Officer responsible for its KYC, AML and PML measures. The KYC, AML and PML Policy is on the Bank's website.

### FAIR PRACTICES CODE FOR LENDERS

The Bank has in place, a Board approved policy on Fair Practices Code for Lenders framed in line with RBI guidelines. The policy is reviewed every year.

## RIGHT TO INFORMATION

Exim Bank of India, as a public authority as defined in the Right to Information Act, 2005, is compliant with the Act. Citizens of India may apply for information under the provisions of the Act by communicating the same to the Central Public Information Officer of the Bank or any of the Assistant Public Information Officers of the Bank as mentioned on the website.

## JOINT VENTURES

Global Procurement Consultants Limited (GPCL), was promoted by Exim Bank in 1996 as a joint-venture company along with 11 other reputed private and public sector companies, which have expertise in diverse fields, spanning various sectors of the economy. GPCL provides project related advisory services, with particular focus on procurement and capacity building, primarily for projects funded by multilateral agencies, in a number of developing countries. The company caters to areas as diverse as Health, Education, Agriculture, Mining, Transportation, Communication, Energy, Water Resources and other key sectors. GPCL's services span all stages of the procurement cycle covering procurement advice, procurement management, procurement review, performance review, provision of support services, valuation exercises, financial advisory services and procurement governance. GPCL recorded yet another year of profitable operations with a turnover of ₹ 53.57 million in 2013-14 and a pre-tax profit of ₹ 15.42 million.

During the year, the Bank formed a new joint venture, viz. Bharat Handloom Marketing Company Ltd. (BHMCL) in association with the National Handloom Development Corporation Ltd. and the Association of Corporations and Apex Societies of Handlooms. BHMCL has been incorporated as a public limited company under the Companies Act, 1956 to carry out the business of promotion and marketing of handloom and handicraft products both at the domestic and global level.

## PROJECT DEVELOPMENT COMPANY

The Bank plans to set up a Project Development Company in Africa, which will essentially look to bringing infrastructure projects in Africa to a bankable stage and facilitating exports from India to Africa. This is a new initiative of Exim Bank.



*Exim Bank supported construction of a Common Facility Centre for Mitran Handicrafts Development Pvt. Ltd. in Belgaum, Karnataka.*



*Exim Bank sponsored an Artisans' Craft Bazaar showcasing handicrafts in New Delhi.*





# Financial Statements





## INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To  
The President of India  
Report on the Financial Statements



1. We have audited the accompanying financial statements of the **General Fund** of the Export-Import Bank of India ('the Bank'), which comprises the Balance Sheet as at 31st March, 2014 and the Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement for the year then ended and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

### Management's Responsibility for the Financial Statements

2. The Management of the Bank is responsible for the preparation of the financial statements in accordance with the Export-Import Bank of India Act, 1981 and the Regulations framed thereunder. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation of the financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

### Auditor's Responsibility

3. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.
4. An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the Bank's preparation and fair presentation of the financial statements, in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.
5. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

### Opinion

6. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said accounts together with the notes thereon, give the information in accordance with the requirements of the Export-Import Bank of India Act, 1981 and the Regulations framed thereunder and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:
  - i) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the General Fund of the Bank as at 31st March, 2014;
  - ii) in the case of the Profit and Loss Account, of the profit for the year ended on that date; and
  - iii) in the case of the Cash Flow Statement, of the cash flows for the year ended on that date.

### **Report on Other Legal and Regulatory Matters**

7. The Balance Sheet, the Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement have been drawn up in accordance with the provisions of the Export-Import Bank of India Act, 1981 and the Regulations framed thereunder.

#### **8. We report that:**

- i) We have obtained all the information and explanations which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit and have found them to be satisfactory.
- ii) The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank.
- iii) In our opinion, the Balance Sheet, Profit and Loss Account and Cash Flow Statement comply with the mandatory Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

#### **9. We further report that:**

- i) The Balance Sheet and Profit and Loss Account dealt with by this report are in agreement with the books of account and the returns.
- ii) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Bank so far as appears from our examination of those books.

#### **For MZSK & Associates**

Chartered Accountants

Firm Registration no. 105047W

#### **Abuali Darukhanawala**

Partner (M. No. 108053)

Mumbai

April 29, 2014





**BALANCE SHEET** as at 31<sup>st</sup> March, 2014

GENERAL FUND

		THIS YEAR (As at 31.03.2014) ₹	PREVIOUS YEAR (As at 31.03.2013) ₹
<b>LIABILITIES</b>	<b>SCHEDULES</b>		
1. Capital	I	37,593,663,881	30,593,663,881
2. Reserves	II	45,503,735,880	41,795,912,670
3. Profit & Loss Account	III	3,390,000,000	2,630,000,000
4. Notes, Bonds & Debentures		548,867,892,091	451,020,235,742
5. Bills Payable		-	-
6. Deposits	IV	23,727,794,562	30,833,633,817
7. Borrowings	V	142,225,187,006	162,993,757,004
8. Current Liabilities & Provisions for contingencies		43,293,522,489	30,788,467,247
9. Other Liabilities		26,887,874,599	10,526,061,976
<b>TOTAL</b>		<b>871,489,670,508</b>	<b>761,181,732,337</b>
<b>ASSETS</b>			
1. Cash & Bank Balances	VI	51,240,826,117	68,869,000,977
2. Investments	VII	39,162,531,095	24,981,627,680
3. Loans & Advances	VIII	743,983,407,926	643,529,812,314
4. Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted/Rediscounted	IX	2,000,000,000	-
5. Fixed Assets	X	807,273,023	875,915,639
6. Other Assets	XI	34,295,632,347	22,925,375,727
<b>TOTAL</b>		<b>871,489,670,508</b>	<b>761,181,732,337</b>
<b>CONTINGENT LIABILITIES</b>			
(i) Acceptances, Guarantees, Endorsements & other obligations		53,668,306,500	47,439,835,800
(ii) On outstanding forward exchange contracts		166,261,700	3,351,809,300
(iii) On underwriting commitments		-	-
(iv) Uncalled Liability on partly paid investments		83,124,000	72,283,500
(v) Claims on the Bank not acknowledged as debts		2,249,300,000	2,249,300,000
(vi) Bills for collection		-	-
(vii) On participation certificates		-	-
(viii) Bills Discounted/Rediscounted		-	-
(ix) Other monies for which the Bank is contingently liable		40,914,713,500	30,127,878,700
<b>TOTAL</b>		<b>97,081,705,700</b>	<b>83,241,107,300</b>

'Notes to Accounts' attached.

**David Rasquinha**

Executive Director

**For and on behalf of the Board****Yaduvendra Mathur**

Chairman &amp; Managing Director

**Dr. Gurdial Singh Sandhu****Shri N. Shankar****Shri M.S. Raghavan****Shri Amitabh Kant****Shri S. S. Mundra****Smt. Arundhati Bhattacharya****Shri G. Padmanabhan****Smt. V. R. Iyer****Dr. Biswajit Dhar**

Directors

As per our attached report of even date

**For MZSK & Associates**

Chartered Accountants

Firm Regn. No. 105047W

**Mumbai****Dated : April 29, 2014****(Abuali Darukhanawala)**

Partner

M. No. 108053

# PROFIT & LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31<sup>st</sup> March, 2014

GENERAL FUND

		THIS YEAR ₹	PREVIOUS YEAR ₹
<b>EXPENDITURE</b>	<b>SCHEDULES</b>		
1 Interest		46,839,664,164	41,156,470,438
2 Credit Insurance, fees and charges		599,654,314	523,082,832
3 Staff Salaries, Allowances etc. and Terminal Benefits		316,800,428	351,565,795
4 Directors' and Committee Members' Fees and Expenses		68,554	42,500
5 Audit Fees		1,008,000	2,114,000
6 Rent, Taxes, Electricity and Insurance Premia		164,725,936	112,777,123
7 Communication expenses		34,122,067	23,971,207
8 Legal Expenses		41,240,082	25,873,325
9 Other Expenses	XII	520,731,783	414,704,482
10 Depreciation		147,502,144	146,637,378
11 Provision for loan losses/contingencies depreciation on investments		13,896,581,571	6,150,689,976
12 Profit carried down		10,202,071,145	10,887,606,464
<b>TOTAL</b>		<b>72,764,170,188</b>	<b>59,795,535,520</b>
Provision for Income Tax [including Deferred tax credit of ₹ 3,380,752,065 (previous year - deferred tax credit of ₹ 1,317,811,613)]		3,104,247,935	3,464,375,389
Balance of profit transferred to Balance Sheet		7,097,823,210	7,423,231,075
		<b>10,202,071,145</b>	<b>10,887,606,464</b>
<b>INCOME</b>			
1 Interest and Discount	XIII	68,463,527,765	56,071,056,229
2 Exchange, Commission, Brokerage and Fees		2,685,378,606	2,145,168,726
3 Other Income	XIV	1,615,263,817	1,579,310,565
4 Loss carried to Balance Sheet		-	-
<b>TOTAL</b>		<b>72,764,170,188</b>	<b>59,795,535,520</b>
Profit brought down		10,202,071,145	10,887,606,464
Excess Income/Interest tax provision of earlier years written back		-	-
		<b>10,202,071,145</b>	<b>10,887,606,464</b>

'Notes to Accounts' attached.

**David Rasquinha**  
Executive Director

**For and on behalf of the Board**

**Yaduvendra Mathur**  
Chairman & Managing Director

**Dr. Gurdial Singh Sandhu**  
**Shri N. Shankar**  
**Shri M.S. Raghavan**

**Shri Amitabh Kant**  
**Shri S. S. Mundra**  
**Smt. Arundhati Bhattacharya**

**Shri G. Padmanabhan**  
**Smt. V. R. Iyer**  
**Dr. Biswajit Dhar**

Directors

As per our attached report of even date

**For MZSK & Associates**

Chartered Accountants

Firm Regn. No. 105047W

**Mumbai**  
**Dated : April 29, 2014**

**(Abuali Darukhanawala)**  
Partner  
M. No. 108053





## SCHEDULES TO THE BALANCE SHEET

GENERAL FUND

	THIS YEAR (As at 31.03.2014) ₹	PREVIOUS YEAR (As at 31.03.2013) ₹
<b>SCHEDULE I : Capital :</b>		
1 Authorised	100,000,000,000	100,000,000,000
2 Issued and Paid-up: (Wholly subscribed by the Central Government)	37,593,663,881	30,593,663,881
<b>SCHEDULE II : Reserves :</b>		
1 Reserve Fund	34,061,416,816	32,525,593,606
2 General Reserve	-	-
3 Other Reserves:		
Investment Fluctuation Reserve	-	-
Sinking Fund (Lines of Credit)	1,672,319,064	1,550,319,064
4 Special Reserve u/s 36(1)(viii) of the Income Tax Act, 1961	9,770,000,000	7,720,000,000
	<b>45,503,735,880</b>	<b>41,795,912,670</b>
<b>SCHEDULE III : Profit &amp; Loss Account :</b>		
1 Balance as per annexed accounts	7,097,823,210	7,423,231,075
2 Less: Appropriations:		
- Transferred to Reserve Fund	1,535,823,210	3,223,231,075
- Transferred to Investment Fluctuation Reserve	-	-
- Transferred to Sinking Fund	122,000,000	120,000,000
- Transferred to Special Reserve u/s 36(1)(viii) of the Income Tax Act, 1961	2,050,000,000	1,450,000,000
3 Balance of the net profits (Transferable to the Central Government in terms of Section 23(2) of the EXIM Bank Act, 1981)	<b>3,390,000,000</b>	<b>2,630,000,000</b>
<b>SCHEDULE IV: Deposits :</b>		
(a) In India	23,727,794,562	30,833,633,817
(b) Outside India	-	-
	<b>23,727,794,562</b>	<b>30,833,633,817</b>
<b>SCHEDULE V : Borrowings :</b>		
1. From Reserve Bank of India:		
(a) Against Trustee Securities	-	-
(b) Against Bills of Exchange	-	-
(c) Out of the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	-	-
2 From Government of India	-	-
3 From Other Sources:		
(a) In India	37,066,391,512	12,278,093,456
(b) Outside India	105,158,795,494	150,715,663,548
	<b>142,225,187,006</b>	<b>162,993,757,004</b>
<b>SCHEDULE VI : Cash &amp; Bank Balances :</b>		
1 Cash in Hand	293,259	109,123
2 Balance with Reserve Bank of India	1,154,135	1,127,712
3 Balances with other Banks:		
(a) In India		
i) in current accounts	904,354,525	1,848,905,588
ii) in other deposit accounts	18,652,776,000	50,857,170,000
(b) Outside India	31,682,248,198	16,105,780,458
4 Money at call and short notice / Lending under CBLO	-	55,908,096
	<b>51,240,826,117</b>	<b>68,869,000,977</b>

contd ....

	THIS YEAR (As at 31.03.2014) ₹	PREVIOUS YEAR (As at 31.03.2013) ₹
<b>SCHEDULE VII : Investments :</b> (net of diminution in value, if any)		
1 Securities of Central and State Governments	18,585,385,247	17,139,447,680
2 Equity Shares & Stocks	1,552,585,730	1,541,216,096
3 Preference Shares and Stocks	133,710,300	137,710,300
4 Notes, Debentures and Bonds	18,890,849,818	3,810,753,604
5 Others	-	2,352,500,000
	<b>39,162,531,095</b>	<b>24,981,627,680</b>
<b>SCHEDULE VIII : Loans &amp; Advances :</b>		
1 Foreign Governments	237,504,194,106	182,209,358,616
2 Banks:		
(a) In India	81,051,415,000	89,128,250,000
(b) Outside India	641,491,335	1,453,031,676
3 Financial Institutions:		
(a) In India	-	-
(b) Outside India	25,154,054,825	17,895,730,184
4 Others	399,632,252,660	352,843,441,838
	<b>743,983,407,926</b>	<b>643,529,812,314</b>
<b>SCHEDULE IX : Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted/Rediscounted:</b>		
(a) In India	2,000,000,000	-
(b) Outside India	-	-
	<b>2,000,000,000</b>	<b>-</b>
<b>SCHEDULE X : Fixed Assets:</b> (At cost less depreciation)		
1 Premises		
Gross Block b/f	1,362,648,920	1,358,476,715
Additions during the year	10,005,185	15,416,727
Disposals during the year	11,654,115	11,244,522
Gross Block as at the end of the year	1,360,999,990	1,362,648,920
Accumulated Depreciation	702,079,395	654,976,148
Net Block	658,920,595	707,672,772
2 Others		
Gross Block b/f	742,842,548	644,112,230
Additions during the year	77,412,323	112,117,641
Disposals during the year	14,949,403	13,387,323
Gross Block as at the end of the year	805,305,468	742,842,548
Accumulated Depreciation	656,953,040	574,599,681
Net Block	148,352,428	168,242,867
	<b>807,273,023</b>	<b>875,915,639</b>
<b>SCHEDULE XI : Other Assets :</b>		
1 Accrued interest on		
a) investments / bank balances	8,233,583,688	4,817,100,772
b) loans and advances	8,385,714,528	6,761,193,485
2 Deposits with sundry parties	28,474,733	28,237,848
3 Advance Income Tax paid	7,665,872,428	5,570,480,123
4 Others [including Deferred tax asset of ₹ 6,157,332,569 (previous year - ₹ 2,776,580,504)]	9,981,986,970	5,748,363,499
	<b>34,295,632,347</b>	<b>22,925,375,727</b>

contd ....



	THIS YEAR (As at 31.03.2014) ₹	PREVIOUS YEAR (As at 31.03.2013) ₹
<b>SCHEDULE XII: Other Expenses :</b>		
1 Export Promotion Expenses	26,590,495	23,566,822
2 Expenses on and related to Data Processing	28,688,474	6,862,979
3 Repairs and Maintenance	104,358,025	97,877,921
4 Printing and Stationery	12,030,978	14,161,314
5 Others	349,063,811	272,235,446
	<b>520,731,783</b>	<b>414,704,482</b>
<b>SCHEDULE XIII : Interest and Discount :</b>		
1 Interest and Discount on loans and advances/bills discounted/rediscounted	48,157,573,078	40,559,451,972
2 Income on Investments/bank balances	20,305,954,687	15,511,604,257
	<b>68,463,527,765</b>	<b>56,071,056,229</b>
<b>SCHEDULE XIV : Other Income :</b>		
1 Net Profit on sale/revaluation of investments	1,511,894,075	1,573,274,270
2 Net Profit on sale of land, buildings and other assets	96,194,037	(1,275,059)
3 Others	7,175,705	7,311,354
	<b>1,615,263,817</b>	<b>1,579,310,565</b>

**Note :** Deposits under 'Liabilities' [ref. Schedule IV (a)] include 'on shore' foreign currency deposits aggregating US\$ 352.23 mn. (Previous year US\$ 455.93 mn.) kept by counterparty banks / institutions with Exim Bank against reciprocal rupee deposits / bonds. Cash & Bank Balances under 'Assets' [ref. Schedule VI 3.(a) ii)] include rupee deposits aggregating ₹ 18.38 bn (Previous year ₹21.63 bn) on account of swaps. Investments under 'Assets' [ref. Schedule VII 4.] include bonds aggregating ₹ 2.38 bn (Previous year ₹2.51 bn) on account of swaps.

To  
The President of India  
Report on the Financial Statements



1. We have audited the accompanying financial statements of the Export Development Fund of the Export-Import Bank of India ('the Bank'), which comprises the Balance Sheet as at 31st March, 2014 and the Profit and Loss Account for the year then ended and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

### **Management's Responsibility for the Financial Statements**

2. The Management of the Bank is responsible for the preparation of the financial statements in accordance with the Export-Import Bank of India Act, 1981 and the Regulations framed thereunder. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation of the financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

### **Auditor's Responsibility**

3. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.
4. An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the Bank's preparation and fair presentation of the financial statements, in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.
5. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

### **Opinion**

6. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said accounts together with the notes thereon, give the information in accordance with the requirements of the Export-Import Bank of India Act, 1981 and the Regulations framed thereunder and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:
  - i) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Export Development Fund of the Bank as at 31st March, 2014;
  - ii) in the case of the Profit and Loss Account, of the profit for the year ended on that date.

### **Report on Other Legal and Regulatory Matters**

7. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in accordance with the provisions of the Export-Import Bank of India Act, 1981 and the Regulations framed thereunder.





**8. We report that:**

- i) We have obtained all the information and explanations which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit and have found them to be satisfactory.
- ii) The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank.
- iii) In our opinion, the Balance Sheet and Profit and Loss Account comply with the mandatory Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

**9. We further report that:**

- i) The Balance Sheet and Profit and Loss Account dealt with by this report are in agreement with the books of account and the returns.
- ii) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Bank so far as appears from our examination of those books.

**For MZSK & Associates**

Chartered Accountants

Firm Registration no. 105047W

**Abuali Darukhanawala**

Partner (M. No. 108053)

Mumbai

April 29, 2014

**BALANCE SHEET** as at 31<sup>st</sup> March, 2014

EXPORT DEVELOPMENT FUND

	THIS YEAR (As at 31.03.2014) ₹	PREVIOUS YEAR (As at 31.03.2013) ₹
<b>LIABILITIES</b>		
1 Loans :		
(a) From Government	-	-
(b) From Other Sources	-	-
2 Grants:		
(a) From Government	128,307,787	128,307,787
(b) From Other Sources	-	-
3 Gifts, Donations, Benefactions :		
(a) From Government	-	-
(b) From Other Sources	-	-
4 Other Liabilities	148,958,318	132,958,318
5 Profit and Loss Account	381,168,912	350,074,930
<b>TOTAL</b>	<b>658,435,017</b>	<b>611,341,035</b>
<b>ASSETS</b>		
1 Bank Balances		
a) in current accounts	356,430	242,507
b) in other deposit accounts	498,903,005	469,252,429
2 Investments	-	-
3 Loans & Advances :		
(a) In India	-	-
(b) Outside India	8,505,318	8,505,318
4 Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted, Rediscounted :		
(a) In India	-	-
(b) Outside India	-	-
5 Other Assets		
(a) Accrued interest on		
i) Loans and Advances	-	-
ii) Investments/bank balances	10,238,561	8,909,078
(b) Advance Income Tax paid	140,431,703	124,431,703
(c) Others	-	-
<b>TOTAL</b>	<b>658,435,017</b>	<b>611,341,035</b>
<b>CONTINGENT LIABILITIES</b>		
(i) Acceptances, Guarantees, endorsements & other obligations	-	-
(ii) On outstanding forward exchange contracts	-	-
(iii) On underwriting commitments	-	-
(iv) Uncalled Liability on partly paid investments	-	-
(v) Claims on the Bank not acknowledged as debts	-	-
(vi) Bills for collection	-	-
(vii) On participation certificates	-	-
(viii) Bills Discounted/Rediscounted	-	-
(ix) Other monies for which the Bank is contingently liable	-	-

**Note :** The Bank has established Export Development Fund in terms of Section 15 of Export-Import Bank of India Act, 1981 (the Act). In terms of Section 17 of the Act, before granting any loan or advance or entering into any such arrangement, Exim Bank has to obtain the prior approval of the Central Government.

**David Rasquinha**  
Executive Director

**For and on behalf of the Board**

**Yaduvendra Mathur**  
Chairman & Managing Director

**Dr. Gurdial Singh Sandhu**  
**Shri N. Shankar**  
**Shri M.S. Raghavan**

**Shri Amitabh Kant**  
**Shri S. S. Mundra**  
**Smt. Arundhati Bhattacharya**  
Directors

**Shri G. Padmanabhan**  
**Smt. V. R. Iyer**  
**Dr. Biswajit Dhar**

As per our attached report of even date  
**For MZSK & Associates**  
Chartered Accountants  
Firm Regn. No. 105047W

**(Abuali Darukhanawala)**  
Partner  
M. No. 108053

**Mumbai**  
**Dated : April 29, 2014**





# PROFIT & LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31<sup>st</sup> March, 2014

EXPORT DEVELOPMENT FUND

	THIS YEAR ₹	PREVIOUS YEAR ₹
<b>EXPENDITURE</b>		
1 Interest	-	-
2 Other Expenses	-	-
3 Profit carried down	47,093,982	46,601,193
<b>TOTAL</b>	<b>47,093,982</b>	<b>46,601,193</b>
Provision for Income Tax	16,000,000	15,120,000
Balance of profit transferred to Balance Sheet	31,093,982	31,481,193
	<b>47,093,982</b>	<b>46,601,193</b>
<b>INCOME</b>		
1 Interest and Discount		
(a) loans and advances	-	-
(b) investments / bank balances	47,093,982	46,601,193
2 Exchange, Commission, Brokerage and Fees	-	-
3 Other Income	-	-
4 Loss carried to Balance Sheet	-	-
<b>TOTAL</b>	<b>47,093,982</b>	<b>46,601,193</b>
Profit brought down	47,093,982	46,601,193
Excess Income/Interest tax provision of earlier years written back	-	-
	<b>47,093,982</b>	<b>46,601,193</b>

**David Rasquinha**  
Executive Director

**For and on behalf of the Board**

**Yaduvendra Mathur**  
Chairman & Managing Director

**Dr. Gurdial Singh Sandhu**  
**Shri N. Shankar**  
**Shri M.S. Raghavan**

**Shri Amitabh Kant**  
**Shri S. S. Mundra**  
**Smt. Arundhati Bhattacharya**

**Shri G. Padmanabhan**  
**Smt. V. R. Iyer**  
**Dr. Biswajit Dhar**

Directors

As per our attached report of even date

**For MZSK & Associates**

Chartered Accountants

Firm Regn. No. 105047W

**Mumbai**  
**Dated : April 29, 2014**

**(Abuali Darukhanawala)**  
Partner  
M. No. 108053

# CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 2014

GENERAL FUND

Amount (₹ in Mn.)

PARTICULARS	YEAR ENDED MARCH 31, 2014	YEAR ENDED MARCH 31, 2013
<b>Cash flow from Operating Activities</b>		
Net Profit before tax and extra-ordinary items	10,202.1	10,887.6
Adjustments for		
- (Profit)/Loss on sale of fixed assets (Net)	(96.2)	1.3
- (Profit)/Loss on sale of Investments (Net)	(1,511.9)	(1,573.3)
- Depreciation	147.5	146.6
- Discount/Expenses on bond issues written off	52.5	264.9
- Transfer from Investment Fluctuation Reserve	-	-
- Provisions/Write Off of Loans/Investments & other provisions	13,896.6	6,150.7
- Others - to specify	-	-
	<b>22,690.6</b>	<b>15,877.8</b>
Adjustments for		
- Other Assets	(5,946.7)	6,032.7
- Current liabilities	13,199.3	6,467.1
<b>Cash generated from operations</b>	<b>29,943.3</b>	<b>28,377.6</b>
Payment of income tax/interest tax	(6,809.5)	(5,047.7)
<b>Net cash flow from operating activities</b>	<b>23,133.8</b>	<b>23,329.9</b>
<b>Cash flow from Investing activities</b>		
- Net purchase of fixed assets	17.3	(114.0)
- Net change in investments	(12,669.0)	8,708.9
<b>Net cash used in / raised from Investing activities</b>	<b>(12,651.7)</b>	<b>8,594.9</b>
<b>Cash Flow from Financing activities</b>		
- Equity capital infusion	7,000.0	2,000.0
- Loans borrowed (net of repayments made)	69,973.2	103,329.5
- Loans lent, bills discounted & rediscounted (net of repayments received)	(102,453.6)	(104,632.0)
- Dividend on equity shares & tax on dividend	(2,630.0)	(2,050.0)
(Balance of Net profits transferred to Central Government)		
<b>Net cash used in / raised from Financing activities</b>	<b>(28,110.3)</b>	<b>(1,352.5)</b>
<b>NET INCREASE/(DECREASE) IN CASH &amp; CASH EQUIVALENTS</b>	<b>(17,628.2)</b>	<b>30,572.3</b>
OPENING CASH & CASH EQUIVALENTS	68,869.0	38,296.7
CLOSING CASH & CASH EQUIVALENTS	51,240.8	68,869.0

**David Rasquinha**

Executive Director

**For and on behalf of the Board**

**Yaduvendra Mathur**

Chairman & Managing Director

**Dr. Gurdial Singh Sandhu**

**Shri N. Shankar**

**Shri M.S. Raghavan**

**Shri Amitabh Kant**

**Shri S. S. Mundra**

**Smt. Arundhati Bhattacharya**

**Shri G. Padmanabhan**

**Smt. V. R. Iyer**

**Dr. Biswajit Dhar**

Directors

As per our attached report of even date

**For MZSK & Associates**

Chartered Accountants

Firm Regn. No. 105047W

**Mumbai**

**Dated : April 29, 2014**

**(Abuali Darukhanawala)**

Partner

M. No. 108053



---

## SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO ACCOUNTS

---

### I - SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

#### (i) Financial Statements

##### a) Basis of preparation

Balance Sheet and Profit and Loss account of Export-Import Bank of India (Exim Bank) (General Fund and Export Development Fund) have been prepared in accordance with the accounting principles followed in India. The financial statements have been prepared under the historical cost convention on an accrual basis unless otherwise stated. The accounting policies that are applied by the Bank are consistent with those used in the previous year. The form and manner in which the Balance Sheet and the Profit and Loss Account of Exim Bank are prepared have been provided in Export-Import Bank of India, General Regulations, 1982 approved by Board of Directors with the previous approval of Government of India under Section 39 (2) of Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981). Certain important financial ratios / data are disclosed as part of the "Notes to Accounts" in terms of Reserve Bank of India (RBI) Circular DBS.FID.No.C-18/01.02.00/2000-01 dated August 13, 2005 and thereafter.

##### b) Use of estimates

The preparation of financial statements requires the management to make estimates and assumptions considered in the reported amount of assets and liabilities (including contingent liabilities) as of the date of the financial statements and the reported income and expenses for the reporting period. Management believes that the estimates used in the preparation of the financial statements are prudent and reasonable.

#### (ii) Revenue Recognition

Income/Expenditure is recognized on accrual basis except in respect of interest on Non-performing Assets (NPA) / Non-performing Investments and "Stressed Assets", penal interest, commitment charges and dividend, which are accounted on cash basis. NPAs are determined as per RBI guidelines issued to All-India Term Lending Institutions. Discount / redemption premium offered on Exim Bank Bonds has been amortised over the tenure of the bond and included in interest expenses.

#### (iii) Asset Classification and Provisioning

Loans and Advances shown in Balance Sheet comprise only principal outstandings net of provisions for Non Performing Assets (NPA). Interest receivables are grouped under "Other Assets".

Loan Assets are classified in to the following groups : Standard Assets, Sub-standard Assets, Doubtful Assets and Loss Assets, taking into consideration the degree of credit weaknesses and extent of dependence on collateral security for realisation of dues. Classification of loan assets and provisioning are as per RBI guidelines issued to All India Term Lending Institutions.

#### (iv) Investments

The entire investment portfolio is classified under three categories:

- (a) "Held to Maturity" (the securities acquired with the intention to hold them to maturity),
- (b) "Held for Trading" (the securities acquired with the intention to trade by taking advantage of the short term price/interest rate movements, etc.) and
- (c) "Available for Sale" (the balance investments).

The investments are further classified as:

- i) Government securities
- ii) Other approved securities
- iii) Shares
- iv) Debentures and Bonds
- v) Subsidiaries/Joint Ventures
- vi) Others (Commercial Papers, Mutual Fund Units, etc.)



The classification of various instruments of investments, categorisation, shifting among categories, valuation and provisioning of investments are done in accordance with the norms laid down by RBI to All-India Term Lending Institutions.

**(v) Fixed Assets and Depreciation**

- (a) Fixed Assets are stated at historical cost less accumulated depreciation.
- (b) Depreciation is provided for on straight-line method basis at the following rates:

ASSET	DEPRECIATION RATE
Owned Buildings	5%
Furniture & Fixtures	25%
Office Equipment	25%
Other Electrical Equipment	25%
Computers and Computer Software	25%
Motor Vehicles	25%
Mobile Phones and other electronic items subject to rapid technological obsolescence	33.33%

- (c) In respect of assets acquired during the year, depreciation is provided for the entire year in the year of purchase and in respect of assets sold during the year, no depreciation is provided in the year of sale.
- (d) When a depreciable asset is disposed of, discarded, demolished or destroyed, the net surplus or deficit is adjusted in Profit and Loss Account.

**(vi) Impairment**

The carrying amounts of assets are reviewed at each Balance Sheet date based on internal / external factors to provide for impairment in the value of the assets or reverse impairment losses recognized in previous periods, as applicable. Impairment loss is recognized when the carrying amount on an asset exceeds recoverable amount.

**(vii) Accounting for Foreign Currency Transactions**

- (a) Assets and liabilities denominated in foreign currency are translated at the exchange rate notified by the Foreign Exchange Dealers' Association of India (FEDAI) at year end.
- (b) Income and expenditure items are translated at the average rates of exchange during the year.
- (c) Outstanding foreign exchange contracts are revalued at rates of exchange notified by the FEDAI for specified maturities and the resulting profits/ losses are included in the Profit and Loss account.
- (d) Contingent liabilities in respect of guarantees, acceptances, endorsements and other obligations are stated at the rates of exchange notified by FEDAI at year end.

**(viii) Guarantees**

Provisioning for guarantees is made taking into account the likely losses on projects till their completion, for uncovered portion under ECGC policies.

**(ix) Derivatives**

The Bank presently deals in derivative contracts such as Interest Rate Swaps, Currency Swaps, Cross-Currency Interest Rate Swaps and Forward Rate Agreements, for hedging its assets and liabilities. Based on RBI Guidelines, the above derivatives undertaken for hedging purposes are accounted on accrual basis. Qualitative and Quantitative disclosures pertaining to outstanding derivative contracts are reported in the "Notes to Accounts" in accordance with RBI's Master Circular "Disclosure norms for Financial Institutions" on the Balance Sheet date.

**(x) Provision for Employee Benefits**

- a) Provident Fund, Gratuity Fund and Pension Fund are defined benefit schemes administered by the Bank and the Bank's contributions to these funds are charged to the Profit and Loss Account of the year.
- b) Gratuity and Pension are defined benefit obligations. Liabilities towards these obligations are provided for on the basis of actuarial valuation at the end of each financial year based on the projected unit credit method.



- c) Liability towards leave encashment is provided for on the basis of actuarial valuation at year end.

**(xi) Accounting for taxes on Income**

- (a) Provision for current tax is made, based on the tax payable under the relevant statute.
- (b) Deferred tax on timing difference between taxable income and accounting income is accounted for, using the tax rates and the tax law enacted or substantially enacted as on the Balance Sheet date. Deferred tax assets are recognized only to the extent that there is a reasonable certainty of realisation.

**(xii) Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets**

As per AS 29 – “Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets” issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), the Bank recognizes provisions only when it has a present obligation as a result of a past event, it is probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation and when a reliable estimate of the amount of the obligation can be made.

Contingent liabilities are disclosed unless the possibility of an outflow of resources embodying economic benefit is remote.

Contingent assets are neither recognized nor disclosed in the financial statements.

## II NOTES TO ACCOUNTS – GENERAL FUND

### 1. Agency Account

As Exim Bank is acting only in the capacity of an agency to facilitate certain transactions in Iraq relating to Indian contractors, foreign currency receivables advised to the Bank equivalent to ₹ 41.18 bn. (previous year ₹ 37.31 bn) held on agency account including a sum of ₹ 37.21 bn (previous year ₹ 33.71 bn) assigned to Government of India (GOI) are not included in the above Balance Sheet.

### 2. Income-Tax

The capital of the Bank is wholly subscribed by the Central Government and the Bank does not have any share capital. The balance of profit transferable to Central Government in accordance with Section 23 (2) of The Export-Import Bank of India Act, 1981 is not termed as dividend. Consequently, dividend distribution tax is considered not payable, in the light of the judgement passed by ITAT in case no. ITA No. 2025 / Mum / 2000 on December 18, 2006 and hence no provision has been made for the same.

### 3. (a) Contingent Liabilities

Guarantees include expired guarantees of ₹ 3.21 bn (previous year ₹ 5.37 bn), yet to be cancelled in books.

#### (b) Claims not acknowledged as debts

The amount of ₹ 2.25 bn (previous year ₹ 2.25 bn) shown under Contingent Liabilities as "Claims on the Bank not acknowledged as debts", pertains to claims/counter-claims filed against the Bank mostly by Bank's defaulting borrowers in response to legal action initiated against them by the Bank. None of the claims / counter-claims is considered as maintainable in the opinion of Bank's solicitors and none of them has reached the stage of final hearing. Based on professional advice, no provision is considered necessary.

#### (c) Forward Exchange Contracts, Currency / Interest rate Swaps

(i) The outstanding forward exchange contracts as at March 31, 2014 have been fully hedged. The Bank undertakes derivatives transactions (Interest Rate Swaps, Forward Rate Agreements and Currency-cum-interest rate swaps), for the purpose of Asset-Liability management as per RBI guidelines issued vide circular Ref. No. MPD.BC.187/07.01.279/1999-2000 dated July 7, 1999 and thereafter. The Bank also unwinds and re-enters such transactions based on requirements/market conditions. The outstanding derivative transactions are captured in the interest rate sensitivity position, which is monitored by the Asset Liability Management Committee (ALCO) and reviewed by the Board. The credit equivalent of derivatives is arrived at as per 'Current Exposure' method prescribed by RBI. The fair value and the price value of a basis point (PV01) of derivatives are disclosed separately in the 'Notes to Accounts' as stipulated by RBI. The premium or discount arising at inception of forward exchange contracts is amortized over the life of the contracts. Any profit or loss arising on cancellation of forward exchange contracts is recognized as income / expense for the year.

(ii) The Bank is permitted to be a 'market maker' for offering long-dated Foreign Currency - Rupee Swaps to clients / non-clients.

#### d) Profit / Loss on Exchange fluctuation

Assets and liabilities denominated in foreign currency are translated at the exchange rate notified by the Foreign Exchange Dealers' Association of India (FEDAI) at year end. Income and expenditure items are translated at the average rates of exchange during the year. The notional profit on such translation of the retained earnings on FC operations during the current year is ₹ 0.20 bn (previous year ₹ 0.04 bn).

4. Disclosure relating to Micro, Small and Medium Enterprises under the Micro, Small & Medium Enterprises Act, 2006: There have been no reported cases of delayed payments to Micro, Small and Medium Enterprises



## ADDITIONAL INFORMATION AS REQUIRED BY RESERVE BANK OF INDIA

### 5. Capital

(a)

Particulars	As on March 31, 2014	As on March 31, 2013
(i) Capital to Risk Assets Ratio (CRAR)	14.32%	15.28%
(ii) Core CRAR	12.78%	13.71%
(iii) Supplementary CRAR	1.54%	1.57%

(b) The amount of subordinated debt raised and outstanding as on March 31, 2014 as Tier-II capital: ₹ NIL  
(previous year: ₹ NIL)

(c) Risk weighted assets –

(₹ bn)

Particulars	As on March 31, 2014	As on March 31, 2013
(i) 'On' balance sheet items	457.37	407.88
(ii) 'Off' balance sheet items	117.92	75.85

(d) The share holding pattern as on the date of the balance sheet: Capital Wholly subscribed by Government of India.

- The CRAR and other related parameters have been determined as per the extant capital adequacy norms prescribed by RBI for the Financial Institutions (FIs).

### 6. Asset quality and credit concentration as on March 31, 2014

(a) **Percentage of net Non-performing Assets (NPAs) to net loans and advances :**

0.43 (previous year 0.47)

(b) **Amount and percentage of net NPAs under the prescribed asset classification categories:**

(₹ bn)

Particulars	As on March 31, 2014		As on March 31, 2013	
	Amount	Percentage	Amount	Percentage
Sub-standard Assets	3.21	0.43	3.05	0.47
Doubtful Assets	-	-	-	-
Loss Assets	-	-	-	-
<b>Total</b>	<b>3.21</b>	<b>0.43</b>	<b>3.05</b>	<b>0.47</b>

(c) **Amount of provisions made during the year towards :**

(₹ bn)

Particulars	2013-14	2012-13
Standard Assets	0.98	1.83
NPAs	8.94	6.48
Investments (other than those in the nature of advance)	1.01	0.25
Income Tax	3.10	3.46

(d) **Movement in net NPAs :**

(₹ bn)

Particulars	2013-14	2012-13
Net NPAs at the beginning of the year	3.05	1.56
Add : New NPAs during the year	3.21	3.05
Less : Recoveries / upgradations during the year	3.05	1.56
Net NPAs at the end of the year	3.21	3.05

**(e) Provisions for Non-Performing Assets (comprising loans, bonds and debentures in the nature of advance and inter-corporate deposits)(excluding provision for standard assets):**

(₹ bn)

Particulars	2013-14	2012-13
Opening balance as at the beginning of the year	12.10	6.40
Add : Provisions made during the year	8.94	6.48
Less: Write off / write back of excess provision *	8.29	0.78
Closing balance at the end of the year	12.75	12.10

(\* including amounts transferred to Reserve for Redemption of Security Receipts of Asset Reconstruction Companies (ARCs) on sale of NPAs to ARCs)

**(f) Provisioning Coverage Ratio (PCR):**

	2013-14	2012-13
Provision Coverage Ratio	81.34%	82.67%

**(g) Concentration of Deposits, Advances, Exposures and NPAs:**

**Concentration of Deposits:**

(₹ bn)

Particulars	2013-14	2012-13
Total Deposits of twenty largest depositors	0.68	2.88
Percentage of deposits of twenty largest depositors to total deposits of the bank	25.89%	47.28%

**Concentration of Advances:**

(₹ bn)

Particulars	2013-14	2012-13
Total advances to twenty largest borrowers	100.31	89.45
Percentage of advances to Twenty largest borrowers to Total Advances of the Bank	13.22	13.64

Advances computed as per definition of Credit Exposure including derivatives furnished in RBI Master circular on Exposure Norms DBOD.FID.FIC.No.4/01.02.00/2013-14 dated July 1, 2013.

**Concentration of Exposures:**

(₹ bn)

Particulars	2013-14	2012-13
Total Exposures to twenty largest borrowers/customers	145.94	138.12
Percentage of Exposures to twenty largest borrowers/customers to Total Exposure of the bank on borrowers/customers	10.77	11.54

Exposure computed based on credit and investment exposure as prescribed in RBI Master Circular on Exposure norms: DBOD.No.FID.FIC.4/01.02.00/2013-14 dated July 1, 2013.

Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI / assumed at the behest of GOI, not considered for single/group borrowers exposure.

**Concentration of NPAs:**

(₹ bn)

	2013-14	2012-13
Total Exposure to top four NPA accounts	6.91	4.91

**I. Sector-wise NPAs:**

Sr No	Sector	Percentage of NPAs to Total Advances in that sector	
		2013-14	2012-13
1.	Agriculture and allied activities	-	-
2.	Industry (Micro & small, Medium and Large)	2.10	2.31
3.	Services	-	-
4.	Personal Loans	-	-

**II. Movement of NPAs:**

(₹ bn)

Particulars	2013-14	2012-13
<b>Gross NPAs as on 1st April (opening balance) (A)</b>	<b>15.15</b>	<b>7.96</b>
Additions :		
(i) (Fresh NPAs) during the year	19.69	9.20
(ii) Interest funding	0.50	0.03
(iii) Exchange Fluctuation	0.44	0.10
<b>Sub-Total (B)</b>	<b>20.63</b>	<b>9.33</b>
Less:-		
(i) Up gradations	0.27	0.86
(ii) Recoveries (excluding recoveries made from upgraded accounts)	16.09	1.01
(iii) Write-offs	3.46	0.27
(iv) Exchange fluctuation	-	-
<b>Sub-total (C)</b>	<b>19.82</b>	<b>2.14</b>
<b>Gross NPAs as on 31st March (closing balance) (A+B-C)</b>	<b>15.96</b>	<b>15.15</b>

- Gross NPAs as per item 2 of Part A of Annex – 1 to DBOD circular DBOD.No.BP.BC.1 / 21.04.048/2013-14 dated July 01, 2013

**III. Overseas Assets, NPAs and Revenue:**

(₹ bn)

Particulars	2013-14	2012-13
Total Assets	76.95	40.15
Total NPAs	-	-
Total Revenue	4.38	1.69

The above figures pertain to Bank's London branch, which started operations in October 2010.

**IV. Off-balance sheet SPVs sponsored (which are required to be consolidated as per accounting norms):**

Name of the SPV sponsored	
Domestic	Overseas
-	-



**(h) Financial Assets sold during the year to Securitisation Company (SC)/Reconstruction Company (RC) for asset reconstruction :**

(₹ bn)

Sr.	Particulars	2013-14	2012-13
(i)	No. of Accounts	67	1
(ii)	Aggregate value (net of provisions) of accounts sold to SC/RC	9.36	0.65
(iii)	Aggregate consideration	16.58	0.65
(iv)	Consideration realised in respect of accounts transferred in earlier years	0.06	0.00
(v)	Aggregate gain over net book value	7.22	0.00

- The "Assets sold to Reconstruction Companies" have been reckoned as defined in RBI Master Circular DBOD No. FID.FIC.2/01.02.00/2006-07 dated July 01, 2006 and thereafter.

**(i) Non-performing Investments**

(₹ bn)

Particulars	2013-14	2012-13
Opening balance as at the beginning of the year	0.58	0.49
Additions during the year	0.15	0.09
Reductions during the year	0.21	-
Closing balance at the end of the year	0.52	0.58
Total provisions held	0.52	0.58

**(j) Provisions for depreciation in investments**

(₹ bn)

Particulars	2013-14	2012-13
Opening balance as at the beginning of the year	2.68	2.33
Add :		
(i) Provisions made during the year/(written back)	0.95	0.35
(ii) Appropriation, if any, from Investment Fluctuation Reserve Account during the year	-	-
Less :		
(i) Write off during the year	0.01	-
(ii) Transfer, if any, to Investment Fluctuation Reserve Account	-	-
Closing balance as at the end of the year	3.62	2.68

**(k) Particulars of accounts restructured during FY 2013-14:**

(₹ bn)

Category	Details	CDR Mechanism	SME Debt Mechanism	Others
Standard	No. of Borrowers	13	3	10
Advances	Amount Outstanding	13.92	0.14	7.29
restructured	Sacrifice (diminution in the fair value)	1.96	0.001	0.19
Sub-Standard	No. of Borrowers	-	-	-
Advances	Amount Outstanding	-	-	-
restructured	Sacrifice (diminution in the fair value)	-	-	-
Doubtful	No. of Borrowers	3	-	1
Advances	Amount Outstanding	1.65	-	0.15
restructured	Sacrifice (diminution in the fair value)	0.12	-	-
Total	No. of Borrowers	16	3	11
	Amount Outstanding	15.57	0.14	7.44
	Sacrifice (diminution in the fair value)	2.08	0.001	0.19

**Note:** Applications for restructuring of loans aggregating ₹ 3.96 bn in respect of 7 borrowers were under process as on March 31, 2014.

**Previous year (Particulars of accounts restructured during FY 2012-13):**

(₹ bn)

Category	Details	CDR Mechanism	SME Debt Mechanism	Others
Standard	No. of Borrowers	21	1	10
Advances	Amount Outstanding	20.32	0.03	6.48
restructured	Sacrifice (diminution in the fair value)	2.28	0.002	0.10
Sub-Standard	No. of Borrowers	-	-	-
Advances	Amount Outstanding	-	-	-
restructured	Sacrifice (diminution in the fair value)	-	-	-
Doubtful	No. of Borrowers	-	1	-
Advances	Amount Outstanding	-	0.05	-
restructured	Sacrifice (diminution in the fair value)	-	-	-
Total	No. of Borrowers	21	2	10
	Amount Outstanding	20.32	0.08	6.48
	Sacrifice (diminution in the fair value)	2.28	0.002	0.10

**Note:** Applications for restructuring of loans aggregating ₹ 4.55 bn in respect of 9 borrowers were under process as on March 31, 2013.

**(l) Credit Exposure:**

Particulars	Percentage to Capital Funds *	Percentage to Total Credit Exposure (TCE) @	Percentage to Total Assets
i) Largest single borrower	18.60	1.01	1.58
ii) Largest borrower group	29.63	1.62	2.51
iii) 10 largest single borrowers	115.10	6.28	9.77
iv) 10 largest borrower groups	189.22	10.32	16.05

\* Capital Funds as on March 31, 2013

@ TCE: Loans + Advances + Un-utilized Sanctions + Guarantees + Credit exposure on account of derivatives.

- 1) Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI / assumed at the behest of GOI, not considered for single/group borrowers exposure.
- 2) There was 1 borrower as on March 31, 2014 for whom exposure over 15% of capital funds was assumed with the approval of the Board/ Management Committee. Exposure to this borrower as on March 31, 2014 stood at 19% of the capital funds of the Bank.

**Previous Year:**

Particulars	Percentage to Capital Funds *	Percentage to Total Credit Exposure (TCE) @	Percentage to Total Assets
i) Largest single borrower	14.72	0.84	1.31
ii) Largest borrower group	36.38	2.06	3.25
iii) 10 largest single borrowers	118.89	6.75	10.61
iv) 10 largest borrower groups	190.25	10.80	16.98

\* Capital Funds as on March 31, 2012

@ TCE: Loans + Advances + Un-utilized Sanctions + Guarantees + Credit exposure on account of derivatives.

Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI / assumed at the behest of GOI, not considered for single/group borrowers exposure.

**(m) Credit exposure to the five largest industrial sectors:**

Sector	Percentage to Total Credit Exposure (TCE)	Percentage to Loan Assets
i) Ferrous Metal & Metal Processing	10.94	8.84
ii) EPC Services	9.25	7.48
iii) Textiles and Garments	7.57	6.12
iv) Oil and Gas	6.62	5.35
v) Drugs & Pharmaceuticals	6.24	5.05

**Previous Year:**

Sector	Percentage to Total Credit Exposure (TCE)	Percentage to Loan Assets
i) Ferrous Metal & Metal Processing	10.41	9.74
ii) EPC Services	9.41	8.80
iii) Textiles and Garments	8.06	7.54
iv) Drugs & Pharmaceuticals	6.28	5.88
v) Auto & auto components	5.55	5.19

- The "credit exposure" has been reckoned as defined by RBI.  
Exposure to banks and exposure under Lines of Credit/Buyer's Credit to overseas entities have been excluded.



**(n) Issuer categories in respect of Investments in Non- Government Securities**

(₹ bn)

Sr. No.	Issuer	Amount	Amount of			
			Investment made through private placement	"below investment grade" Securities held	"unrated" Securities held	"unlisted" Securities held
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	PSUs	0.04	-	-	0.04	0.04
2	FIs	2.59	2.35	-	0.24	2.59**
3	Banks	0.25	0.15	-	0.10	0.10
4	Private corporates	19.83	19.77	-	19.65	18.54*
5	Subsidiaries / Joint ventures	0.0032	-	-	0.0032	0.0032
6	Others	-	-	-	-	-
7	# Provision held towards depreciation	2.13	-	-	-	-
	<b>Total</b>	<b>22.71</b>	<b>22.27</b>	<b>-</b>	<b>20.03</b>	<b>21.27</b>

# Only aggregate amount of provision held to be disclosed in column 3

\* Out of which ₹ 17.82 bn represents investment in security receipts issued by Asset Reconstruction Companies (ARCs) and ₹ 0.52 bn of investments are in shares/ debentures acquired as part of loan restructuring.

\*\* Out of which ₹ 2.35 bn were by way of US\$ / INR Swap undertaken with RBI approval.

Amounts reported under columns 4, 5, 6 and 7 above are not mutually exclusive.

**Previous Year:**

(₹ bn)

Sr. No.	Issuer	Amount	Amount of			
			Investment made through private placement	"below investment grade" Securities held	"unrated" Securities held	"unlisted" Securities held
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	PSUs	0.04	-	-	0.04	0.04
2	FIs	2.75	2.51	-	0.24	2.75**
3	Banks	0.25	0.15	-	0.10	0.10
4	Private corporates	4.53	3.57	-	4.17	3.30*
5	Subsidiaries / Joint ventures	0.0032	-	-	0.0032	0.0032
6	Others	2.35	-	-	0.0025	0.0025
7	# Provision held towards depreciation	2.08	-	-	-	-
	<b>Total</b>	<b>9.92</b>	<b>6.23</b>	<b>-</b>	<b>4.56</b>	<b>6.20</b>

# Only aggregate amount of provision held to be disclosed in column 3

\* Out of which ₹ 2.14 bn represents investment in security receipts issued by Asset Reconstruction Companies (ARCs) and ₹ 0.79 bn of investments are in shares/ debentures acquired as part of loan restructuring.

\*\* Out of which ₹ 2.51 bn were by way of US\$ / INR Swap undertaken with RBI approval.

Amounts reported under columns 4, 5, 6 and 7 above are not mutually exclusive.

## 7. Liquidity

- (a) Maturity pattern of rupee assets and liabilities; and  
(b) Maturity pattern of foreign currency assets and liabilities.

(₹ bn)

Items	Less than or equal to 1 year	More than 1 year upto 3 years	More than 3 years upto 5 years	More than 5 years upto 7 years	More than 7 years	Total
Rupee assets	237.64	161.41	192.57	123.35	203.53	918.50
Foreign currency assets	183.18	156.94	188.31	118.22	220.26	866.91
<b>Total assets</b>	<b>420.82</b>	<b>318.35</b>	<b>380.88</b>	<b>241.57</b>	<b>423.79</b>	<b>1,785.41</b>
Rupee liabilities	224.58	151.76	109.70	54.63	246.09	786.76
Foreign currency liabilities	177.06	135.92	187.70	117.78	241.88	860.34
<b>Total Liabilities</b>	<b>401.64</b>	<b>287.68</b>	<b>297.40</b>	<b>172.41</b>	<b>487.97</b>	<b>1,647.10</b>

### Previous Year:

(₹ bn)

Items	Less than or equal to 1 year	More than 1 year upto 3 years	More than 3 years upto 5 years	More than 5 years upto 7 years	More than 7 years	Total
Rupee assets	240.67	144.26	127.33	121.42	131.20	764.88
Foreign currency assets	217.18	147.01	132.25	63.87	138.50	698.81
<b>Total assets</b>	<b>457.85</b>	<b>291.27</b>	<b>259.58</b>	<b>185.29</b>	<b>269.70</b>	<b>1,463.69</b>
Rupee liabilities	240.12	140.93	42.73	31.20	203.48	658.46
Foreign currency liabilities	215.79	146.80	117.16	53.47	161.15	694.37
<b>Total Liabilities</b>	<b>455.91</b>	<b>287.73</b>	<b>159.89</b>	<b>84.67</b>	<b>364.63</b>	<b>1,352.83</b>

- For the maturity pattern of assets and liabilities, the bucketing of various items of assets and liabilities in the specified time buckets have been done in accordance with the RBI Guidelines on Asset Liability Management System issued vide circular DBS.FID.No.C-11/01.02.00/1999-2000 dated December 31, 1999 and thereafter.

### (c) Repo Transactions:

(₹ bn)

Particulars	Minimum outstanding during the year	Maximum outstanding during the year	Daily Average outstanding during the year	Outstanding as on March 31, 2014
Securities sold under repos				
i) Government Securities	-	-	-	-
ii) Corporate Debt Securities	-	-	-	-
Securities purchased under reverse repos				
i) Government Securities	-	-	-	-
ii) Corporate Debt Securities	-	5.00	0.21	-

**Previous Year:**

(₹ bn)

Particulars	Minimum outstanding during the year	Maximum outstanding during the year	Daily Average outstanding during the year	Outstanding as on March 31, 2013
Securities sold under repos				
i) Government Securities	-	-	-	-
ii) Corporate Debt Securities	-	-	-	-
Securities purchased under reverse repos				
i) Government Securities	-	-	-	-
ii) Corporate Debt Securities	-	0.48	0.017	-

**8. Disclosure on risk in derivatives in terms of RBI Guidelines dated July 01, 2013****a) Qualitative Disclosure**

1. The Bank uses financial derivative transactions predominantly for raising cost-effective funds and hedging its balance sheet exposures, with the objective of reducing market risk. The Bank currently deals only in over-the-counter (OTC) interest rate and currency derivatives, of the type permitted by RBI.
2. Derivative transactions carry (i) market risk i.e. the probable loss that the Bank may incur as a result of adverse movements in interest rates / exchange rates and (ii) credit risk i.e. the probable loss the Bank may incur if the counter-parties fail to meet their obligations. The Bank has in place a Derivative Policy approved by the Board, which aims at synchronizing the risk management objectives at the transaction level with those of the overall ALM position. The policy defines the use of permitted derivative products consistent with business goals of the Bank, lays down the control and monitoring systems and deals with regulatory, documentation and accounting issues. The policy also prescribes suitable risk parameters to control and manage market risk on derivative trades undertaken in the treasury book. (stop-loss limits, open position limits, tenor limits, settlement and pre-settlement risk limits, PV01 limits).
3. The ALCO of the Bank oversees management of market risks with support from the Bank's Mid-Office, which measures, monitors and reports market risk associated with derivative transactions.
4. All derivative transactions outstanding in the Bank's books as on March 31, 2014 have been undertaken for hedging purposes and are in the ALM book. The income on such transactions has been accounted for on accrual basis.
5. Interest Rate Swaps (IRS) are not included in Outstanding Forward Exchange Contracts under Contingent Liabilities as per the Derivative Policy.



**b) Quantitative Disclosure:**

(₹ bn)

Sr. No.	Particulars	2013-14		2012-13	
		Currency Derivatives	Interest rate derivatives	Currency Derivatives	Interest rate derivatives
1	Derivatives (Notional Principal Amount)				
	a) For hedging	280.99	167.53	185.25	126.87
	b) For trading	-	-	-	-
2	Marked to Market Positions				
	a) Asset (+)	-	-	-	1.49
	b) Liability (-)	29.91	2.99	6.88	-
3	Credit Exposure	17.41	1.73	11.40	2.57
4	Likely impact of one percentage change in interest rate (100*PV01)				
	a) on hedging derivatives	12.33	6.85	6.92	6.07
	b) on trading derivatives	-	-	-	-
5	Maximum and Minimum of 100*PV01 observed during the year				
	a) on hedging				
	(i) Maximum	12.48	6.85	6.92	6.17
	(ii) Minimum	8.02	5.59	4.72	1.95
	b) on trading				
	(i) Maximum	-	-	-	-
	(ii) Minimum	-	-	-	-

**c) Disclosure on Interest Rate derivatives traded on exchanges:**

(₹ bn)

Sr. No.	Particulars	Amount
1.	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives undertaken during the year (instrument-wise)	-
2.	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding as on 31st March, 2014 (instrument-wise)	-
3.	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not "highly effective" (instrument-wise)	-
4.	Mark-to-market value of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not "highly effective" (instrument-wise)	-

**d) Disclosure on Forward Rate Agreements and Interest rate swaps:**

(₹ bn)

Sr. No.	Particulars	2013-14		2012-13	
		Hedging	Trading	Hedging	Trading
1.	The Notional Principal of swap agreements	167.53	-	126.87	-
2.	Losses, which would be incurred if counter parties failed to fulfill their obligations under the agreements	0.42	-	0.35	-
3.	Concentration of credit risk arising from Swaps	All transactions fall within approved credit exposure limits	-	All transactions fall within approved credit exposure limits	-
4.	The fair value of the swap book	(2.99)	-	1.49	-

Nature and Terms of Swaps: All transactions have underlying assets / liabilities and have been undertaken for the purpose of hedging the Bank's ALM position.

**9. Operating results :**

Sr. no.	Particulars	2013-14	2012-13
(i)	Interest income as a percentage to average working funds	8.32	7.94
(ii)	Non-interest income as a percentage to average working funds	0.52	0.53
(iii)	Operating profit as a percentage to average working funds	2.93	2.41
(iv)	Return on average assets	0.86	1.05
(v)	Net Profit per (permanent) employee (in ₹ bn)	0.024	0.027

- For operating results, the working funds and total assets have been taken as the average of the figures as at the end of the previous accounting year, the end of the succeeding half year and the end of the accounting year under report. (The "working funds" refer to the total assets).
- All permanent, full-time employees in all cadres have been reckoned for computing per employee net profit.

**10. Details of Fixed Assets :**

Details of Fixed Assets are given below as prescribed in AS -10 Accounting for Fixed Assets issued by the ICAI.

(₹ bn)

Particulars	Premises	Others	Total
<b>Gross Block</b>			
Cost as on 31st March 2013	1.36	0.74	2.10
Additions	0.01	0.08	0.09
Disposals	0.01	0.01	0.02
Cost as on 31st March 2014 (A)	1.36	0.81	2.17
<b>Depreciation</b>			
Accumulated as on 31st March 2013	0.65	0.58	1.23
Provided during the year	0.06	0.09	0.15
Eliminated on disposals	0.01	0.01	0.02
Accumulated as on 31st March 2014 (B)	0.70	0.66	1.36
<b>Net Block (A-B)</b>	<b>0.66</b>	<b>0.15</b>	<b>0.81</b>

**Previous Year:**

(₹ bn)

Particulars	Premises	Others	Total
<b>Gross Block</b>			
Cost as on 31st March 2012	1.36	0.64	2.00
Additions	0.01	0.11	0.12
Disposals	0.01	0.01	0.02
Cost as on 31st March 2013 (A)	1.36	0.74	2.10
<b>Depreciation</b>			
Accumulated as on 31st March 2012	0.60	0.49	1.09
Provided during the year	0.05	0.10	0.15
Eliminated on disposals	0.00	0.01	0.01
Accumulated as on 31st March 2013 (B)	0.65	0.58	1.23
<b>Net Block (A-B)</b>	<b>0.71</b>	<b>0.16</b>	<b>0.87</b>

**11. Accounting for Government grants**

GOI has agreed to pay interest equalisation amount to the Bank towards specific Lines of Credit extended by the Bank to foreign Governments, overseas banks/ institutions and the same is accounted on accrual basis.

**12. Segment Reporting**

The Bank's operations predominantly comprise of only one segment i.e. financial activities, hence there are no separate reportable segments under AS-17 Segment Reporting issued by the ICAI.

**13. Related party disclosures**

As per AS-18 Related Party Disclosure issued by the ICAI, the Bank's related parties are disclosed below:

- Relationship
  - (i) Joint Ventures :
    - Global Procurement Consultants Limited
  - (ii) Key Management Personnel :
    - Shri T. C. A. Ranganathan (Chairman of GPCL) (upto November 30, 2013)
    - Shri Yaduvendra Mathur (Chairman of GPCL) (from March 5, 2014)
- The Banks' related party balances and transactions are summarised as follows :

(₹ mn)

Particulars	Joint Venture 2013-14	Joint Venture 2012-13
Loans granted	-	-
Guarantees issued	2.42	2.64
Interest received	-	-
Guarantee commission received	0.01	0.02
Receipts towards services rendered	0.01	0.01
Term Deposit Accepted	6.58	6.06
Interest on Term Deposits	0.58	0.56
Amounts written-off/written-back	-	-

Loans outstanding at year-end : NIL (previous year Nil).

Guarantees outstanding at year-end: ₹ 2.42 mn (previous year ₹ 2.64 mn)

Investments outstanding at year end: ₹ 3.23 mn (previous year ₹ 3.23 mn)

Maximum Loan outstanding during the year : Nil (previous year Nil)

Maximum Guarantees outstanding during the year : ₹ 5.17 mn (previous year ₹ 8.48 mn)

- RBI circular DBOD No. BPBC.89/21.04.018/2002-03 dated March 29, 2003, issued to Commercial Banks, excludes disclosure of transactions where there is only one related party in any category (i.e. Key Management Personnel).





#### 14. Accounting for Taxes on Income

(a) <u>Details of Provision for Tax for current year :</u>	(₹ bn)
(i) Tax on Income	6.48
(ii) Less : Net deferred tax Asset	3.38
	<u>3.10</u>

(b) Deferred Tax Asset :

The composition of deferred tax assets and liabilities into major items is given below:

(₹ bn)

**Particulars**

Deferred Tax Assets

1. Provision Disallowed (Net)	9.59
2. Depreciation on Fixed Assets	0.03
	<u>9.62</u>

Less : Deferred Tax Liability

1. Amortization of Bond issue expenses	0.41
2. Special Reserve created under section 36 (1) (viii)	3.05
	<u>3.46</u>

Net Deferred Tax Assets [included in 'Other Assets' in the 'Assets' side of the Balance Sheet]

6.16

#### 15. Financial Reporting of Interest in Joint Ventures

I	Jointly Controlled Entities	Country	Percentage of holding	
			Current Year	Previous Year
A	Global Procurement Consultants Limited	India	28%	28%

- II. Aggregate amount of assets, liabilities, income and expenses related to the interest in the jointly controlled entities is as under:

(₹ mn)

Liabilities	2013-14	2012-13	Assets	2013-14	2012-13
Capital & Reserves	18.19	15.28	Fixed Assets	0.10	0.16
Loans	0.00	0.00	Investments	6.31	7.62
Other Liabilities	5.92	2.17	Other Assets	17.70	9.67
<b>Total</b>	<b>24.11</b>	<b>17.45</b>	<b>Total</b>	<b>24.11</b>	<b>17.45</b>

Contingent Liabilities: NIL (Previous year NIL)

(₹ mn)

Expenses	2013-14	2012-13	Income	2013-14	2012-13
Other Expenses	10.72	8.37	Consultancy Income	13.99	10.03
Provisions	1.43	0.90	Interest income & Income from investment	0.74	0.92
			Other Income	0.32	(0.02)
<b>Total</b>	<b>12.15</b>	<b>9.27</b>	<b>Total</b>	<b>15.05</b>	<b>10.93</b>

Note : Figures for GPCL for FY 2013-14 are unaudited and provisional.

#### 16. Impairment of Assets

A substantial portion of the Bank's assets comprise of 'financial assets' to which Accounting Standard 28 "Impairment of Assets" is not applicable. In the opinion of the Bank, there is no impairment of its assets (to which the standard applies) as at March 31, 2014 requiring recognition in terms of the said standard.

## 17. Employee benefits

The Bank has adopted Accounting Standard 15( R ) – Employee Benefits, issued by The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) w.e.f. April 01, 2007. The Bank recognizes in its books the liability arising out of Employee Benefits as present value of obligations as reduced by the fair value of plan assets on the Balance Sheet date.

### A) Amount to be recognized in the Balance Sheet

(₹ bn)

Particulars	Pension Fund	Gratuity
Fair value of Plan Assets at the end of the period	0.462	0.062
Present value of Benefit Obligation at the end of the period	0.486	0.067
Funded Status	(0.024)	(0.005)
Unrecognized past service cost at the end of the period	-	-
Unrecognized transitional liability at the end of the period	-	-
Net Liability recognized in the Balance Sheet	0.024	0.005

### B) Expense to be recognized in the Profit and Loss Account

(₹ bn)

Particulars	Pension Fund	Gratuity
Current Service Cost	0.020	0.006
Interest Cost	0.037	0.005
Expected Return on Plan Assets	(0.028)	(0.004)
Actuarial Losses / (Gains)	0.002	(0.003)
Past Service Cost - Non-vested Benefit	-	-
Past Service Cost – vested benefit	-	-
Transitional liability	-	-
Expense recognized in P&L	0.031	0.004
Contributions by Employer	(0.127)	(0.008)

### C) Summary of Actuarial Assumptions

Particulars	Pension Fund	Gratuity
Discount Rate (p.a.)	9.20%	9.31%
Expected Rate of Return on Assets (p.a.)	9.20%	9.31%
Salary Escalation Rate (p.a.)	7.00%	7.00%

In addition to the above, for the year 2013-14 the amount of Defined Benefit Obligation of Leave Encashment works out to ₹ 0.05 bn, which has been fully provided for.

During the year, an amount of ₹ 0.0004 bn has been contributed towards Provident Fund for meeting the interest payable to the employees.

18. Previous year's figures have been regrouped, wherever necessary. In cases where disclosures have been made for the first time in terms of RBI guidelines, previous year's figures have not been mentioned.

**David Rasquinha**  
Executive Director

#### For and on behalf of the Board

**Yaduvendra Mathur**  
Chairman & Managing Director

**Dr. Gurdial Singh Sandhu**  
**Shri N. Shankar**  
**Shri M.S. Raghavan**

**Shri Amitabh Kant**  
**Shri S. S. Mundra**  
**Smt. Arundhati Bhattacharya**

**Shri G. Padmanabhan**  
**Smt. V. R. Iyer**  
**Dr. Biswajit Dhar**

Directors

As per our attached report of even date

**For MZSK & Associates**

Chartered Accountants  
Firm Regn. No. 105047W

**(Abuali Darukhanawala)**

Partner  
M. No. 108053

**Mumbai**  
**Dated : April 29, 2014**



# टीम - ओवरसीज़ Team - Overseas



**लंदन LONDON**  
eximlondon@eximbankindia.in



**वाशिंगटन डी. सी. WASHINGTON D.C.**  
eximwashington@eximbankindia.in



**डकार DAKAR**  
eximdakar@eximbankindia.in



**अदिस अबाबा ADDIS ABABA**  
aaro@eximbankindia.in



**दुबई DUBAI**  
eximdubai@eximbankindia.in



**यंगोन YANGON**  
eximyangon@eximbankindia.in



**सिंगापुर SINGAPORE**  
eximsingapore@eximbankindia.in



**जोहान्सबर्ग JOHANNESBURG**  
eximjro@eximbankindia.in



# टीम - इंडिया Team - India





केन्द्र - 1 भवन, 21वीं मंजिल, विश्व व्यापार केन्द्र संकुल, कफ परेड, मुम्बई 400 005

फोन: +91-22-22172600 • फैक्स: +91-22-22182572 ई-मेल: [ccg@eximbankindia.in](mailto:ccg@eximbankindia.in) • [www.eximbankindia.in](http://www.eximbankindia.in)

Centre One Building, Floor 21, World Trade Centre Complex, Cuffe Parade, Mumbai 400005

Tel: +91-22-22172600 • Fax: +91-22-22182572 • Email: [ccg@eximbankindia.in](mailto:ccg@eximbankindia.in) • [www.eximbankindia.in](http://www.eximbankindia.in)